सूर्योदय : 6:25
सूर्यास्त : 5:15
अधिकतम तापमान : 30.0
न्यूनतम : 16.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्याः
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-146 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, रविवार, 17 नवम्बर 2024
14 जमादियुल-अव्वल 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

फेक न्यूज लोकतंत्र के लिए खतरा : वैष्णव

- डिजिटल मीडिया को जवाबदेह बनाना होगा

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पारंपरिक मीडिया आर्थिक रूप से नुकसान उठा रहा है, क्योंकि न्यूज पारंपरिक माध्यमों से डिजिटल माध्यमों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का उचित समाधान किया जाना जरूरी है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर केंद्रीय मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से दिए संबोधन में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में मीडिया के योगदान और आपातकाल के 'काले दिनों' के दौरान लोकतंत्र को बनाए रखने में मीडिया के योगदान को स्वीकार किया।

मीडिया के सामने चार प्रमुख चुनौतियों का जिक्र करते हुए वैष्णव ने कहा, हालांकि पत्रकारों की एक टीम बनाने, उन्हें प्रशिक्षित करने, समाचार की सत्यता की जांच करने के लिए संपादकीय प्रक्रिया व तरीके अपनाने और सामग्री की जिम्मेदारी लेने के पीछे जो निवेश होता है, वह समय और धन दोनों के लिहाज से बहुत बड़ा है। लेकिन वे अप्रासंगिक होते जा रहे हैं, क्योंकि पारंपरिक मीडिया के मुकाबले सौदेबाजी की शक्ति के मामले में इन प्लेटफार्मों की बढ़त बहुत असमान है।

झांसी अग्निकांड घटना पर योगी सरकार सख्त

जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी गठित, सात दिन में सौंपे रिपोर्ट

- बीती रात दस बच्चों की हो गई थी मौत
- दोषी के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : पाठक

झांसी। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज झांसी में आग लगने के मामले में शासन ने कमेटी गठित कर दी है। कमेटी को सात दिन में रिपोर्ट देनी है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल कॉलेज में आग लगने के बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा तत्काल मौके पर पहुंचे। पूरे मामले की तस्दीक की। दोपहर बाद चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक किंजल सिंह की अध्यक्षता में चार सदस्यी कमेटी का गठन कर दी गई है। इस कमेटी में स्वास्थ्य विभाग के निदेशक (स्वास्थ्य),अपर निदेशक विद्युत एवं अग्निशमन महानिदेशक की ओर से नामित अधिकारी को शामिल किया गया है। कमेटी को सात दिन में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। यह कमेटी आग लगने के कारणों, किसी भी प्रकार की लापरवाही हुई है तो दोष की पहचान करेगी। साथ ही भविष्य में इस तरह की घटना न होइसके लिए बचाव की सिफारिशें भी करेगी। ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री ने कहा पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं। भर्ती बच्चों के उपचार के पुख्ता इंतजाम किएगए हैं। पूरे मामले की जांच के लिए कमेटी गठित कर दी गई है। कमेटी की रिपोर्ट कर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में से एक है। इस अस्पताल के नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में शुक्रवार रात में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग में जलकर 10 बच्चों की मौत हो गई। घटना में अन्य 16 बच्चे घायल होकर जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

पूर्व सरकारों ने वोट बैंक की राजनीति की : मोदी

- भारत में लोगों ने तीसरी बार हमारी सरकार चुनी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पहले सरकारें वोट बैंक की राजनीति के अनुरूप नीतियां बनाती थीं जबकि मौजूदा सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि सरकार में लोगों का विश्वास बहाल हो। प्रधानमंत्री ने 'एचटी लीडरशिप समिट' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ''जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए'' प्रगति के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है।

उन्होंने कहा, ''कई देशों में हर चुनाव के बाद सरकारें बदल जाती हैं, भारत में लोगों ने तीसरी बार हमारी सरकार चुनी है। पहले सरकारें चुनाव जीतने के लिए चलायी जाती थीं और नीतियां वोट बैंक की राजनीति के अनुरूप बनाई जाती थीं लेकिन हमने सुनिश्चित किया कि सरकार में लोगों का विश्वास बहाल हो। उन्होंने कहा, ''भारतीय समाज अब अभूतपूर्व आकांक्षाओं से भरा है और हमने इन आकांक्षाओं को अपनी नीतियों का आधार बनाया है। हमारी सरकार जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए प्रगति के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। पिछले 10 वर्ष में देश में हुए परिवर्तनों ने नागरिकों के बीच जोखिम लेने की संस्कृति को फिर से जागृत किया है।

कानपुर में सीएम योगी का रोड शो, उमड़ा जनसैलाब, छतों से बरसे फूल

समाज बांटने वालों से सावधान रहिए: योगी

- मुख्यमंत्री योगी ने एक बार फिर 'बटेंगे तो कटेंगे' का नारा दिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। जहां उन्होंने भाजपा प्रत्याशी सुरेश अवस्थी के समर्थन में रोड शो किया। इस मौके पर जमकर नारे लगे। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर आईटीआई ग्राउंड में बनाए गए हेलीपैड पर उतरा। जहां से वह रोड शो के लिए रवाना हुए। हेलीपैड पर भाजपा के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

उत्तर प्रदेश में हो रहे 9 विधानसभा चुनाव में कानपुर की सीसामऊ विधानसभा भी शामिल है। यहां से पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी को एमपी एमएलए कोर्ट से सजा मिलने के बाद उनकी विधायकी चली गई थी। अब नए सिरे से चुनाव हो रहा है। उत्तर प्रदेश के कानपुर के सीसामऊ विधानसभा के लिए उपचुनाव हो रहे हैं। जिसमें बीजेपी से रमेश अवस्थी चुनाव लड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज रोड शो करने के लिए पहुंचे। रोड शो के दौरान अपने संक्षिप्त संशोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर 'बटेंगे तो कटेंगे' का नारा दिया। समाज बांटने वालों से सावधान भी रहिए। 20 नवंबर को इस बात का ध्यान रखना है। इस मौके पर जनता ने उत्साह में योगी मोदी कमल का फूल का नारा लगाना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जय श्री राम के साथ अपना संबोधन समाप्त किया।

इस मौके पर भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ पार्टी प्रत्याशी सुरेश अवस्थी सांसद रमेश अवस्थी, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना पार्टी के पदाधिकारी आदमी मौजूद थे।

मणिपुर के 7 जिलों में इंटरनेट बंद, दो जिलों में कर्फ्यू

अपहरण और हत्या के विरोध को लेकर तोड़फोड़ आगज़नी व बवाल

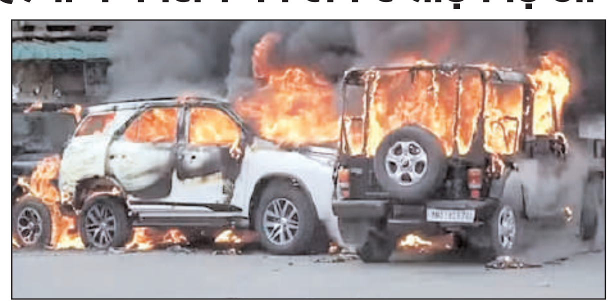

इंफाल। हिंसा प्रभावित मणिपुर के इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व में कर्फ्यू लगा दिया गया और सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई, क्योंकि घाटी के जिलों में छह लोगों की हत्या के खिलाफ ताजा विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जिनके शव कथित तौर पर उग्रवादियों द्वारा अपहरण किए जाने के बाद जिरीबाम में मिले थे।

पूर्वोत्तर राज्य में मौजूदा स्थिति को देखते हुए इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचंदपुर जिलों में दो दिनों के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया। इंफाल घाटी के कुछ जिलों में बड़े पैमाने पर हिंसा की खबरें आई, क्योंकि भीड़ ने कई विधायकों के घरों पर धावा बोल दिया और संपत्ति को नष्ट कर दिया। लोगों के एक समूह ने सपाम निशिकांत सिंह के घर पर हमला किया और गेट और गेट के सामने बने बंकरों को नष्ट कर दिया। इसी भीड़ ने इंफाल पश्चिम जिले के सागोलबंद में विधायक आरके इमो के घर पर धावा बोला और फर्नीचर जला दिया और खिड़कियां तोड़ दीं। इम्फाल के ख्वाइरामबंद कीथेल में छह लोगों - तीन महिलाओं और तीन बच्चों - के अपहरण और हत्या को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए। दूसरी ओर मणिपुर की स्थिति को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि राज्य में सभी सुरक्षा बलों को शांति बहाल करने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं. बयान में यह भी कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों से सुरक्षा परिदृश्य नाजुक बना हुआ है। संघर्ष में दोनों समुदायों के सशस्त्र उपद्रवी हिंसा में लिप्त रहे हैं, जिससे लोगों की जान चली गई और लोक व्यवस्था में बाधा उत्पन्न हुई।

आदिवासियों की घटती आबादी के लिए सोरेन 'जिम्मेदार': अमित शाह

दुमका। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि वह ''कांग्रेस के साथ मिलकर गुपचुप तरीके से मुसलमानों को आरक्षण देने की साजिश रच रहे हैं'' और आगाह किया कि भारतीय जनता पार्टी ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम कर देगी। शाह ने आदिवासियों की घटती आबादी के लिए सोरेन को ''जिम्मेदार'' भी ठहराया। झारखंड के दुमका जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ''हेमंत सोरेन कांग्रेस के साथ मिलकर गुपचुप तरीके से मुसलमानों को आरक्षण देने की साजिश रच रही है। मैं बता देना चाहता हूं कि भाजपा हेमंत सोरेन और राहुल गांधी की ऐसी किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड सरकार वोट बैंक के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है।

महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी का हो रहा अपमान : प्रियंका

शिरडी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अपने भाई राहुल गांधी के खिलाफ यह झूठ फैलाने का आरोप लगाया कि वह आरक्षण के खिलाफ हैं। प्रियंका ने कहा कि दोनों नेता राहुल से डरे हुए हैं, क्योंकि वह (राहुल गांधी) देश में जातिगत जनगणना करवाना चाहते हैं। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि राज्य से 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं छीन ली गईं। हम सबको महाराष्ट्र पर गर्व है। लेकिन इसी धरती पर छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान हो रहा है आप लोगों का अपमान हो रहा है। मोदी जी समेत ये सभी नेता उनका (शिवाजी महाराज) नाम तो लेते हैं, लेकिन उनका सम्मान नहीं करते। प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की आधारशिला रखी।

चुनाव आयोग ने भाजपा और कांग्रेस से मांगा जवाब

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी के स्टार प्रचारकों द्वारा झारखंड तथा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कथित आपत्तिजनक बयानों पर एक-दूसरे की ओर से प्राप्त शिकायतों पर दोनों पार्टियों के अध्यक्षों से जवाब मांगे हैं। आयोग ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को शनिवार को लिखे अलग-अलग पत्रों में इन शिकायतों पर अपना पक्ष सोमवार अपराह्न 1 तक प्रस्तुत करने को कहा है। आयोग ने दोनों ही दलों के प्रमुखों को चुनाव आचार संहिता के बारे में पहले से जारी परामर्श और निर्दोषों का उल्लेख किया है जिनमें उनके स्टार प्रचारक कौन से प्रचार के दौरान ऐसी कोई टिप्पणी न करने या बयान देने से मना किया गया है जो आदर्श चुनाव संहिता के विरुद्ध ना हों। भाजपा अध्यक्ष श्री नड्डा को लिखे पत्र में आयोग के वरिष्ठ प्रधान सचिन नरेंद्र एन बुटोलिया ने उन्हें कांग्रेस के नेता जयराम रमेश द्वारा 13 नवंबर के उसे शिकायती पत्र को भी संलग्न किया है।

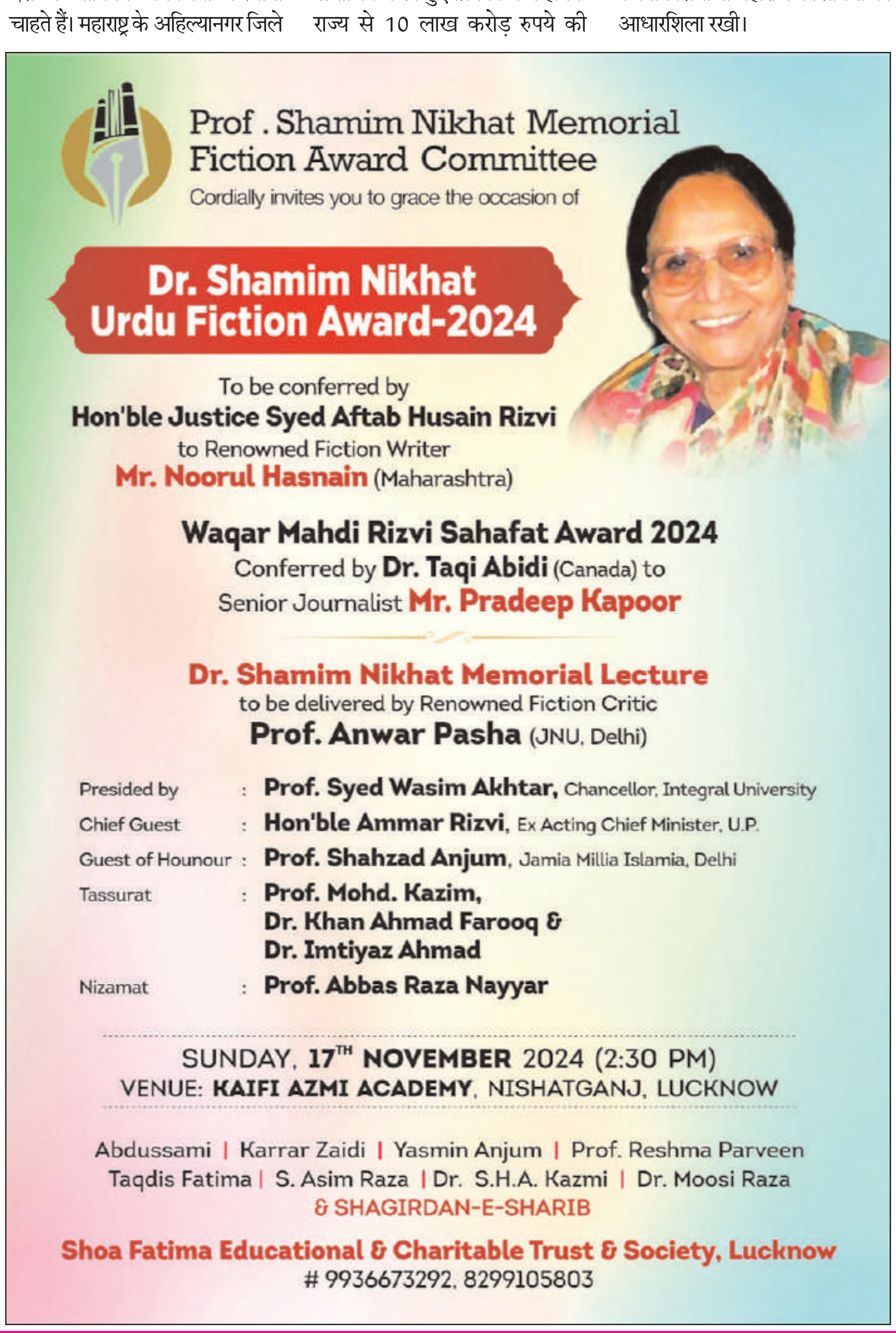

अपराध से अर्जित की गयी संपत्ति की जब्तीकरण की कार्यवाही हेतु जिला मजिस्ट्रेट रिपोर्ट प्रेषित

लखीमपुर-खीरी। थाना सिंगाही पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत अपराध से अर्जित की गयी संपत्ति की जब्तीकरण की कार्यवाही हेतु जिला मजिस्ट्रेट रिपोर्ट प्रेषित की गयी थी जिलाधिकारी खीरी के आदेश के अनुपालन में आज दिनांक 16.11.2024 को थाना सिंगाही पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त अनिल दिवाकर पुत्र मैलू निवासी वार्ड नं0 02 कस्बा व थाना सिंगाही जनपद खीरी द्वारा अपराध से अर्जित मोटरसाइकिल यू0पी0 31 बी0एल0 9886 स्प्लेंडर प्लस कीमत लगभग 75000.00 रुपये व अभियुक्त रामनरेश पुत्र प्रेम कश्यप निवासी ग्राम परसादीपुरवा मजरा भेडौरा थाना सिंगाही जनपद खीरी द्वारा अपराध से अर्जित मोटरसाइकिल यू0पी0 31 बी0आर0 8591 बजाज पल्सर कीमत लगभग 90000.00 रुपये को कुर्क किया गया।

भूमि की पैमाइश के मामले में स्थानीय स्तर पर तहसील के किसी कर्मचारी की जिम्मेदारी तय नहीं हो पाई

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। बंजरिया गांव में पैमाइश के जिस मामले में एक आईएएस व तीन पीसीएस अफसर निलंबित कर दिए गए। इतना ही नहीं खीरी के वर्तमान व और पूर्व डीएम से शासन ने जवाब तलब कर लिया, उसमें मात्र दो बीघा जमीन का विवाद है, जिसमें पीड़ित विश्वेश्वर दयाल का कहना है कि उसकी वो जमीन गांव के ही दो विपक्षी जोते हैं शुक्रवार को बंजरिया गांव में अपने खेत पर मौजूद विश्वेश्वर दयाल ने बताया कि मामले में शासन से की गई कार्रवाई से उनके संतुष्ट होने या न होने से क्या होता है, क्योंकि न तो उनका काम अब तक हुआ और न ही उनके रुपये वापस कराए गए हैं। विश्वेश्वर दयाल ने बताया कुल 11 बीघा उनका खेत है, जिसमें से गांव के ही दो विपक्षी दो बीघा जमीन जोते हैं। उस पर गन्ना बो रखा है। लखनऊ स्तर से मामले में कार्रवाई के बाद स्थानीय प्रशासन ने इतना जरूर किया है कि उनके खेत के पास से एक तरफ चकमार्ग को खुलवा दिया है।

लखीमपुर खीरी। बंजरिया गांव निवासी विश्वेश्वर दयाल की भूमि की पैमाइश के मामले में भले ही शासन ने चार बड़े अफसरों पर कार्रवाई कर दी है, पर अभी यहां स्थानीय स्तर पर तहसील के किसी कर्मचारी की जिम्मेदारी तय नहीं हो पाई है। यह हाल तब है, जब इस मामले में एक कानूनगो पर पांच हजार रुपये घूस लेने का आरोप पीड़ित ने लगाया था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। पीड़ित विश्वेश्वर दयाल की भूमि पैमाइश का मामला बीती 23 अक्तूबर को तब प्रकाश में आया था, जब इस मामले में सदर विधायक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में सदर विधायक ने खुद ये बात एसडीएम सदर अश्वनी सिंह से कही थी कि जो पांच हजार रुपये कानूनगो ने जमीन की पैमाइश के नाम पर विश्वेश्वर दयाल से लिए हैं, वह वापस कराए जाएं 23 अक्तूबर के इसी घटनाक्रम के बाद मामला शासन तक पहुंचा और जांच शुरू हुई। जांच के करीब 20 दिन बाद ही शासन ने लखनऊ मंडल के अपर आयुक्त न्यायिक द्वितीय घनश्याम सिंह व पूर्व में खीरी में तैनात रहे एडीएम अरुण सिंह, एसडीएम विधेश और रेनू को निलंबित कर दिया। ये सभी वे अधिकारी हैं, जिनके यहां वर्ष 2019 से विश्वेश्वर की भूमि पैमाइश के मामले की फाइलें पहुंचती रहीं मामले में कई स्तर पर हुई लापरवाही सामने आने के बाद इन अफसरों पर हुई कार्रवाई तो समझ आ रही है, पर एक सवाल ये भी है कि मौके की जांच कर विभिन्न रिपोर्ट इन अधिकारियों को देने वाले कर्मचारियों की कोई जवाबदेही अब तक क्यों तय नहीं की गई। सबसे अहम तो राजस्व निरीक्षक पर कोई कार्रवाई न होना सवाल खड़े करता है, जिस पर पांच हजार रुपये घूस लेने का आरोप है।

जिले में उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता : एआर कॉपरेटिव

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले में किसानों की समस्याओं का ध्यान रखते हुए उर्वरक की उपलब्धता बनाये रखने हेतु जनपद के 131 सहकारी समितियों (बी-पैक्स) के माध्यम से सकिय किसानों / सदस्यों को रबी एवं खरीफ अभियान के दौरान ऋण वितरण एवं बीज, खाद, नैनो यूरिया आदि का वितरण किया जाता है। यह जानकारी एआर कॉपरेटिव रजनीश प्रताप सिंह ने दी रबी अभियान की बुआई का पीक सीजन चल रहा है। जिसे किसानों द्वारा फॉस्फेटिक उर्वरक की लगातार मॉग की जा रही है। बी-पैक्स समितियों का उर्वरक वितरण में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इसका संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्यवाही करते हुए सीतापुर उर्वरक रैक प्वाइंट से 06 नवंबर को सामान्य कृभको फास्फेटिक उर्वरक 614 मै0टन एनपीके 12:32:16 जनपद लखीमपुर को प्राप्त हुई थी। समितियों एवं कृषकों की मॉग को दृष्गित रखते हुए 24 बी-पैक्स समितियों यथा बड़ागॉव, कंचनपुर, भदूरीगोपालपुर, पैला, दाउदपुर, रमुआपुर, भीरा, ग्रन्ट नं0-10, कुकराटाउन, अलीगंज, बस्तौली, गोकन, मूड़ागालिब, कलुआमोती, सुतेहरा, चुरईपुरवा, खैरीगढ़, नौरंगाबाद, भेड़ौरी, जसनगर, सिंगाही खुर्द, धौरहरा, बम्भौरी एवं सुजानपुर को प्रेषित की जा चुकी है तथा अवशेष फास्फेटिक उर्वरक अन्य समितियों को मॉग के आधार पर प्रेषण किया जा रहा है। इसके पूर्व प्रोपोजिशनिंग फास्फेटिक उर्वरक एन0पी0के0 12:32:16 बी - पैक्स समितियों ग्रन्ट नं0-18, अवगांवा, पसगंवा, सुतेहरा, बनिकागॉव, भानपुर, भूलनपुर, गौरिया, जलालपुर, जड़ौरा एवं सिकन्द्राबाद को फास्फेटिक उर्वरक का आवंटन कर प्रेषण कर दिया गया है।

सभी समितियों पर नैनो यूरिया, नैनो डीएपी भी उपलब्ध

11 गन्ना सहकारी समितियों पर उर्वरक वितरण की सुविधा

जिले की लगभग सभी समितियों पर नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी भी उपलब्ध है। जिसका उपयोग किसान अपनी फसल में सुविधानुसार कर सकते हैं। समितियों पर उर्वरक प्रातः 10 बजे से लेकर सायं 05 बजे तक नियमानुसार वितरण किया जाता है। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर विभाग द्वारा कार्यवाही भी की जा रही है। साथ ही यह भी अवगत कराना है कि जनपद में 11 गन्ना सहकारी समितियों विकास खण्ड लखीमपुर में सहकारी गन्ना समिति लि0, लखीमपुर, सहकारी गन्ना समिति लि0, अरनीखाना, सहकारी गन्ना समिति लि0, फरधान विकास खण्ड गोला में सहकारी गन्ना समिति लि0, गोला विकास खण्ड बिजुआ में सहकारी गन्ना समिति लि0, भीरा, विकास खण्ड मोहम्मदी में सहकारी गन्ना समिति लि0, मोहम्मदी, सहकारी गन्ना समिति लि0, जंगबहादुरगंज विकास खण्ड मितौली में सहकारी गन्ना समिति लि0, मैगलगंज विकास खण्ड पलिया में सहकारी गन्ना समिति लि0, पलिया, सहकारी गन्ना समिति लि0, सम्पूर्णानगर एवं विकास खण्ड धौरहरा सहकारी गन्ना समिति लि0, ऐरा के माध्यम से भी उर्वरक वितरण किया जाता है।

फास्फेटिक उर्वरक से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु कंट्रोल रूम पर करें संपर्क

एआर कॉपरेटिव रजनीश प्रताप सिंह ने बताया कि जिला स्तर पर फास्फेटिक उर्वरक से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापित है। जिसके प्रभारी प्रतीक कुमार शुक्ला जिनका मोबाइल नं0-7007918909 पर सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं। साथ ही यह भी अवगत कराया कि जनपद में किसानों को उर्वरक की समस्या का सामना न करना पड़े इसके लिये निरन्तर उर्वरक उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

समितियां को भेजी 1135 Mt डीएपी

एआर कॉपरेटिव रजनीश प्रताप सिंह ने बताया कि गत दिवस सीतापुर में रैक आई है, जिसमें 1135 एमटी डीएपी जनपद लखीमपुर खीरी को मिली है, जिसे 59 बी-पैक्स एवं अन्य सहकारी समितियां को आवंटन के अनुसार प्रेषित किया जा रहा है, जिससे ब्लॉक और तहसील में पर्याप्त उर्वरक की उपलब्धता बनी रहेगी।

तहसील पर एडीसीओ, ब्लॉक पर एडीओ नोडल नामित, मोबाइल नंबर जारी

एआर कॉपरेटिव ने बताया कि जनपद में किसानों की समस्या के निराकरण के लिये ब्लाक स्तर पर सहायक विकास अधिकारी (सह0) एवं तहसील स्तर पर अपर जिला सहकारी से वार्ता कर सम्पर्क कर सकते हैं। जिनका मोबाइल नं0 बी-पैक्स के सूचना पट पर अंकित है। तहसील लखीमपुर में अपर जिला सहकारी अधिकारी के मोबाइल नंबर 9450030435, मोहम्मदी में 9415658492, मितौली में 6388086443, धौरहरा में 8545036994, गोला में 9453227704 और निघासन / पलिया के लिए मोबाइल नंबर 9453628181 पर संपर्क कर अपनी समस्या का निदान कर सकते हैं। वही ब्लॉक स्तर पर बेहजम के लिए एडीओ कोऑपरेटिव के मोबाइल नंबर 7905528359, गोला में मो नं. 9455845410, मोहम्मदी 8687948286, लखीमपुर 8707543987 धौरहरा 9582696761, पलिया 8630233596, ईसानगर 9140117164, नकहा 9415977022, बिजुआ 6396280711, मितौली 7905528359, बॉकेगंज 9455845410, पसगवॉ 8687948286, रमियाबेहड़ 9582696761, निघासन 9453628181, फूलबेहड़ 9453227704 पर संपर्क कर अपनी समस्या का निदान करा सकते हैं।

खड़ी ट्रॉली से बाइक टकराने से दो युवकों की मौत

लखीमपुर खीरी। शनिवार तड़के घने कोहरे के कारण सड़क हादसा हो गया। सड़क पर खड़ी ट्रॉली से बाइक टकराने से निघासन के गांव परमोधापुर निवासी दो युवकों की मौत हो गई। वह सिंगाही से मेला देखकर घर वापस जा रहे थे। हादसा कसावल के पास हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाए परमोधापुर निवासी निवासी जवाहर यादव (18) व अरुण कश्यप (20) अपनी बाइक से सिंगाही का मेला देखकर शनिवार सुबह करीब चार बजे अपने घर वापस जा रहे थे। तभी रास्ते में थाना निघासन क्षेत्र के अंतर्गत रकेहटी के आगे कसावल के पास सड़क किनारे गन्ने से भरी ट्रॉली खड़ी थी। घना कोहरा था रिफ्लेक्टर न लगे होने के कारण ट्रॉली नहीं दिखी। इससे बाइक ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में जवाहर यादव की मौके पर मौत हो गई। घायल अरुण तिवारी को हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां उसकी भी मौत हो गई। दोनों की मौत से उनके परिवारों में कोहराम मच गया।

जिलों के अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के निर्देश किए जारी

लखीमपुर-खीरी। झांसी मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू में हुए भीषण अग्निकांड में 10 नवजात शिशुओं की मौत के बाद शासन ने सभी जिलों के अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के निर्देश जारी किए हैं। इसको लेकर शनिवार को लखीमपुर में पुलिस और प्रशासनिक अमले ने जिला और महिला अस्पताल का निरीक्षण करके व्यवस्थाओं को देखा उपजिलाधिकारी सदर अश्वनी सिंह व क्षेत्राधिकारी सदर रमेश कुमार तिवारी ने शनिवार को चीफ फायर ऑफिसर राजन शर्मा और उनकी टीम के साथ जिला चिकित्सालय के पीआईसीयू व जिरियाट्रिक वार्ड का किया। अधिकारियों के साथ अग्निशमन विभाग की टीम ने जिला अस्पताल में अग्नि सुरक्षा इंतजारों को देखा और वहां मौजूद स्टाफ को किसी भी आपातकालीन स्थिति के दौरान किस तरह से अग्नि सुरक्षा उपायों और उपकरणों का इस्तेमाल करना है, उसके बारे में जानकारी दी। डॉक्टर शिखा शर्मा एवं चिकित्सालय के स्टॉफ को आग से बचाव के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए टीम ने जिला महिला चिकित्सालय के सिक न्यूबोर्न चाइल्ड यूनिट (एसएनसीयू) का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी ने चिकित्सालय में बिजली उपकरणों में स्पार्किंग एवं आग की स्थिति होने पर किए जाने वाले उपायों के लिए प्रभारी सिक न्यू बोर्न चाइल्ड यूनिट डॉक्टर सुष्मिता सिंह को आवश्यक बातें बताईं।

जिलाधिकारी ने जनपद में की धारा 163 लागू

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अंतर्गत् प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए लोक व्यवस्था कायम रखने हेतु तथा प्रजा तांत्रिक मूल्यों के रक्षण हेतु जनपद में निषेधात्मक आज्ञा लागू की है।

जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि निकट भविष्य में सम्पन्न होने वाले वीरांगना ऊदा देवी शहीद दिवस, चौधरी चरण सिंह जी का जन्म दिवस एवं क्रिसमस डे आदि व अन्य विभिन्न आयोजनों के अवसर पर तथा माह दिसम्बर में पीसीएस, आरओ, एआरओ व सेना में भर्ती संबंधी परीक्षाएं एवं विभिन्न विभागों द्वारा समय-समय पर आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं एवं चयन व प्रवेश परीक्षाओं के दृष्टिगत औद्योगिक संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों व शिक्षण संस्थानों और रेलवे स्टेशन आदि पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अप्रिय घटनायें घटित की जाने की साजिश की जा सकती है तथा कुछ तत्व/लोग जानबूझकर ऐसे कृत्य कर सकते है जिससे लोक परिशांति भंग होने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इन सबको दृष्टिगत रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए लोक व्यवस्था कायम रखने हेतु तथा प्रजा तांत्रिक मूल्यों के रक्षण हेतु जनपद में निषेधात्मक आज्ञा लागू की है।

मनीष बंसल ने इस आश्य के आदेश जारी करते हुए कहा है कि किसी भी सार्वजनिक स्थल पर 04 या 04 से अधिक व्यक्ति बिना सक्षम अधिकारी के आदेश के धरना जुलूस प्रदर्शन आदि के लिए एकत्रित नही होंगे और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेंगे। कोई भी जाति विशेष का व्यक्ति एवं व्यक्तियों का समूह अपने नगर, गांव, मौहल्ले व अन्य स्थानों पर जाकर कोई भी ऐसा कार्य नही करेगा जिससे जातीय हिंसा व अन्य विवाद उत्पन्न होने की सम्भावना हो।

निगम ने दो दर्जन दुकानों का अतिक्रमण ध्वस्त किया

हकीकत नगर में दो जेसीबी की मदद से चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ दस्ते ने नगरायुक्त संजय चौहान के निर्देश पर आज हकीकत नगर में लगभग दो दर्जन दुकानों के सामने किया गया अतिक्रमण जेसीबी से ध्वस्त कर दिया और चेतावनी दी कि यदि भविष्य में अतिक्रमण किया गया तो अतिक्रमणकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए भारी जुर्माना भी लगाया जायेगा। इस दौरान थाना सदर पुलिस भी मौजूद रही।

नगरायुक्त संजय चौहान के निर्देश पर नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ दस्ता आज दोपहर दो जेसीबी और थाना सदर पुलिस के साथ जब हकीकत नगर पहुंचा तो अतिक्रमणकारी दुकानदारों में हड़कंप मच गया। अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा ने बताया कि हकीकत नगर के अनेक दुकानदारों द्वारा नाले पर अतिक्रमण कर नाला अवरुद्ध

किया गया था। व्यापार मंडल की बैठक में कुछ व्यापारियों द्वारा नगरायुक्त के समक्ष मामला उठाये जाने के अलावा मंडलायुक्त के साथ व्यापारियों की बैठक में भी यह मुद्दा उठाया गया था। शर्मा ने बताया कि उन्होंने जब स्वयं जाकर जांच की तो पाया गया कि एक-दो दुकानदारों द्वारा नहीं बल्कि बड़ी संख्या में दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। इस पर दुकानदारों से व्यक्तिगत रुप से स्वयं ही अतिक्रमण हटाने का अनुरोध किया गया।

अतिक्रमण प्रभारी ने बताया कि बार-बार समझाने और चेतावनी तथा समय देने के बाद भी दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इस पर एक सप्ताह का और समय देते हुए अतिक्रमण हटाने के लिए आज का दिन निर्धारित किया गया था। कुछ दुकानदारों द्वारा निगम को सहयोग करते हुए अपना अतिक्रमण स्वयं हटा लिया गया लेकिन करीब दो दर्जन दुकानदारों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। अंततः आज निगम के अतिक्रमण हटाओ दस्ते ने दो जेसीबी लेजाकर कार्रवाई करते हुए सभी दुकानों का अतिक्रमण ध्वस्त कर दिया।

अतिक्रमण प्रभारी ने दुकानदारों को समझाया कि वह नाले पर गाटर पट्टिया रख सकते हैं या लोहे की जाली लगा सकते हैं, ताकि पानी अवरुद्ध न हो और समय-समय पर नाले की सफाई की जा सके। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा, प्रवर्तन दल प्रभारी कर्नल एच बी गुरुंग व प्रवर्तन दल के जवान और थाना सदर पुलिस भी मौजूद रही।

अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

सहारनपुर। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर केन्द्र सरकार से राष्ट्रीय ब्राह्मण कल्याण बोर्ड के गठन एवं मंदिरों में पुजारियों की सरकारी नियुक्ति की मांग की है। बेहट क्षेत्र के नागल माफी में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष पं.गोपाल दत्त शर्मा ने दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में गाँधी इंटर कालेज अम्बेहटा की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से वाहवाही लूटी। कार्यक्रम के संयोजक अनेश शर्मा तथा सुरेन्द्र शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम को नेपाल से आए विश्व विद्वत प्रकोष्ठ के संयोजक अर्जुन प्रसाद वास्तोला, प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं.प्रतीक कौशिक, महेश शर्मा, डी.के शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री पं.हरिओम शर्मा, पूर्व विधायक संजय गर्ग ने भी संबोधित किया।

पुष्पेंद्र हत्याकांडः इनाम घोषित होते ही पकड़े गए दो आरोपी, मुठभेड़ में दोनों के पैर में लगी गोली

अवधनामा संवाददाता

बरेली। बरेली में पुष्पेंद्र हत्याकांड में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया। आरोपियों पर 25-25 हजार का इनाम रखा गया, जिसके बाद पुलिस को सफलता मिली। मुठभेड़ में दोनों के पैर में गोली लगी है। घायलों को जिला अस्पताल में भेजा गया।

बता दें, पांच नवंबर को भुता थाना क्षेत्र के गांव खरदाह के रहने वाले पुष्पेंद्र की गोली मारकर हत्या कर दी थी। आरोपियों ने रंजिशन उसकी हत्या कर दी। मृतक अपने भाई की हत्या के मुकदमे में वादी था। जल्द ही सुनवाई होनी थी, आरोपियों को सजा का डर सताने लगा और दिनदहाड़े पुष्पेंद्र की हत्या कर दी। पुष्पेंद्र की हत्या के बाद उसकी मां ने छह दिन बाद सदमे में दम तोड़ दिया। मृतक की पत्नी संगीता ने 10 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई।

एसएसपी ने रखा था 25-25 हजार का इनाम

गिरफ्तारी न होने पर एसएसपी अनुराग आर्य ने फरार चल रहे आरोपियों पर 25-25 हजार का इनाम रखा। शुक्रवार को इनाम की घोषणा होने के बाद शनिवार तड़के पुलिस ने सिपिन और गौरव को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में दोनों के पैर में गोली लगी। गिरफ्तार करने के बाद घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया।

इन लोगों को भेजा जा चुका है जेल

पुष्पेंद्र के भाई विनोद की हत्या के मामले में नामजद पवन, दूसरे मुकदमे में हिस्ट्रीशीटर पूरनलाल को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। इनके बाद सौरभ, बृजेश, साजिश में शामिल तीन अन्य आरोपी गंगेश, गुड्डू, अवधेश को जेल भेजा। शनिवार को पुलिस ने सिपिन और गौरव को भी मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। विपिन, संतोष, अर्जुन और एक अन्य की तलाश जारी है।

लापरवाही पड़ी भारी नप गए पांच पुलिसकर्मी, एसएसपी अनुराग आर्य ने दिए विभागीय जांच के निर्देश

अवधनामा संवाददाता

बरेली। एसएसपी अनुराग आर्य लगातार लापरवाह और भ्रष्टाचारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्यवाही करते आ रहे है। ताजा मामला सामने आया जहां एसएसपी ने पांच पुलिसकर्मियों को लापरवाही के चलते निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय जांच के निर्देश दिए हैं। एसएसपी के द्वारा की गई कार्यवाही से पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।एसएसपी अनुराग आर्य ने हेड कांस्टेबल साजिद हुसैन को मीरगंज थाने से रिजर्व पुलिस लाइन स्थानातरण होने के बाद भी पुलिस लाइन में आमद नहीं करवाने और लगातार बिना सूचना दिए अनुपस्थित रहने के चलते निलंबित कर दिया, मुख्य आरक्षी सुधीर कुमार रिजर्व पुलिस लाइन मे रात्रि गणना के दौरान पांच अक्टूबर से लगातार गैरहाजिर चलने के चलते निलंबित कर दिया।आरक्षी अनुज कुमार ने थाना भुता मे तैनाती के दौरान एक अक्टूबर से तीन अक्टूबर तक का अवकास

लिया अवकाश समाप्त होने के बाद भी अनुज कुमार वापस ड्यूटी पर नहीं आए और लगातार अनुपस्थित रहे, जिसके चलते एसएसपी ने उनको निलंबित कर दिया। इसी तरह आरक्षी भागेश्वर सिंह थाना शेरगढ़ में तैनाती के दौरान सत्रह सितंबर को पंद्रह दिन के उपार्जित अवकाश लेकर रवाना हुए आवास समाप्त होने के बाद भी थाने में आमद दर्ज नहीं करवा लगातार लापरवाही के करते हुए ड्यूटी से बिना सूचना दिए अनुपस्थित रहने के चलते निलंबित कर दिया।इसी प्रकार आरक्षी नीरज कुमार की तैनाती रिजर्व पुलिस लाइन मे रहने के दौरान दस सितंबर को रात्रि गणना के दौरान अनुपस्थित होने और लगातार गैर हाजिर चलने के आरोप के चलते एसएसपी ने निलंबित कर दिया।

आगरा की खटखट गैंग, बातों ही बातों में करते थे लाखों की चोरी, लाखों रुपयों के मोबाइल बरामद

अवधनामा संवाददाता

आगरा। खटखट गैंग के तीन सदस्यों को कमला नगर पुलिस ने

सर्विलांस और एसओजी टीम की मदद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस टीम ने आठ लाख रुपए कीमत के मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त की जाने वाली कार बरामद की है।

ये गैंग कार के शीशे खटखटाकर मोबाइल और कीमती सामान की चुराकर ले जाता था। ये गैंग बेहद पेशेवर तरीके से शहर में वारदातों को अंजाम दे रहा था। 16 नवंबर को कमला नगर पुलिस को गैंग के बारे में जानकारी मिली। टीम ने अंतर्राज्यीय गिरोह के 3 अभियुक्तों को वाटर वर्क्स चौराहे सर्विस रोड पर यमुना नदी पुल के नीचे जाने वाले कट के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से आठ लाख रुपये कीमत के करीब 11 मोबाइल फोन, एल्युमिनियम पेपर फोइल, कार (घटना में प्रयुक्त) बरामद का है।

गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि वह तीनों बरामद कार से आगरा, कानपुर, लखनऊ समेत अन्य शहरों में घूमते हैं। गाड़ियों का शीशा खटखटाकर चालकों को भ्रमित करते हैं। वाहनों में रखे महंगे मोबाइल फोन और कीमती सामान चोरी करते हैं। बरामद हुए सभी मोबाइल उन्होंने इसी तरह अलग-अलग जगहों से चोरी किए गए है। वही एल्यूमीनियम फोइल को लेकर जब पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि चोरी करने के बाद जो मोबाइल स्विच ऑफ नहीं होते थे। उन्हें वो एल्यूमीनियम फोइल में रख देते थे क्योंकि एल्यूमीनियम फोइल में रखने से मोबाइल के नेटवर्क टावर गायब हो जाते हैं।

ताजमहल घूमने आई विदेशी महिला की मौत, सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते बिगड़ी तबीयत

अवधनामा संवाददाता

आगरा। मोहब्बत की निशानी ताजमहल का दीदार करने शनिवार सुबह म्यांमार से आई महिला पर्यटक की मौत हो गई। महिला पर्यटक रॉयल गेट और सेंट्रल टैंप फोटोग्राफी के बाद ताजमहल के मुख्य मकबरे पर थी। ताजमहल के मुख्य मकबरे की सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते महिला पर्यटक की तबियत बिगड़ी। महिला पर्यटक ताजमहल की सीढ़ियों पर बैठी और वहीं पर गिर गई। जिसे गंभीर हालत में एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एसीपी ताज सुरक्षा सैय्यद अरीब अहमद ने बताया कि म्यांमार से दस पर्यटकों का एक दल ताजमहल देखने के लिए शनिवार सुबह नौ बजे आगरा पहुंचा। पर्यटक दल ने अपनी कार शिल्पग्राम पार्किंग में खड़ी की। इसके बाद पर्यटक दल वीवीआईपी पूर्वी गेट से ताजमहल परिसर में पहुंचे, जहां पर पर्यटकों ने रॉयल गेट और सेंट्रल टैंक के साथ ही अन्य जगहों पर खूब फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की। पर्यटक दल जब ताजमहल के मुख्य मकबरे जा रहा था, तभी दल में शामिल महिला पर्यटक आइमिंट (67) की तबियत खराब हो गई।

एसीपी ताज सुरक्षा सैय्यद अरीब अहमद ने बताया कि महिला पर्यटक आइमिंट की ताजमहल ही सीढ़ियों पर चढ़ते तबियत खराब हुई, जिससे वो सीढ़ियों पर बैठ गई। जब तक साथी पर्यटक समझते आइमिंट बेहोश हो गई। इसके बाद आइमिंट उठ नहीं सकी। जिस पर पर्यटक दल में शामिल पर्यटकों ने शोर मचाया। शोर सुनकर सीआईएसएफ और भारत पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के कर्मचारी मौके पर पहुंचे, तुरंत महिला पर्यटक आइमिंट को ताजमहल परिसर से बाहर लाए। एम्बुलेंस की मदद से फतेहाबाद रोड स्थित एक हॉस्पिटल पहुंचे, जहां पर चिकित्सकों ने महिला पर्यटक आइमिंट को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद साथी पर्यटकों ने अपने दूतावास और परिजन को सूचना दी।

इंसानियत अभी भी जिंदा हैः बुलडोजर का 8 घंटे का रेस्क्यू ऑपरेशन, 6 पिल्लो को बचाया

अवधनामा संवाददाता

आगरा। आज की इस बेरहम और मतलबी दुनिया में इंसानियत आज भी जिंदा है यह आगरा वासियों ने साबित किया। दरअसल, आगरा में 6 पिल्लों की जान बचाने के लिए आठ घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलता रहा। बुलडोजर मंगवाकर खुदाई करवाई गई, तब इन 6 पिल्लों को बचाया गया। आखिर कैसे 6 पिल्ले मुसीबत में फंसे और कैसे इसकी भनक लगी कि पिल्ले मुसीबत में हैं और उन्हें मदद की जरूरत है? आइये जानते हैं कि क्या है पूरा मामला।

मामला आगरा के शहीद नगर में फ्लैट के पास का है। यहां एक कार के नीचे एक कुतिया ने 6 बच्चों को जन्म दिया था। सोसाइटी के रहने वाले लोग इन पिल्लों को दूध पिलाया करते थे लेकिन एक दिन अचानक ये पिल्ले गायब हो गए। सोसाइटी के लोगों ने खूब छानबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चला। हालांकि कार के नीचे एक गड्ढा था। दूध पिलाने वालों को इस पर नजर पड़ी थी।

स्थानीय लोगों ने एक जेसीबी मंगवाकर पुरानी खड़ी कार को हटवाया और गड्ढे में देखा तो पतला और अंधेरा होने के कारण कुछ दिखाई नहीं दिया। इसके बाद एक मोबाइल को रस्सी में बांधकर वीडियो कॉल करके इस गड्ढे में डाल दिया गया। नीचे अंधेरा होने के कारण कुछ दिखाई तो नहीं दिया लेकिन पिल्लों की आवाज सुनाई दी।

इससे लोग कन्फर्म हो गए कि पिल्ले इसी गड्ढे में गिरे हुए हैं। एक दो नहीं बल्कि छः पिल्ले गड्ढे में गिरे थे। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पिल्ले के गड्ढे में गिर जाने की सुचना पुलिस को दी। पुलिस ने नगर निगम से बुलडोजर मंगवाया गया और गड्ढे की खुदाई करवाई। 12 फिट की खुदाई के बाद उसमें एक युवक को उतारा गया। शख्स ने गड्ढे में से सभी 6 पिल्लों को सकुशल बाहर निकाला गया और सभी पिल्लों की जान बच गई।

सभी 6 पिल्लों की जान बच जाने से रेस्क्यू में शामिल सभी लोगों के चेहरे खिल गए। अब इस रेक्स्यू ऑपरेशन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों की सक्रियता की खूब चर्चा हो रही है और जमकर तारीफ हो रही है।

डॉ सुमन मिश्रा को मिला स्व. श्रीमती दौलत देवी सशक्त महिला सम्मान-2023

लखनऊ अवधनामा संवाददाता। हिन्दी संस्थान के निराला सभागार में राष्ट्रीय आशुकवि जगमोहन नाथ अवस्थी की 119वीं जयंती समारोह में आयोजित पुस्तक विमोचन के अवसर पर शंभुनाथ मुख्य अतिथि, रवि मोहन अवस्थी, अमिता दूबे, डॉ सूर्य प्रसाद दीक्षित, डॉ दिनेश चन्द्र अवस्थी, डॉ प्रेम लता त्रिपाठी आदि मंचस्थ मनीषियों सहित डॉ प्रेम शंकर शास्त्री व पण्डित बेअदब लखनवी द्वारा झांसी की डॉ सुमन मिश्रा को अपनी परम पूज्य दादी माँ की पावन स्मृति में वर्ष 2023 के स्व. श्रीमती दौलत देवी सशक्त महिला सम्मान से अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न व उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कवयित्री अरुणा अवस्थी, सुनील बाजपेयी, डॉ शोभा दीक्षित, हरिमोहन बाजपेयी, गोबर गणेश, मनमोहन बाराकोटी, डी आई जी सी बी सी आई डी डॉ अखिलेश निगम अखिल आदि साहित्यकार उपस्थित रहे।

डीएम ने फरियादियों की समस्याएं सुनी

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी डॉ0 वी0के0सिंह की अध्यक्षता में तहसील सदर के संम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन ऑफिसर्स क्लब फतेहगढ़ में किया गया, संम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 33,पुलिस की 15,विकास विभाग की 06 विद्युत विभाग की 04,चकबंदी 02 व अन्य विभागों की 12 कुल 75 शिकायते प्राप्त हुई, जिनमे से 03 का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्राप्त शिकायतों का शासन की मंशा के अनुरूप प्राथमिकता के आधार पर तय समय सीमा के अंदर निस्तारण करने के आदेश संवंधित अधिकारियो को दिये गए। इस अवसर पर आफिसर्स क्लब में आयुष विभाग द्वारा लगाये गये मेडिकल कैम्प का शुभारंभ जिलाधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी, मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार मिश्र,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उपजिलाधिकारी सदर, व संवंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दो भाइयों से मारपीट व लूटपाट कर बनाया बंधक पीड़ित ने एसपी को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की

कन्नौज अवधनामा संवाददाता। छिबरामऊ थाना क्षेत्र के ग्राम सराय गुर्जर मल नई बस्ती निवासी मुकेश पुत्र नरेश चंद्र द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि विगत 3 नवंबर की शाम 8:30 बजे दीपावली का पर्व मना कर कर से वापस नोएडा अपने भाई जयवीर व सत्य वीर के साथ जा रहा था जैसे ही उसकी गाड़ी खाली पड़े प्लाट बंबा रोड नई बस्ती के सामने पहुंची तभी रंजिश के चलते मोहल्ले के ही एक युवक ने अपने सात अन्य साथियों के साथ मिलकर उसकी कर को रोक लिया और चाबी निकलते हुए उसे उसके भाइयों को गाड़ी से बाहर निकाल लिया और लाठी डंडों का अवैध तमंचों की बातों से मारपीट करते हुए सकरी गली से अपने घर के अंदर ले जाकर बंद कर लिया और बेरहमी से मारपीट करते हुए उसकी जेब से 45000 रुपए लूट लिए उसके बाद उस पुराने मुकदमे में समझौता नहीं करने पर गोली मारकर तालाब में गढ़ देने की धमकी दी और कनपटी से तमंचा सटाकर गोली चला दी बचाव में आए उसके भाइयों को लाठी डंडों व तमंचों की बातों से पुनः मारा और कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए बताया कि उक्त लोग अपराधी किस्म के हैं पूर्व में उसे एवं उसके पिता एवं उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ कर जानते करने का प्रयास कर चुके हैं।

अलीगढ़ के जट्टारी में जनसभा में योगी गरजे, सपा पर साधा निशाना

एक नए भारत की ओर बढ़ रहा है देश : योगी

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खैर के जट्टारी में जनसभा स्थल पर पहुंचे। सीएम योगी ने अलीगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2017 से पहले का उत्तर प्रदेश याद कीजिए जहां दंगे होते थे, कर्फ्यू लगता था, और बहन-बेटियों की सुरक्षा खतरे में रहती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय गरीबों के हक छीनने का काम किया जाता था। लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश एक नए भारत की ओर बढ़ रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि आज बिना किसी भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ हर गांव, गरीब, और किसान को समान रूप से दिया जा रहा है। देश की सीमाएं सुरक्षित हैं और आतंकवाद का खात्मा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि 1947 में देश के विभाजन के दौरान मुस्लिम लीग ने जो समाज को बांटने का काम किया वहीं काम आज सपा कर रही है। सीएम ने कहा कि '2017 के यूपी में दंगा होता था, बहन बेटियों की इज्जत खतरे में थी'। सीएम योगी ने जनता से आह्वान किया कि ऐसे मनसूबों को सफल नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि

मोदी सरकार के नेतृत्व में हर वर्ग और समुदाय को लाभ पहुंचाने का काम हो रहा है। देश और प्रदेश दोनों प्रगति की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाजन के समय सत्ता में बैठे लोग जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, मैं पूछना चाहता हूं, चाहे वह कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, क्या वे कभी विकास ला सकते थे? वे तो हमारी विरासत का सम्मान भी नहीं कर सके। आखिर अयोध्या को भव्य राम मंदिर के लिए 500 साल तक क्यों इंतजार करना पड़ा? यह केवल तब संभव हो पाया जब डबल इंजन वाली बीजेपी सरकार सत्ता में आई।

गुणवत्ता से करें फरियादी की फरियाद का समाधान : डीएम

अवधनामा संवाददाता

बिजनौर। जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल ने बताया कि तहसील दिवस, आईजीआरएस एवं जनता दर्शन पर प्राप्त होने वाली शिकायतों की मॉनिटरिंग शासन स्तर से की जा रही है। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को सभी अधिकारी पूरी गंभीरता से लेते हुए ससमय उनका निस्तारण करे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस एवं जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली शिकायतों को पूर्ण गुणवत्ता और मानक के साथ निस्तारित करना सुनिश्चित करें और शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी निश्चित रूप से प्राप्त कर लें, शिकायतकर्ता को संतुष्ट किये बिना शिकायत का निस्तारण स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि यदि किसी शिकायत का निस्तारण किया जाना संभव नहीं है तो उसका स्पष्ट कारण

लिखते हुए शिकायतकर्ता को अवगत कराया जाए ताकि वे अपनी शिकायत को पुनः प्रेषित न कर सकें। जिलाधिकारी श्री अग्रवाल आज तहसील बिजनौर (सदर) में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि विभागीय जन शिकायतों का पूर्ण गुणवत्ता और मानक के अनुरूप निस्तारण करना सुनिश्चित करें और प्रयास करें कि मौके पर जा कर शिकायतकर्ता से सम्पर्क कर स्थानीय लोगों से भी वार्ता करें। ताकि शिकायत की सत्यता प्रमाणित होने के साथ-साथ उसका निस्तारण भी गुणवत्तापरक होना संभव हो सके। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण के प्रति उत्तर प्रदेश सरकार अति संवेदनशील एवं गंभीर है और उच्च स्तर से शिकायतों की गुणवत्ता की सीधे जांच की जाती है, अतः सभी विभागीय अधिकारी शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें! तहसील दिवस के मौके पर कुल 30 शिकायतें दर्ज की गयीं, जिनमें मात्र 02 शिकायतों का मौके पर ही विभागीय अधिकारियों के माध्यम से निराकरण करा दिया गया।

तीज त्यौहार देते हैं आपसी भाईचारे का संदेश: समद गुफरान

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। इतिहास गवाह है की तीज त्यौहार हमेशा से आपसी भाईचारे का संदेश देता है, इस मौके पर क्या अमीर, क्या गरीब सब एक लाइन में लगकर भंडारे में शामिल होते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं ऐसी एक तस्वीर वार्ड नंबर 62 माया बाजार में देखने को मिली जहां पर माया बाजार निवासी अनिल भाई के नेतृत्व में हठ्ठी माता मंदिर के पास देव दीपावली के उपलक्ष में दीप उत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माया बाजार वार्ड के पार्षद समद गुफरान देव दीपावली और भंडारे में शामिल होकर श्रद्धालुओ को अपने हाथों से प्रसाद वितरण किया गया। मीडिया से बात करते हुए समद गुफरान ने कहा कि सभी प्रदेशवासियों

को देव दीपावली और कार्तिक पूर्णिमा की बधाई देता हूं आज हठ्ठी माता मंदिर के पास अनिल भाई और उनके साथियों द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया।

देव दीपावली के उपलक्ष में दीप उत्सव का कार्यक्रम किया गया, माया बाजार के प्राचीन मंदिर हठ्ठीमाता मंदिर पर दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पर आते हैं आज भंडारे में भी बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंच कर प्रसाद ग्रहण किया। अनिल भाई ने कहा ने देव दीपावली के उपलक्ष में भंडारे का आयोजन किया गया है भंडारे में सभी संप्रदाय के लोग पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया ,महिलाओं के लिए अलग लाइन और पुरुषों के लिए अलग लाइन की व्यवस्था की गई है जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी ना हो, पार्षद समद गुफरान के सहयोग की भी उन्होंने तारीफ की।

30 नवंबर तक सम्पन्न होगा भाजपा की बूथ कमेटियों का चुनाव

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। भाजपा के सांगठनिक चुनाव को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। नगर कोंच मंडल के चुनाव अधिकारी पूर्व विधायक कालपी नरेंद्र सिंह जादौन ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए कहा, आगामी 20 नवंबर से बूथ कमेटियों के गठन का काम शुरू होगा और 30 नवंबर तक सभी बूथ कमेटियों का गठन पूरा कर लिया जाएगा।

दंगल सिंह यादव के आवास पर संगठन पर्व 2024 के अंतर्गत भाजपा कोंच नगर की कार्यशाला/ संगठनात्मक बैठक पूर्व विधायक/ नगर चुनाव अधिकारी नरेंद्र पाल सिंह जादौन के मुख्य आतिथ्य, विधायक मूलचंद निरंजन, पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता एवं जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र निरंजन की मौजूदगी में संपन्न हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष सुनील लोहिया ने

की। चुनाव अधिकारी ने कहा कि संगठन पर्व के अंतर्गत सर्वप्रथम सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमें नगर में लगभग दस हजार प्राथमिक सदस्य एवं 138 सक्रिय सदस्य बनाए गए हैं। दूसरे चरण में अब संगठन के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी जिसमें सबसे पहले बूथ अध्यक्ष एवं बूथ समिति का गठन शक्तिकेंद्र चुनाव अधिकारियों द्वारा संपन्न कराया जाएगा। बूथ स्तर पर निर्वाचन का कार्य 30 नवंबर तक पूरा कराना है। नगर अध्यक्ष का निर्वाचन दिसंबर माह में कराया जाएगा। संचालन नगर महामंत्री डॉ. आशुतोष मिश्रा ने किया। इस दौरान प्रेमनारायण वर्मा, शिवप्रसाद निरंजन, सुनील शर्मा, ब्रजेंद्र कुशवाहा, श्याम किशोर गुर्जर, श्याम बिहारी तीते, वसीम अकरम, अनिल वर्मा, अवध यादव, प्रदीप वर्मा, अनिल अग्रवाल आदि मौजूद रहे। नगर अध्यक्ष का चुनाव कराने के लिए चुनाव अधिकारी नामित किए गए पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन ने कहा है कि नगर अध्यक्ष का चुनाव सर्व सम्मति से कराए जाने का प्रयास किया जाएगा।

उपचुनाव में 227 बूथों पर होगी वेबकास्टिंग, 20 को मतदान

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। विधानसभा उपचुनाव के लिए बूथ पर लाइन में मतदान के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे मतदाताओं से लेकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती समेत विभिन्न गतिविधियों पर तीसरी ऑख की पैनी नजर रहेगी। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी के प्रयास पर तत्काल कड़ी कार्यवाही की जाएगी। शांतिपूर्ण मतदान और उपद्रवियों से निपटने के लिए संवेदनशील बूथों पर वेबकास्टिंग कराई जा रही है।

जिलाधिकारी विशाख जी0 ने बताया कि विधानसभा उप निर्वाचन के दौरान 50 प्रतिशत मतदेय स्थलों की लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी, इसके लिए कलैक्ट्रेट मीटिंग हॉल में कंट्रोल रूम बनाया गया है। खैर विधानसभा के 227 मतदेय स्थलों को वेबकास्टिंग के लिए कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है। जिला निर्वाचन

अधिकारी ने शनिवार को वेबकास्टिंग कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि खैर विधानसभा में उप निर्वाचन के लिए बूथों का चिन्हींकरण कर लिया गया है। 20 नवंबर मतदान के दिन 426 मतदेय स्थलों पर मतदान कराया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार 227 मतदेय स्थलों की लाइव वेबकास्टिंग कराई जाएगी। मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग की सभी प्रकार की सुविधाओं को सुचारू करने के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

शिक्षिका के पति के मर्डर केस का सफल खुलासा करने पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली जालौन सम्मानित

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद जालौन की जिला पदाधिकारी शिक्षिका के पति की हत्या होने से संगठन में गहरा आक्रोश व्याप्त था। शिक्षिका ने संगठन से सहयोग मांगा तो संगठन का प्रतिनिधि मंडल जालौन प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पटेल क्षेत्राधिकारी जालौन शैलेन्द्र बाजपेयी से मिलकर शीघ्र खुलासा करने एवम दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की थी। संगठन ने उनसे कई बार मुलाकात की तो अधिकारियों का व्यवहार बहुत ही अच्छा रहा। पुलिस अधिकारियों ने घटना को वर्क आउट कर प्रशंसनीय कार्य किया। प्रकरण का पर्दाफाश होने पर संगठन ने क्षेत्राधिकारी शैलेन्द्र बाजपेयी, प्रभारी निरीक्षक बीरेंद्र कुमार पटेल उपनिरीक्षक ओमकार सिंह आरक्षी कुमरपाल सिंह, आरक्षी विकास कुमार आरक्षी सौरभ नागर को माल्यर्पण कर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विद्यासागर मिश्र, तहसील प्रभारी ब्रजेन्द्र दूरवार सेवा निवृत्त शिक्षक ओम नारायण दीक्षित देवेंद्र द्विवेदी,जिला उपाध्यक्ष अरविंद कुमार श्रीवास्तव, संघर्ष समिति जिला संयोजक नगेंद्र सिंह ब्लॉक मंत्री रामपुरा, अरविंद कुमार वर्मा, आशीष कुमार द्विवेदी, प्रशांत पुरवार, ब्लॉक कोषाध्यक्ष अशोक जाटव योगेश पचौरी, आलोक याज्ञिक, ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल सिंह विराट,अमित सेंगर, केशव द्विवेदी जीवन त्रिपाठी, सतेंद्र सिंह सहित दो दर्जन पदाधिकारी, अध्यापक साथी उपस्थित रहे।

गाय केंद्रित है प्राकृतिक खेती की परिकल्पनाः डॉ. अनिल

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में शनिवार को आयोजित 'गौ आधारित प्राकृतिक खेती' विषयक व्याख्यान

में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी ने कहा कि गाय पारंपरिक भारतीय कृषि प्रणाली की आधार है। प्राकृतिक खेती की परिकल्पना ही गाय केंद्रित है। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि हमारे पूर्वज वर्षों पूर्व भी समकालीन कृषि के उन्नत विधाओं की जानकारी रखते थे। वे उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से कृषि का परिचालन करते थे, जिसमें बीजामृत, जीवामृत, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र व अग्निस्त्र जैसी विधियों से बीज शोधन, कीट प्रबंधन व मृदा संरक्षण आदि कार्य किए जाते थे। यह सब कुछ प्रकृति के अनुकूल था। उन्होंने कहा कि वर्तमान की आवश्यकता को समझते हुए भारत सरकार प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित कर रही है। वर्तमान में भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ अन्य देशों को अनाज निर्यात कर रहा है। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 में एक करोड़ किसनों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिए जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किसान प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक प्रणाली को अपना सकें व जनमानस तक स्वस्थ आहार उपलब्ध करा सकें। व्याख्यान के दौरान अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. सरस्वती प्रेम कुमारी, डॉ. नवनीत सिंह, डॉ. कुलदीप सिंह व डॉ. विकास यादव तथा समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रजवटिया में बहुउद्देशीय हब निर्माण के लिए कुछ ही किसानों की रजिस्ट्री बाकी

शासन के निर्देश पर राजस्व टीम ने किया स्थलीय निरीक्षण

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। पटहेरवा क्षेत्र के रजवटिया में 76 एकड़ में प्रस्तावित बहुउद्देशीय हब के निर्माण के क्रम में किसानों की जमीन की रजिस्ट्री शेष मात्र ही बची है। हब निर्माण में शासन के आदेश पर शनिवार के दिन आवास विकास गोरखपुर की टीम ने राजस्व टीम के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण से अब हब निर्माण की उम्मीद आगे बढ़ती दिखती नजर आ रही है। पटहेरवा क्षेत्र के फोरलेन सड़क के किनारे राजवटिया गांव में सरकारी व किसानों की कुल 76 एकड़ जमीन पर बहुउद्देशीय हब प्रस्तावित है। हब में पड़े किसानों की जमीन का अधिकतम अधिग्रहण कर लिया गया है। कुछ ही किसानों की रजिस्ट्री शेष बच गई है जो प्रकिया में है। निर्माण के क्रम में शनिवार के दिन आवास विकास की गोरखपुर के जे.ई. की टीम सुधांशू जायसवाल व मनीष कुमार बिंद ने मौके पर राजस्व टीम के राणा प्रताप सिंह, नर्वदेश्वर सिंह के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होने बताया कि प्रस्तावित हब की चार दिवारी व अन्य निर्माण आदि के क्रम में निरीक्षण किया गया है। सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही निर्माण का काम शुरू होगा।जब कि इस सम्बंध में एस डी एम बिकास चंद ने बताया कि आवास विकास की टीम ने हब में कहा कैसे क्या निर्माण होगा इसका स्थलीय निरीक्षण किया है अगले क्रम में टीम अपना प्रपोजल डी एम साहब को ब्रीफ करेगी उसके बाद उनके निर्देश पर हब की अगली प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

राजस्व निरीक्षक की मौजूदगी में गांव के सीमाओं का हुआ सीमांकन

कुशीनगर अवधनामा ब्यूरो। विकास खण्ड तमकुही गंगुआ गांव में राजस्व निरीक्षक की मौजूदगी में गांव का सीमांकन कर पत्थर लगाया गया। यूपी बिहार के बॉर्डर पर बसे इस गांव की अधिकतर सीमाएं बिहार प्रान्त के सुकसेनवा गांव से सटा हुआ है। गांव की सीमाओं का सीमांकन नही होने से कई बार विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो जा रही थी। ग्रामीण शासन से गांव के सीमा निर्धारित किए जाने की मांग काफी समय से कर रहे थे। इसके लिए ग्राम प्रधान अख्तर अली गुड्डू ने भी तहसील प्रशासन समेत जनप्रतिनिधियों से सीमांकन कराने की मांग कर चुके थे।

ग्रामीणों की मांग पर शनिवार को राजस्व निरीक्षक (कानूनगों) तमकुहीराज राणा प्रताप सिंह लेखपाल दीपू जायसवाल ग्राम विकास अधिकारी इमरान आलम के साथ पहुंचकर गांव के चारो ओर की सीमाओं का सीमांकन कर पक्की पत्थर लगवाया। इस दौरान ग्राम प्रधान अख्तर अली गुड्डू, पंचायत मित्र उपेंद्र गुप्ता, ग्रामीण मनोज बैठा, विजय सिंह, पुनीत यादव, मुहम्मदीन अंसारी, मुस्तफा, श्याम सुन्दर गुप्ता, मुन्ना गुप्ता, तूफानी अंसारी आदि मौजूद रहे।

राजकीय बालिका हाईस्कूल भवानीगंज में भव्य कॅरियर मेला आयोजित

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। प्रतिष्ठित राजकीय बालिका हाई स्कूल भवानीगंज उन्नाव में एक विशाल कॅरियर मेले का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को संवारने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की जानकारीपूर्ण सामग्री प्रदर्शित की गई। इस कॅरियर मेले का उद्देश्य छात्रों को सही दिशा में मार्गदर्शन देना और उन्हें अपनी पसंद के कॅरियर की संभावनाओं का पता लगाने में सहायक बनाना था।

इस आयोजन में क्षेत्र के लगभग 300 लोगों ने सहभागिता निभाई, जिसमें छात्र-छात्राएं, अभिभावक, शिक्षक, और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस मेले में विविध प्रकार की शैक्षिक पुस्तकों, पत्रिकाओं, और अध्यापन से संबंधित सामग्रियों की स्टॉल लगाई गई, जो बच्चों के लिए उपयोगी साबित हुई। इसके साथ ही

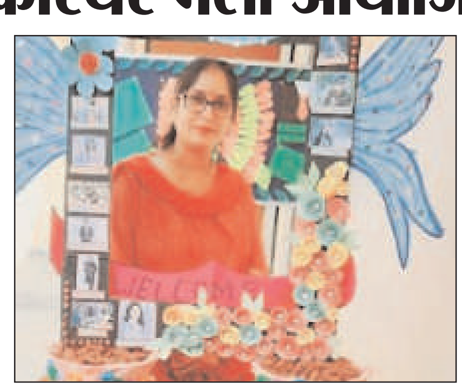

सरकार द्वारा संचालित पंख पोर्टल की विस्तृत जानकारी भी बच्चों को दी गई। प्रधानाचार्या वीना चौहान ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सफलता के लिए आवश्यक टिप्स दिए। प्रधानाचार्या के दिशा निर्देशन में पंख पोर्टल की नोडल नीतू शुक्ला शिक्षिका ने विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समय प्रबंधन, पढ़ाई की तकनीक और विषयों के चयन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। इस रोजगार मेले को सफल बनाने में शिक्षिका करुणा मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय के छात्रों ने रोजगार के सभी क्षेत्रों की जानकारी उसी वेशभूषा में अपने आप को प्रस्तुत करके दिया।

इस अवसर पर अतिथिगण, आई टी आई से आशीष सोनी, राजकीय हाई स्कूल की प्रधानाध्यापिका सपना चौधरी, डॉली भटनागर और उन्नाव जिले की पंख पोर्टल की नोडल किरन भारती एवं मौरावां थाने से एस ओ उपस्थित रहे। शिक्षिकाएं ममता सिंह, सरस्वती कश्यप, रसना सिंह एवं ऋचा मिश्रा मेले के आयोजन में उपस्थिति रहीं। राजकीय बालिका विद्यालय के इस अनोखे प्रयास की सराहना की जा रही है।

कांग्रेसियों ने मनाया विरागना ऊदा देवी पासी का शहीद दिवस

गोरखपुर। सहजनवा ब्लाक के भीटी हरपुर-बुदहट मार्ग पर स्थित अनन्तपुर चौराहे पर विरांगना उदा देवी पासी की मूर्ति पर शनिवार को कांग्रेस पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने 1857 की क्रांति की अमर सेनानी वीरांगना ऊदा देवी पासी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। वीरांगना के शौर्य को सराहना करते हुए जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने कहा कि ऊदा देवी ने अपने पति की शहादत का बदला लेने के लिए बिना अपनी जान की परवाह किए ब्रिटिश सिपाहियों पर गोली चलाई थी जिसमें उन्होंने 36 ब्रिटिश जवानों पर गोलियां बरसा कर खुद शहीद हुई। हम कांग्रेसजन आज उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। कार्यक्रम को कांग्रेस सहजनवां ब्लाक अध्यक्ष गब्बूलाल प्रजापति, संजय सिंह, बद्रीनाथ शुक्ला, डा महेश पासी ने संबोधित किया और वीरांगना ऊदा देवी पासी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तृत चर्चा की और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

तारीख के अहम मोड पर हमारी ज़िम्मेदारी

महमूदाबाद सीतापुर अवधनामा संवाददाता। हम सब अल्लाह के भेजे हुए आखरी रसूल मोहम्मद मुस्तफा स के मानने वाले है। वो रसूल जिसने नफरत का जवाब कभी नफरत से नही दिया हमेशा नफरत का जवाब मोहब्बत से दिया हम सबको पैगंमम्बर के बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिए। ये बात मोहल्ला ख़ुदागंज मे आयोजित तारीख के अहम मोड पर हमारी ज़िम्मेदारी जलसे को संबोधित करते हुए प्रोफेसर अली खान ने कहा की आज का दौर मोबाइल का है जो हमारे समाज के बच्चो को ग़लत रास्ते पर ले जा रहा है अपने बच्चो को इससे बचाए। फिरोज़ाबाद से आए मौलाना आदम मुस्तफा ने जलसे को ख़िताब करते हुए कहा की अल्लाह ने इंसान को अपने निर्देशों पर चलने और उसको लागू करने के लिए दुनिया में भेजा है अगर यही इंसान अपने मकसद को पहचान कर जिंदगी जिएगा तो वह अल्लाह का महबूब बन जाएगा इस मौके पर लखनऊ से आए मौलाना अब्दुल बारी फारुकी ने भी जलसे को संबोधित किया जलसे का आगाज कारी फहीमुद्दीन नदवी ने किया द्य नात और शायरी हसन उस्मानी ने पेश किया जलसे का संचालन मौलाना कासिम उस्मानी ने किया जलसे में मौलाना रईस अहमद मौलाना मोनिस कासमी.मुफ्ती रईस, मौलाना अब्दुल कवी नदवी मौलाना शाकिर नदवी मौलाना आतिफ नदवी हाजी अब्दुल कवी हाजी सैफुल इस्लाम हाजी मोहम्मद वसीम मोहम्मद अनस शाह आलम अजीम मोहम्मद हबीब मोहम्मद आसिफ मोहम्मद जावेद मोहम्मद अफजल हाफिज शाहनवाज हाफिज ताल्हा मोहम्मद अशरफ हाशमी उस्मानी फजलुल बारी हाफिज आफताब के अलावा बड़ी संख्या में जलसे में लोगों शामिल हुए।

न्यायालय सूचना

बदस्त जवाब फरोख्त लिये इत्तिलानामा बनाम रेस्पोन्डेन्ट मुशहर इत्तिला तारीख के जो समाआत अपील के लिए मुकर्रर की जाये। (आर्डर 41 कायदा 14) न्यायालय मा. अपर जिला जज कक्ष नं.15 सहारनपुर!सिविल निगरानी नं.31/2024)अनुज कुमार बनाम सुनील कुमार)आदि ......मुकर्रर....अपील धनराशि हुक्म अदालत सिविल जज सी0डि0 सहारनपुर मुकाम मुवरिखा 18 माह 01 सन् 2024 ई0 मुकदमा नम्बर 589 सन 2006 ई0 अनुज कुमार पुत्र स्व0 रघुबीर सिंह निवासी 833 न्यू आवास विकास कालोनी, सहारनपुर(निगरानीकर्ता) बनाम.....विराट कुमार पुत्र स्व0 रघुबीर सिंह निवासी 833 न्यू आवास विकास कालोनी, सहारनपुर हाल निवासी मकान नं. 49 साई धाम कालोनी, मल्हीपुर रोड, सहारनपुर (रेस्पोन्डेन्ट)...मुत्तिला हो कि अपील धनराशि डिग्री मुकदमा मुन्दरजा वाला ने अदालत में पेश की और अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और अदालत ने दि.22/11/2024 वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की है अगर खुद आप या आपका वकील या कोई शख्स जो कानून आपकी तरह अपील हाजा में जवाब /सवाल करने का मजाज हो हाजिर न आयेगा तो उसकी जमानत कोई तजवीज आपकी गैर हाजिरी में की जायेगी आज दि.4 माह 11 सन् 2024 को मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के जारी किया गया।

आज्ञा से-प्रबन्धक (अपर जिला जज कक्ष स.15) सहारनपुर

आईएमए का हुआ शपथ ग्रहण समारोह

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। आईएमए इंडियन मेडिकल एसोसिएन अयोध्या के बैनर तले दीपावली सेलिब्रेशन और शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन शहर के एक होटल के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वीरेंद्र सिंह ने की। इस आयोजन में चिकित्सकों ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ हिस्सा लिया और पूरे कार्यक्रम का आनंद उठाया।कार्यक्रम के अंत में फिजिशियन डॉ. ए.के. राय ने अध्यक्ष डॉ. आर.के. बनौधा और सचिव डॉ. प्रवीण कुमार मौर्या को शपथ दिलाई। इस अवसर पर आईएमए के सभी उपस्थित चिकित्सकों ने बारी-बारी से अध्यक्ष और सचिव को माला पहनाकर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम ने चिकित्सकों के बीच आपसी संबंध और संगठनात्मक मजबूती को और अधिक सुदृढ़ किया। आयोजन में चिकित्सकों और उनके परिवारों की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने इसे यादगार बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. अफरोज खान सहित कई वरिष्ठ चिकित्सकों की उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. हरिओम यादव, डॉ. नानक शरण, डॉ. डी.आर. भुवन, डॉ. एस.के. पाठक, डॉ. अब्दुल सलाम, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ. विपिन वर्मा, डॉ. जय गोविंद, डॉ. सईदा रिजवी, डॉ. बी.लाल, डॉ. अरुण वर्मा, डॉ. शिशिर श्रीवास्तव, डॉ. आर.के. सिन्हा, डॉ. धर्मेंद्र राय, डॉ. मधुकर, डॉ. अलका राय, डॉ. रंजू बनौधा, डॉ. चितरंजन वर्मा, डॉ. सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, डॉ. यश प्रसाद, डॉ. कुमार वैभव, डॉ. शशांक वर्मा, डॉ. सत्येंद्र वर्मा और डॉ. पवन पांडे शामिल थे।

स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के प्रणेता रहे बाबा लंगड दास की यादगार हुआ मेले का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

जानाबाजार - अयोध्या। स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के प्रणेता रहे बाबा लंगड दास की यादगार में विभिन्न कार्यक्रमो के साथ भव्य मेला देर राति समारोह पूर्वक संपन्न हुआ । मेले में 3 किलोमीटर की तिरगे के साथ आयोजित स्वाधीनता दौड़ में प्रथम विजेता के रूप मे बाजी मारी। विभिन्न कार्यक्रमों के विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि गोसाईगंज विधायक अभय सिंह के पिता भगवान बक्स सिंह ने पुरस्कृत किया। अपने संबोधन मे कहा कि शहीदों के विचारों को आत्मसात करते हुए युवा पीढ़ी को उनके पदचिन्हो पर चलना चाहिए । विचारों से लैस युवा ही राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका निर्वाह कर सकता है।थाना क्षेत्र हैदरगंज की जाना बाजार खजुरीपुर ककरहिया स्थित समाधि स्थल पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता मेला अध्यक्ष चिंतामणि सिंह संचालन संयोजक शेर बहादुर शेर ने किया । समारोह को प्रवक्ता जेपी सिंह, राजन सिंह , जगराम पाल, निशि सिंह, शिवानी, रणभद्र सिंह, झिनकाई निषाद, शिवपाल सिंह शिवा , हरीराम,गंगाराम निषाद, पवन भारती आदि सहित कई लोगों ने संबोधित किया । स्वाधीनता दौड़ के साथ ही लोक गायक छोटेलाल प्रजापति द्वारा लोकगीत प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। 3 किलोमीटर लंबी स्वाधीनता दौड़ की शुरुआत बाबा फुल्लर दास की समाधि स्थल जानाबाजार से पूर्व सैनिक हवलदार भोलानाथ यादव, प्रदेश संयोजक अपना दल प्रमोद सिंह हैदरगंज थाने के उपनिरीक्षक श्रीपति मौर्य ने हरी झंडी दिखाकर दर्जनो धावको को रवाना किया । जो बाबा लंगड़ दास की समाधि पर पहुंचकर समाप्त हुई । स्वाधीनता दौड़ में प्रथम स्थान पर नंशा बाजार के प्रदीप निषाद, दूसरे स्थान पर गोपालापुर निवासी नरेंद्र जाटव, तीसरे स्थान पर बैंती कला निवासी सचिन यादव, रहे । राम करन पाल, रत्नेश कुमार, उमेश कुमार, अंश यादव, रोशन निषाद, रॉकी, अतुल मौर्य, गोविंद निषाद, अंकित दौड़ मे शामिल रहे इन्हे भी सान्त्वना पुरस्कार दिया गया। रंगोली प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान गायत्री सिंह,द्वितीय बिट्टू सिंह, तृतीय सलोनी सिंह, के साथ सान्त्वना पुरस्कार अनन्या सिंह, संस्कृत सिंह, आकृति सिंह, अनामिका सिंह को दिया गया?। समारोह मेले में आए हुए अतिथियों का स्वागत रवि सिंह, अर्जुन सिंह, पवन सिंह, शुभम सिंह, शक्ति सिंह, सर्वेश, अंशु सिंह, जुलम सिंह सहित लोगों द्वारा किया गया । वही आयोजक मंडल के राम अजोर पाल, गया प्रसाद सिंह, रामपाल सिंह, रामकल्प यादव, राजाराम पाल, अविनाश सिंह रहे । जिन्हे ने अतिथियो को अग वस्त्र देकर सम्मानित किया । मेले मे देर राति तक भंडारा चलता रहा। जिसमे हजारो लोगो ने प्रसाद चखा।स्वाधीनता दौड सहित मेले मे शान्ति सुरछा वयवसथा के भारी संख्या मे हैदरगंज थाने की पुलिस तैनात रही। जिसमे उपनिरीक्षक के अलावा के के यादव, कुलदीप , वीकेश भारती आदि पुलिस के जवान मौजूद रहे। और शान्ति सौहार्दपूर्वक मेला समारोह सम्पन्न हुआ।

आशा देवी महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

मिल्कीपुर- अयोध्या। नगर पंचायत कुमारगंज के आशा देवी महाविद्यालय एवं इंटर कॉलेज गंगानगर पिठला में धूमधाम से चौथा वार्षिकोत्सव मनाया गया, बच्चों ने तरह तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम दहेज प्रथा, बाल विवाह बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जी का चित्रण करते हुए दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।महा विद्यालय के प्रबंधक रवि प्रकाश सिंह ने बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किये गये कार्यक्रम की जमकर सराहना की, उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से समाज को एक नई दिशा व संदेश देने का कार्य किया है, बच्चों के कार्यक्रम से अभिभावक झूम उठे।प्रधानाचार्य शैल कुमारी सिंह ने कहा की इस दिन का उद्देश्य न केवल हमारे अतीत की उपलब्धियों का जश्न मनाना है, बल्कि यह भी है कि हम भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहें। जैसे एक पेड़ को फलने-फूलने के लिए मेहनत और धैर्य की आवश्यकता होती है।

अनिश्चितकालीन धरना समाप्त

बीकापुर-अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन तहसील इकाई बीकापुर अयोध्या द्वारा किसान समस्याओं के समाधान को लेकर शहीद उद्यान तहसील परिसर बीकापुर के प्रांगण में चलाया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना तहसीलदार बीकापुर धर्मेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार रामखेलावन के साथ हुई बिंदुवार वार्ता एवं आश्वासन के बाद धरना समाप्त हो गया। ज्ञातव्य है कि 9 नवंबर से बीकापुर तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन द्वारा चकमार्गों तथा सरकारी भूमियों पर हुए अवैध कब्जे को हटाने, छुट्टा जानवरों से खेती को बचाने, जबरदस्ती फसल जोत कर नष्ट करने की एफआईआर दर्ज करने आदि दर्जनों मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना चलाया जा रहा था छठवें दिन धरने पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा एवं सुरेश यादव पहुंचे तत्पश्चात तहसीलदार बीकापुर धर्मेंद्र सिंह ,नायब तहसीलदार रामखेलावन धरना स्थल पर पहुंचकर बिंदवार समस्याओं पर लंबी वार्ता किया और समाधान का आश्वासन दिया तत्पश्चात अनिश्चितकालीन धरना समाप्त हो गया ।धरने पर एवं वार्ता में मस्तराम वर्मा, बुधीराम मौर्य, मंजय वर्मा, राहुल वर्मा, शेष्मनि तिवारी, संतोष वर्मा, शिवबरन वर्मा, विवेक पटेल, भागीरथी वर्मा आदि लोग शामिल रहे।

महापौर ने मणिराम दास जी की छावनी तथा अशोक सिंघल वार्ड का किया निरीक्षण

अयोध्या। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने मणिराम दास जी की छावनी तथा अशोक सिंघल वार्ड का निरीक्षण किया। वार्ड वासियों के द्वारा महापौर से वार्ड में सीवर लाइन बहाव सुचारू रूप से न होने के कारण जलभराव तथा सीवर लाइन के पानी के सड़क पर फैलने की शिकायत की गई थी। जिस पर महापौर ने जल निगम की टीम के साथ दोनों वार्डों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अधिशाषी अभियन्ता जल निगम ने बताया कि तीन चार माह पूर्व सीसी सड़क तथा नाली निर्माण का कार्य कराया गया था। जिसमें ठेकेदार द्वारा सीवर लाइन में निर्माण का अपशिष्ट छोड़ दिया गया था। जिस कारण सीवर लाइन में बहाव सुचारू नही हो पा रहा है। महापौर ने समस्या के समाधान के लिए मुख्य अभियंता नगर निगम को स्थलीय निरीक्षण कर नवनिर्मित सड़क में सुधार करते हुए सीवर लाइन को साफ कराने का आदेश दिया है।महापौर ने बताया कि दो वार्डों के निवासियों द्वारा जलभराव तथा सीवर लाइन के ओवरफ्लो होने की समस्या बताई गई थी। जिसपर वार्ड का स्थलीय निरीक्षण किया गया। समस्या के जल्द समाधान के लिए अधिशाषी अभियंता को आदेशित किया गया। महानगर क्षेत्र को स्वच्छ व सुन्दर बनाने के लिए नगर निगम कृत संकल्पित है। निरीक्षण के दौरान पार्षद अंकित त्रिपाठी, रिशू पाण्डेय, जल निगम के अधिकारी व स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

आईएमए का हुआ शपथ ग्रहण समारोह

अयोध्या। आईएमए इंडियन मेडिकल एसोसिएन अयोध्या के बैनर तले दीपावली सेलिब्रेशन और शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन शहर के एक होटल के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वीरेंद्र सिंह ने की। इस आयोजन में चिकित्सकों ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ हिस्सा लिया और पूरे कार्यक्रम का आनंद उठाया।कार्यक्रम के अंत में फिजिशियन डॉ. ए.के. राय ने अध्यक्ष डॉ. आर.के. बनौधा और सचिव डॉ. प्रवीण कुमार मौर्या को शपथ दिलाई। इस अवसर पर आईएमए के सभी उपस्थित चिकित्सकों ने बारी-बारी से अध्यक्ष और सचिव को माला पहनाकर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम ने चिकित्सकों के बीच आपसी संबंध और संगठनात्मक मजबूती को और अधिक सुदृढ़ किया। आयोजन में चिकित्सकों और उनके परिवारों की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने इसे यादगार बना दिया।कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. अफरोज खान सहित कई वरिष्ठ चिकित्सकों की उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. हरिओम यादव, डॉ. नानक शरण, डॉ. डी.आर. भुवन, डॉ. एस.के. पाठक, डॉ. अब्दुल सलाम, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ. विपिन वर्मा, डॉ. जय गोविंद, डॉ. सईदा रिजवी, डॉ. बी.लाल, डॉ. अरुण वर्मा, डॉ. शिशिर श्रीवास्तव, डॉ. आर.के. सिन्हा, डॉ. धर्मेंद्र राय, डॉ. मधुकर, डॉ. अलका राय, डॉ. रंजू बनौधा, डॉ. चितरंजन वर्मा, डॉ. सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, डॉ. यश प्रसाद, डॉ. कुमार वैभव, डॉ. शशांक वर्मा, डॉ. सत्येंद्र वर्मा और डॉ. पवन पांडे शामिल थे।

शार्ट सर्किल के चलते बिनली गुल, तीन घंटे बाद बिजली सप्लाई हुई शुरू

मसौली बाराबंकी। उपकेन्द्र मसौली में फीडर में शॉर्ट सर्किट के कारण इनवर्टर जल जाने से उपकेंद्र के सभी फीडरो की बिजली सप्लाई तीन घण्टे बाधित रही। 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र मसौली में शनिवार को दिन में करीब 12 बजे आचनक जय मां अम्बे फीडर में शॉर्ट सर्किट के कारण इनवर्टर जल गया जिसक कारण डीसी सप्लाई फेल हो गई थी।जिस कारण पांचों फीडर की बिजली सप्लाई तीन घण्टे के लिए बन्द हो गई थी। अधिकारियों की मौजूदगी में कर्मचारीयों ने मरम्मत कार्य शुरू हुआ। शाम को चार बजे के बाद बिजली सप्लाई शुरू हो सकी। तब जाकर अधिकारी एवं कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। उपकेन्द्र मसौली के पांच फीडर के करीब 250 गांव की बिजली तीन घण्टे सप्लाई बाधित रही। मसौली, बड़ागांव,गुरेला, करपिया, देवकलिया, कपरियनपुरवा,ज्योरी, बांसा, जकरिया, धरौली,मुजापुर, रहरामऊ, टेरा सानी, रामपुर, सआदतगंज सहित गांव के लोगों को दिक्कत रही।

बीस साल बाद दूसरी शादी करने के बाद पहली बीबी व बच्चो को घर से निकाला, की शिकायत

जैदपुर बाराबंकी। जुल्मी पति ने बीस वर्ष के बाद दूसरी शादी रचाकर पहली बीबी व बच्चों को मार पीट कर भगाया। पीड़ित महिला ने थाना जैदपुर में शिकायती पत्र देते हुये उक्त आरोप लगाये है। जैदपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अहमदपुर थाना जैदपुर निवासी सबीना पत्नी सुहेल ने थाना जैदपुर में शिकायत करते हुये आरोप लगाया है कि उनका निकाह करीब 20 साल पहले मो0 सुहेल पुत्र मो0 मोबीन के साथ मुस्लिम रीति रिवाज से हुआ था प्रार्थिनी के एक लड़की अरबिया खातून उम्र करीब 13 वर्ष एवं लड़का मो0 फरहान उम्र करीब 8 साल है। पीडिता का पति सुहेल अरविया नाम की एक लड़की के साथ काफी समय से नाजायज सम्बन्ध थे, जानकारी हुयी कि उसने निकाह कर लिया है दिनांक 19/10/24 को अरबिया पुत्री मो0 नफीस निवासिनी अहमदपुर को घर पर ले आया और पीडिता का पति मो0 सुहेल सास राशिदा, ननद शहरबानो व देवर मो0 सुरेब व नन्दोई मो0 गुफरान व मो0 हसनैन आदि ने गाली गलौज करने हुए लाठी डन्डो से मारा पीटा एव धक्का देकर घर से बाहर निकाल दिया और प्रार्थिनी से 5 लाख रुपये लेकर घर वापस आने की धमकी दी खाली हाथ वापस आने पर जान से मारने की धमकी दी पीड़ित महिला किसी तरह अपने मायके चली आयी जिसकी शिकायत पर जैदपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जन-समस्याओं का त्वरित निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है : सत्येंद्र कुमार

अवधनामा संवाददाता

समाधान दिवस

तहसील हैदरगढ़ में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

बाराबंकी। शनिवार को तहसील हैदरगढ़ के सभागार में जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र लेकर आने वाले शिकायतकर्ताओं की विभिन्न समस्याओं को जिलाधिकारी, श्री सत्येंद्र कुमार ने सुना और सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण समयान्तर्गत व गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। जिलाधिकारी ने जन-समस्याओं की सुनवाई के दौरान अधिकारियों से यह भी कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ताओं को संतुष्टि भी मिलनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के सख्त निर्देश है कि भूमि विवाद के मामलों को शीघ्रता के साथ निस्तारित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि आईजीआरएस पोर्टल की शिकायतों के मामले में निस्तारण के उपरांत शिकायतकर्ताओ से संपर्क स्थापित करते हुए यह सुनिश्चित कर ले कि उनकी समस्या का उचित निस्तारण हुआ है या नहीं। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 202 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए। राजस्व विभाग से संबंधित कुल 132 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए, पुलिस विभाग से संबंधित 22 प्रार्थना पत्र, विकास विभाग से संबंधित 14 प्रार्थना पत्र, पूर्ति विभाग से 04 प्रार्थना पत्र, विद्युत विभाग से 07 प्रार्थना पत्र अन्य समस्या का 23 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ। जिसमें से 04 शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण मौके पर किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी हैदरगढ़ शम्स तबरेज, उपजिलाधिकारी सुश्री पूजा गुप्ता, जिला विकास अधिकारी भूषण कुमार, तहसीलदार सीमा भारती, परियोजना निदेशक डीआरडीए मनीष कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार देव पांडे, जिला पूर्ति अधिकारी राकेश तिवारी सहित प्रोवेशन, समाज कल्याण सहित सभी संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

फरियादियों के प्रकरणों का तत्काल कराया जाए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में तहसील सदर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में आम जनमानस की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर, समझ कर सभी सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को मौके पर ही एकीकृत प्रयास कर निस्तारण के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि जन शिकायतों का निस्तारण अधिकारी गण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से करते हुए शिकायतकर्ता को पूर्ण रूप से संतुष्ट किया जाय। तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान शिकायतकर्ता हृदयराम पुत्र माता प्रसाद, ग्राम मेंदनीपुर विकासखण्ड मयाबाजार द्वारा चकमार्ग पर अवैध कब्जा की शिकायत की गयी जिस पर जिलाधिकारी ने बी0डी0ओ मय पुलिस प्रशासन के साथ अवैध कब्जा हटवाने के निर्देश दिये व शिकायतकर्ता राम दयाल यादव ग्राम राजेपुर (मूड़ाडीहा) विकासखण्ड पूरा द्वारा बैनामा शुद्ध भूमि पर अवैध कब्जा हटवाने की शिकायत में जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर को समुचित रूप से जांचकर आख्या प्रस्तुत करने को कहा।

पीपा पुल मांग को लेकर धरना तीसरे दिन जारी, अधिकारी नही पहुँचे

अवधनामा संवाददाता

कोठी। लोकसभा चुनाव में मतदान बहिष्कार में पीपापुल निर्माण का मिला आश्वासन के छह माह बीत गया। मगर कोई साम्रगी कल्याणी नदी तट नहीं पहुंची। इससे आक्रोशित पारा हाजी मजरे ढेमा गांव के दर्जनों ग्रामीण अनिश्चितकालीन धरने के चौथे दिन शनिवार को नदी तट पर बैठे हैं।? उनकी मांग है कि पीपापुल बनाने का आश्वासन मिला था। लेकिन कार्य नहीं हुआ। असंद्रा थाना क्षेत्र के पारा हाजी मजरे ढेमा व बाजपुर गांव बीच कल्याणी नदी गुजरी है। यहां स्थाई व अस्थाई पुल नहीं होने से ग्रामीणों को समस्या है। लोकसभा चुनाव 2024 में मतदाताओं ने मतदान का बहिष्कार कर दिया। चुनाव आयोग के पसीने छूटने लगे। तब रामसनेहीघाट एसडीएम ने चुनाव बाद पीपापुल निर्माण का लिखित में आश्वासन दिया। मगर शनिवार तक नदी तट पर कोई सामग्री नहीं पहुंची। आक्रोशित इस गांव के अनिल, रामप्रताप, सुनील, शिवमगन पाल, राजाराम, अरुण, रामेश्वर, खुशीराम, रमई, मुकेश, रामदास, रामू, चंद्रेश, पवन साहू, रमापति शर्मा, श्याम शर्मा, लक्ष्मी प्रसाद, महेंद्र, लालता प्रसाद, बरसाती, जगेसर, मुनेश्वर, गुरुप्रसाद, उत्तम, पप्पू, जगदीश व रामतीरथ समेत दर्जनों ग्रामीण अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। उनकी मांग है कि पीपापुल निर्माण कराया जाए। ऐसा नहीं होने तक धरने पर रहने की चेतावनी दी है। यह धरना जारी रहेगा।

1857 के युद्ध में माता ऊदा देवी पासी ने 36 अग्रेजो को मौत घाट उतारा था: पीएल पुनिया

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अद्वितीय साहस एवं बलिदान का परिचय देने वाली महान वीरांगना ऊदा देवी पासी जी का नाम स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरो में अंकित है उन्होने 16 नवम्बर 1857 को अवध क्षेत्र में अपनी वीरता का परिचय देते हुये 36 अंग्रेज सैनिको को मौत के घाट उतार कर वीरगति को प्राप्त हो गयी। स्वतंत्रता संग्राम की यह घटना भारतीय इतिहास में साहस बलिदान एवं आत्मसम्मान की एक अद्वितीय मिशाल है और यह स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओ की सक्रिय भूमिका को भी उजागर करती है। उक्त उद्गार पूर्व सांसद डा0 पीएल पुनिया ने आज अपने ओबरी आवास पर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की अद्वितीय साहस और बलिदान का परिचय देने वाली नायिका माता ऊदा देवी पासी जी की शहादत दिवस पर कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर वर्तमान सांसद तनुज

पुनिया, कांग्रेस अध्यक्ष मो0 मोहसिन व अन्य कांग्रेस परिवार के सदस्यो के साथ श्रद्धासुमन अर्पित करने के पश्चात् व्यक्त किये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि माता ऊदा देवी पासी ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में जिस साहस व समर्पण का परिचय दिया वह आज के समाज के लिये अमूल्य प्रेरणास्त्रोत है उनका बलिदान हमें यह सिखाता है कि यदि बात देश की हो तो हमे किसी भी प्रकार के अन्याय एवं अत्याचार के खिलाफ खडा होना चाहिये। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मो0 मोहसिन ने कहा कि महान वीरांगना ऊदा देवी पासी जी का बलिदान हमें यह संदेश देता है कि जब अन्याय और अत्याचार अपनी चरम सीमा पर हो तो समाज के हर वर्ग और समुदाय को एक जुट होकर जालिम के साथ लडाई लडनी चाहिये आज वीरांगना ऊदा देवी पासी का बलिदान हर वर्ग के लिये प्रेरणास्त्रोत है और वीरांगना का बलिदान आने वाली पीढियो को यह संदेश देता रहेगा कि साहस और बलिदान से बडी कोई वीरासत नही है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की नायिका ऊदा देवी पासी जी की शहादत दिवस पर उनकी चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करने वालो में मुख्यरूप पूर्व सांसद डा0 पी0एल0 पुनिया, सांसद तनुज पुनिया, कांग्रेस अध्यक्ष मो0 मोहसिन, आदर्श पटेल, सरजू शर्मा, इरफान कुरैशी, अजय रावत, रामहरख रावत, के0सी0 श्रीवास्तव, आमिर अय्यूब किद्वाई, मो0 जिशान, सिकन्दर अब्बास रिजवी, विजय बहादुर वर्मा, जयंत गौतम, सईद अहमद, संजीव मिश्रा, फरहान वारसी, प्रशान्त सिंह, आनन्द कुमार, सुशील गौतम सहित दर्जनो की संख्या में कांग्रेसजन थे।

जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में सुनी जनसमस्याएं

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। जिलाधिकारी अनुनय झा द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील फरेंदा में जन सुनवाई कर लोगों की समस्याओं को सुना, उन्होंने निस्तारण हेतु दिशा-निर्देश दिए।

शासन के मंशा के अनुरूप आयोजित होने वाली जिलास्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस शनिवार को कुल 163 मामलें जिलाधिकारी के समक्ष आए, जिनमें 13 मामलों का तत्काल निस्तारण के लिए जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग को मौके पर भेज करवायें और शेष बचे मामलों को जिलाधिकारी ने निर्धारित समय-सीमा में नियमानुसार निस्तारित करने का निर्देश दिया। उनके द्वारा समाधान दिवस में आने वाले मामलों का संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही सत्यापन कराया गया और तत्काल निस्तारित हो सकने वाले प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण करने का निर्देश दिया।जिलाधिकारी अनुनय झा ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में पेश होने वाले प्रत्येक मामले को अधिकारी गंभीरता से लें और उनका निस्तारण नियमानुसार व समयान्तर्गत करें। कहा कि भूमि विवाद सहित जटिल प्रकरणों में राजस्व, पुलिस एवं संबंधित विभाग की टीम गठित करते हुए कार्यवाही करें। आयोजित समाधान दिवस में एसडीएम फरेंदा मुकेश कुमार, सीओ फरेंदा अनिरुद्ध कुमार, एसडीएम शिवाजी यादव, सीएमओ डॉ श्रीकांत शुक्ला, डीडीओ करुणाकर अदीब व फरेंदा कोतवाल प्रशांत कुमार पाठक समेत सर्किल के सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहें।

हर हर गंगे के जयघोष से गूंज उठा गंगा घाट

अवधनामा संवाददाता

निचलौल (महराजगंज)। भारत- नेपाल सीमा पर अवस्थित बेलवा घाट परिसर में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर 136 वीं नारायणी गंडकी महा आरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय न्यास स्वरांजलि सेवा संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि थरुहट की ऊंची शिक्षा ग्रहण करने वाली पहली महिला आशा देवी, विशिष्ट अतिथि निर्माता- एचेल थारू, राष्ट्रीय अध्यक्षा अंजू देवी, मैनेजिंग डायरेक्टर संगीत आनंद, एडिटर एवं महिला समाजसेवी स्वरांजलि सैगम, आचार्य पंडित अनिरुद्ध द्विवेदी, नेपाल से आए नारायण पंडित, हिरिमती देवी एवं संध्या देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया। मुख्य अतिथि शिक्षिका आशा देवी ने कहा कि इस कार्यक्रम में मुझे कई बार आने का मौका मिला है, कार्तिक पूर्णिमा कई कारणों से महत्वपूर्ण है ।आज के दिन ही गुरु नानक देव का जन्म हुआ था। कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली भी कहते हैं। बेंगलुरु से आई एडिटर एवं महिला समाजसेवी स्वरांजलि ने कहा कि संगम तट पर कार्तिक पूर्णिमा के दिन कथा पूजा अर्चना में भाग लेना परम सौभाग्य की बात है। स्वरांजलि सेवा संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर संगीत आनंद ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के रूप में मत्स्य अवतार का जन्म हुआ था। आज के दिन हम सभी पर्यावरण संरक्षण संवर्धन का संकल्प लेते हैं। विशिष्ट अतिथि निर्माता- एचेल थारू ने कहा कि इस कार्यक्रम में मुझे पौधे एवं अंगवस्त्रम द्वारा सम्मानित भी किया गया है। जब तक मेरी जिंदगी है मैं तब तक इस महा आरती से जुड़ा रहना चाहता हूं। विजय कुमार ने कहा कि इस आयोजन द्वारा पौधारोपण का संदेश भी दिया जाता है। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्षा अंजू देवी ने कहा कि संस्था द्वारा विगत 13 वर्षों से लावारिस दिव्यांग जनों को हर दिन भोजन दिया जाता है। जो सबसे बड़ी सेवा है। इंसानियत और मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है। नेपाल से आए कर्मकांड के विशेषज्ञ नारायण पंडित ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरी पूर्णिमा भी कहते हैं। इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध किया था। गायिका चांदनी कुमारी एवं गायक संगीत आनंद ने कई भजनों को प्रस्तुत किया। स्वरांजलि सेवा संस्थान द्वारा अंग वस्त्रम द्वारा अतिथिगण सम्मानित किए गए। संचालन एचेल थारू ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन संगीत आनंद ने किया। इस कार्यक्रम में बाल कलाकार सुधि स्वरा सिंह, विजेता आनंद, रेखा देवी, संध्या देवी, मनोरमा देवी, देवकी देवी, विजय कुमार, एवं तूफानी ठाकुर की भूमिका सराहनीय रही ।

बीईओ के निर्देशन व एआरपीएस की उपस्थिति में ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरण एवं कार्यशाला का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

बांसी सिद्धार्थनगर। शनिवार को बांसी बीआरसी पर ग्राम प्रधान/स्थानीय निकाय/जनप्रतिनिधियों एवं प्रधानाध्यापकों का ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरण एवं कार्यशाला खण्ड शिक्षा अधिकारी के कुशल निर्देशन में एक एआरपीएस की उपास्थिति में कायर्क्रम पूरी भव्यता व आकर्षण में संपन्न हुआ। जिसमें खण्ड शिक्षा अधिकारी अखिलेश कुमार सिंह बने डीबीटी व आपरेशन कायाकल्प पर विस्तार से बताया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभय प्रताप सिंह जी ने पूरी निष्ठा से कार्य करने पर बल दिया ईआरपी सुनील चौधरी द्वारा निपुण भारत मिशन के बारीकियों पर ध्यान देने की बात कहीं इसके साथ ही 10 विद्यालय के प्रधानाध्यापक को बेहतर करने को कहा है।

ग्राम प्रधानों को मुख्य अतिथि व खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा पुरुष्कृत से संम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यशाला में प्रधानाध्यापक योगेन्द्र पादव, नन्दीश्वर प्रसाद, अरशद, मुनेश मुदिता सिंह जठ इफ्ते जारुन्निशा आदि मौजूद रही।

दिव्यांग बच्चों के तहसील स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। दिव्यांग बच्चों के तहसील स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय उसका के मैदान में हुआ। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष हेमंत जायसवाल ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दिव्यांग छात्रा रोशनी, सलोनी, शिवांगी, अमृता, रहनुमा ने अपनी मेंटर चित्ररेखा मिश्रा, सुषमा पांडेय के इशारे पर स्वागत गीत आए आप हमारे बीच स्वागत है पर शानदार प्रस्तुति कर बता दिया कि उनके हौसले के आगे दिव्यांगता कोई चुनौती नही है। वहीं खेल प्रतियोगिताओं में भी बच्चों ने अपना दमखम दिखाया।

बालिका वर्ग के जलेबी कूद में नौगढ़ की अंशिका प्रथम, चकोरी द्वितीय, उसका की महक तृतीय रही। बालिका वर्ग दौड़ में लोटन की रोशनी प्रथम, जोगिया की ख़ुशी द्वितीय और उसका की सुमन तृतीय रही। बालक वर्ग में उसका के कृष्णा प्रथम, संदेश द्वितीय, विवेक शर्मा तृतीय रहे।

वहीं रस्साकसी में भी उसका के संदेश, कान्हा, शिवा, नितेश, ओसामा की टीम ने राज पांडेय की अगुवाई वाली टीम को हराया। इसके अलावा कुर्सी दौड़, ट्राइ साइकिल दौड़ का भी आयोजन हुआ। हेमंत जायसवाल कहा कि दिव्यांग बच्चों को बिना भेदभाव के अवसर मे समानता देनी चाहिए। इससे इनकी प्रतिभा, रुचि व योग्यता परखने में मदद मिलती है। जो इनके भविष्य को सुगम बनने में सहायक होगा।

कार्यक्रम का संचालन एआरपी गुलाम जिलानी ने किया। जिला समन्वयक करुणापति त्रिपाठी, हरिशंकर सिंह, अभय श्रीवास्तव ने बच्चों को पुरस्कृत किया। सुभाष जायसवाल, प्रद्युमन सिंह, अखिलेश मिश्रा, अतुल वर्मा, प्रदीप सिंह, राकेश चौधरी, अजय भारती, खुर्शीद, राघवेंद्र प्रताप, सतीश चंद्र आदि मौजूद रहे।

आईजीआरएस के फर्ज़ी निस्तारण और जेई की कार्य प्रणाली से जनता त्रस्त

अवधनामा संवाददाता

टांडा अम्बेडकरनगर। नगर पालिका टांडा की कार्यप्रणाली से टांडा नगर की जनता त्रस्त है जहां पर ठेकेदारों और जेई सिविल की मिली भगत से सरकारी धन का जमकर बंदरबांट किया जा रहा है। नगर पालिका के जेई सिविल की कार्यप्रणाली और उनकी काबिलियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की नगर पालिका टांडा के मोहल्ला मीरानपुरा में बेबी डेयरी हाऊस (आरिफ हसन के मकान) से लेकर कौमी इण्टर कालेज होते हुए सिकंदराबाद चौराहे तक डामरीकरण की पीसी रोड बनी हुई थी जो भी अभीतक ठेकेदार द्वारा लायबेल्टी पीरियड में है जिसकी गारंटी खत्म होने में मात्र 4 माह बाकी है लेकिन नगर पालिका टांडा के जेई सिविल और ठेकेदार की मिली भगत से जहां उक्त सड़क पर शिकायत के बाद बनवाना तो शुरू हुआ लेकिन निर्माण कार्य की गुणवत्ता इतनी खराब है की अब लोगो ने कहना शुरू कर दिया है कि इससे अच्छी तो खराब सड़क ही सही थी इस पीसी रोड की मरम्मत से जेई सिविल की काबिलियत का भी अंदाजा लगाया जा सकता है यह इनकी ही काबिलियत है कि उक्त सड़क जहां डामरीकरण के तहत बनी हुई है वही उसकी मरम्मत का कार्य जेई और ठेकेदार की मिली भगत से सीमेंट और गिट्टी भरकर किया जा रहा है वह भी मानक के विपरीत इससे जेई सिविल नगर पालिका की काबिलियत का अंदाजा लगाया जा सकता है । आपको बताते चले की उक्त मार्ग के जर्जर हो जाने की शिकायत आइजीआरएस के माध्यम से दानिश मेहंदी ने की थी और उक्त मार्ग को मरम्मत कराये जाने की मांग की थी लेकिन उक्त शिकायत पर दो बार नगर पालिका टांडा द्वारा फर्जी निस्तारण कर दिया गया था लेकिन शिकायत कर्ता द्वारा बार बार शिकायत करने के कारण नगर पालिका टांडा ने मात्र फोटो खींचने के लिए उक्त मार्ग पर मरम्मत का कार्य शुरू कर एक बार पुनः आईजीआरएस शिकायत का फर्जी निस्तारण कर सरकार की मंशा पर पानी फेरने का काम किया है । जिस तरह से नगर पालिका परिषद टांडा शिकायतो का फर्जी निस्तारण कर रहा है उससे इनकी मंशा शासन के नियम कानून को ताक पर रखने की जाहिर होती है और यह सरकार की किरकरी करवाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे है।

ईओ ने फैमिली आईडी बनवाने का सुपरवाइजरों को दिया प्रशिक्षण

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। शासन के निर्देशों के क्रम में नगर पंचायत डुमरियागंज में अधिशासी अधिकारी महेश प्रताप श्रीवास्तव द्वारा सभी सुपरवाइजरों को फैमिली आईडी बनवाने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में अधिशासी अधिकारी द्वारा सभी सुपरवाइजरों को फैमिली आई0डी0 के लिए जारी निर्देशों को विस्तार से बताया गया और समस्त वार्डों में जाकर फैमिली आईडी कार्ड बनवाने के लिए जागरूक किया गया। इस प्रशिक्षण में समस्त सुपरवाइजर और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध तरीके से किए गए कब्जा को हटवाने की मांग

बांसी अवधनामा संवाददाता। कोतवाली व तहसील बांसी तथा तप्पा चंवर क्षेत्र के विशुनपुर मुस्तहकम निवासी रामलाल पुत्र रमेसर ने शनिवार को आयोजित संम्पूर्ण समाधान में शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कुछ लोगों द्वारा उसकी आराजी में अवैध तरीके से किए गए कब्जे को हटवाने की मांग किया है। शिकायत कर्ता के अनुसार विशुनपुर मुस्तहकम निवासी सहतन उर्फ सत्यनरायण पुत्र केवल व धर्मेन्द्र कुमार, रामकुमार पुत्र गंण मंहगूलाल तथा कु0 संगीता पुत्री मंहगूलाल द्वारा गाँव स्थित उसकी आराजी गाटा सं0- 276 में जबरदस्ती कब्जा कर लिया गया है। इस दौरान सीएमओ डा. रजत कुमार चौरसिया, एसडीएम प्रदीप कुमार यादव, सीओ मयंक कुमार दिवेद्वी, तहसीलदार पियुस श्रीवास्तव सहित जिले के तमाम अधिकारी फरियादी मौजूद रहे।

सपा सांसद की पुत्री की गाड़ी तलाशी पर जतायी नाराज़गी

अंबेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। कटेहरी विधानसभा उपचुनाव में सांसद लालजी वर्मा की पत्नी चुनाव लड़ रही हैं. विपक्ष लगातार प्रशासन पर परेशान करने का आरोप लगा रहा है. वहीं एक वायरल वीडियो ने सियासी पारे को और बढ़ा दिया है. वायरल वीडियो में पुलिस सपा सांसद लालजी वर्मा की बेटी छाया वर्मा की गाड़ी को रोक कर तलाशी लेती है। उत्तर प्रदेश में अंबेडकरनगर के कटेहरी विधानसभा उपचुनाव को लेकर सियासत गरमाती जा रही है पुलिस ने समाजवादी पार्टी के सांसद की बेटी की गाड़ी की दो बार तलाशी ली. गाड़ी की जांच के दौरान पुलिस ने सांसद की बेटी से कार्यकर्ताओं का मोबाइल नंबर मांगा. जिस पर सांसद की बेटी पुलिस पर बिफर गई. वहीं पुलिस के अनुसार फोन पे के माध्यम से पैसा ट्रांसफर हो रहा है. पुलिस ने कहा कि मोबाइल नंबर से उसकी जांच होगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

बस्ती अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन बस्ती सदर तहसील सभागार में सम्पन्न हुआ। उन्होने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओ का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्धता के साथ करें। उप जिलाधिकारी शत्रुध्न पाठक ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 44 मामले प्राप्त हुए, जिसमें से 06 का मौके पर निस्तारित किया गया। इसमें राजस्व के 16, पुलिस के 12, विकास के 06, चकबन्दी व खाद्य एवं रसद के 02-02, तथा अन्य के 06 मामले है। सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीएमओ डा. आर.एस. दुबे, पीडी राजेश कुमार, ईओ नगरपालिका सुनिष्ठा सिंह, डीपीआरओ रतन कुमार, क्षेत्राधिकारी पुलिस सतेन्द्र भूषण तिवारी, समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, जिलापूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह, तहसीलदार सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

लखनऊ में बेमियादी धरना देंगे ग्रामीण चौकीदार

बस्ती अवधनामा संवाददाता। मानदेय वृद्धि की मांग को लेकर ग्रामीण चौकीदार राजधानी लखनऊ में 18 नवम्बर से बेमियादी धरना देंगे। ग्रामीण चौकीदार विकास कल्याण समिति उ.प्र. के तत्वावधान में प्रस्तावित धरने में बस्ती जनपद से करीब 200 चौकीदार लखनऊ कूच करेंगे। जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार गौतम ने यह जानकारी देते हुये ग्रामीण चौकीदारों से लखनऊ पहुंचकर धरने को सफल बनाने का आवाह्न किया है। उन्होने कहा कि अल्प मानदेय पर ग्रामीण चौकीदार अपने सेवायें दे रहे हैं। उनका योगदान अहम है। लेकिन शासन प्रशासन की नजर में वे हाशिये पर हैं। उनके हितों की लगातार अनदेखी हो रही है। गौतम ने कहा अपने अधिकारों के लिये एकजुट होकर संघर्ष करने की जरूरत है। आगामी 18 नवम्बर से प्रस्तावित धरना निर्णायक होगा। धरने को सफल बनाने के लिये जनार्दन प्रसाद, त्रिभुवन नरायन, रामललित, विनय कुमार, विनोद कुमार, जगदम्बा मिश्रा, धर्मनाथ पाण्डेय, रामनरायन पांडे, संतकुमार, श्रिनरायन यादव, अम्बरेश चन्द्र, कन्हैयालाल आदि धरने को सफल बनाने के लिये ग्रामीण चौकीदारों से लगातार संपर्क साध रहे हैं।

गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार का आयोजन

बस्ती अवधनामा संवाददाता। वर्ष 2024-25 में ''गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार'' हेतु प्रस्ताव/आवेदन प्राप्त करने के लिए अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर से बढाकर 30 नवम्बर 2024 तक कर दिया गया है। उक्त जानकारी मुख्य विकास अधिकारी ने दी है। उन्होने बताया कि प्रदेश में निवासरत व्यक्तियों में से कोई व्यक्ति मानवाधिकारों की रक्षा, समाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्य किया हो तथा इस हेतु पूर्णतः समर्पित रहा हो, को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा गुरू गोविन्द सिंह के जन्मदिवस पर गुरू गोविन्द सिह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किये जाने की व्यवस्था है। इस संबंध में उन्होने समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी को आवेदन पत्र उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया।

डीएम की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस में आये 200 से अधिक मामले

अवधनामा संवाददाता

- 17 मामलों का हुआ निस्तारण

बांसी सिद्धार्थनगर। शासन के मंशानुसार स्थानीय तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन शनिवार को संपन्न हुआ। जिलाधिकारी डा0 राजागपति आर0 की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले समाधान दिवस की पूर्व सूचना के कारण शनिवार सुबह 09ः00 बजे से ही सभागार के सामने फरियादियों की भारी भीड़ रही। फरियादियों की संख्या अधिक होने के कारण कार्यक्रम निर्धारित समय से दो घंटे बाद यानि शाम 04 ः00 बजे तक चलता रहा। 10ः 30 बजे से लाइन में खड़े हरैया नानकार निवासी बजरंग बली के अनुसार अपना प्रार्थना पत्र डीएम तक पहुंचाने में वह 03ः00 बजे तक सफल हुए। जिलाधिकारी के अनुसार समाधान दिवस में 200 से अधिक प्रार्थना पत्र आए थे जिसमें से लगभग 17 शिकायत पत्रों का निस्तारण करा दिया गया। शेष प्रार्थना पत्रों को पारदर्शी तरीके से निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी दे दी गई है?। मिठवल ब्लॉक क्षेत्र कोटिया गडोरी निवासी मिश्रीलाल पुत्र शंकर ने अपने ही गाँव के प्रधान पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की जांच कर कार्यवाही किए जाने की मांग किया है। समाधान दिवस में शपथपत्र के रूप में दिए गए शिकायती पत्र में उक्त मिश्रीलाल ने अन्त्योदय राशन कार्ड सं0- 218420 500927 का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्राम प्रधान बनवारी काफी संपन्न हैं। ग्राम प्रधान होने के बावजूद प्रधान द्वारा गरीबों को मिलने वाले खाद्यान्न का हर महीने अनुचित लाभ लिया जा रहा है। शिकायत पत्र में मिश्री लाल द्वारा यह भी कर्ता बताया गया है कि अपात्र होते हुए प्रधान की पत्नी गाँव के पू0 मा0 वि0 में रसोईया के पद पर कार्यरत हैं। शिकायत कर्ता ने बनकसिया पोखरे पर प्रधान द्वारा किए गए अवैध कब्जा को भी हटवाने की मांग करने के साथ आवश्यक विधिक कार्यवाई करने की भी मांग किया है। इसी क्रम में थाना खेसरहा व पुलिस चौकी कुर्थिया क्षेत्र के एक गाँव निवासी महिला ने गाँव के ही एक युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग किया है। शिकायती पत्र में महिला द्वारा कहा गया है कि 09 नवंबर की देर शाम उसकी? लड़की घर पर अकेली थी। लडकी को घर पर अकेला देख गाँव के ही लडके ने लडकी के साथ छेड़छाड़ किया। परिजनों के घर आने पर लडकी ने घटना की जानकारी दिया।

शहीद वीरांगना ऊदा देवी को कांग्रेसजनों ने याद किया

अवधनामा संवाददाता

बस्ती। कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर 1887 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के छक्के छुडाते हुये 36 अंग्रेजों को मौत के के घाट उतारने वाली शहीद वीरांगना ऊदा देवी की पुण्यतिथि पर उनको याद किया गया। ज्ञानेन्द्र जिलाध्यक्ष पाण्डेय पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने ऊदा देवी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके अदम्य साहस पर चर्चा किया। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा ऊदा देवी की वीरता देशवासियों को सदियों तक प्रेरित करती रहेगी। ऊदा देवी की कहानी ने आज़ादी की लड़ाई में दलितों और औरतों की भूमिका को रोशन किया है. ये विशाल भारत के गणतंत्र में असली गण की पहचान कराती है। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा ऊदा देवी सामान्य महिला नही थीं। उन्होने 36 अंग्रेजों को मौत के घाट उतार दिया और खुद पीपल के पेड़ पर चढ़ गई। अंग्रेजी सैनिकों ने उन्हे चारों ओर से घेर लिया। वे आज के ही दिन 16 नवम्बर 1857 को अंग्रेजों की गोली से शहीद हुईं। खून से लथपथ पेड़ से नीचे गिरीं तो ऊदा देवी की पहचान हुई। इससे पहले लोग उन्हे पुरूष समझते थे। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता मो. रफीक खां ने किया। डीएन शास्त्री, लक्ष्मी यादव, बृजेश पाण्डेय, अवधेश सिंह, अलीम अख्तर, शौकत अली नन्हू, रविप्रताप चौधरी, प्रशान्त पाठक, मनीष चौधरी, महेश्वरी मौर्य, यशराज केके, सर्वेश शुक्ल, सुधीर यादव, उमाशंकर त्रिपाठी, अतीउल्लह, नफीस अहमद, शकुन्तता देवी, धर्मेन्द्र कुमार, रामचन्द्र राजभर आदि मौजूद रहे।

पूर्व सांसद व आलापुर विधायक ने कटेहरी विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों मे शोभावती के लिये किया जनसम्पर्क

अवधनामा संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले के विधान सभा क्षेत्र कटेहरी के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी/पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती शोभावती वर्मा के समर्थन में आज विकास खंड भीटी के ग्राम पंचायत-परवरभारी, दुल्लापुर, रग्घूपटी, नूरुद्दीनपुर, मदनगढ़, मिझौड़ा आदि स्थानों पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव/पूर्व सांसद/आलापुर के लोकप्रिय विधायक माननीय त्रिभुवन दत्त जी ने संघन जनसंपर्क एवं चौपाल को संबोधित किया।

चौपाल को संबोधित करते हुए विधायक माननीय त्रिभुवन दत्त जी ने कहा कि इस सरकार में बेरोजगारो को रोजगार नही मिल रहा हैं, छात्र, नौजवान, किसान, मजदूर, व्यापारी सभी परेशान है। महंगाई चरम पर है, विकास कागज पर हो रहा हैं, भाजपा की सरकार में गाजीपुर से लेकर गाजियाबाद तक हा हा कार मचा हुआ है, कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। हत्या, बलात्कार, चोरी,डकैती,छिनैती की घटना आए दिन हो रही हैं।बीते दिनों प्रयागराज में प्रतियोगी छात्र/छात्राओं पर लाठीचार्ज सरकार द्वारा कराया गया। लोगों को न्याय नहीं मिल रहा हैं। पुलिस कस्टडी में आम जनता को मौत हो रही हैं।पुलिस कस्टडी में हुई अमन गौतम के मौत के मामले में प्रदेश सरकार के मुखिया अमन गौतम के परिवार से नहीं मिले न ही आर्थिक मदद दिलाए।लेकिन लखनऊ में हुई मौत के मामले में पीड़ित परिवार के घर गए तथा आर्थिक मदद भी की।आम जनता के साथ सौतेला कार्य सरकार द्वारा किया जा रहा हैं। भाजपा का नारा सबका साथ, सबका विकास,सबका विश्वास फिसड्डी साबित हो रहा हैं।इस लिए इस सरकार से निजात पाना बहुत ही जरुरी हो गया है। मौजूदा समय में लोकतन्त्र व आरक्षण से खतरा टला नहीं है। संविधान,आरक्षण व लोकतंत्र को बचाने के लिए आप सभी लोग आगामी 20 नवम्बर को साइकिल के सामने वाली बटन दबाकर श्रीमती शोभावती वर्मा को भारी मतों से विजई बनाने का कार्य करें।जिससे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत बनाया जा सकें।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह से विशेष बातचीत

उत्तर प्रदेश की जनता को बहुत पसंद है भाजपा की डबल इंजन की सरकार

विशेष संवाददाता

- समाज के सभी वर्गों की समस्याओं की त्वरित सुनवाई और निराकरण
- छात्रों, किसानों, दलितों और महिलाओं को लेकर योगी सरकार अतिसंवेदनशील

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य डॉ धर्मेंद्र सिंह ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक अतिसंवेदनशील सरकार कार्य कर रही है। समाज के सभी वर्गों की समस्याओं की त्वरित सुनवाई और उसका निराकरण योगी सरकार की प्राथमिकता है। इसीलिए विपक्ष का कोई षडयंत्र उसके काम नहीं आ रहा है। किसानों से लेकर गरीबों, नौजवानों, छात्रों, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों की समस्याओं का निराकरण जिस तेजी से इस सरकार में हो रहा है उससे विपक्ष को कोई मौका नहीं मिल पा रहा है। प्रदेश की जनता का इस सरकार में जो भरोसा है उस आधार पर यह स्पष्ट दिख रहा है कि अभी होने वाले उपचुनाव में भाजपा को हर सीट पर विजय मिलना सुनिश्चित है।

उपचुनाव के लिए कटहरी सहित कई क्षेत्रों में व्यापक जन संपर्क और भ्रमण के बाद इस संवाददाता से विशेष बातचीत में प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि लोक सभा चुनावों के साथ ही उत्तर प्रदेश को अस्थिर करने की साजिशें लगातार की जा रही हैं । घबराया और हताश हो चुका विपक्ष लगातार गलत बयानी के सहारे प्रदेश का माहौल बिगाड़ने में लगा है लेकिन योगी आदित्यनाथ सरकार की सक्रियता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के आगे विपक्ष की एक नहीं चल पा रही। यही वजह है कि डबल इंजन की सरकार के खिलाफ विपक्ष की हर साजिश नाकाम हो जा रही है। एक प्रश्न के उत्तर में डॉ सिंह ने कहा कि यह वही उत्तर प्रदेश है जहां किसानों की समस्याओं के कारण आए दिन गंभीर आंदोलन होते थे। गन्ना किसानों की गंभीर स्थिति होती थी। गोलियां चलती थीं। लेकिन जब से योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश की बागडोर संभाली है, सब बदल चुका है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में डॉ सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब भारत का गौरव बन चुका है। सनातन शक्ति की महत्ता बढ़ रही है। अयोध्या दमक रहा है। प्रयागराज में महाकुंभ का विराट आयोजन होने जा रहा है। विश्व पटल पर उत्तर प्रदेश चमक रहा है।

अयोध्या में इतिहास रचने के बाद अब प्रयाग राज में नया इतिहास रचने की तैयारी है। प्रयागराज में छात्रों के आंदोलन पर डॉ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर ही उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने प्रयागराज में प्रदर्शन कर रहे प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों की मांगों को ध्यान में रखते हुए बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री की पहल पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने आगामी पीसीएस (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 को एक ही दिन में आयोजित करने का फैसला किया है। इस निर्णय से प्रतियोगी परीक्षा देने वाले लाखों छात्रों को राहत मिली है। यह त्वरित निर्णय है। पिछले कुछ दिनों से पीसीएस और अन्य चयन परीक्षाओं को लेकर छात्रों के बीच असंतोष की स्थिति थी। छात्रों की मांग थी कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को एकाधिक पालियों में कराने के बजाय एक ही दिन में संपन्न कराया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छात्रों की इन मांगों का संज्ञान लेते हुए आयोग को निर्देश दिया कि वह छात्रों के साथ संवाद स्थापित कर आवश्यक निर्णय ले। आयोग ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर छात्रों से संवाद किया और उनकी मांगों पर विचार करते हुए यह निर्णय लिया कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 पूर्व की भांति एक ही दिन में आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर ही यूपीपीएससी ने समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा-2023 को स्थगित करते हुए उसकी पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक समिति का गठन किया है। यह समिति सभी पहलुओं पर गहन अध्ययन कर अपनी विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करेगी, जिससे इन परीक्षाओं की शुचिता और विश्वसनीयता को सुनिश्चित किया जा सके। डॉ सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा की डबल इंजन सरकार की कोशिश है कि समाज के किसी वर्ग को कोई दिक्कत नहीं हो और प्रदेश में कानून का राज कायम रहे। यह सरकार प्रधानमंत्री मोदी के सपनों के विकसित भारत के निर्माण की दिशा में लगातार कार्य कर रही है जिसका लाभ सभी को मिल रहा है। इसीलिए भाजपा इन उपचुनावों में अपनी विजय के प्रति आश्वस्त है।

रामकोला सीएचसी में खड़ी एम्बुलेंस में लगी आग, मची अफरा-तफरी

अवधनामा संवाददाता

रामकोला, कुशीनगर। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में खड़ी एम्बुलेंस में अचानक लगी आग से अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। एम्बुलेंस के आस पास खड़े लोग इधर उधर भागने लगे। सोचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ी आग पर काबू पाया। शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में नगर पंचायत द्वारा बनवाए गए शौचालय के पास खड़ी एक एम्बुलेंस में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। एम्बुलेंस धू धू कर जलने लगा। अचानक लगी आग से जहां अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया, वहीं एम्बुलेंस के आस पास खड़े लोग इधर उधर भागने लगे। बाद में मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा आग पर काबू पाया गया। इस सम्बंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ शेषनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि, उक्त एम्बुलेंस वर्षो से खराब पड़ी थी। आग लगने का कारण अभी पता नही चल सका है। आग की जानकारी होते ही मैने तुरन्त फायर ब्रिगेड को बुलवाकर आग पर काबू पाया।गया। आग लगने की सूचना स्थानीय पुलिस व उच्चाधिकारियों को दे दिया गया है।

निर्माणाधीन इंस्टीट्यूट आफ होटल मैनेजमेंट भवन का डीएम ने किया निरीक्षण

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत ने शनिवार को निर्माणाधीन इंस्टीट्यूट आफ होटल मैनेजमेंट भवन जगदीशपुर का स्थलीय निरीक्षण किया एवं संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य मौके पर बंद पाया गया जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित कार्यदायी संस्था से निर्माण कार्य बंद होने के संबंध में जानकारी ली।कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर बृजभूषण निरंजन ने बताया कि धनाभाव के कारण निर्माण कार्य बंद है। बताते चलें कि पर्यटन विभाग द्वारा यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र जगदीशपुर में इंस्टीट्यूट आफ होटल मैनेजमेंट भवन का निर्माण कराया जा रहा है जिसके लिए कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड इकाई 21अ लखनऊ नामित है कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि उक्त भवन का निर्माण मई 2015 से प्रारंभ है।

वीरांगना झलकारी बाई चेतना समिति की हुई बैठक

अमेठी अवधनामा संवाददाता। वीरांगना झलकारी बाई चेतना समिति की बैठक शुक्रवार शाम नगर स्थित डॉ अम्बेडकर प्रतिमा के पास हुई। बैठक में 22 नवम्बर को वीरांगना झलकारी बाई की जयंती धूमधाम से मनाने की तैयारियों पर चर्चा हुई। उपसमितियों की बैठक 17नवम्बर को सांय चार बजे से बुलाई गई है। वीरांगना झलकारी बाई चेतना समिति के अध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि 22नवम्बर को सुबह 11बजे से सायं 4बजे तक समारोह आयोजित किया जाएगा।एक बजे से तीन बजे तक जुलूस के नगर भ्रमण के बाद बाबा साहब डॉ अम्बेडकर प्रतिमा के समक्ष सभा के साथ समारोह का समापन किया जाएगा। बैठक में आयोजन के विशिष्ट व्यक्तियों के नामों पर चर्चा हुई। संचालन कार्यक्रम संयोजक राम चन्द्र ने किया बैठक में संरक्षक संजीव भारती सहसंयोजक जिया लाल बौद्ध राजेश अकेला ललित कुमार बृजेश कुमार प्रमोद कुमार कुल रोशन सत्येन्द्र कुमार फूल चंद आदि मौजूद रहे।

मंहगाई की हाईजम्प

रिटेल मंहगाई 14 महीने के रिकार्ड स्तर पर सब्जी, तेल, खाने पीने की चीजों की कीमतों में आई बढ़ोत्तरी से अक्टूबर में खुदरा मंहगाई दर 14 महीनों के सबसे ऊँचे दर पर पहुच गई। दिसम्बर में आरबीआई की ओर से कर्ज सस्ता किये जाने की उम्मीद गोता खा गई। मंहगाई बढ़ने से केन्द्रीय बैंक ब्याज दर के कटौती में देरी करेगा। इससे कर्ज की रेट में कमी नहीं होगी। सरकार ने आरबीआ को मंहगाई को 4 प्रतिशत के करीब रखने की जिम्मेदारी दी है। ऊपर नीचे के लिये दो परसेन्ट की मार्जिन है। इस तरह महंगाई 6 प्रतिशत के सीमा को पार कर गई।

जारी आंकड़ा के मुताबिक कन्जूमर्स प्राइजइन्डेक्स पर आधारित खुदरा मंहगाई साल भर पहले के मुकाबले अक्टूबर में 6.21 प्रतिशत रही। खाने पीने के चीजों की मंहगाई दर 10.87 प्रतिशत रही। आरबीआई ने अम्टूबर में मंहगाई डर से रेपोरेट में कोई छेड़छाड़ नही की जसका तस रहने दिया। रेटिंग एजेन्सी के चीफका कहना है दिसम्बर रेट घटाये जाने की गुन्जाइश नहीं है। अब अगले साल की फरवरी में या उसके बाद 50 बेसिस प्वाइन्ट के रेट कूट सायकल की शुरूआत हो सकती है। सरकार की ओर से कहा गया है ऊंची फूड इन्फलशन मुख्य रूप से सब्जियों फलों और तेलों के दाम बढ़ने का वजह रहा है।

अक्टूबर में खुदरा महंगाई 6.21 प्रतिशत रही इस साल सितम्बर 5.49 प्रतिशत खुदरा महंगाई रही। दालों का आयात किया गया। सरकार की ओर प्याज टमाटर बेचे जा रहे है पर महंगाई काबू में नहीं आ रही है। सब्जियां की महंगाई दर 42.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है। जो इसका 57 महिनों का ऊंचा स्तर रहा। खाद्य तेलो का दाम उछल गया। वैश्विक स्तर पर कीमत बढ़ने के साथ आयात शुल्क बढ़ाने का भी असर पड़ा। अर्थशास्त्री जनी सिन्हा का कहना है इन्फ्लेशन को काबू में करना जरूरी है क्योकि इसका असर हाउस होल्ड इन्फ्लेशन एक्सपेक्टेशन पर पडता है। खरीफफसल के आने से खाने पीने की चीजें की महंगाई घटने की उम्मीद है। रबी सीजन में अच्छी बोआई का अनुमान है। ग्लोबल कमोडिटी में नरमी से प्राइसेस के कभी में मदद मिलती है। पश्चिम एशिया में युद्ध बढ़ा तो चेन सप्लाई पर असर पड़ सकता है। सरकार दूसरी जरूरी चीजों की सप्लाई बढ़ने में लगी है। इससे स्थित सुधारने की उम्मीद है। रेलवे ढुलाई के कुछ डिब्बे बढाये है जिसका असर सप्लाई पर पहुंचेगा चीजो की कीमते कुछ नीचे आयेगी।

देश के लिये कलंक है मिलावटी व नक़ली खाद्य सामग्री का चलन

कम से कम समय व लागत में अधिक से अधिक धन कमाने जैसी शार्ट कट मानवीय प्रवृति ने लगभग पूरे देश को संकट में डाल रखा है। भारतीय बाज़ार में नक़ली व मिलावटी सामानों की भरमार इसी प्रवृति का नतीजा है। परन्तु जब यही मिलावटख़ोरी या नक़ली सामग्री का इस्तेमाल खाद्य सामग्रियों में होने लगता है तो निःसंदेह यह सीधे तौर पर इंसान की जान से खिलवाड़ करने या धीमा

निर्मल रानी

ज़हर देने के सिवा और कुछ नहीं। पूरा देश इस बात से भली भांति वाक़िफ़ है कि हमारे देश में दूध का जितना उत्पादन होता है उससे कई गुना ज़्यादा दूध व दूध से बनी ज़रूरी सामग्री की खपत होती है। यह दूध आख़िर कहाँ से आता है? सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में ऐसी अनगिनत वीडीओ वायरल हो चुकी हैं जिनमें नक़ली व ज़हरीला दूध बनते देखा जा सकता है। नक़ली व मिलावटी देसी घी,खोया सब कुछ देश में बन रहा है व बेचा जा रहा है। असली नक़ली का भेद न कर पाने वाली आम जनता उसी धीमे ज़हर को खाने पीने के लिये मजबूर है। और इन्हीं या इनसे बनी अनेक खाद्य सामग्रियों का सेवन कर तरह तरह की बीमारियों का शिकार हो रही है।

अब तो हद यह हो गयी है कि पिछले दिनों देश की राजधानी दिल्ली, ग़ाज़ियाबाद, मोदीनगर और हरियाणा के जींद से अमूल जैसे लोकप्रिय देसी घी सहित कई अन्य कम्पनीज़ के ब्रांड के नाम पर बनने वाला नक़ली घी पकड़ा गया। ज़हरीली खाद्य सामग्री का व्यवसाय करने वाले यह लोग टेट्रा पैक पर अमूल घी, मधुसूदन घी, मदर डेयरी घी, पतंजलि गाय घी, वर्का घी, नेस्ले एवरीडे घी, आनंद घी, परम देशी घी, मिल्कफूड देशी घी, मधु घी, लक्ष्य घी और श्वेता घी जैसी कम्पनीज़ के नक़ली ब्रांड पैक इस्तेमाल करते थे। और इन्हीं अलग अलग कंपनी के ब्रांड नाम से तैयार किया जा रहा देसी घी बनाकर बाज़ार में बेच रहे थे। केवल हरियाणा के जींद में जो देसी घी बनाने वाली फ़ैक्टरी पकड़ी गई है वहां 2500 लीटर नक़ली घी का कच्चा माल बरामद हुआ। पुलिस ने इस मिलावटी नेटवर्क को चलाने में रितिक खंडेलवाल, मथुरा, संजय बंसल, शाहदरा, दिल्ली, रोहित अग्रवाल, मोदीनगर, गाज़ियाबाद, कृष्ण गोयल, जींद, नरेश सिंघला व अश्वनी उर्फ आशु, जींद को आरोपी बनाया है। नक़ली ज़हरीला घी खाने का अर्थ कैंसर को दावत देना होता है। वैसे तो देसी घी में प्रायः आलू, शकरकंद जैसे स्टार्च की मिलावटी की जाती है। लेकिन कई बार इसमें कोल टार डाई या अन्य ख़तरनाक रसायन भी मिला दिये जाते हैं जिसके कारण फ़ूड पॉइज़निंग, एलर्जी जैसी परेशानियों से लेकर कैंसर जैसी ख़तरनाक बीमारी तक भी हो सकती है।

ख़बरों के अनुसार गत 12 नवंबर (मंगलवार) को केवल दिल्ली में एक ही दिन में 50 हज़ार शादियां हुई। ज़रा सोचिये कि हर शादी में दूध घी पनीर खोया मिठाई आदि की कितनी खपत हुई होगी। इसी तरह पूरे देश के विवाह आयोजनों व अन्य समारोहों में आप जब जहाँ और जितना भी घी, दूध, दही मक्खन, खोया,पनीर आदि जो भी चाहें आप को मिल जायेगा। सवाल यह है कि जब सरकार व प्रशासन भी इस जालसाज़ी व मिलावटख़ोरी की ख़बरों व इसके नेटवर्क से वाक़िफ़ है और इसे रोकने के लिये पर्याप्त क़ानून भी बने हैं उसके बावजूद मिलावटख़ोरी का यह सिलसिला दशकों से क्यों चला आ रहा है? कुछ लोगों की अधिक धन कमाने की शॉर्टकट प्रवृति ने आख़िर पूरे देश को धीमा ज़हर खाने के लिये क्यों मजबूर कर दिया है। क्यों ज़हर के इन व्यवसायियों के हौसले दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। यह जानने के लिये पड़ोसी चीन की एक घटना का उल्लेख करना ज़रूरी है। कुछ वर्ष पूर्व चीन में अपराधी मानसिकता के ऐसे ही दो लोगों द्वारा नक़ली दूध बनाने का धंधा शुरू किया गया। कुछ दिनों में ही यह नक़ली दूध जांच के दायरे में आ गया। जब यह नेटवर्क ध्वस्त हुआ तो वहां की सरकार ने इन दोनों ही अपराधियों को सज़ा-ए-मौत दे दी। तब से आजतक वहां नक़ली दूध के किसी दूसरे नेटवर्क ने अपना सिर बुलंद नहीं किया।

हमारे देश में इस तरह के नक़ली, मिलावटी व ज़हरीले खाद्य नेटवर्क को बढ़ावा देने के पीछे सच पूछिए तो सरकार, प्रशासन व जनता,कुछ न कुछ सभी ज़िम्मेदार हैं। यदि आप देश के समाचारपत्रों पर नज़र डालें तो शायद ही कोई दिन ऐसा होता हो जिसदिन इस तरह का नक़ली, मिलावटी व ज़हरीला खाद्य सामग्री का नेटवर्क पकड़ा न जाता हो। परन्तु आपको यह ख़बर बहुत कम बल्कि ना के बराबर पढ़ने को मिलेगी कि अमुक नक़ली, मिलावटी खाद्य नेटवर्क से जुड़े लोगों को सख़्त सज़ा हुई हो।

इसका कारण है कि जो प्रशासन मिलावटख़ोरी के नेटवर्क को पकड़े जाने की वाहवाही जिस तरीक़े से लूटता है वही उनसे जुड़े उन सुबूतों को अदालत तक उस मुस्तैदी के साथ नहीं पहुंचा पाता जैसा कि छापेमारी के समय मीडिया में नज़र आता है। अब चूँकि आदालतें साक्ष्य,गवाही व दस्तावेज़ों के आधार पर ही अपने फ़ैसले सुनाती हैं और अदालत में साक्ष्य, गवाही व दस्तावेज़ों को उपलब्ध कराना कार्यपालिका का विषय है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई है, विशेषतः लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है। जम्मू-कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन-सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नये सूरज को उदित किया है, अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जायेगा। बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की अलगाववादी एवं विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए।

विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव अंधेरों की आहट

नेशनल कॉन्फ्रेंस एवं उमर अब्दुला सरकार ने सदन में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए बुधवार को बिना अनुच्छेद 370 की पुर्नबहाली शब्द का इस्तेमाल कर, विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव तीखी झड़पों, हाथापाई, लात-घूंसे एवं शोरशराबे के बीच ध्वनिमत से पारित करा, साबित कर दिया है, वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ इस होड़ में पीछे रहने के मूड में नही है। ऐसा लगता है कि

ललित गर्ग

जम्मू कश्मीर में अलगाववाद और तुष्किरण की राजनीति फिर से परवान चढ़ने लगी है, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलने की कुचेष्टाएं प्रारंभ हो गयी है। इस पारित प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कहा गया है कि वह विशेष दर्जा वापस देने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों से बातचीत करे। बुधवार को नवगठित राज्य विधानसभा में जब यह प्रस्ताव उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने पेश किया, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि चौधरी का चयन ही इसलिए किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश न कर सके। लेकिन भाजपा ने एक विधान एक निशान और राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संकल्पबद्धता को दोहराते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर बताया कि वह प्रत्यक्ष तो क्या परोक्ष तौर पर भी किसी को घड़ी की सुइयां पीछे मोढ़ने की अनुमति नहीं देगी। जब तक केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार है, कोई भी अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 एक मरा हुआ सांप है, जिसे वह एक गले से दूसरे गले में डाल, जहर, आतंक एवं हिंसा फैलाने के षडयंत्र को सफल नहीं होने देगी। कश्मीर के नेताओं को समझना ही होगा कि पूरे भारत में अनुच्छेद 370 को लेकर जैसा जनमानस है, उसे देखते हुए अनुच्छेद 370 की वापसी असंभव है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई है, विशेषतः लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है। जम्मू-कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन-सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नये सूरज को उदित किया है, अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जायेगा। बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की

अलगाववादी एवं विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए।

भारत की महानता उसकी विविधता में है। साम्प्रदायिकता एवं दलगत राजनीति का खेल, उसकी विविधता में एकता की पीठ में छुरा भोंकता रहा है, घाटी उसकी प्रतीक बनकर लहूलुहान रही है। जब हम नये भारत-सशक्त भारत बनने की ओर अग्रसर हैं, विश्व के बहुत बड़े आर्थिक बाजार बनने जा रहे हैं, विश्व की एक शक्ति बनने की भूमिका तैयार करने जा रहे हैं, तब हमारे मस्तक के ताज जम्मू-कश्मीर को जाति, धर्म व स्वार्थी राजनीति से बाहर रखना सबसे बड़ी जरूरत है। इसी दिशा में घाटी को अग्रसर करने में मोदी सरकार के प्रयत्न सराहनीय एवं स्वागतयोग्य रहे हैं। घाटी की कमजोर राजनीति एवं साम्प्रदायिक आग्रहों का फायदा पडोसी उठा रहे हैं, जिनके खुद के पांव जमीन पर नहीं वे आंख दिखाते रहे हैं। अब ऐसा न होना, केन्द्र की कठोरता एवं सशक्तीकरण का द्योतक हैं। कश्मीर के तथाकथित राजनीतिक कर्णधारों! अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ो। अगर तेवर ही दिखाने हैं तो देश के दुश्मनों को दिखाओ, पडौसी देश के मनसूबों को निस्तेज करों। अतीत की राजनीतिक भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना, जम्मू-कश्मीर की चुनी हुई सरकार का संकल्प होना चाहिए।

विशेष राज्य का दर्जा पाने के मसले पर नेशनल कॉन्फ्रेंस जहां खड़ी है, पीडीपी उससे दो कदम आगे रहना चाहती है। ऐसे करके नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी सरीखे दल यहां अलगाववाद और एक वर्ग विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति को जारी रखना चाहते हैं, वह यहां फिर से अलगाववाद को पैदा करना चाहते हैं, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलना चाहते हैं, तभी अनुच्छेद 370 की बहाली का प्रस्ताव लाये हैं। जबकि अनुच्छेद 370 के हटने से घाटी में एक उजाला अवतरित हुआ है, अब फिर से घाटी को अंधेरों से नहीं घिरने देना चाहिए। भले ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर का चुनाव ही इसी घोषणा के साथ लड़ा और जीता है कि वह भारतीय संविधान में राज्य को उसका विशेष दर्जा वापस दिलाएगी। इसीलिये नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सत्ता में आते ही पहला काम यही किया और विधानसभा ने राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव पारित कर दिया।

नेशनल कान्फ्रेंस को लगता है कि विशेष दर्जे के मुद्दे से कुछ लोगों के तार भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, इसलिए ज्यादा अतिवादी रूख अपनाकर इसका कुछ राजनीतिक फायदा उठाया जा सकता है। दोनों ही प्रमुख दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की होड़ लगाते हुए दिख रहे हैं। तभी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी थी कि यह पीडीपी का केवल प्रचार स्टंट है और उसके विधायक सिर्फ कैमरे के आगे आने के लिए यह सब कर रहे हैं। मगर उमर अब्दुल्ला जो बात पीडीपी के लिए कह रहे हैं, वही शायद उनके लिए भी कही जा सकती है, वरना वह भी यह जानते हैं कि 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के जिस अनुच्छेद 370 को खत्म किया गया था, उसकी वापसी अब इतनी आसान नहीं है। वैसे भी, इतना तो उन्हें पता ही होगा कि सिर्फ विधानसभा में प्रस्ताव पारित हो जाने भर से अनुच्छेद 370 वापस आने वाला नहीं है। फिर इस समय केंद्र में भाजपा सरकार है, जो किसी भी तरह से इस पर विचार करने के मूड में नहीं है। उसकी नजर में यह एक कागज का टूकड़ा है, जो बिना विचार के रद्दी की टोकड़ी में ही जाने वाला है। अनुच्छेद 370 को लेकर कश्मीर की जनता और राजनेताओं, दोनों को समझना ही होगा कि 70 साल तक विशेष दर्जा होने के बावजूद इससे राज्य का कोई बहुत भला नहीं हुआ। देश की मूल धारा से कटकर यह प्रांत अंधेरों से घिरा रहा है। हिंसा एवं आतंकवाद की त्रासदी को झेलते हुए विकास एवं शांति की बाट जोहता रहा है।

उदयनिधि का बयान बॉलीवुड-क्षेत्रीय सिनेमा पर कटाक्ष

यह ठीक बात है कि नार्थ-साउथ के फ़िल्मी दुनिया के प्रिज्म से अगर आपको सांस्कृतिक और सिविक सेन्स का अंतर समझना हो तो, बस इतना भर देखिये कि परदे का पुष्पाराज असल जिन्दगी में गुटखे का विज्ञापन नहीं करता और अपने उत्तर में, कहना ही क्या। पुष्पा, आरआरआर, केजीएफ़ तो ऐसे ही है। बालीवुड की भ्रष्ट हो चुकी मति को दुरुस्त करना है, हिन्दुस्तान को समझना है, एक्टिंग

शशि शेखर

किसे कहते हैं, संस्कृति पर गर्व क्या होता है, ये सब जानने-समझने में रुचि हो तो एक बार प्रयोग के तौर पर मलयालम की ट्रांस, देख लीजिये या धनुष की असुरन या फिर कर्णन अमिताभ बच्चन को अगर महानायक समझते रहे है तो एक बार विक्रम की पीथमगन देखिये।

क्षेत्रीय सिनेमा की दुर्दशा : तभी तो तमिलनाडू के उप-मुख्यमंत्री उदयानिधि मारन केरल की एक साहित्य सभा में शान से कहते हैं कि क्या साउथ के अलावा भारत के किसी हिस्से के पास इतना वाइब्रेंट क्षेत्रीय सिनेमा है और वे खुद ही जवाब भी देते है कि नहीं। उनका मानना है कि हमारे यहां तमिल, मलयालम, तेलुगु और कन्नड़ स्वतंत्र है और उन्नत भी, जबकि पूरे नार्थ के पास एक अदद हिन्दी (बॉलीवुड)। ओडिया हो या भोजपुरी सिनेमा, आज इसका क्या हाल है। भोजपुरी का बाजार जरूर बड़ा है, लेकिन इसका कंटेंट? दक्षिण को एक साथ दो ऑस्कर मिला।

साउथ अपनी फिल्मों में अपने लोक देवता के उत्सव को ऐसे पेश करेगा कि करन जौहर कनफ्यूजिया जाएगा, करवा चौथ को और कैसे मैग्नीफाई करें, लेकिन पैसे से स्टोरी मिल जाती तो बात ही क्या थी। बॉलीवुड के हीरो को लाखों का सूट सिलवाने से फुर्सत नहीं, उधर आधी लुंगी लपेटे एक्टर-डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी सैकड़ों करोड़ कमाने वाली फिल्म कान्तारा बना जाते हैं। क्या ख़ास है आखिर इसमें। बस, मिट्टी की महक, जंगल से जुड़े जज्बात। हमारे जंगलों की हालत? इधर रोहित शेट्टी के पास ऐसी कोई कहानी ले कर जाएं, तो दुत्कार कर भगा देगा।

आरआरआर के एक गीत और तमिलनाडु के जंगल पर आधारित एलीफेंट व्हिस्परर नामक डॉक्युमेंटरी को। दोनों फिल्मों की पृष्ठभूमि दक्षिण भारतीय। हमारे इधर पवन है, खेसारी है, पोदीना है, लहसुन है, धनिया है और अंग विशेष चटना देवर है। ठीक है, नाट्यशास्त्र में हर रस की महिमा है। लेकिन, आयुर्वेद भी कहता है, रसों का संतुलन आवश्यक है। लेकिन, भोजपुरी में एक ही रस और वह भी इतना अधिक कि सिर्फ मक्खियाँ ही भिनभिना सकती है।

मानसिक दिवालिएपन का शिकार बॉलीवुड : साउथ की फ़िल्में यूं ही नार्थ से बेहतर नहीं है। जय भीम का क्राफ्ट देखिये और तुलना कर के बताइये, इस वक्त कौन बॉलीवुड में ऐसी फ़िल्में बना रहा है। साउथ अपनी फिल्मों में अपने कल्चर, अपने रिचुअल्स को जिस खूबसूरती से दिखा देता है, उसके बरक्श बॉलीवुड में संजय लीला भंसाली बहुत खिसियाएंगे एक हवेलीनुमा घर के आंगन में बने बरगुनानुमा तालाब में एक हजार दीया जलवा देंगे। हो गया आर्ट। उधर, साउथ अपनी फिल्मों में अपने लोक देवता के उत्सव को ऐसे पेश करेगा कि करन जौहर कन्फ्यूजिया जाएगा, करवा चौथ को और कैसे

मैग्नीफाई करें, लेकिन पैसे से स्टोरी मिल जाती तो बात ही क्या थी। बॉलीवुड के हीरो को लाखों का सूट सिलवाने से फुर्सत नहीं, उधर आधी लुंगी लपेटे एक्टर-डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी सैकड़ों करोड़ कमाने वाली फिल्म कान्तारा बना जाते हैं। क्या ख़ास है आखिर इसमें। बस, मिट्टी की महक, जंगल से जुड़े जज्बात। हमारे जंगलों की हालत? इधर रोहित शेट्टी के पास ऐसी कोई कहानी ले कर जाएं, तो दुत्कार कर भगा देगा। क्योंकि उसे फिल्म बनाने के नाम पर हवा में गाड़ी उड़ाने के अलावा कुछ आता ही नहीं। उत्तर में बुजुर्गों का एक फॉर्मूला था। किसी के घर की आर्थिक स्थिति जाननी हो तो उसके यहां बनी खीर और हलवा खा कर देखो। बड़ा महीन फार्मूला है। कुछ हद तक सामंती सोच से लैस। फिर भी, है सटीक। उसी तरह, उत्तर और दक्षिण के बीच के फर्क को समझना है, तो इनकी फ़िल्में देख लें।

तमस के बीच मद्धिम सी रोशनी : इस बीच ज्ञानपीठ नवलेखन अवार्ड से सम्मानित युवा कथाकार विमल चन्द्र पाण्डेय ने एक साहसी काम किया है। उन्होंने भोजपुरी भाषा में पहली बार एक साई-फाई (विज्ञान गल्प कथा) बनायी है। यह फिल्म इस वक्त मूवीसेंट नाम के वेबसाईट पर ऑन एयर है। इन पंक्तियों के लेखक ने जब इस फिल्म के लिए विमल चन्द्र पाण्डेय के साथ स्क्रिप्ट कंसल्टेंसी का काम किया तो अनुभव हुआ कि डायरेक्टर विमल कोई बड़ी लकीर खींचने जा रहे है, लेकिन इसी के साथ एक बड़ा रिस्क भी वे ले रहे हैं। हालांकि, फिल्म में अद्भुत प्रतिभाशाली कलाकारों का जमावडा है। गोपालगंज के पारितोष त्रिपाठी तो आजकल छाये ही हुए है।

सीवान की ही अरुणा गिरी की प्रतिभा भी इस फिल्म से काफी निखर कर सामने आई है और ऐसा लगता है कि बॉलीवुड में उनका फ्यूचर काफी ब्राईट होने जा रहा है। निशांत जैसे कलाकार आखिर क्यों अब तक बॉलीवुडिया निर्देशकों या कास्टिंग डायरेक्टर की नज़रों में नहीं आ पाएं है, मुझे समझ नहीं आता। कमाल का अभिनेता है ये बंदा।

फिल्म में प्रतिमा योगी का गाया हुआ एक बहुत ही शानदार गीत, जो आपको लॉलीपॉप, धनिया, पुदीना की दुनिया से अलग भोजपुरी संस्कृति की मिठास से रूबरू कराती है। भोजपुरी जैसी भाषा में इस वक्त एक नए नए फिल्मकार के लिए एक मनोरंजक फिल्म बनाना, लेकिन अश्लीलता और बेहूदगी की सीमाओं से बाहर रहते हुए, कितना कठिन होता है, इसका अंदाजा लगाना किसी के लिए भी नामुमकिन नहीं।

विज्ञान की एक बहुत ही बारीक थ्योरी को एक मर्डर मिस्ट्री में ढाल कर मात्र 45 मिनट में जिस तरह से विमल ने यह कहानी कही है, उससे तमाम भोजपुरी प्रेमियों के बीच एक मद्धिम सी रोशनी पैदा हुई है। वह इस बात की रोशनी है कि उदयनिधि मारन जिस दक्षिण के सिनेमा पर गर्व करते हुए उत्तर के क्षेत्रीय सिनेमा को कमतर बता रहे हैं, अब मद्धिम जैसी फ़िल्में बननी शुरू हो जाए, तो निश्चित ही भोजपुरी में वह क्षमता है कि यह न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि दक्षिण को भी टक्कर दे सकती है, बशर्ते, यह अपनी जड़, अपनी संस्कृति, अपनी मिट्टी की सुगंध को बरकरार रख पाए।

जैसे कभी नदिया के पार या गंगा मैया तोहरे पियरी चढ़ैबो जैसी फिल्मों ने देश भर में तहलका मचाया था। आज भोजपुरी के स्वघोषित पावर स्टारों को मद्धिम से प्रेरणा लेनी होगी। अन्यथा, कुछेक साल धनिया-खेसारी-पोदीना बोने के बाद, वे कहां, जाएंगे पता तक न चलेगा।

लड़कियों को भी खेलने के अवसर मिलने चाहिए

हाल ही में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने हॉल ऑफ़ फेम में शामिल किया है। यह सम्मान प्राप्त करने वाली वह दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। नीतू दुनिया की अकेली ऐसी महिला क्रिकेटर हैं जिनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी का रिकॉर्ड अभी तक कोई महिला क्रिकेटर तोड़ नहीं सकी है। सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि खेल की ऐसी कोई प्रतियोगिता नहीं है

सरिता नायक

जिसमें महिलाओं ने अपनी कामयाबी के झंडे नहीं गाड़े हैं। जिला स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक की सभी प्रतिस्पर्धाओं में महिलाओं ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर यह साबित किया है कि यदि उन्हें भी सुविधाएं और प्रैक्टिस के अवसर मिले तो वह हर प्रतियोगिता जीत सकती हैं। लेकिन अभी भी देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां लड़कियों को न तो खेल की सुविधाएं मिलती हैं और न ही प्रैक्टिस के लिए मैदान उपलब्ध हो पाते हैं। जिससे उनकी प्रतिभा प्रभावित होती है और वह खेलने के अवसरों से वंचित हो जाती हैं।

ऐसा ही एक गांव करणीसर भी है, जो राजस्थान के बीकानेर जिला स्थित लूणकरणसर ब्लॉक से करीब 50 किमी दूर स्थित है। इस गांव की लड़कियों में खेल की काफी प्रतिभाएं हैं लेकिन उसे निखारने के लिए प्रैक्टिस की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस संबंध में गांव की 22 वर्षीय ममता कहती है कि उसे खेलने का बहुत शौक था। वह स्कूल स्तर पर खो खो खेला करती थी। उसने जिला स्तर पर स्कूली खेल प्रतियोगिताएं में भाग भी लिया था और स्कूल के लिए सिल्वर मेडल जीता था। लेकिन कॉलेज स्तर पर उसे अवसर नहीं मिला क्योंकि प्रैक्टिस की सुविधा नहीं थी। वह कहती है कि गांव में खेलने के लिए कोई मैदान नहीं है। जिससे प्रैक्टिस नहीं कर पाती हैं। वहीं एक अन्य किशोरी संगीता कहती है कि खेल में अच्छे प्रदर्शन के लिए लगातार प्रैक्टिस की ज़रूरत होती है। गांव के लड़के तो कहीं भी जाकर खेल की प्रैक्टिस कर लेते हैं लेकिन लड़कियों को ऐसे अवसर नहीं मिलते हैं। जिससे वह अभ्यास से वंचित रह जाती है।

खेल सामाजिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इससे शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन और टीम भावना का विकास होता है। लेकिन जब इसमें लड़कियों की भागीदारी और उन्हें मिलने वाले अवसरों की बात आती है तो वह बहुत सीमित हो जाती है। उन्हें कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि पिछले कुछ दशकों में खेल प्रतियोगिताओं में लड़कियों के भाग लेने की संख्या में वृद्धि अवश्य हुई है, इसके बावजूद उनके सामने अभी भी कई अड़चने हैं जो उन्हें इस क्षेत्र में पूरी तरह से शामिल होने से रोकती है। सबसे बड़ी अड़चन लड़कियों के खेलने के प्रति समाज की संकुचित सोच है।

जया विश्नोई कहती हैं कि बचपन से ही मेरा सपना था कि मैं एक सफल क्रिकेटर बनूं और भारतीय टीम का हिस्सा बनूं। मैं मिताली राज से बहुत प्रभावित थी। स्कूल में खेलने के अवसर मिल जाते थे। लेकिन अब गांव में प्रैक्टिस की ऐसी कोई जगह नहीं है जहां हम लड़कियां क्रिकेट का अभ्यास कर सकें। जिससे राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट खेलने का मेरा सपना पूरा नहीं हो सका। मेरी दिली इच्छा है कि जो मेरे साथ हुआ वह मेरे बाद की किशोरियों के साथ न हो। उन्हें अपनी मर्ज़ी के खेल खेलने और प्रैक्टिस के भरपूर अवसर मिले। इसके लिए गांव में ऐसी जगह होनी चाहिए जहां लड़कियां अपने अपने खेल का पूरा अभ्यास कर सकें।

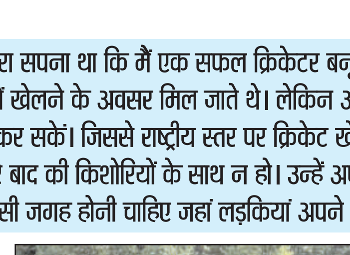

पारंपरिक रूप से पितृसत्तात्मक समाज खेल को पुरुष-प्रधान गतिविधियां मानता है और लड़कियों को शारीरिक रूप से कमजोर मानकर उन्हें इससे दूर रखने का प्रयास करना चाहता है। प्रोत्साहित करने की जगह उनका मनोबल तोड़ा जाता है। वहीं करणीसर जैसे गांव में सुविधाओं की कमी किशोरियों के इस राह में एक और रुकावट बन जाती है। इस संबंध में गांव की 23 वर्षीय जया विश्नोई कहती हैं कि बचपन से ही मेरा सपना था कि मैं एक सफल क्रिकेटर बनूं और भारतीय टीम का हिस्सा बनूं। मैं मिताली राज से बहुत प्रभावित थी। स्कूल में खेलने के अवसर मिल जाते थे। लेकिन अब गांव में प्रैक्टिस की ऐसी कोई जगह नहीं है जहां हम लड़कियां क्रिकेट का अभ्यास कर सकें। जिससे राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट खेलने का मेरा सपना पूरा नहीं हो सका। मेरी दिली इच्छा है कि जो मेरे साथ हुआ वह मेरे बाद की किशोरियों के साथ न हो। उन्हें अपनी मर्ज़ी के खेल खेलने और प्रैक्टिस के भरपूर अवसर मिले। इसके लिए गांव में ऐसी जगह होनी चाहिए जहां लड़कियां अपने अपने खेल का पूरा अभ्यास कर सकें। जया कहती है कि इसके लिए गांव के लोगों और पूरे समाज को गंभीरता से सोचने की ज़रूरत है ताकि लड़कियां भी खेल में आगे बढ़ कर करणीसर गांव का नाम रौशन कर सकें। वह कहती है कि हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर लड़कियों को घरेलू कार्यों तक सीमित रखा है। उन्हें शिक्षा तक से भी वंचित करने का प्रयास किया जाता है। ऐसे में खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए उनके पास बहुत कम विकल्प रहते हैं। लड़कियां खेलने के अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाती हैं। लेकिन अगर उन्हें अवसर और सुविधाएं मिले तो परिदृश्य बदल सकता है।

23 वर्षीय एक अन्य किशोरी शारदा पूरे आत्मविश्वास के साथ कहती है कि पहले की तुलना में अब खेलों में लड़कियों की भागीदारी बढ़ने लगी है। सरकार भी खेलो इंडिया के माध्यम से इस क्षेत्र में किशोरियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। जिससे कई किशोरियों ने अपनी पहचान बनाई है। इसकी वजह से ओलंपिक और राष्ट्रमंडल जैसे अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारतीय महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। इसके अतिरिक्त विभिन्न खेलों में महिला लीग की शुरुआत कर किशोरियों को खेल के मंच भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं। हाल के अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं में कई महिला खिलाड़ियों ने पदक जीतकर इस धारणा को मज़बूत किया है कि यदि लड़कियों को भी अवसर उपलब्ध कराये जाएं तो वह भी देश के नाम मैडल जीत सकती है। वह कहती है कि अब कई परिवार अपनी बेटियों को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। लेकिन इसके लिए अभ्यास महत्वपूर्ण है जिसके लिए मैदान की ज़रूरत होती है। जिसका करणीसर गांव में अभाव है।

इसी वर्ष तमिलनाडु में आयोजित छठे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में राजस्थान के खिलाड़ियों ने भी विभिन्न प्रतिस्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन कर राज्य को टॉप 5 में स्थान दिलाया है। इसमें लड़कों के साथ साथ लड़कियों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और राज्य की झोली में स्वर्ण पदक डाला। अपने प्रदर्शन से इन्होंने यह साबित किया कि यदि लड़कियों को भी अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो वह भी अपने गाँव, जिला और राज्य का नाम रौशन कर सकती है। इतना ही नहीं, वर्ष 2009 में, निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के साथ-साथ, बच्चों को विभिन्न खेलों और मनोरंजन में शामिल करने के लिए खेल के मैदानों को अनिवार्य बनाया गया क्योंकि इससे उन्हें आवश्यक जीवन कौशल, आदतें और दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है। इस अधिनियम के लागू होने के बाद कई बच्चों को इसका लाभ हुआ है, लेकिन अधिनियम के लागू होने के 15 साल बाद भी जमीनी स्थिति पर नजर डालें तो आज भी हजारों बच्चे विशेषकर लड़कियां खेल की सुविधा से वंचित हैं। वास्तव में, खेल का मैदान सिर्फ मैदान नहीं होता है बल्कि यह एक ऐसा मंच होता है जहां प्रतिभाएं हकीकत का रूप लेती हैं।

सुशासन के लिए 'न नेशन वन इलेक्शन' बहुत जरूरी

जनकल्याणकारी व आर्थिक नीतियों को लागू करने में बार बार रुकावटें नहीं आयेंगी : एके शर्मा

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। देश को समृद्धि और सुशासन की ओर ले जाने के लिए 'वन नेशन वन इलेक्शन' बहुत आवश्यक है। केंद्र, राज्यों व स्थानीय निकायों में अलग-अलग एवं बार-बार होने वाले चुनावों से देश को आर्थिक नुकसान हो रहा और देश पूरी तरह से खोखला होता जा रहा है। देश में 'वन नेशन वन इलेक्शन' की संवैधानिक व्यवस्था लागू होने से देश विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। देश की प्रशासनिक क्षमता बढ़ेगी व विकास कार्यों को गति मिलेगी और पूरे देश में सुशासन एवं गुड गवर्नेंस की स्थापना होगी। जनकल्याणकारी व आर्थिक नीतियों को लागू करने में बार बार रुकावटें नहीं आयेंगी। अलग-अलग होने वाले चुनावों से विकास कार्यों व गरीबों तक पहुंचने वाली ज़रूरी मदद में रुकावट आती है। चुनावों के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा समाज में व्याप्त भाईचारे को भी तोड़ने की कोशिश की जाती है। इसमें भी कमी आएगी।

उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के अटल सुशासन पीठ में पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के अंतर्गत 'One Nation One Election': An Initiative for Good Goverence' विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर अपने विचार व्यक्त किया और अपने प्रेरणादाई

■ सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग कर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने व्यक्त किए अपने विचार

संबोधन से उपस्थित गणमान्य जनों को प्रेरित भी किया। उन्होंने इस विषय पर उपस्थित जनों से चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव और अल्पकालिक सरकारों के कारण लोगों को बहुत ही अव्यवस्था का सामना करना पड़ता है। इस दौरान विकास की कोई बात नहीं होती, सिर्फ चुनाव की चर्चा होती है। मोदी चाहे मुख्यमंत्री रहे हो या अभी प्रधानमंत्री स्थाई सरकार ही चलाई है। इससे अस्थाई सरकारों व बार-बार के चुनावो से देश को कुछ तो मुक्ति मिली है। देश को विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए जरूरी है कि बार-बार के चुनाव से मुक्ति मिले, जिससे नौजवानों के रोजगार के लिए, नई योजनाओं व नीतियों को बनाने के लिए भी समय मिल सके। उन्होंने कहा कि 1952 से लेकर 1967 तक पूरे देश में एक चुनाव की व्यवस्था लागू थी। फिर से इस व्यवस्था के लागू होने से देश के विकास के रफ्तार को गति मिलेगी। आर्थिक रूप से देश समृद्ध बनेगा। पब्लिक भी चुनाव का बेसब्री से इंतजार करेगी, चुनाव को लेकर उनकी उदासी खत्म होगी। चुनाव में वोटर की भागीदारी बढ़ेगी। क्षेत्रीय पार्टियों को भी फायदा होगा। उन्होंने उपस्थित सभी विद्वतजनों व नवयुवकों का आह्वान किया कि इस व्यवस्था के पक्ष में जनजागृति लाएं, सभी इसके पक्ष में अपनी एक राय भी बनाएं।

ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री व उनकी टीम तथा देश के विद्वतजन मिलकर इस दिशा में देश को आगे ले जाएंगे। विपक्षी चाहे जितना भी इसका विरोध करें, वह तो देश को गर्त में ही ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी जब मुख्यमंत्री रहे तभी से 'वन नेशन वन इलेक्शन' की बात कर रहे है। वे इस पर चर्चा भी करते थे कि बार-बार के चुनाव होने से विकास कार्य प्रभावित होते हैं।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। माय भारत लखनऊ द्वारा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर लखनऊ के मोहनलालगंज में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया उसके बाद भगवान बिरसा मुंडा जी के त्याग और बलिदान के विषय में जिला युवा अधिकारी मेरा युवा भारत लखनऊ विकास सिंह ने उपस्थित युवाओं को संबोधित किया, और जनजातीय गौरव दिवस के महत्व के विषय में बताया।

तत्पश्चात ए एस डिफेंस अकादमी के निदेशक अजीत कुमार ने भी भगवान बिरसा मुंडा जी और उनके साथ और भी जनजातीय योद्धाओं के विषय में उपस्थित युवाओं को संबोधित किया और उनके बलिदान से सभी युवाओं को परिचित कराया, की किस प्रकार उन्होंने भारत भूमि के लिए अंग्रेजों से लड़ाई की थी। देश के प्रधानमंत्री जी ने बिरसा मुंडा जी के जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में जो मनाने का फैसला लिया यह बहुत ही सराहनीय था उसके बाद उपस्थित युवाओं ने भी भगवान बिरसा मुंडा जी के चित्र पर माल्यार्पण किया और फिर भगवान बिरसा मुंडा के जन्म जयंती पर वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मोहनलालगंज क्षेत्र के मेरा युवा भारत के युवा स्वयंसेवक शामिल हुए, जिसमें राज्य सरकार द्वारा स्वामी विवेकानंद पुरस्कार विजेता अंशिका यादव और विशाल आदि युवा प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा अधिकारी मेरा युवा भारत विकास सिंह द्वारा किया गया।

उत्तराखण्ड महोत्सव : शाम-ए-अवध का रंगीन नजारा गोमती तट पर

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। उत्तराखण्ड महोत्सव के आठवें दिन बीरबल साहनी मार्ग स्थित पं0 गोविन्द बल्लभ पंत पर्वतीय सांस्कृतिक उपवन में डांस उत्तराखण्ड डांस, नाचेगा भारत, पारम्परिक झोड़ा के समूहों, स्थानीय कलाकारों तथा उत्तराखंड से आए कलाकारों ने विविध कार्यक्रम पेश कर शाम-ए-अवध को गोमती तट पर गुलजार किया तथा अल्मोड़ा उत्तराखण्ड से आये रंगीन पोशाक पहने छोलिया दल ने अपने वाद्य यंत्रों की सुमधुर कर्णप्रिय धुनों एवं अजब करतब दिखाते हुए दर्शकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। छोलिया दल महोत्सव के समापन तक अपनी सुन्दर कला का प्रदर्शन हर रोज करते रहेंगे।

महापरिषद के महासचिव भरत सिंह बिष्ट ने भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड, नेशनल थर्मल पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड तथा एसबीआई लाईफ के अपार सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। स्टालों पर अन्य उत्पादों की बिक्री के साथ ऊनी, गर्म वस्त्रों के स्टाल पर भी गुनगुनी ठण्डक की शुरूआत के कारण भारी भीड़ बनी हुई है। मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सिंह कनवाल ने बताया कि महोत्सव स्थल पर आज डॉ बी एस नेगी द्वारा मेडिकल चेकअप तथा दवा वितरण कैम्प लगाया गया। महापरिषद ने उनका आभार जताया, इसमें डॉ बी एस नेगी (जनरल फिज़ीशियन), डॉ निर्मला जोशी (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ एस सागर (कंसल्टेंट फिज़ीशियन), डॉ सी पी गौड़ (जनरल फिज़ीशियन), डॉ शोभ नाथ (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ बलराम यादव (जनरल फिज़ीशियन), औषधी वितरण-शोभा रावत आदि का विशेष सहयोग रहा। केके अस्पताल का भी फ्री चेकअप तथा दवा वितरण कैंप महोत्सव में दस दिनों हेतु लगाया गया है।

सिर्फ दलित ही नहीं, महिलाएं व अल्पसंख्यक हाशिए पर

जाति व्यवस्था के उन्मूलन से ही दलित समाज की प्रगति संभव : विक्रम सिंह

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। जाति व्यवस्था हमेशा से हमारे समाज में नहीं थी। वह समाज में थोपी गई। आज दलितों की समस्याओं का समाधान केवल आरक्षण से ही संभव नहीं है। आरक्षण के साथ दलित वर्गों को उत्पादन के साधनों में भी हिस्सेदारी मिलनी चाहिये। दलितों के मध्य क्रीमी लेयर जैसा कोई वर्ग नहीं है। क्यूंकि, केवल आर्थिक उन्नति में ही दलित वर्ग के साधन संपन्न व्यक्तियों को सामाजिक भेदभाव से मुक्ति नहीं मिल सकती। यह विचार अखिल भारतीय खेत मज़दूर सभा के संयुक्त सचिव और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष विक्रम सिंह ने जन विचार मंच द्वारा प्रेस क्लब में आयोजित विचार गोष्ठी विकास की दौड़ और हाशिए का समाज में व्यक्त किये।

संगोष्ठी के आरंभ में वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार वाल्मीकि ने हाशिए के समाज को व्याख्यायित करते हुये कहा

कि सिर्फ दलित वर्ग ही नहीं, वरन महिलाएं, अल्पसंख्यक, ट्रांसजेंडर, शरणार्थी सभी हाशिए के समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि इनकी बड़ी आबादी का होने के बावजूद यदि यह समाज, उपेक्षित और कमजोर रहा तो इसका कारण इन समाज सत्ता पर कमजोर पकड़ है।

उन्होंने कहा- यह एक विचारणीय प्रश्न है कि यह बहुसंख्यक समाज संगठित होकर सामने क्यूँ नहीं आ रहा। वाल्मीकि ने बताया कि वर्ष 2001 में राजनाथ सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में

■ जन विचार मंच का आयोजन

सामाजिक न्याय समिति का गठन किया गया था, जिसने पिछड़ी जातियों का वर्गीकरण कर विभिन्न जातियों की स्थिति के आधार पर समानुपातिक आरक्षण की सिफारिश की थी, किन्तु इस रिपोर्ट पर कालांतर में कोई कार्यवाही नहीं हुई। दोनों वक्ताओं ने जाति जनगणना के महत्व को रेखांकित करते हुये कहा कि अगले वर्ष जब जनगणना की जायेगी, उस समय सभी को जातिगत जनगणना के पक्ष में आवाज़ उठानी चाहिये, ताकि समाज के विभिन्न वर्गों की सामाजिक आर्थिक स्थिति कैसी है, स्पष्ट हो सके।

संगोष्ठी का संचालन प्रतुल जोशी ने किया। इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ की पूर्व अध्यक्ष आईशी घोष, जनवादी महिला समिति की प्रदेश अध्यक्ष मधु गर्ग, सामाजिक कार्यकर्ता नरेश वाल्मीकि, नाईश हसन, अवन्तिका, नवाबुद्दीन, अजय शेखर सिंह, अंशु केडिया, अशोक, दिनकर कपूर, शबाहत हुसैन समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

टीएमयू के फॉरेंसिक साइंस का शेरलॉक के संग एमओयू

अवधनामा संवाददाता

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के फॉरेंसिक साइंस के छात्रों की शिक्षा, अनुसंधान, इंटर्नशिप, प्रशिक्षण और स्थानांतरण में सहयोग के लिए शेरलॉक इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस-एसआईएफएस, दिल्ली के संग एमओयू साइन हुआ। एमओयू के तहत टीएमयू फॉरेंसिक के स्टुडेंट्स एसआईएफएस में इंटर्नशिप कर सकेंगे। इंटर्नशिप में छात्रों को रीयल केसों पर कार्य करने, साइबर फ्रॉड की जांच, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, जाली डाक्यूमेंट की जांच आदि में अनुभव का मौका मिलेगा। इसके साथ-साथ स्टुडेंट्स को यूजीसी- नेट परीक्षा की तैयारी, सेमिनार, प्रोजेक्ट्स में भी शेरलॉक इंस्टीट्यूट मदद करेगा। टीएमयू की ओर से रजिस्ट्रार डॉ. आदित्य शर्मा, जबकि एसआईएफएस की ओर से सीईओ डॉ. रंजीत कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर वीसी प्रो. वीके जैन, कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के प्रिंसिपल प्रो. नवनीत कुमार, फैकल्टी श्री योगेश कुमार, एसआईएफएस की वैज्ञानिक अधिकारी मिस जया पाण्डेय की उल्लेखनीय मौजूदगी रही।

फाल्के साहब ने भारतीय संस्कृति से प्रेरित होकर फिल्म बनाई : नरेंद्र ठाकुर

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। अवध चित्र साधना तथा जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय फिल्म महोत्सव का आयोजन शनिवार को किया गया। रविवार को इस कार्यक्रम का दूसरा और अंतिम दिन होगा।

आयोजकों ने बताया कि अवध चित्र साधना अवध क्षेत्र के स्थानीय फिल्मकारों, विद्यार्थियों और जागरूक लोगों के माध्यम से प्रथम बार फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन करते हुए बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए अवध चित्र साधना के अध्यक्ष प्रो. गोविन्द जी पांडेय ने कार्यक्रम की प्रस्तावना को रखा। विशिष्ट अतिथि अतुल पांडेय ने कहा कि

■ अवध चित्र साधना तथा जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग बीबीएयू लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय फिल्म महोत्सव

आज की फिल्में पुरानी तकनीकी से निकलकर नई तकनीक के साथ समाज को आनंदित कर रही हैं।

वहीं, कार्यक्रम बतौर मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत में सिनेमा प्रारम्भ करने का श्रेय दादा साहब फाल्के को है। तत्कालीन परिस्थितियों को याद करते हुए बताया कि फिल्म ईसाई से प्रेरित न होकर अपने भारतीय संस्कृति से प्रेरित हुआ करती थी। उन्होंने अपनी पहली फिल्म राजा हरिश्चंद्र नामक चरित्र से बनाई। फाल्के साहब ने व्यावसायिक न होकर भारतीय संस्कृति से प्रेरित होकर फिल्म बनाई। भारतीय सिनेमा ने स्वाधीनता आंदोलन में अपनी महती भूमिका निभाई है।

नरेन्द्र ठाकुर जी ने कहा कि सिनेमा सामाजिक समस्याओं का चित्रण करने के साथ ही मनोरंजन भी करता है। अवध चित्र साधना फिल्म फेस्टिवल मनोरंजन के साथ-साथ भारतीय किस्से, समस्या, प्रेरक कहानियों जैसी समाज के दिशा देती विषयों को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। नई पीढ़ी को फिल्मों के माध्यम से प्रेरणा देना। प्रोत्साहन देने के साथ ही अच्छा दर्शन दिया जा सकता है।

उपभोक्ता परिषद के साप्ताहिक वेबीनार में खुली बिजली कंपनियों की पोल

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगभग 15 लाख 72 हजार 327 किसानों में मात्रा लगभग 8 लाख किसानों द्वारा ही अभी तक फ्री बिजली योजना का पंजीकरण कराए जाने और अभी तक 50 प्रतिसत किसानों द्वारा फ्री बिजली योजना का पंजीकरण न कराने के मामले पर आज उपभोक्ता परिषद के सासाहिक वेबीनार में बडी संख्या में फर्रुखाबाद फिरोजाबाद अलीगढ गाजीपुर हाथरस बलिया प्रतापगढ लखनऊ के किसानों ने रखी अपनी व्यथा किसानों ने आक्रोश जताते हुए कहा बडी संख्या में अनेको जनपदों में किसानों के ऊपर काल्पनिक बकाया गलत बकाया दिखाया गया है किसान बिजली दफ्तर में चक्कर लगा रहे हैं बिजली दफ्तर के अधिशासी अभियंता अपनी असमर्थता जाहिर करते हुए काल्पनिक बकाया को समाप्त करने के लिए पावर कारपोरेशन

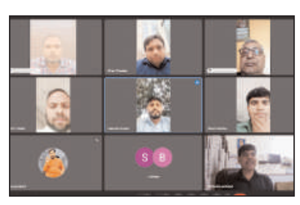

के आईटी को चिट्ठी लिख रहे हैं लेकिन उनका बिल ठीक नहीं हो रहा है किसानों पर फर्जी बकाया काल्पनिक बकाया गलत बिल का जब संशोधन नहीं होगा तो उन पर फर्जी बकाया उनके बिल में दिखाता रहेग और पावर कारपोरेशन का जो फ्री बिजली योजना का नियम है उसमें स्पष्ट है कि बकाया होने पर पंजीकरण नहीं कर सकते किसान।

फिरोजाबाद के जुडे किसान हरेंद्र कुमार ने अधिशासी अभियंता द्वारा जारी बिल संशोधन हेतु शक्ति भवन को भेजा गया वह पत्र भी भेजा जिसमें स्पष्ट तौर पर लिखा गया है कि किसान रघुवीर सिंह पर लगभग 92994 का काल्पनिक बकाया है।

इस्केमिक स्ट्रोक और अल्जाइमर रोग से जुड़े तकनीक पर दो दिवसीय कार्यशाला

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी के तत्वावधान में एरा विश्वविद्यालय, लखनऊ के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इस्केमिक स्ट्रोक और अल्जाइमर रोग से जुड़े उपकरण और तकनीक पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख और प्रख्यात न्यूरोफिजिशियन प्रो. आर. के. गर्ग ने किया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए प्रो. गर्ग ने स्ट्रोक के प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्ट्रोक का वर्णन किया और उसके बाद स्ट्रोक का शीघ्र पता लगाने और उपचार के लिए एक मॉडल के रूप में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर बोलते हुए एरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अब्बास

अली महदी ने कार्यशाला के साथ-साथ भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी के गठन और प्रगति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों और फैकल्टी का स्वागत किया। भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी, लखनऊ के अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार खन्ना ने समारोह की अध्यक्षता की। कार्यशाला की शुरुआत यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, बाल्टीमोर, यूएसए के डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी और न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर मिरोस्लाव जानोवस्की के व्याख्यान से हुई, जिसका विषय था प्रिसिजन न्यूरोसाइंस को लागू करने के लिए गाइडोमिक्स। इसके बाद सीएसआईआर-भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रजनीश कुमार चतुर्वेदी ने अल्जाइमर रोग में पुनर्योजी चिकित्सा पर बात की। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, रायबरेली के फार्माकोलॉजी और विष विज्ञानध्विनियामक विष विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रविंदर कुमार कौंडल ने स्ट्रोक के प्रीक्लिनिकल मॉडल प्रासंगिकता और अनुवाद संबंधी मूल्य पर विस्तार से बात की।

'10 बच्चों की मौत के लिए मेडिकल प्रशासन जिम्मेदार'

लखनऊ। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के उत्तर प्रदेश राज्य सचिव मण्डल ने झांसी जिले के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज में शिशु वार्ड में आग लगने से हुई 10 बच्चों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। पार्टी ने मृत बच्चों के परिजनों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए अस्पताल की व्यवस्था में हुई इस घोर लापरवाही के लिए मेडिकल प्रशासन से राज्य सरकार तक को दोषी माना है। अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थानों पर इस तरह की घटनाओं से बचने के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। यह मामला प्रशासनिक लापरवाही के साथ ही शासन तंत्र की कमजोरी व उपेक्षा को भी दर्शाता है।

पार्टी ने मांग की है कि इस घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए तथा घटना के प्रति जिम्मेदार लोगों को हर दशा में सजा मिलनी चाहिए। पीड़ित परिवारों को मुआवजा भी दिया जाय।

इण्टरनेशनल साइन्स प्रतियोगिता में छात्रों ने 6 गोल्ड मेडल समेत 38 पदक जीते

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस के मेधावी छात्रों ने सिंगापुर इण्टरनेशनल मास्टरी कान्टेस्ट सेन्टर (एस.आई.एम.सी.सी.) के तत्वावधान में आयोजित इण्टरनेशनल साइन्स कम्पटीशन (वान्दा-2024) में 6 गोल्ड मेडल समेत 38 पदक अर्जित कर अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर लखनऊ का नाम रोशन किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में जहाँ एक ओर सी.एम.एस. अलीगंज प्रथम कैम्पस के छात्र इनाया आफताब, अर्णव द्विवेदी, अर्यान सिंह डागुर, अनन्या त्रिपाठी, उत्कर्ष एवं अमोल गुप्ता ने गोल्ड मेडल अर्जित कर अपने मेधात्व का परचम लहराया है तो वहीं दूसरी ओर 12 छात्रों ने सिल्वर मेडल जबकि 14 छात्रों ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया है। इसके अलावा, 6 छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक

प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इन सभी मेधावी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या व शिक्षकों का आभार व्यक्त किया है। यह जानकारी सी.एम.एस. के कम्युनिकेशन विभाग के हेड श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि यह प्रतियोगिता सिंगापुर के स्कूलों में चल रहे विज्ञान पाठ्यक्रम पर आधारित थी, जिसमें विश्व के कई देशों के कक्षा-3 से कक्षा-10 तक के छात्रों ने प्रतिभाग किया। वार्षिक स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों के रचनात्मक चिंतन के विकास एवं एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर विज्ञान के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और नवाचार को बढ़ावा देना है।

श्री खन्ना ने बताया कि वैज्ञानिक युग के महत्व को स्वीकारते हुए सी.एम.एस. अपने छात्रों का दृष्टिकोण वैज्ञानिक एवं विश्वव्यापी बनाने के उद्देश्य से जोरदार प्रयास कर रहा है। सी.एम.एस. में छात्रों की प्रतिभा निखारने के लिए पूरे वर्ष विभिन्न विषयों पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताऐं आयोजित की जाती हैं, जिससे छात्रों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर मिलता है।

बिरसामुंडा एक सशक्त संचारक थे : डॉ. धनंजय

अंतरराष्ट्रीय भागीदारी उत्सव में यूपी से लेकर स्लोवाकिया तक की प्रस्तुतियों ने जीता दिल

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। जनजाति विकास विभाग उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान और उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित लोक नायक बिरसा मुण्डा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय भागीदारी उत्सव के दूसरे दिन शनिवार 16 नवम्बर को भारत के उत्तर प्रदेश से लेकर स्लोवाकिया तक की प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र बनी। इसके साथ ही संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी की उपस्थिति में क्रान्तिकारी बिरसा मुण्डा का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान विषयक संगोष्ठी का भी आयोजन गोमती नगर स्थित संगीत नाटक अकादमी परिसर में किया गया। इसमें संदेश दिया गया कि जो समाज अपने संस्कारों से जुड़ा रहता है उसका अस्तित्व बना रहता है।

संगोष्ठी में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन केन्द्र के पाठ्यक्रम

समन्वयक डॉ. धनंजय चौपड़ा ने कहा कि अमूमन लोग भगवान बिरसा मुंडा को महज एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी के रूप में जानते हैं। वास्तव में वह एक सशक्त संचारक थे। उन्होंने अपने संचार कौशल का प्रयोग कर सम्पूर्ण आदिवासी समाज को जल जंगल जमीन के लिए जागृत कर उलगुलान आन्दोलन से जोड़ दिया। उलगुलान का अर्थ होता है जल-जंगल-जमीन पर दावेदारी। इस दौरान उन्होंने नारा दिया था अबुआ दिशुम, अबुआ राज। इसका अर्थ होता है हमारा देश-हमारा राज। इस आदिवासी आंदोलन से देखते ही देखते हजारों आदिवासी जुड़ गए। उत्तरोत्तर यह सशस्त्र आन्दोलन भी बन गया। भगवान बिरसा मुंडे कहा करते थे कि मैं केवल देह नहीं मैं जंगल का पुश्तैनी दावेदार हूँ पुश्तें और उनके दावे मरते नहीं मैं भी मर नहीं सकता। मुझे कोई भी जंगलों से बेदखल नहीं कर सकता। डॉ. धनंजय चौपड़ा ने यह भी बताया कि बिरसा मुंडा आंदोलन की समाप्ति के करीब 13 साल बाद टाना भगत आंदोलन शुरू हुआ।

संगोष्ठी में आमंत्रित दूसरे विद्वान वक्ता एमिटी विश्वविद्यालय लखनऊ के सहायक आचार्य डॉ. देवेन्द्र वर्मा ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन के विभिन्न चरणों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि बिरसा मुंडा की प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा चाईबासा-गोस्नर इवैंजेलिकल लूथरन चर्च विद्यालय में हुई। जल्द ही वहां की मिशनरी सोच से उनका मोह भंग हो गया। 20 वर्ष के होते होते बिरसा मुंडा का रुझान वैष्णव धर्म की ओर हो गया। उनके प्रयासों से आदिवासियों में यह जनजागृति आई कि महामारी दैवीय प्रकोप नहीं है। धीरे धीरे लोग बिरसा मुंडा की कही बातों पर विश्वास करने लगे और मिशनरी की बातों को नकारने लगे। बिरसा मुंडा आदिवासियों के भगवान हो गए और उन्हें धरती आबा कहा जाने लगा।

■ आगंतुकों ने लिया हस्तशिल्प और व्यंजनों का आनंद

झांसी मेडीकल कॉलेज मे लगी आग मे ललितपुर के तीन नवजात भी हुये घटना का शिकार

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। महानगर झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई सरकारी मेडिकल कॉलेज के निक्कू (एनआईसीयू) वार्ड में शुक्रवार की देर रात भीषण आग लग जाने से दस नवजात मासूम बच्चों की मौत के मामले में पूरा देश गमगीन हो उठा है। निक्कू वार्ड में भर्ती 49 बच्चों में से 10 बच्चों की आग से जलने के कारण मौत की पुष्टि देर रात कर दी गयी, जबकि 39 बच्चों को भारतीय सेना और पुलिस की मदद से रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाल लिया गया, जिन्हें झांसी और ललितपुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रकरण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे तौर पर जुड़कर अधिकारियों से पल-पल की अपडेट ले रहे हैं तो वहीं डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने झांसी मेडीकल कॉलेज पहुंच कर मौका मुआयना किया। वहीं केन्द्र सरकार से घटना की जांच के लिए एन.आई.ए. की टीम भी झांसी पहुंच कर जांच में जुट गयी है। वहीं केन्द्र व राज्य सरकार ने मृतक बच्चों व आग से आहत हुये नवजातों के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की है। झांसी मेडीकल कॉलेज में रात करीब 10.30 बजे ऑक्सीजन कंसंट्रेटर में स्पार्किंग के चलते आग लग गयी। आग लगते ही एक विस्फोट हुआ, जिसकी आवाज सुनकर नवजात बच्चों को स्तनपान करा रहीं महिलायें दौड़कर बाहर भागी, तो वहीं बाहर बैठे तीमारदार अंदर घुसे और बच्चों को लेकर बाहर की ओर भागे। वार्ड वॉय ने आग बुझाने के लिए अग्निशमन यंत्र का प्रयोग करने का प्रयास किया, लेकिन करीब चार वर्ष पहले एक्सपायर हो चुका यंत्र नहीं चल सका। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की गाडियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर करीब दो घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। वहीं रेस्क्यू के लिए सेना को भी बुलाया गया। सेना के जवानों ने वार्ड में घुसकर आहत हुये बच्चों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। इधर बताया जा रहा है कि इस प्रकरण में वार्ड में भर्ती 49 बच्चों में दस बच्चों की मौत की पुष्टि देर रात कर दी गयी। इस घटनाक्रम में असमय काल के गाल में समाये बच्चों में तीन ललितपुर क्षेत्र के भी बताये जा रहे हैं। झांसी मेडीकल कॉलेज में भर्ती बच्चे के दादा थाना जखौरा क्षेत्र के ग्राम सीरोंनकलां निवासी निरन ने दैनिक भास्कर से जारी एक वीडियो में बताया कि उसके पुत्र भगवानदास की पत्नी पूजा को दो दिन पहले ललितपुर में प्रसव के लिए सरकारी अस्पताल ललितपुर ले गये थे।

हीलाहवाली व लापरवाही बरतने पर कार्यवाई: एडीएम

■ बुजुर्ग महिला को नाश्ता खिलाकर उनका प्रार्थनापत्र पर तत्काल समाधान करने के आदेश: एडीएम प्रियंका सिंह

अवधनामा संवाददाता

हरदोई। बिलग्राम सम्पूर्ण समाधान दिवस की संयुक्त अध्यक्षता करते हुए एडीएम प्रियंका सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक नृपेंद्र कुमार ने फरियादियों की समस्या सुन सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।इसी दौरान एक बुजुर्ग महिला अपना शिकायतीपत्र लेकर भीड़ में पहुंची जिसे देखकर एडीएम प्रियंका सिंह ने उन्हें बुलाकर हाल चाल जाना तो महिला ने एडीएम को बेटी सम्बोधित कर बताया कि वह भूख प्यास से तड़पते हुए न्याय की आस में आई है। जिसके बाद एडीएम ने तत्काल बुजुर्ग महिला को नाश्ता खिलाकर उनका प्रार्थनापत्र पर तत्काल समाधान करने के आदेश सम्बंधित जिम्मेदार को देते हुए हीलाहवाली व लापरवाही बरतने पर कार्यवाई के लिए तैयार रहने की चेतावनी भी दी। जिसे देखकर बुजुर्ग महिला ने एडीएम को खुशी के आंसुओं के साथ बेटी खुश रहो कहकर संबोधित किया। तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर उपजिलाधिकारी बिलग्राम राकेश कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार शर्मा नायब तहसीलदार, कोतवाली प्रभारी उमाकांत दीपक समेत बिलग्राम माधौगंज व सांडी ब्लॉक के अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ नगर पालिका व नगर पंचायतों के जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों/प्रतिनिधियों की मौजूदगी दर्ज रही।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के वक्त मौत

बलिया। मनियर थाना क्षेत्र के विक्रमपुर दक्षिण निवासी बालदेव यादव का एकलौता 40 वर्षीय पुत्र मोहन यादव की सड़क हादसे में मौत हो गई। शनिवार को शव गांव पहुँचते ही कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि गुरुवार की शाम करीब सात बजे विक्रमपुर दक्षिण निवासी मोहन यादव (40) पुत्र बालदेव यादव बस स्टैंड से बाइक से अपने घर आ रहा था। बाइक पर पीछे सुनील सिंह (40) पुत्र रमाशंकर सिंह निवासी विक्रमपुर दक्षिण भी बैठे थे। इस बीच पीछे से आ रही बोलेरो ने बाइक में टक्कर मार दिया। इससे सुनील सिंह दूर जाकर गिर गया। बाइक चला रहे मोहन यादव के सिर में गंभीर चोट आ गई। घायलावस्था में उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।वहां से हालत नाजुक होने पर चिकित्सक ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। परिजन उसे मऊ स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करा दिए, वहां हालात में थोड़ा भी सुधार नहीं हुआ। वहां से परिजन लखनऊ पीजीआई ले गए, लेकिन वहां भर्ती न कराकर मेदांता ले गए, जहां डॉक्टर ने शुक्रवार की देर शाम मृत घोषित कर दिया। शनिवार को शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए

संभल। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने शहर के मुख्य बाजार मे दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने के लिए कहा है जिससे बाजारो मे जाम न लगे। जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैसिया पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने शहर के मुख्य बाजार मे जा कर दुकानदारों से सड़को पर किये गये अतिक्रमण को हटाने को कहा अन्यथा नगर पालिका परिषद द्वारा चलाया जा रहा अतिक्रमण अभियान के तहत हटाया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा है कि संभल के मुख्य बाजार मे तीस प्रतिशत तक सड़क पर अवैध अतिक्रमण किया हुआ है जिसको हटाने के लिए पूर्व में भी मुनादी कर दी गयी है अवैध अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो अगले सप्ताह से मुख्य बाजारो में अतिकमण हटाओ अभियान चलेगा और अतिकमण न हटाने पर दस हजार रुपये का जुर्माना नगर पालिका परिषद को देना पडेगा

अज्ञात वाहन से टकराकर युवक की मौत

संभल। थाना कैला देवी क्षेत्र के गाँव चाचू नगला में चारा लेने जा रहे युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर में मौत हो गयी हादसे के बाद से परिवार के लोगों का रो रो कर बुरा हाल है जानकारी के अनुसार थाना कैला देवी क्षेत्र के गाँव चाचू नगला निवासी विपिन बैलगाडी से पुशओ के लिए चारा ले ने जा रहा था तभी अज्ञात वाहन ने बैलगाड़ी को टक्कर मार दी जिससे युवक बुरी तरह से घायल हो गया घायल अवस्था मे युवक को जिला अस्पताल लाया गया जहॉ चिकित्सको ने घायल विपिन को मृत घोषित कर दिया पुलिस ने शव कब्जे में लेकर कार्यवाही शुरू कर दी है।

घायल युवक की मौत परिवार में मंचा कोहराम

संभल। कोतवाली क्षेत्र के गाँव फतेहपुर सराय के निकट तीन दिन पहले संभल चन्दौसी मार्ग पर ऑटो और बस की टक्कर में सात लोग घायल हुए थे जिनमे से एक युवक नरौली निवासी तंजीम की उपचार के दौरान मौत हो गयी जिससे परिवार के लोगों का रो रो कर बुरा हाल है बस ने ऑटो मे पीछे से टक्कर मार दी थी जिससे ऑटो मे बैठे लोगों घायल हो गये थे पुलिस ने मौके पर पहुँच कर घायलो को उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया था नरौली निवासी तंजीम ऑटो से संभल आ रहा था परिवार के लोगों ने बिना पोस्टमार्टम के ही शव अपने साथ ले गये पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली तहरीर मिलने पर आगे की कार्यवाही शुरू की जायेगी 14 नवंबर को सुबह दस बजे संभल से चन्दौसी जा रही बस चन्दौसी से संभल आ रहे ऑटो से भिडत हो गयी थी जिसमें सात लोग घायल हुए थे ये सभी ऑटो मे सवार थे पुलिस ने मौके पर पहुँच कर घायलो को स्थानीय लोगों की सहायता से ऑटो मे से निकाला कर उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया था जिनमे से नरौली कस्बे के निवासी तंजीम 23 की मौत हो गयी जिससे तंजीम के परिवार के लोगों का रो रो कर बुरा हाल है।

जिला स्तरीय जूनियर बालक हाकी प्रतियोगिता का आयोजन 20 नवंबर को

बलिया। खेल निदेशालय लखनऊ के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय द्वारा जिला स्तरीय जूनियर बालक वर्ग की हाकी प्रतियोगिता का आयोजन 20 नवम्बर 2024 को वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम बलिया में किया जाएगा। यह जानकारी क्रीड़ाधिकारी जवाहर लाल यादव ने देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में जूनियर आयु वर्ग के स्कूल/क्लब के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकते है। प्रतिभाग के लिए जनपद के इच्छुक टीम अजय प्रताप साहू, उप क्रीड़ाधिकारी से सम्पर्क कर प्रविष्टि करा सकतें हैं। खिलाड़ियों को आधारकार्ड अनिवार्य रूप से लाना होगा। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय अवधि में जिला खेल कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

बलिया में सिरफिरे युवक ने फावड़ा से प्रहार कर पिता की हत्या की

बलिया। जनपद के उभांव थाना अंतर्गत मुबारकपुर ग्राम में शनिवार की सुबह एक मनबढ़ युवक ने फावड़ा से प्रहार कर अपने अधेड़ पिता की हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर हत्यारे पुत्र को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में चालान कर दिया। बताया जा रहा है कि थाना क्षेत्र के मुबारकपुर निवासी जयप्रकाश चौहान (55) अपने पुत्र मोहित चौहान के साथ खेत में पानी चला रहे थे। इस दौरान मोहित ने अचानक अपने पिता के सिर पर फावड़े से प्रहार कर दिया। इससे अधेड़ खेत में ही गिरकर लहूलुहान हो गया।आनन-फानन में परिजनों ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार मोहित मानसिक रोगी है और गत दो वर्षो से वाराणसी में उसका इलाज चल रहा है। इस बाबत एसएचओ विपिन सिंह ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज कर आरोपी हत्यारे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गंगा के तट शिवरामपुर घाट पर भव्य एवं दिव्य कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बलिया। भृगु बाबा की नगरी में कार्तिक पूर्णिमा पर मां गंगा के तट शिवरामपुर घाट पर भव्य एवं दिव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शिवरामपुर घाट पर दीपों को कार्तिक पूर्णिमा की शुभकामनाएं तथा व दीपावली के आकर में सजाया गया। काशी से आए विद्वानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गंगा पूजन कराया गया। गोरखपुर के प्रांत प्रचारक रमेश जी, जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार, पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद संत कुमार मिठाई लाल गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने गंगा पूजन किया।

स्वाति मिश्रा व कन्हैया मित्तल के भजनों पर खूब झूमे श्रद्धालु

अवधनामा संवाददाता

बलिया। कार्तिक पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर गंगा नदी के श्रीरामपुर घाट पर शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें सुप्रसिद्ध भजन गायिका स्वाति मिश्रा व कन्हैया मित्तल ने अपने भक्ति गीतों से श्रद्धालुओं को खूब झुमाया। इससे पहले युवा क्लासिकल सिंगर प्रणव कान्हा ने बलिया के थीम सांग से सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत की।

स्वती मिश्रा ने देवी पचरा निमिया के डाल मइया से कार्यक्रम की शुरुआत की। उसके बाद कभी राम बनके कभी श्याम बनके, तेरी मंद मंद मुस्कनिया पर, रामा-रामा रटते-रटते सहित तमाम भक्ति गीत सुनाये। स्वाति का मशहूर भजन राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी का इंतजार सभी श्रद्धालुओं को बड़ी बेसब्री से था, जिसे सुना कर स्वाति ने पूरे माहौल को राममय कर दिया। इसके बाद मशहूर भजन गायक कन्हैया मित्तल ने जो राम को लाए हैं और बजरंगबली के गीतों से लोगों को खूब झुमाया। इससे पहले प्रणव कान्हा ने जय हो जय हो बागी बलिया का गायन शुरू किया तो श्रद्धालुओं में एक अलग उत्साह देखने को मिला। इस गाने पर लोगों ने भृगु बाबा की खूब जयकार लगाई। इस गीत के जरिये लोगों को बलिया के प्राचीनतम व क्रांतिकारी इतिहास से परिचय कराया। अंजलि उर्वशी ने भी सबका ले सुंदर मोरी मइया हे गंगा मइया गाकर श्रद्धालुओं में भक्ति का रस घोल दिया। अन्य कल करने भी शिव तांडव व अन्य कलाकारों ने भी भक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुति कर खूब मनोरंजन किया।

जखौरा में एक दिवसीय नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित

■ इसी तरह के पांच और कैंप लगाने की है योजना

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। वीरांगना फाउण्डेशन एवं स्व जस्टिस मेहरचन्द्र महाजन विद्यावती चैरीटेविल ट्रस्ट नई दिल्ली के सहयोग से नेत्र परीक्षण कैम्प आयोजित किया गया। आज दिनांक 16 नवम्बर 2024 को राजकीय इण्टर कॉलेज जखौरा में एक दिवसीय आँखों का नि:शुल्क फैम्प आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम शिविर का उ?द्घाटन प्रधानाचार्य डॉ मनोज कुमार जी ने किया एवं बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर आये हुये अतिथियों एवं चिकित्सकों का स्वागत किया। शिविर में कक्षा 6 से 12 के सभी बच्चों की आँखों का परीक्षण किया गया जिन्हें आये हुये कुशल नेत्र चिकित्सकों द्वारा परीक्षण एवं परामर्श दिया गया लगभग 350 छात्र/छात्राओं ने शिविर का लाभ उठाया जिन्हें अवश्यकता अनुसार फी चश्में भी ट्रस्ट की ओर से वितरित किये गये कैंप को सफल बनाने में दिल्ली से आये हुये नेत्र चिकित्सकों में डॉ0 यशी शर्मा, अक्षय चौधरी, वरूण शर्मा एवं सुख श्याम जी का सहयोग रहा। वीरांगना फाउण्डेशन की अध्यक्षा श्रीमती पूनम शर्मा जी का उद्देश्य है कि सम्पूर्ण बुन्देलखण्ड क्षेत्र में किसी को आँखों के रोगों से कष्ट ना हो। बुन्देलखण्ड काफी पिछड़ा क्षेत्र है। जिसके लिये निरन्तर समाज सेवा करने का कार्य करती रहती है शिविर को सफल बनाने हेतु मण्डल अध्यक्ष अमरेश सिंह लोधी, अनिल पटैरिया, पंकज ताम्रकार, सचिन नामदेव, जिला महामंत्री बलराम सिंह लोधी , जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र कुमार रजक , अरुण ताम्रकार प्रबंधक बालाजी स्कूल एवं विद्यालय परिवार से प्रवक्ता श्री उत्तम वर्मा, अमोद कुमार, सुनील कुमार, देवी प्रसाद यादव, रामदयाल दिवाकर, श्रीमत्ति लक्ष्मी झां, श्री भरत सिंह, नंदकिशोर, अखलेन्द्र वर्मा श्रीमति अर्चना राजपूत, श्रीमति सुनीता सिंह, श्रीमति सविता यादव, श्रीमति अर्चना वर्मा, मुकेश कुमार, विक्रम सिंह आदि सदस्य उपस्थित रहे।

चलती कार बनी आग का गोला

मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र अंतर्गत छटीकरा राधाकुंड रोड पर मघेरा चौराहे के पास चलती कार में अचानक से आग लग गई। चालक द्वारा कार रोकने पर कार में बैठे लोग आग की लपटें देखकर कार से उतर गए। कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। कार में आगे लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। कार में आग लगने से वाहनों के पहिये थम गए। बाद में पुलिस ने यातायात सुचारू कराया। राजस्थान के अलवर के तीजकी स्वर्ग रोड, हरिजन बस्ती निवासी विकास कुमार चार दोस्त विनोद, ऋतिक, सुमित, अक्षय के साथ वृंदावन घूमने आए थे। शुक्रवार रात छटीकरा राधाकुंड रोड होते हुए कार से अलवर जा रहे थे। रात करीब 9 बजे कार में शॉर्ट सर्किट होने से आग की लपटे उठने लगीं। आग की लपटें देखकर चालक ने कार सड़क किनारे लगा दी। जिस पर कार में बैठे सभी पांच लोग दूर जाकर खड़े हो गए। कार धू-धू कर जल गई। थाना प्रभारी निरीक्षक जैंत अश्वनी कुमार ने बताया शॉर्ट सर्किट से कार में आग लगी थी।

शहर की सूरत संवारने को नगर आयुक्त एक्शन में नगर आयुक्त

■ पंटिंग वाली दीवारों को खराब करने वालों से वसूला जा रहा जुर्माना,

■ अवैध होर्डिंग, विज्ञापनों को नगर निगम की टीम ने उखाड़ा

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। शहर की सूरत संवारने के लिए नगर निगम कई स्तर पर प्रयास कर रहा है। दर असल इसके पीछे नगर आयुक्त का विजन है। वह लगातार इस भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण कर रहे हैं। हाल ही में नगर निगम में बड़े पैमाने पर दीवारों पर पेंटिंग कार्य कराया गया है। पेंटिंग कार्य की गुणवत्ता के अलावा इस बात पर भी ध्यान दिया जा रहा है कि सुदर बनाई गई पेंटिंग को खराब न किया जाए। ऐसा करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश नगर आयुक्त की ओर से जारी किये गये हैं। साथ ही शहर में लगे अवैध होर्डिंग बैनरों को भी उखाडा जा रहा है। ऐसे लोगों को आगे से इस तरह के प्रयास करने पर कार्यवाही की चेतावनी भी दी जा रही है। शनिवार को नगर आयुक्त शशांक चौधरी के आदेशों के अनुपालन में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के नेतृत्व में अवैध क्योस्क बोर्ड, होर्डिंग्स के विरूद्ध चलाये गये अभियान में शनिवार को प्रवर्तन दल की टीम व राजस्व विभाग के कर्मचारियों के साथ डीग गेट से मसानी, मसानी से गोकुल रेस्टोरेंट तथा रूपम सिनेमा से गोविंद नगर तक अवैध क्योस्क बोर्ड, होर्डिंग्स हटाये गये। अभियान में लगभग 310 क्योस्क बोर्ड तथा 44 बड़े विज्ञापन पट हटाये गये। इससे पहले ई रिक्शा के प्रचार प्रयास के लिए एसआरडी ई रिक्शा संचालक पर नगर निगम की ओर से 50 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया है। तीन दिन के अंदर सभी विज्ञापन हाटाने की चेतावनी देने के साथ ही जुर्माने की रकम नगर निगम कार्यालय में जमा कराए जाने के निर्देश दिये गये हैं।

मनमानी: 16 वर्ष से दघेंटा के किसानों हो रहे परेशान

मथुरा। गांव दघेंटा में चकबंदी प्रक्रिया 2008 से चल रही थी। कर्मचारियों की लापरवाही के कारण चकबंदी प्रकिया को सांसद हेमा मालिनी ने दिसम्बर 2023 में निरस्त करा दिया था। इसके बाद जनवरी 2024 में कागजात तहसील महावन में आ गये। लेकिन रिकॉर्ड कम्प्यूटर में अभी तक फीड नहीं किए गए हैं। विडंबना देखिए कि 16 वर्ष तक चकबन्दी प्रक्रिया में किसान पहले परेसान रहे, इधर से उधर दौड़ते रहे। अब तहसील वाले परेशान कर रहे हैं। किसानों की दाखिल खारिज तक नहीं हो पा रही। पिता की मृत्यु के बाद उसके बारिशों की फोती नहीं हो पा रही है। ग्रामीण किसी की जमानत तक नहीं कर पा रहे हैं। आजादी के 76 साल बाद भी किसान तहसीलों और चकबंदी ऑफिस में फंसा रह गया है। दघेंटा के भाकियू चढ़ूनी के ब्लॉक अध्यक्ष एवं ग्राम दघेंटा के भू पृबंधक समिति मेंबर तथा गांव का जागरूक किसान ओमवीर सिंह ने एसडीएम महावन को मांग पत्र भेज कर कहा है कि फीडिंग जल्द कराई जाए अन्यथा किसान तहसील का घेराव करेगे। आगे किसान किसी हद तक जा सकते हैं। इसकी प्रतिलिपी उन्होने डीएम, एडीएम प्रशासन, सीडीओ, तहसीलदार साहब महावन, एलआईयू प्रशासन मथुरा को भी भेजी है।

सिटी मजिस्ट्रेट ने जूस पिलाकर कांग्रेसियों की भूख हड़ताल समाप्त की

■ दिया अश्वासन एक हफ्ते में कर दिया जाएगा खाद की समस्या का समाधान

■ दो दिन से बैठे थे किसानों को डीएपी दिलाने की मांग को लेकर धरने पर

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। किसानों को डीएपी खाद उपलब्ध कराने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव मुकेश धनगर के नेतृत्व में दूसरे दिन भी जिला मुख्यालय पर कांग्रेस के पदाधिकारियों की भूख हड़ताल जा रही । धरना स्थल पर दोपहर बाद सिटी मजिस्ट्रेट राकेश कुमार व सहायक निबंधक सहकारिता विवेक कौशल पहुंचे। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से वार्ता करके लिखित अश्वासन दिया कि हम एक हफ्ते के अंदर खाद की समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। इसके बाद कांग्रेस नेताओं की भूख हड़ताल को सिटी मजिस्ट्रेट ने जूस पिलाकर समाप्त करा दिया।

आज अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर प्रदेश महासचिव के साथ महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि, महासचिव विपुल पाठक, प्रवीण भास्कर, कुंवर सिंह निषाद, महासचिव अप्रतिम सक्सेना और दीपक पाठक बैठे। सिटी मजिस्ट्रेट और एआर के द्वारा मिले अश्वासन के बाद कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष ने बताया कि अगर एक हफ्ते के अंदर किसानों को पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद उपलब्ध नहीं हुई कांग्रेस कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा। अनशन का संचालन किसान नेता कैलाश बाबू ने किया। इस अवसर पर राजा गौतम, शैलेंद्र चौधरी, जिलानी कादरी, राकेश दिवाकर, रमेश कश्यप, सिम्मी बेगम, महेश चतुर्वेदी, अमित राज, अनिल खरे, सुशील सागर एडवोकेट, पंकज चौधरी एडवोकेट, रवि खरे वाल्मीकि, अनवर फारुकी, संजय सक्सेना, मेदाराम ठाकुर, प्रेम सिंह, ठाकुर सुरेश चंद, कमल शर्मा, रूपेश धनगर, नवनीत दीक्षित, भगवान सिंह जादौन, पुरोहित कुमार, विनोद कुमार, विवेक धनगर आदि उपस्थित थे।

तराई किसान यूनियन ने पी डब्ल्यू डी को ज्ञापन सौंपा

अवधनामा संवाददाता

संभल। तराई किसान यूनियन ने सम्भल मे लाडम सराय संभल-बहजोई मार्ग पर मंदिर के सामने गतिरोधक निमार्ण के लिय पी डब्ल्यू डी के अधिकारियों को सौपा ज्ञापन। ज्ञापन के माध्यम से तराई किसान यूनियन ने मांग की है की घानी आबादी वाले क्षेत्रों में गतिरोधक निमार्ण होना बहुत आवश्यक है। गतिरोधक न होने की वजह से आये दिन दुर्घटनाएं हो रही है। 14/11/2024 को लाडम सराय संभल-बहजोई मार्ग पर मंदिर के सामने गतिरोधक न होने की वजह से एक दुर्घटना हो गई थी जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। शायद वह पर गतिरोधक होता तो ये हादसा नहीं होता। लाडम सराय संभल-बहजोई मार्ग पर मंदिर के सामने गतिरोधक न होने की वजह से मंदिर मे आने जाने वालो को भी बहुत मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। तराई किसान यूनियन ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की अगर 18/11 /2024 तक गतिरोधक का निर्माण नही कराया गया तो तराई किसान यूनियन लाडम सराय संभल-बहजोई मार्ग पर मंदिर के सामने धरना प्रदर्शन करने का काम करेगी। ज्ञापन देने मे मौजूद रहे प्रदेश सचिव मोहम्मद रफ़ी खान, जिला अध्यक्ष मोहम्मद नदीम खान, नवाब साद आदिल, खालिद खान, हाजी जमरूद, मुजफ्फर किदवई, नफीस अहमद युवा जिला सचिव संभल, हाजी मोहम्मद अफजल जिला सचिव, शफीक मंसूरी, फरमान अहमद, नवीन प्रजापति, प्रमोद सैनी, मोहर पाल सिंह और सैनी समाज के बहुत से पुरुष और महिलाएं मौजूद रहे।

ब्रज के साधु संत दिल्ली के लिए हुए रवाना

मथुरा। धार्मिक नगरी वृंदावन से बड़ी संख्या में ब्रज के साधु संत, धर्माचार्य एवं बृजवासी शुक्रवार की प्रातः आठ बजे दिल्ली में होने वाली सनातन धर्म संसद में भाग लेने के लिए रवाना हुए। सभी संतों को वृंदावन के एक आश्रम में बाल भोग प्रसाद खिलाने के बाद पूरे उत्साह के वातावरण में बस के माध्यम से दिल्ली के लिए विदा किया गया। जिससे सम्पूर्ण वातावरण सनातनी हो गया। सनातन पताका फहराने के लिए ब्रज से रावना हुए संतों का कहना था कि सनातन धर्म संसद में आज सनातन की ताकत दुनिया देखेगी यदि सनातन बोर्ड का गठन नहीं किया गया तो इससे भी अधिक संख्या में अगली धर्म संसद में संपूर्ण भारत से संत और सनातनी कूच करेंगे। संत स्वामी गोविंदानंद तीर्थ महाराज ने कहा कि आज सभी सनातनियों को एक होने का समय है। यदि सभी सनातनी एक नहीं हुए, तो आने वाला भविष्य अंधकार में हो सकता है। सरकार को सनातन बोर्ड की मांग स्वीकार कर श्री कृष्ण जन्मभूमि निर्माण के लिए कानूनी बाधाओं को दूर करना चाहिए।

प्रेस क्लब के पूर्व महामंत्री पर एफआईआर

■ मामले में निष्पक्ष जांच की मांग, प्रेस क्लब ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। प्रेस क्लब (रजि.) के पूर्व महामंत्री अन्तिम कुमार जैन के खिलाफ विगत 13 नवम्बर को पठापुरा निवासी राजाराम पुत्र रामदास अहिरवार ने हरिजन उत्पीडन् के साथ-साथ गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कराया था। प्रकरण को लेकर शनिवार को प्रेस क्लब (रजि.) के नेतृत्व में संरक्षक मण्डल सदस्य, पदाधिकारी व सदस्यों ने लामबंद होकर एक ज्ञापन पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक को उनके सरकारी आवास पर जाकर सौंपा। ज्ञापन देते हुये प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू ने बताया कि पूर्व महामंत्री अन्तिम कुमार जैन के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज होने से पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त है। एसपी मो.मुश्ताक ने कहा कि प्रकरण की जांच करायी जा रही है। किसी भी निर्दोष के खिलाफ कार्यवाही नहीं की जायेगी। जांच में जो भी तथ्य प्रकाश में आयेंगे, उस पर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने पूरे प्रकरण में जांच सही तथ्यों के आधार पर विधिक कार्यवाही का आश्वासन दिया। ज्ञापन देते समय संरक्षक मण्डल सदस्य मंजीत सिंह सलूजा, संतोष नारायण शर्मा, पवन संज्ञा, प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू, महामंत्री अमित सोनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय जैन कल्लू, कोषाध्यक्ष अमर प्रताप सिंह पाली, पूर्व महामंत्री मो.नसीम, विनीत चतुर्वेदी, राकेश शुक्ला, पूर्व कोषाध्यक्ष संदीप शर्मा एड., पूर्व कोषाध्यक्ष रमेश रायकवार, अजित जैन भारती, नीरज सुड़ेले, अनूप सेन, अशोक तिवारी, विकास त्रिपाठी, राहुल शुक्ला, कुन्दन पाल, हरीशंकर अहिरवार, भगवत नारायण श्रोती, अमित लखेरा, विकास सोनी, शिब्बू राठौर, शुभम पस्तोर खड़ेरा, सुनील जैन, संजय नायक, निहाल सेन, सुनील सैनी के अलावा अनेकों पत्रकार आदि मौजूद रहे।

डीएम ने ददरी मेले का किया निरीक्षण

■ अधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

अवधनामा संवाददाता

बलिया। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने ऐतिहासिक ददरी मेला-2024 का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिया। डीएम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए भारतेंदु सांस्कृतिक मंच स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंच का स्टेज चार फीट ऊंचा हो। मंच पर कलाकारों के लिए पर्याप्त जगह होनी चाहिए, एलईडी स्क्रीन दो फीट ऊंचा लगाया जाए। स्टेज का प्रकाश अच्छी गुणवत्ता का हो, पर्याप्त बैरिकेडिंग कराई जाए। दर्शक दीर्घा ब्लॉक में विभाजित किया जाए। 15 हजार लोगों के लिए व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। मीडिया के कवरेज के लिए समुचित व्यवस्था किया जाए। सांस्कृतिक कलाकारों एवं जनप्रतिनिधियों के लिए अलग-अलग स्विस कार्टेज बनाए जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ददरी मेला क्षेत्र के 80 एवं 60 फीट रास्तों पर कोई दुकान न लगने पाए। तहबाजारी के लिए पृथक से स्थान चिन्हित किया जाए, जिस पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सुभाष कुमार ने बताया कि अलग से स्थान चिन्हित कर लिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि संपूर्ण ददरी मेला क्षेत्र में साफ- सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा जमीन समतलीकरण का कार्य भी कर लिया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य राजस्व अधिकारी त्रिभुवन, अपर जिलाधिकारी डीपी सिंह, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रकांत त्रिवेदी एवं अधिशासी अधिकारी सुभाष कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल की खूबसूरती को बढ़ाती हैं ये समुद्र तटीय जगहें, आप भी करें एक्सप्लोर

पश्चिम बंगाल देश का एक प्रमुख और बेहद खूबसूरत राज्य है। यह भारत का चौथा और सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य है। क्षेत्रफल के हिसाब से यह देश का 13वां सबसे बड़ा राज्य माना जाता है। यह देश का एक ऐसा राज्य है, जो हिमालय पर्वत से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला है। इसलिए यहां पर हर साल लाखों की संख्या में देसी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। पश्चिम बंगाल में सैमसिंग, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, संदक्फू और कलिम्पोंग जैसे हिल स्टेशन्स के बारे में तो हर कोई जानता है।

लेकिन पश्चिम बंगाल में मौजूद खूबसूरत समुद्र तटीय जगहों के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पश्चिम बंगाल में स्थित समुद्र तटीय जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जो राज्य की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है। ऐसे में आप भी इन जगहों पर घूमने के लिए पहुंच सकते हैं।

दीघा

अगर पश्चिम बंगाल में किसी शानदार और फेमस समुद्र तटीय जगहों पर घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले दीघा पहुंचते हैं। यह जगह कोलकाता से करीब 164 किमी दूर बंगाल के टॉप डेस्टिनेशन में शामिल है।

दीघा बीच को समुद्र की हसीन लहरों के लिए जाना जाता है। यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। इस बीच की खूबसूरती मुंबई या गोवा बीच से कम नहीं है। यहां पर विदेशी पर्यटक भी पहुंचते हैं। इस बीच पर आप सूर्योदय और सुर्यास्त के भी मनमोहक नजारे देख सकते हैं।

शंकरपुर

बंगाल की खाड़ी के पास स्थित शंकरपुर राज्य का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। दीघा से करीब 15 किमी की दूरी पर यह खूबसूरत जगह स्थित है।

बता दें कि यह बेहद शांत जगह है, जहां पर आप सुकून के दो पल बिता सकते हैं। यह बंगाल के सबसे साफ-सुथरे बीचेज में से एक माना जाता है। शंकरपुर में एक तरफ समुद्र की लहरें और दूसरी तरफ सफेद रेत देखने को मिलेगी। इसके साथ ही आप यहां पर शानदार और मजेदार वॉटर स्पोर्ट्स का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

ताजपुर

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से करीब 172 किमी दूर ताजपुर एक बेहद खूबसूरत और फेमस समुद्र तटीय जगह है। यह बेहद खूबसूरत जगह राज्य के मंदारमणि और शंकरपुर के बीच स्थित है।

सैलानियों को ताजपुर बीच सबस ज्यादा आकर्षिक करता है। आप इस बीच से राज्य की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं। ताजपुर में भारत की सबसे डीप सी बंदरगाह का निर्माण किया जा रहा है। आपको यहां का सनसेट और सनराइज का बेहद शानदार नजारा मिस नहीं करना चाहिए।

मंदारमणि

बता दें कि कोलकाता से करीब 171 किमी और दीघा से 30 किमी दूर मंदारमणि गांव स्थित है। यहां पर भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। इस गांव में मंदारमणि बीच राज्य के सबसे ट्रेंडी बीच रिट्रीट में से एक माना जाता है। यहां का शांत माहौल और मनमोहक नजारा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर आप वॉटर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं। सर्दियों में घूमने के लिहाज से यह एक बेस्ट जगह है।

बच्चों को दिल्ली की इन 7 प्रसद्धि जगहों की कराएं सैर, खुश हो जाएंगे बच्चे, मौज-मस्ती में बीतेगा दिन

अगर आपके भी बच्चे रोजाना कहीं घुमाने की जिद करते हैं, लेकिन आप बिजी होने के चक्कर में कहीं लेकर नहीं जाते हैं। कल का दिन तो बच्चों को घूमाने के लिए सबसे बढ़िया है। प्रत्येक वर्ष 14 नवंबर को बाल दिवस के तौर पर मनाया जाता है। यह दिन बच्चों को घुमाने के लिए सबसे खास है। पेरेंट्स अपने प्यारे-प्यारे बच्चों को दिल्ली में घुमाने के लिए कई खास जगहों पर लेकर जा सकते है। यहां पर आपके शैतान किड्स काफी एन्जॉय करेंगे। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में जहां आप अपने बच्चों को कम खर्च में फुल एंजॉय करा सकते हैं।

नेशनल रेल म्यूजियम

बच्चो को घुमाने के लिए आप रेल म्यूजियम लेकर जरुर जाएं। यहां पर पुरानी ट्रेन को देखना बच्चों को काफी पसंद आएगा। रेल म्यूजियम में एक ही जगह पर कई ट्रेनें है। इस जगह से बच्चे भारतीय रेलवे नेटवर्क का इतिहास सीख सकते है। इतना ही नहीं, यहां पर ट्रेन राइड का मजा लें सकते हैं।

म्यूजियम ऑफ इल्यूजन

बाल दिवस पर आप अपने बच्चों को म्यूजियम ऑफ इल्यूजन जरुर लेकर जाएं। यहां पर सभी उम्र के बच्चे जा सकते है। अगर आप रोमांचक और मजेदार फोटोग्राफी का शौक है, तो इस जगह पर काफी पसंद आएगा।

वेस्ट टू वंडर

बच्चों को घुमाने के लिए यह जगह सबसे बढ़िया है। यहां पर आप बच्चों के साथ दुनिया के 7 अजूबे देख सकते हैं। हैरान करने वाली बात तो यह है कि यह सब वेस्ट मटेरियल से बना है। वेस्ट टू वंडर में सभी चीजें स्क्रैप की चीजों से बनीं हुई हैं। बच्चों को ये जगह काफी पसंद आएगी।

नेहरु प्लेनेटेरियम

बच्चों को स्पेस और सोलर सिस्टम की जानकारी में दिलचस्पी है, तो आप अपने बच्चों को नेहरु प्लेनेटरियम लेकर जाएं। कर्म खर्च में बच्चों को घुमाने के लिए ये जगह सबसे बेहतरीन है।

इंडिया गेट

बच्चों के साथ पिकनिक बनाने के लिए इंडिया गेट जा सकते हैं, यहां बगल में ही चिल्ड्रन पार्क है जो बच्चों के लिए बेस्ट है। वीकेंड के दौरान फैमिली के साथ मौज-मस्ती के लिए इससे बेहतर कोई प्लेस नहीं हो सकती है।फ़ैमिली वेकेशन पैकेज

लोधी गार्डन

लोधी गार्डन 90 एकड़ में फैला हुआ है। यह एक सुंदर सिटी पार्क है। यहां पर सिकंदर लोदी का मकबरा, मोहम्मद शाह का मकबरा, शीशा गुबंद और बारा गुबंद देखें।

डियर पार्क

बाल दिवस पर बच्चो के साथ आप दिल्ली के सबसे पॉश इलाकों में से एक हौज खास विलेज में मौजूद डियर पार्क जा सकते हैं। यह सुंदर हरा-भरा पार्क अच्छी तरह से बनाएं रखा गया है। यहां आपको तरह-तरह के पक्षी और जानवर देखने को मिल जाएंगे।

दिसंबर में गोवा ट्रिप पर जानें से पहले, जान लीजिए कितना खर्चा हो सकता है?

मौज-मस्ती करने के लिए गोवा से बेहतर क्या ही जगह हो सकती है। दिसंबर के महीने में काफी ठंड पड़ती है लेकिन इस दौरान गोवा जाने का प्लान भी सबसे बढ़िया रहता है। समुद्र किनारे बैठ कर ठंडी हवाओं का मजा लेना बहुत सुकून देता है। यहां पर कई सुंदर बीचेज मौजूद है। गोवा में कैलंगुट बीच काफी मशहूर है। इस बीच पर आपको वाटर फॉल, आकर्षित नजारे और कई एडवेंचर एक्टिवीटीज भी कर सकते है। दिसंबर और जनवरी के महीने में लोग गोवा जाने की काफी प्लानिंग करते हैं। ऐसे में आपको जान लेना चाहिए कि इस महीने में गोवा जाने पर कितना खर्च होगा।

महंगी हो जाती है कई चीजें

गोवा में दिसंबर-जनवरी के महीने में काफी रौनक देखने को मिलती है। इस दौरान हर एक बीच में काफी सजावट होती है और जगह-जगह पार्टियों का आयोजन होता है। इस समय हर चीज का रेट दोगुना हो जाता है। रेंट पर स्कूटी आम दिनों में 200-250 होती है और वहीं, दिसंबर महीने में 500 से भी ज्यादा के किराए पर मिलती है। होटल के कमरों का चार्ज भी काफी ज्यादा हो जाता है। 2000 हजार में कमरे मिलते, जबकि नॉर्मल 1000 रुपये मिल जाते हैं।

कितना होगा खर्च

गोवा में घूमने के लिए 5 से 10 हजार में भी घूम सकते हैं, लेकिन ये शुरुआती खर्चा है। हालांकि, गोवा का बेसिक खर्च 20 से 30 हजार तक हो सकता है। वहीं, आप दिसबंर-जनवरी के महीने में गोवा जाते हैं तो आपका खर्चा बढकर 50 से 80 हजार दो लोगों का हो सकता है। इतने रुपये में आप गोवा में एक्टिविटीज का मजा ले सकते हैं। बता दें कि यह खर्च 3 रात 4 दिन का है।

खूबसूरत ट्रेन नजारे की यात्रा पर जाना चाहते हैं, तो इन 5 साउथ इंडिया के रेल रुट मजा लें

प्रत्येक दिन लाखों लोग ट्रेन में सफर जरुर करते हैं। ट्रेन से सफर तय करने का सबसे बेहतरीन साधन है। अगर आपको भी ट्रेन से सफर करना पसंद है तो आज हम आपको इस लेख में बताएंगे कि साउथ इंडिया की खूबसूरत ट्रेन रुट्स के बारे में, जहां आप भी कर सकते हैं सफर। जब आप इन ट्रेन रुट्स से गुजरेंगे तो आपको ऐसा लगेगा कि एक पल के लिए यहीं ठहर जाएं।

बेंगलुरु से गोकर्ण

कर्नाटक के गोकर्ण सिर्फ वहां के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि देश के शिव भक्तों और समुद्र तट के प्रेमियों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं जगह। जब बेंगलुरु से गोकर्ण के लिए सीधी ट्रेन जाती है, तो रास्ते में आपको हरे-भरे कॉफी बागानों और सुंदर पुलों का नजारा देखने को मिलेगा। इस ट्रेन रुट का पूरा रास्ता आपके घने हरे-भरे जंगलों से जाता है। यदि आप इस रुट से यात्रा का प्लान कर रहे हैं, तो कारवार एक्सप्रेस से यात्रा का प्लान बना सकते हैं। यह ट्रेन हफ्ते में 3 दिन चलती है।

वर्कला से कन्याकुमारी

गौरतबल है कि कन्याकुमारी साउथ इंडिया में सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। केरल के वर्कला से शुरु होकर कन्याकुमारी तक जाने वाले इस ट्रेन रुट पर प्राकृतिक नजारे से भरे हुए है। इस रुट पर आप ट्रैवल करने के लिए खूब पसंद करेंगे। इस ट्रेन रुट पर सफर करने के दौरान ऐसा लगेगा कि आधे से ज्यादा खूबसूरत वादियों को कवर कर लिया है। आपको बता दें कि आइलैंड एक्सप्रेस वर्कला से कन्याकुमारी तक चलती है। यह ट्रेन करीब 4 घंटों में 127 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

मेट्टुपालयम से ऊटी

ऊटी हिल स्टेशन तमिलनाडु का सबसे खूबसूरत है। इस हिल स्टेशन पर कई खूबसूरत ट्रेन रुट्स है, जहां आप प्राकृतिक खूबसूरती देख सकते हैं। यहां पर आप शांत वातावरण के साथ ही हरे-भरे पेड-पौधे देखने को मिलेंगे, जिससे आपको काफी सुकून मिलेगा। आपको बता दें कि, नीलगिरि माउंटेन रेलवे, एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की लिस्ट में भी शामिल है। वही, मेट्टुपालयम से ऊटी ट्रेन करीब 4.75 घंटों में 46 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

पत्नी के साथ विदेश घूमने का सपना होगा पूरा, जेब भी ज्यादा नहीं होगी ढीली

ऐसा शायद ही कोई होगा, जिसको विदेश घूमने का शौक नहीं होगा। हर कोई साल में एक बार फॉरेन ट्रिप तो जरूर करना चाहता होगा। लेकिन कई लोग बजट के कारण विदेश नहीं जा पाते हैं। ऐसे में अगर आप विदेश घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन बजट के कारण नहीं जा पा रहे हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके लिए कुछ ऐसे सस्ते विदेश ट्रिप लेकर आए हैं, जो आपके बजट में फिट बैठ जाएंगे। आप इन जगहों पर घूमने के साथ-साथ एक से एक बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। बता दें कि इन जगहों पर घूमने के लिए आपको करीबर 1 से 2 लाख रुपए के बीच खर्च आएगा। तो आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

3 रोमांटिक जगहें, खुश हो जाएंगी आपकी पार्टनर

सामोआ

दक्षिण प्रशांत महासा्गर में स्थित सामोआ एक छोटा सा द्वीप राष्ट्र है, जोकि हवाई और न्यूजीलैंड के बीच में पड़ता है। सामोआ पोलिनेशिया का भी हिस्सा है और कई छोटे-छोटे द्वीपों से मिलकर बना है। सामोआ अपने हरे-भरे नजाओं, जीवंत संस्कृति और प्राचीन समुद्र तटों के लिए जाना जाता है।

बारबाडोस

बारबाडोस पूर्वी कैरिबियन में स्थित है, यह जगह समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, समुद्र तटों और जलवायु के लिए जानी जाती है। इस देश की राजधानी ब्रिजटाउन है। जो सबसे बड़े शहर के रूप में फेमस है। बारबाडोस अपने सफेद-रेतील, कोरम रीफ्स और क्रिस्टल वॉटर के लिए फेमस है। यह पर्यटकों के लिए फेमस डेस्टिनेशन है। यहां पर आप स्कूबा डाइविंग और स्नॉर्कलिंग जैसी कई एक्टिविटीज कर सकते हैं।

नेपाल

नेपाल भी अपने खूबसूरत नजारों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। नेपाल की हिमालय रेंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। यहां पर हिमालय की ऊंची-ऊंची चोटियां जैसे माउंट एवरेस्ट दुनियाभर में फेमस है। यहां की राजधानी और सबसे बड़ा शहर काठमांडी देश की आर्थिक, संस्कृति और राजनीति का केंद्र बना हुआ है।

भूटान

बता दें कि भूटान एक छोटा लैंडलॉक राज्य है। यह पूर्वी हिमालय में स्थित है, जोकि भारत और चीन से सीमाबद्ध है। यहां पर हैरान कर देने वाले पहाड़ी नजारों, पर्यावरण संरक्षण और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। भूटान को अंतिम शांगरी-ला के रूप में जाना जाता है।

मालदीव

मालदीव भी कपल्स के लिए जन्नत से कम नहीं है। यह भारतीय महासागर में स्थित है। बता दें कि मालदीव श्रीलंका और भारत के दक्षिण-पश्चिम की तरफ पड़ती है। यहां पर हैरान कर देने वाले सफेद-रेतीले समुद्र तटों, समुद्री जीवन और क्रिस्टल वॉटर के लिए जाना जाता है। यह देश की राजधानी माले दुनिया की सबसे छोटी राजधानियों में से एक है।

मॉरीशस

मॉरीशस भारतीय महासागर में स्थित है। यह फिरोजी लैगून, प्राचीन समुद्र तटों और हरे-भरे जंगलों के लिए फेमस है। यह पर्यटकों का फेवरेट डेस्टिनेशन है। जोकि प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता का मिश्रण है। मॉरीशस द्वीप की राजधानी और सबसे बड़ा शहर पोर्ट लुइस देश के आर्थिक और राजनीतिक केंद्र के रूप में काम करने के लिए जाना जाता है।

नवंबर-दिसंबर के महीने में केरल की इन जगहों पर नहीं घूमा, तो क्या ही घूमें

केरल में सबसे सुंदर और आकर्षक पर्यटन स्थल हैं जो साल भर पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। जबकि केरल के खूबसूरत बैकवाटर, रेतीले समुद्र तट और आकर्षक शहर लोकप्रिय हैं। इन हिल स्टेशन पर नवंबर और दिसंबर के महीनों के दौरान भी काफी मस्त नजारा रहता है। केरल के इन हिल स्टेशन में हरे-भरे पश्चिमी घाटियां स्थित हैं, जो मनमोहक दृश्य देखने के लिए के लिए लायक होते हैं। यहां पर आप मनमोहक दृश्यों के साथ ही ठंडे मौसम का मजे भी ले सकते हैं। आप चाहे तो अपने हनीमून के लिए यहां आ सकते है, परिवार के साथ मस्त छुट्टी की योजना बना सकते हो या प्रकृति की खोज कर रहे हों, केरल के हिल स्टेशन सभी के लिए एक जादुई अनुभव प्रदान करेगा।

केरल के ये बेस्ट 5 हिल स्टेशन

मुहन्नार

केरल का यह हिल स्टेशन उन लोगों के लिए एक सर्दियों के लिए बेस्ट है, जो प्राकृतिक नजारे का आनंद लेना चाहते हैं। यह हिल स्टेशन अपने चाय बागानों के लिए भी प्रसिद्ध है, क्योंकि चाय के पौधों की कतारें पहाड़ियों को कवर करती हैं। *मुहन्नार* में रहने के लिए बहुत सारे स्थान उपलब्ध हैं और एक सुंदर स्थान का चयन अनुभव को और भी यादगार बना सकता है।

वायनाड

भारत का स्पाइस गार्डन एक प्रकृति प्रेमी के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है, यहां आप पहाड़ की चोटियां, हरी घास के मैदान और चाय और मसाले के बगीचे देख सकते हैं। वायनाड में आप ट्रैकिंग ट्रेल्स, झरने और यहां तक कि वन्य जीवन का भी पता लगाया जा सकता है। वायनाड में चाय, कॉफी और चावल के साथ-साथ इलायची, काली मिर्च और जीरा जैसे मसाले भी पाए जाते हैं।

वागामोन

केरल का यह हिल स्टेशन अपने ठंडे मौसम और प्राकृतिक दृश्यों के लिए जाना जाता है । इसे एशिया का स्कॉटलैंड माना जाता है। यह हिल स्टेशन साहसिक प्रेमियों के लिए एक लोकप्रिय स्थान है, यहां आप ट्रैकिंग और पैराग्लाइडिंग जैसी गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं। यहां पर आप मार्माला झरने और करिकाडु व्यू प्वाइंट जैसे खूबसूरत स्थानों की यात्रा करना न भूलें।सबसे अच्छे वेकेशन पैकेज

पोनमुडी

यदि आप सड़क यात्रा पर निकलने के मूड में हैं तो तिरुवनंतपुरम के पास स्थित, पोनमुडी एक शानदार ऑप्शन है। यहां कि हरी-भरी पहाड़ियां, चाय के बागान और झरने एक अनोखा वातावरण बनाते हैं। रोमांच प्रेमियों के लिए यहां ट्रैकिंग का भी विकल्प है, जहां वे मीनमुट्टी और कल्लार जैसे झरनों की सुंदरता भी देख सकते हैं।

थेक्कडी

यह उन लोगों के लिए एक आदर्श हिल स्टेशन है जो सर्दियों की सुंदरता का आनंद लेना चाहते हैं। पेरियार नेशनल पार्क और सुरुली फॉल्स दर्शनीय स्थलों में से एक हैं। थेक्कडी में आप राष्ट्रीय उद्यान में हाथियों, बाघों और अन्य वन्यजीवों को देखने का मौका मिलता है। इसके अतिरिक्त, यहां पर चाय, कॉफी और मसाले के बागानों के मनमोहक दृश्य देखने को मिलते हैं।

धार्मिक स्थलों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है विजयवाड़ा

विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश का एक प्रमुख शहर है, जो अपनी ऐतिहासिकता, धार्मिक स्थलों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर कृष्णा नदी के किनारे बसा हुआ है और यहाँ की सांस्कृतिक विरासत इसे एक अद्वितीय पर्यटन स्थल बनाती है। आइए जानते हैं विजयवाड़ा के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

कनक दुर्गा मंदिर

कनक दुर्गा मंदिर विजयवाड़ा का सबसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह मंदिर पहाड़ी पर स्थित है और देवी दुर्गा को समर्पित है। मंदिर की भव्यता और यहाँ की पूजा विधि भक्तों को आकर्षित करती है। यहाँ से पूरे शहर का दृश्य भी अद्भुत होता है।

बुद्दा की मूर्ति

विजयवाड़ा के निकट कृष्णा नदी में स्थित बुद्दा की 17 फीट ऊँची मूर्ति एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। यह मूर्ति शांति और शांति का प्रतीक है। यहाँ आकर पर्यटक ध्यान और सुकून का अनुभव करते हैं।

प्रकृति पार्क

यह पार्क परिवार और बच्चों के लिए एक बेहतरीन स्थल है। यहाँ सुंदर बाग-बगिचे, खेल के मैदान और जलाशय हैं। पार्क में घूमना और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना एक सुखद अनुभव होता है।

इंदिरा गांधी म्यूजियम

यह संग्रहालय विजयवाड़ा के इतिहास और संस्कृति को दर्शाता है। यहाँ विभिन्न प्रकार की कलाकृतियाँ, चित्र और प्रदर्शनी हैं, जो विजाग और आसपास के क्षेत्र के बारे में जानकारी देती हैं।

बनरू किला

बनरू किला विजयवाड़ा के निकट स्थित एक ऐतिहासिक किला है। यह किला अपने ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत वास्तुकला के लिए जाना जाता है। किले की दीवारें और संरचना पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

कृष्णा नदी

कृष्णा नदी विजयवाड़ा के लिए जीवनदायिनी है। नदी के किनारे चलना, बोटिंग करना और यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेना पर्यटकों के लिए एक अद्भुत अनुभव होता है।

काँगरेड्डी विहार

यह विहार एक प्रमुख बौद्ध स्थल है, जो बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है। यहाँ की शांति और शांति का अनुभव बौद्ध दर्शनों के अनुयायियों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। विजयवाड़ा की यात्रा के लिए अच्छी सड़क और रेल सेवाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ का निकटतम एयरपोर्ट विजयवाड़ा में ही है। पूरे साल में किसी भी समय यात्रा करना संभव है, लेकिन मानसून और शीतकाल में यहाँ का मौसम बेहद सुखद रहता है।सबसे अच्छे वेकेशन पैकेज देखा जाये तो विजयवाड़ा एक ऐसा स्थान है जहाँ आप धार्मिकता, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत अनुभव कर सकते हैं। यहाँ की यात्रा आपको न केवल आध्यात्मिक बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक अनुभव भी प्रदान करेगी। यदि आप आंध्र प्रदेश में घूमने की योजना बना रहे हैं, तो विजयवाड़ा आपके लिए एक अद्भुत गंतव्य है। यहाँ की यात्रा निश्चित रूप से आपको अविस्मरणीय अनुभव देगी।

अमीरों को और अमीर और गरीबों को और गरीब बना रहे मोदी

रांची में खरगे ने मोदी पर साधा निशाना

एजेंसी

रांची। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को रांची के ओरमांझी में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। खरगे ने आरोप लगाया कि देश और गरीबों को बांटने वाली आरएसएस व भाजपा बटेंगे तो कटेंगे का नारा दे रहे हैं।

खरगे ने कहा, वे कह रहे हैं बटेंगे तो कटेंगे..मोदी जी कहते हैं साथ हैं तो सुरक्षित (सेफ) हैं, सुरक्षित किससे आपको पहले हमें बताना चाहिए कि आपने देश के लिए क्या किया है। दलित, आदिवासी और पिछड़ी जाति के बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं मिलती और वे आते हैं और भाषण देते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया, देश की 62 फीसदी संपत्ति पांच फीसदी अमीरों के पास है और तीन फीसदी संपत्ति 50 फीसदी लोगों के पास है। प्रधानमंत्री की नीतियां अमीरों को और अमीर, गरीबों को और गरीब बना रही है। उन्होंने कहा, पीएम मोदी झारखंड के 1.36 लाख करोड़ रुपये लेकर बैठे हैं, उन्होंने पीएम आवास योजना के लिए फंड देने से इनकार किया है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि देश को तोडने वाले और गरीबों को बांटने वाली भाजपा-आरएसएस बटेंगे तो कटेंगे का नारा देते हैं। खरगे ने कहा, (प्रधानमंत्री) मोदी आपको धोखा देंगे। आपके जल, जंगल और जमीन उद्योगपतियों को सौंप देंगे।

इससे पहले, खिजरी में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खगे ने कहा, आज इस सभा में लोगों की तादाद और माहौल देखकर मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि हमारे उम्मीदवार राजेश कश्यप जीत गए हं। आप सब स्वयं प्रेरित होकर यहां इतनी बड़ी संख्या में आए हैं और हमारी माताओं-बहनों ने कांग्रेस पार्टी को जीत दिलाने का फैसला किया है। इसलिए मैं आप सबको नमन करता हूं।

दरअसल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी का हेलीकॉप्टर शुक्रवार को करीब दो घंटे तक खड़ा रहा था। उसे उड़ान की अनुमति नहीं दी गई थी। इसके बाद कांग्रेस ने आरोप लगाया कि देरी राजनीति से प्रेरित थी। दरअसल, हेलीकॉप्टर उन्हें झारखंड के गोड्डा जिले के महागामा से एक चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद ले जाने वाला था। हालांकि, अधिकारियों ने बताया था कि प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को करीब दो घंटे तक देवघर एयरपोर्ट पर फंसे रहे। इस वजह से क्षेत्र के हवाई क्षेत्र को नो-फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया था।

खरगे ने कहा कि कल हमारे नेता राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर में जानबूझकर दो घंटे देरी कर गई, क्योंकि प्रधानमंत्री अपने विमान में बैठे थे। आज मेरे हेलीकॉप्टर के लिए 20 मिनट देरी की गई, क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उतर रहे थे। उनका रास्ता अलग था और मेरा रास्ता अलग था।

खरगे ने हवाई अड्डे का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं।

झामुमो विधायक दिनेश विलियम मरांडी भाजपा में शामिल, टिकट न मिलने से थे नाराज

एजेंसी

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक दिनेश विलियम मरांडी शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। इस बार झामुमो ने उन्हें विधानसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं दिया था, जिससे वह नाराज थे। लिट्टीपारा में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की चुनावी रैली के दौरान मरांडी ने भाजपा की सदस्यता ली। चौहान ने मरांडी का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि वे दोनों मिलकर झारखंड के विकास और यहां के लोगों की भलाई के लिए काम करेंगे।

भाजपा में शामिल होने के कुछ घंटों बाद, झामुमो ने मरांडी को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। सत्तारूढ़ दल ने मरांडी को लिखे अपने पत्र में कहा कि उन्हें बृहस्पतिवार को कारण बताओ नोटिस दिया गया था, लेकिन वह समय सीमा के भीतर जवाब देने में विफल रहे। झामुमो ने पत्र में कहा, आपको पार्टी के सभी पदों से हटा दिया जाता है और अगले छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया जाता है।

मरांडी ने बताया कि उन्होंने टिकट न मिलने और पार्टी नेतृत्व की धमकियों के कारण झामुमो छोड़ने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, %मेरे पिता साइमन मरांडी झामुमो के संस्थापकों में से एक थे और मैंने पार्टी को मजबूत करने के लिए वर्षों तक काफी मेहनत की, लेकिन अब झारखंड के विकास के लिए मुझे पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

2019 के चुनाव में मरांडी ने भाजपा के डेनियल किस्कू को 13,903 वोटों से हराकर पाकुड़ जिले की लिट्टीपारा सीट जीती थी।

चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला। उन्होंने झारखंड को भ्रष्टाचार, खराब प्रशासन और घोटालों का केंद्र बनाने का आरोप लगाया।

क्विक न्यूज

भारतीय रेलवे ने लिया फैसला- ट्रेन के अंदर और पटरियों के ऊपर रील बनाई तो खैर नहीं

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने अपने सभी जोन के लिए निर्देश जारी कर कहा है कि रेल सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने पर केस दर्ज किया जाएगा। यानी अगर कोई शख्स ट्रेन में या ट्रेन की पटरियों पर रील बनाएगा तो उसके खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। दरअसल लोग सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए रेल और रेल की पटरियों पर रील बनाते हैं। कई जगह ये भी देखा गया है कि रील बनाते-बनाते लोग चलती ट्रेन से घायल भी हुए हैं। युवाओं में खासकर यह क्रेज है कि वह रेलवे की पटरियों पर जाकर एक्शन रील बनाते हैं या फिर कुछ एक्सपेरिमेंट करते हैं, जैसेकि ट्रेन की पटरी पर पत्थर रख दिया या कोई सामान रख दिया। इस तरह की रील बनाने वाले लोग खुद के साथ-साथ रेल यात्रियों की जिंदगी भी खतरे में डालते हैं।

दिल्ली में गोकुलपुरी के एक पेट्रोल पंप पर अंधाधुंध फायरिंग

नई दिल्ली। दिल्ली के गोकुलपुरी थाना क्षेत्र के वजीराबाद रोड स्थित पेट्रोल पंप पर बदमाशों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। पेट्रोल पंप के ऑफिस में करीब दो दर्जन से ज्यादा गोलियां चलाई गईं, जिससे वहां काम कर रहे पेट्रोल पंप के सुपरवाइजर घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना रात करीब 10.38 बजे हुई, जब दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने पेट्रोल पंप के ऑफिस केबिन के बाहर से गोलियां चलाईं और फिर घटनास्थल से फरार हो गए। गोलीबारी में घायल अंशुल राठी को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि वो कांच के टुकड़ों से घायल हो गया, हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर है। बताया जा रहा है कि अंशुल राठी छह साल से पेट्रोल पंप पर सुपरवाइजर के तौर पर काम कर रहा था। बताया जा रहा है कि पुलिस फायरिंग करने वाले बदमाशों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

तेज रफ्तार का कहर- कार पेड़ से टकराई, 2 युवक मरे

नारनौल। हरियाणा में महेंद्रगढ़ के नारनौल में एक तेज रफ्तार कार पेड़ से जा टकराई। जिसमें 2 युवकों की मौत हो गई जबकि 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। यह युवक सगाई समारोह में हिस्सा लेने गए हुए थे।

गांव गहली से गांव धरसू जाने वाली रोड पर हुए हादसे का पता चलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद चारों युवकों को कार से निकाला गया। इसमें जिंदा बचे 2 युवकों को इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात 11.30 बजे चारों एक कार में सवार होकर निकले। वह किसी काम से गांव गहली से धरसू जा रहे थे। जब वे गांव धरसू के पास पहुंचे तो कार तेज गति की वजह से बेकाबू हो गई। इसके बाद कार सीधे पेड़ से जा टकराई। स्पीड तेज होने से पेड़ से टकराने के बाद कार का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरु कर दी है।

तमिलनाडु में भारी बारिश, 18 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

एजेंसी

चेन्नई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र और रविवार के लिए तमिलनाडु के 18 जिलों को भारी बारिश की चेतावनी दी है। इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

आरएमसी के एक बयान के अनुसार, सप्ताहांत में कन्याकुमारी थूथुकुडी तिरुनेलवेली, रामनाथपुरम, तेनकासी, विरुधुनगर, मदुरै, थेनी, डिंडीगुल, शिवगंगा, पुदुकोट्टई, तंजावुर, तिरुवरूर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, कुड्डालोर, विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में भारी बारिश की आशंका है।

भारी बारिश का कारण दक्षिण तमिलनाडु और उसके आसपास के इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन है। आने वाले दिनों में राज्य के बाकी हिस्सों में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है।

चेन्नई में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है, शाम और रात के समय कुछ इलाकों में मध्यम बारिश का अनुमान है।

आरएमसी ने 22 नवंबर से चेन्नई, तिरुवल्लूर, चेंगलपट्टू और कांचीपुरम सहित उत्तरी तटीय जिलों में भी भारी बारिश की आशंका जताई है। इन जिलों में 22 से 28 नवंबर तक सामान्य से अधिक बारिश की चेतावनी जारी की गई है, जबकि इसी अवधि में राज्य के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम बारिश की संभावना है। पूर्वोत्तर मानसून के दौरान अब तक 1 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच तमिलनाडु में 276 मिमी बारिश हुई। कोयंबटूर में सबसे अधिक 418 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य स्तर से 67 प्रतिशत अधिक है। चेन्नई सहित 17 जिलों में अधिक बारिश हुई।

मानसून की शुरुआत के बाद से ही कई जिलों में बिजली की खपत में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

अक्षय कुमार से मिले पीएम मोदी

पूछा- कैसे हो भाई; बॉलीवुड के खिलाड़ी ने साझा किया वीडियो

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अभिनेता अक्षय कुमार की शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान मुलाकात हुई। पीएम ने अक्षय से हाथ मिलाते हुए पूछा, कैसे हो भाई। दोनों ने एक-दूसरे का हालचाल पूछा। यह मुलाकात एक मीडिया हाउस के कार्यक्रम के दौरान हुई।

बॉलीवुड के खिलाड़ी ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की तस्वीर और वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इसमें अक्षय कुमार मुस्कुराते हुए पीएम का हाथ पकड़े दिखाई दिए। अक्षय ने लिखा, नए भारत की प्रगति पर हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणादायक बातों को सुनने का अवसर मिला। वीडियो में पीएम मोदी और अक्षय गर्मजोशी से मिलते दिखे। दोनों के बीच कुछ देर तक बातचीत हुई।

मीडिया शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा कि यह सदी भारत की है। भारत ने स्वतंत्रता के संघर्ष से आकांक्षा और विकास की लहरों पर सवार होकर एक उल्लेखनीय यात्रा तय की है। यह यात्रा अपने आप में अनूठी है और राष्ट्र की अदम्य भावना को दर्शाती है। दस साल पहले ऐसे परिवर्तन अकल्पनीय लगते थे।

प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता से पहले और बाद में भारत को जिस शक्ति ने दिशा दी है, वह आम नागरिक की है। जब अंग्रेज चले गए तो कई लोगों ने भारत के भविष्य पर संदेह किया। आपातकाल के दौरान लोगों को डर था कि लोकतंत्र हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा।

कुछ संस्थानों और व्यक्तियों ने शासन के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। मगर नागरिक दृढ़ रहे और लोकतंत्र तेजी से बहाल हुआ। इसी तरह देश के नागरिकों ने कोविड-19 महामारी से लड़ने में असाधारण संकल्प का प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब नागरिक अपनी सरकार पर भरोसा करते हैं तो देश के विकास पर इसका गहरा असर होता है। भारत के युवा एक जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने में जुटे हैं। आज लगभग 10 करोड़ महिला उद्यमी, जिन्हें प्यार से लखपति दीदी कहा जाता है, देशभर के गांवों में व्यवसाय चला रही हैं। पीएम ने कहा कि जब मध्यम वर्ग और वंचित लोग जोखिम लेना शुरू करते हैं तो परिवर्तनकारी दिखाई देने लगते हैं। पीएम ने यह भी बताया कि सड़क, रेल, अनुसंधान व सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर खूब खर्च किया जा रहा है।

पहली बार आईएनएस विक्रांत पर आईं राष्ट्रपति, नौसैनिक संचालन की बनीं साक्षी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने समुद्र में भारतीय नौसेना के परिचालन प्रदर्शन को देखा। वह स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर गईं जहां वह भारतीय लड़ाकू विमान में भी सवार हुईं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की समुद्र में भारतीय नौसेना के जहाजों की पहली यात्रा थी। इस दौरान उन्हें भारतीय नौसेना की भूमिका, चार्टर और संचालन की अवधारणा के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद राष्ट्रपति ने कई नौसैनिक अभियानों को देखा। इन नौसैनिक अभियानों में जहाज के डेक से लड़ाकू विमानों का टेक-ऑफ और उनकी लैंडिंग, एक युद्धपोत से मिसाइल फायरिंग का अभ्यास, पनडुब्बी संचालन, 30 से अधिक विमानों का शानदार फ्लाईपास्ट शामिल था। इसका समापन युद्धपोतों के पारंपरिक स्टीम-पास्ट के साथ हुआ। राष्ट्रपति गोवा में नेवल एयर स्टेशन, हंसा पहुंचीं थीं। यहां एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति के आगमन पर 150 जवानों द्वारा औपचारिक %गार्ड ऑफ ऑनर% दिया गया। इस दौरान आईएनएस विक्रांत को गोवा के समुद्र में उतारा गया। स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत यहां भारतीय नौसेना के 15 अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों और पनडुब्बियों के साथ मौजूद था। राष्ट्रपति ने इस दौरान आईएनएस विक्रांत के चालक दल के साथ भी बातचीत की, जिसके बाद समुद्री बेड़े के लिए दिए गए उनके संबोधन को समुद्र में भारतीय नौसेना की सभी इकाइयों के लिए प्रसारित किया गया।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत की पहली यात्रा है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ बड़ा एक्शन, सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में 5 ढेर; गोलीबारी जारी

एजेंसी

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच बड़ी मुठभेड़ की खबर सामने आई है। राज्य के नारायणपुर जिले के सीमावर्ती नक्सल प्रभावित इलाके अबूझमाड़ में सुरक्षा बलों और नसक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मिली जानकारी के अनुसार इस मुठभेड़ में 5 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया गया है। खबर है कि मुठभेड़ अभी भी जारी है। दोनों पक्षों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। मुठभेड़ के बाद जवानों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरु कर दिया है। इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

जानकारी के अनुसार अभी तक से सर्च अभियान में पुलिस के हाथ एक स्वचालित राइफल लगी है। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के घायल होने की भी खबर है। अभी तक की जानकारी के अनुसार इस मुठभेड़ में पुलिस के भी दो जवान घायल हुए हैं। दोनों घायल जवानों को मुठभेड़ की जगह से सुरक्षित निकालने के लिए बचाव अभियान की शुरूआत की जा चुकी है। दोनों पक्षों में मुठभेड़ जारी है और रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर अबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना सुरक्षाकर्मियों को मिली थी, इस सूचना के आधार पर डीआरजी, एसटीएफ और बीएसएफ की संयुक्त पुलिस टीम ने शनिवार सुबह 8 बजे सर्च अभियान शुरू किया। इस सर्च ऑपरेशन की शुरुआत जैसे ही हुई, नक्सलियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ शुरू हो गई।

बताया जा रहा है कि ये मुठभेड़ छत्तीसगढ़ के कांकेर और नारायणपुर जिले की डीआरजी, बीएसएफ और महाराष्ट्र के सी-60 कमांडोज की संयुक्त टीम द्वारा नक्सल संगठन के केंद्रीय कमेटी सदस्य अभय को पकड़ने किए शुरू किए गए अभियान की हिस्सा थी।

योगी सरकार के मंत्री मनोहर लाल पर जानलेवा हमला, स्टाफ और पीएसओ से भी की मारपीट

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में योगी सरकार के मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी के काफिले पर हमला हो गया। इस हमले में मंत्री को भी चोटें आई हैं। आरोपियों ने मंत्री के स्टाफ और पीएसओ के साथ भी मारपीट की और पीएसओ की पिस्टल लूटकर फरार ले गए।

जानकारी के अनुसार योगी सरकार के राज्य मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी के काफिले पर एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने हमला कर दिया। इस दौरान काफिले की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई और उनके स्टाफ के साथ मारपीट की गई। यह हमला उस वक्त हुआ जब उत्तर प्रदेश के श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी आगरा से ललितपुर की ओर जा रहे थे। इसी बीच ग्वालियर के बिलौआ थाना क्षेत्र के जौरासी गांव के पास एक ट्रक का हाईवे पर एक्सीडेंट हुआ था, जिसकी वजह से हाईवे पर जाम लगा हुआ था। जब मंत्री इस जाम में फंसे तो उनके काफिले ने रॉन्ग साइड से आगे बढ़ने का फैसला किया।

जैसेही वे दूसरी ओर से आगे बढ़े, इसी दौरान रास्ते में एक बाइक सवार उनके वाहन के आगे आ गया। जब राज्यमंत्री के पीएसओ सर्वेश ने उसे रास्ते से हटने और उन्हें निकलने देने की बात कही तो तो दोनों के बीच विवाद हो गया।

इस दौरान आरोपी युवक ने मंत्री के पीएसओ से बदसलूकी करते हुए हाथ उठा दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों में बड़ा विवाद हो गया। इसके बाद आरोपी बंटी यादव ने मंत्री के पीएसओ की सरकारी पिस्टल छीन ली और अपने गांव से दो दर्जन लोगों को बुला लिया।

करीब एक दर्जन से अधिक लोगों ने किया हमला

करीब एक दर्जन से अधिक लोगों ने इसके बाद ना सिर्फ मंत्री मन्नू कोरी के काफिले पर हमला किया, बल्कि वाहन पर भी पथराव किया।

एलन मस्क और इसरो के बीच मेगा डील, इंडिया की सबसे एडवांस सैटेलाइट को लॉन्च करेगी स्पेएक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने दिग्गज उद्योगतपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ हाथ मिलाया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास दोस्त मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अगले सप्ताह की शुरुआत में फाल्कन 9 रॉकेट से भारत के सबसे आधुनिक संचार उपग्रह जीसैट-20 (जीसैट एन-2) को अंतरिक्ष में ले जाने का काम करेगी।

ये है डील के पीछे का कारण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और स्पेसएक्से बीच कई डील हुई है। जीसैट एन-2 को अमेरिका के केप कैनावेरल से लॉन्च किया जाएगा। यह 4700 किलोग्राम का उपग्रह भारतीय रॉकेटों के लिए बहुत भारी था, इसलिए इसे विदेशी वाणिज्यिक प्रक्षेपण के लिए भेजा गया। भारत का अपना रॉकेट %द बाहुबली' या लॉन्च व्हीकल मार्क-3 अधिकतम 4000 से 4100 किलोग्राम तक के वजन को अंतरिक्ष कक्षा में ले जा सकता था।

भारत अब तक अपने भारी उपग्रहों को लॉन्च करने के लिए एरियनस्पेस पर निर्भर था, लेकिन वर्तमान में उसके पास कोई भी चालू रॉकेट नहीं है और भारत के पास एकमात्र विश्वसनीय विकल्प स्पेसएक्स के साथ जाना था। चीनी रॉकेट भारत के लिए अनुपयुक्त हैं और यूक्रेन में संघर्ष के कारण रूस वाणिज्यिक प्रक्षेपणों के लिए अपने रॉकेट पेश करने में सक्षम नहीं है।

इसरो ने 4700 किलोग्राम वजन वाले जीसैट-एन2 का निर्माण किया है, तथा इसका मिशन जीवन 14 वर्ष है। यह विशुद्ध रूप से व्यावसायिक प्रक्षेपण है, जिसका संचालन एनएसआईएल द्वारा किया जा रहा है। उपग्रह 32 उपयोगकर्ता बीम से सुसज्जित है, जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र पर आठ संकीर्ण स्पॉट बीम तथा शेष भारत में 24 विस्तृत स्पॉट बीम शामिल हैं। इन 32 बीम को भारत की मुख्य भूमि में स्थित हब स्टेशनों द्वारा समर्थित किया जाएगा। यह इन-फ्लाइट इंटरनेट कनेक्टिविटी को सक्षम करने में भी मदद करेगा।

ऐसा अनुमान है कि भारत के संचार उपग्रह को ले जाने के लिए फाल्कन 9 रॉकेट के इस एकल समर्पित वाणिज्यिक प्रक्षेपण पर 60-70 मिलियन डॉलर (591 करोड़ 34 लाख रुपये लगभग) खर्च होंगे। यह सर्वविदित है कि डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बहुत अच्छे रिश्ते हैं और दोनों एक-दूसरे को दोस्त कहते हैं। उद्यमी एलन मस्क भी दोनों के दोस्त हैं। एलन मस्क ने कई बार कहा है कि वे मोदी के प्रशंसक हैं। अब देखना ये होगा कि क्या मस्क आगे भी भारत के साथ

कनाडा में 55,000 डाक कर्मचारी हड़ताल पर बैठे

एजेंसी

ओटावा। कनाडा पोस्ट ने कहा कि राष्ट्रीय हड़ताल के दौरान उसका कामकाज बंद रहेगा। इससे लाखों कनाडाई नागरिक और देशभर के बिजनेस प्रभावित होंगे। कैनेडियन यूनियन ऑफ पोस्टल वर्कर्स (सीयूपीडब्ल्यू) के प्रतिनिधित्व वाले लगभग 55,000 डाक कर्मचारी शुक्रवार को मध्य रात्रि के बाद देशव्यापी हड़ताल पर चले गए। कनाडा पोस्ट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय हड़ताल के दौरान मेल और पार्सल वितरित नहीं किए जाएंगे और कुछ डाकघर बंद रहेंगे।

बयान में कहा गया कि डाक नेटवर्क में पहले से मौजूद वस्तुओं के लिए सर्विस गारंटी प्रभावित होगी और राष्ट्रीय व्यवधान समाप्त होने तक कोई भी नई वस्तु स्वीकार नहीं की जाएगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा पोस्ट ने अपने एक बयान में कहा कि परिचालन फिर से शुरू होने पर वस्तुओं को जल्दी से जल्दी लोगों तक पहुंचाया जाएगा। डाक नेटवर्क में सभी मेल और पार्सल को सुरक्षित किया जाएगा और परिचालन फिर से शुरू होने पर जल्दी ही लोगों तक पहुंचा दिया जाएगा।

बता दें कि देश भर में अपनी सुविधाएं बंद करने से कनाडा पोस्ट का पूरा राष्ट्रीय नेटवर्क प्रभावित होगा। कंपनी ने कहा कि प्रोसेसिंग और डिलीवरी को पूरी तरह से सामान्य होने में कुछ समय लग सकता है। इसे कैनेडियन यूनियन ऑफ पोस्टल वर्कर्स (सीयूपीडब्ल्यू) ने कहा कि एक वर्ष तक बातचीत के बाद भी कोई प्रगति नहीं होने पर डाक कर्मचारियों ने हड़ताल करने का कठिन निर्णय लिया।

सीयूपीडब्ल्यू ने कहा कि कनाडा पोस्ट के पास इस हड़ताल को रोकने का अवसर था, लेकिन उसने डाक कर्मचारियों द्वारा रोज सामना किए जाने वाले मुद्दों के वास्तविक समाधान पर बातचीत करने से इनकार कर दिया। सीयूपीडब्ल्यू ने कहा, हड़ताल अंतिम उपाय है। सीयूपीडब्ल्यू की उचित वेतन, सुरक्षित कार्य स्थितियां, सम्मान के साथ सेवानिवृत्त होने का अधिकार, तथा सार्वजनिक डाकघर में सेवाओं का विस्तार जैसी मांगो को लेकर हड़ताल कर रही है। सीयूपीडब्ल्यू ने कहा कि बातचीत के जरिए सामूहिक समझौते किए जा सकते हैं, लेकिन कनाडा पोस्ट को नए और लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

बाकू जलवायु शिखर सम्मेलन में 132 देशों ने सैन्य अभियान रोकने की अपील की

बाकू। अजरबैजान के बाकू में चल रहे 2024 के संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (कॉप 29) में शांति, राहत और पुनर्प्राप्ति दिवस पर, प्रेसीडेंसी ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत सहित 132 देश सीओपी ट्रूस अपील में शामिल हो गए हैं। सीओपी ट्रूस (युद्धविराम) एक ऐसी पहल है जिसको एक हजार से अधिक अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों, नागरिक समाज संगठनों और प्रभावशाली सार्वजनिक हस्तियों का भी समर्थन हासिल है। सीओपी ट्रूस में युद्ध हिंसा में शामिल देशों से सम्मेलन के महीने में सैन्य अभियान रोकने का आग्रह किया गया है। ओलंपिक ट्रूस से प्रेरित यह अपील, कॉप 29 प्रेसीडेंसी की एक बड़ी पहल है, जिसे शांति, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। सीओपी युद्ध विराम संधि की प्रेरणा ओलंपिक ट्रूस से ली गई है, जिसे 1990 के दशक के आरंभ से अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा फिर से चालू किया गया है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित एक संकल्प के आधार पर, ओलंपिक ट्रूस राष्ट्रों से ओलंपिक खेलों के दौरान शत्रुता को निलंबित करने का आह्वान करता है। जलवायु संकट में एकता की समान आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, कॉप 29 प्रेसीडेंसी ने इसे सीओपी (कॉप) ट्रूस पहल बनाने के लिए अपनाया है। जिसमें सम्मेलन के महीने के दौरान सैन्य अभियानों को रोकने की अपील की गई है। कॉप ट्रूस अवधि को नवंबर तक के लिए प्रस्तावित किया गया है,जो कि कॉप 29 की अवधि है। युद्ध विराम की यह समय सीमा जलवायु कार्रवाई एजेंडे के लक्ष्यों के समान है। जो शांति और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच संबंध को रेखांकित करती है, जिससे जलवायु पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।

मनुष्य का मूल कार्य है सत्कर्म में लगे रहना: प्रेम भूषण

महाराज जी ने व्यासपीठ से दिया ज्ञानप्रकाश सिंह के परिवार को खुशहाल जीवन का आशीर्वाद

- ठाकुर जी की प्रेरणा से ज्ञानप्रकाश सिंह ने कराया भव्य रामकथा का आयोजन
- भगवान श्रीराम राज्याभिषेक की झांकी देख झूमे दर्शक, लगे जयश्रीराम के नारे

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। बीआरपी इण्टर कॉलेज के मैदान में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के पावन संकल्प से प्रायोजित सात दिवसीय रामकथा के अंतिम दिन कथा शुरू होने से पहले मुख्य यजमान ज्ञान प्रकाश सिंह ने सपरिवार व्यासपीठ का पूजन किया और भगवान की आरती उतारी। तत्पश्चात कथा शुरू हुई। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक प्रेमभूषण जी महाराज ने कहा कि भगवान और भक्त के बीच के भक्ति का एक ही मात्रा नाता होता है। भक्त को बहुत प्रकार नहीं भक्ति के केवल एक पथ का चुनाव समय रहते कर लेना चाहिए। भगवान और सत्कर्मों में जिसकी जितनी श्रद्धा होती है उतना ही हमारा कल्याण भी होता है। पीठ से पूर्णाहुति सत्र की कथा का गान करते हुए कहा कि मनुष्य का मूल कार्य है सत्कर्म में लगे रहना लेकिन अधिकांश लोग मूल को ही भूलकर बैठ जाते हैं।

श्री महाराज ने कहा कि ठाकुर जी ने ज्ञानप्रकाश सिंह प्रेरित किया कि आप जनपद जौनपुर में एक भव्य कथा का आयोजन कराइए और उनकी प्रेरणा से ही उन्होंने इस तरह की भव्य रामकथा का आयोजन किया जिसका रसपान पूरे जनपदवासी कर रहे हैं। पूर्णाहुति सत्र में भगवान श्रीराम राज्याभिषेक की झांकी अद्भुत सजाई गई थी। हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों ने खूब बधाइयां गाईं और नृत्य किए। इस आयोजन के लिए महाराज जी ने मुख्य यजमान ज्ञान प्रकाश सिंह को सपरिवार व्यासपीठ से उनके खुशहाल जीवन के लिए आशीर्वाद दिया।

श्री महाराज ने कहा कि मनुष्य को संसार की चर्चा और चिंता करने से पहले स्वयं के बारे में विचार करने की जरूरत है। हमें अपने स्वयं के लिए भगवान के आश्रय में जाने की आवश्यकता होती है किसी और के लिए नहीं। भक्ति पथ पर रहने के लिए ही निरंतर भगवान की कथा का श्रवण करना आवश्यक है। केवल जगदीश में रहने से ही कल्याण होगा। पूज्य महाराज ने कहा कि सबसे बड़ी समस्या यह है कि व्यक्ति अपने शरीर को ही स्वयं की उपस्थिति मान लेता है जबकि वास्तविकता यह है कि शरीर तो एक माध्यम है उस आत्मा का जो परमात्मा से यह कहकर धरती पर आता है कि हम आपका ही गुणगान करते हुए आपके चरणों तक पहुंचने का प्रयास करेंगे। पूज्य महाराज जी ने कहा कि अगर सामान्य मनुष्य को भगवान तक पहुंचने की यात्रा करनी है तो सबसे पहले उन्हें सतगुरु के आश्रम में जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गृहस्थ जीवन में रहने वाले लोगों को अपने सारे कार्य करते हुए साल में एक बार किसी न किसी धाम में पहुंचने का प्रयास करना चाहिए। श्री महाराज ने कहा कि सबको अपने अपने कार्य में लगे रहना चाहिए। जैसे हनुमान जी का अवतार ही रामजी के कार्य के लिए हुआ था। हनुमान जी का सारा कार्य छोड़कर भगवान राम के कार्यों को ही पूरा करने में हमेशा लगे रहते थे। इसी प्रकार मनुष्य को अपना जो कार्य है निष्ठा और लगन से करना चाहिए। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने भी व्यासपीठ की आरती उतारी। यह कथा सेवाभारती के बैनर तले चल रही है।

इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य कमला सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत सिंह, माउंट लिट्रा जी स्कूल के डायरेक्टर अरविंद सिंह, मुरली पाल, संजय पाण्डेय, आयोग के सदस्य डॉ. आरएन त्रिपाठी, सेवाभारती के जिलाध्यक्ष डॉ. तेज सिंह, डॉ. वेदप्रकाश, सुरेश, डॉ. बीएस उपाध्याय, वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह, अमित सिंह, शिक्षक नेता दीपक सिंह, शिवा सिंह, रजनीश श्रीवास्तव, डॉ. संजय सिंह हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

लायंस क्लब व एएलसी को मिले पूर्ण अंक

प्रयागराज। लायंस क्लब ने एचआरएस को 37 रन से और एएलसी ने अकाहा को 19 रन से हराकर पाँचवी स्वर्गीय ए डी गिरी स्मारक हाई कोर्ट टी -20 क्रिकेट प्रतियोगिता में पूर्ण अंक अर्जित किए हैं। शनिवार को गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर पहले मैच में लायंस क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 144 रन (स्वतंत्रता पाण्डेय व धर्मेन्द्र सिंह 30 - 30 विजय कुशवाहा 23 रन, मयूर सोनकर 3/19, देवेंद्र सोनकर 2/37, अमन 1/22, कौशल सोनकर 1/32) पर बनाए। जवाब में एचआरएस की पूरी टीम 16.3 ओवर में 107 रन (मयूर सोनकर 16, देवेंद्र सोनकर 15 रन, देवेंद्र कुमार सिंह 3/15, स्वतंत्रता पाण्डेय 2/10, साजिद अख्तर वारसी 2/25) पर सिमट गई। दूसरे मैच में एएलसी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 186 रन (आशीष सिंह 58, अमन शास्त्री 25, उत्कर्ष मिश्रा 24, अभिजात अवस्थी 20 रन, अजय पाण्डेय 3/28, सैफ अहमद 1/29, नीलेश त्रिपाठी 1/38) पर बनाए।

बेहतर उपज लेने वाले किसान कराए अपना पंजीकरण

- प्रतियोगिता के लिए किसानों का पंजीयन शुरू

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। कृषि एवं संबंधित क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को हर वर्ष 23 दिसम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री व किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर सम्मानित किया जाता है। इसके लिए जनपद के किसानों की फसलों की क्रॉप कटिंग के आधार पर प्रतियोगिता कराई जाती है, खरीफ एवं रबी फसलों में सर्वोच्च उत्पादकता प्राप्त करने वाले किसानों को प्रथम पुरस्कार के लिए रुपये सात हजार, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को रुपए पांच हजार, प्रशस्ति पत्र व अंग वस्त्रम देकर जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रदान कर किसानों को पुरस्कृत किया जाता है, ताकि अन्य किसान सम्मानित होने वाले कृषकों से उन्नति खेती की प्रेरणा लेकर अपनी उपज बढ़ाकर कृषि का सतत विकास कर सके। उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने बताया कि 23 दिसम्बर 2024 को आत्मा योजनान्तर्गत आयोजित होने वाले किसान सम्मान दिवस में जनपद के कुल 30 उन्नतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा, जिसमें कृषि, पशुपालन, उद्यान, मत्स्य आदि के क्षेत्रों से 15 कृषकों को प्रथम एवं 15 कृषकों को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए किसानों का रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है उन्होंने जनपद के किसानों से प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपनी उपज परिणाम निर्धारित प्रारूप पर तैयार कर कृषि भवन में जमा कर अपना रजिस्ट्रेशन कराने की अपील किया है। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति से अनुमोदन होने के पश्चात प्रदेश स्तर पर भी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कृषकों की सूची प्रेषित की जाती है, प्रदेश स्तर पर स्थान बनाने वाले कृषकों को राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपए, द्वितीय स्थान वालों 75 हजार रुपये एवं तृतीय स्थान वाले कृषको को 50 हजार रुपए, प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्रम देकर सम्मानित किया जाता है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी गई लोगों की जनसमस्याएं

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के निर्देशन में तहसील बदलापुर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जनपद के अन्य तहसीलों में भी संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील मडियाहूं में अपर जिलाधिकारी वि0एवंरा0 की अध्यक्षता में तहसील दिवस आयोजित हुआ। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने शिकायती प्रार्थना पत्र का निस्तारण करते हुए संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित किया गया और निर्देश दिया कि समाधान दिवस पर आने वाली शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुने और इसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग, विकास विभाग, पुलिस विभाग सहित अन्य विभागों के शिकायत पत्र प्राप्त हुए। इसी प्रकार समस्त तहसील में सम्बन्धित उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उपजिलाधिकारी ने कहा कि फरियादियों के शिकायती प्रार्थना पत्र को प्राप्त करते हुए उसका निस्तारण किये जाने की कार्यवाही हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा के लिए राजनीति सेवा का मिशन, सपा के लिए व्यवसाय है: योगी आदित्यनाथ

- मुख्यमंत्री ने फिर दोहराया बंटे थे तो कटे थे, बटेंगे तो कटेंगे
- बोले- कर्फ्यू न दंगा यूपी में सब चंगा

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए राजनीति, सेवा का मिशन है, जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लिए राजनीति अपने कारनामों को अंजाम देने, अराजकता, गुंडागर्दी फैलाने, दंगा कराने और कर्फ्यू लगाने का एक व्यवसाय है। प्रयागराज के फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के कसेरुआ में उपचुनाव के तहत एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा और बसपा को इन कारनामों को करने का सर्टिफिकेट नहीं देना चाहिए। इनके प्रत्याशियों की जमानत जब्त होनी चाहिए। भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी राम मंदिर का विरोध करती है, दीपोत्सव, देव दीपावली, परीक्षाओं की शुचिता, विकास कार्यों और यहां तक कि गरीब कल्याणकारी योजनाओं का विरोध करती है। यह केवल बांटने की राजनीति में विश्वास करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों का इंतजार हमें इसलिए करना पड़ा था क्योंकि हम बंटे थे। काशी और मथुरा में हमें अपमान इसलिए झेलना पड़ा क्योंकि हम बंटे थे। जब बंटे थे तो कटे थे। भारत में आज सबसे बड़ी चुनौती जाति के नाम पर बांटने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का विकास से कोसों दूर तक रिश्ता नहीं है। इनका एक ही सिद्धांत है सबका साथ, सैफई परिवार का विकास। इससे ऊपर ये सोच भी नहीं सकते।? योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने पहले ही दिन कहा था कि उत्तर प्रदेश की धरती को दंगामुक्त बनाएंगे, नकल माफिया, खनन माफिया, पशु माफिया आदि से सख्ती से निपटेंगे। इन पर कार्रवाई से सपा को बहुत पीड़ा होती है। सभी दुर्दांत माफिया सपा के गले के हार हैं। उन्हीं से इनकी आजीविका चलती है। उन्हीं के भरोसे ये जीते हैं। यहां लोक सेवा आयोग के खिलाफ चले छात्र आंदोलन के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न हों, इसके लिए माहौल सरकार भी बनाएगी और चयन बोर्ड और आयोग भी इसके लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। अच्छे नौजवान जब सेवा में आएंगे तो विकास की गति बढ़ाएंगे और गरीबों के लिए शासन की योजनाएं उन तक पहुंचाने में मदद करेंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा, समाजवादी पार्टी से जुड़े दुर्दांत माफिया आम लोगों की हत्या भी करते थे और संपत्तियों पर भी कब्जा करते थे। ये व्यापारियों का अपहरण करते थे, बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाते थे, धार्मिक स्थलों पर कब्जा करते थे और त्योहारों में व्यवधान डालकर अशांति पैदा करते थे। उन्होंने कहा कि आज मैं कह सकता हूं कि आज उत्तर प्रदेश में ना कर्फ्यू है, ना दंगा है, उत्तर प्रदेश में सब चंगा है। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री राकेश सचान, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, दयाशंकर सिंह, गिरीश चंद्र यादव, प्रवीण पटेल, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, पूर्व सांसद केशरी देवी पटेल, पूर्व सांसद विनोद सोनकर और महापौर गणेश केसरवानी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत अजय कुमार वर्मा को दी श्रद्धांजलि

जौनपुर। कलेक्ट्रेट जौनपुर में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत अजय कुमार वर्मा के असामयिक निधन हो जाने पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राम अक्षयबर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, उपजिलाधिकारी शैलेन्द्र, जिलामंत्री राजीव कुमार श्रीवास्तव एवं जिलाध्यक्ष कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ विजय प्रताप सिंह, एवं कलेक्ट्रेट परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में अजय कुमार वर्मा के आत्मा की शांति एवं उनके परिवार को इस दुःख की घड़ी में सम्बल प्रदान करने हेतु दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गयी। इस अवसर पर रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, अरविन्द कुमार सिंह, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, हारून रशीद, मो0 अनवर, ज्ञान चन्द्र मौर्य, सुनील कुमार सिंह, आशीष त्रिपाठी, यतेन्द्र कुमार यादव, अखिलेन्द्र कुमार सिंह, जवाहर सोनकर, सन्तोष दयाल, प्रवीण श्रीवास्तव, आदित्य नाथ त्रिपाठी सहित अन्य उपस्थित रहे।

शहीद दिवस का आयोजन आज

प्रयागराज। पंजाब केशरी लाला लाजपत राय जी का 17 नवंबर प्रातः 11¬30 बजे लोकसेवक मंडल प्रयागराज के परिसर लाजपत भवन कल्याणी देवी मे शहीद दिवस का आयोजन किया गया है द्य इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अरुण टंडन एवं विशिष्ट अतिथि गणेश केशरवानी महापौर प्रयागराज उपस्थित रहेंगे।

योगी की सभा में बुलडोजर पर बैठकर पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के सहसों में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा हुई। सभा में बुलडोजर आकर्षण का केंद्र बना रहा। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता बुलडोजर पर सवार होकर सभा स्थल पर पहुंचे। बुलडोजर बाबा जिंदाबाद के नारे लगाते हुए कार्यकर्ता जब बुलडोजर से पहुंचे तो उन्हें देखने वालों की भीड़ लग गई। योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के समर्थन में पहुंचे थे। नगर निगम वार्ड नंबर 25 के पार्षद सियाराम मौर्या ने बताया कि उनके वार्ड में यह जनसभा हो रही है और पहली बार सीएम योगी उनके वार्ड में आ रहे हैं। इसलिए मुख्यमंत्री के स्वागत में एक हजार से अधिक कार्यकर्ता बुलडोजर और डीजे लेकर सभा स्थल पर पहुंचे हैं।

स्प्रिंग डेल स्कूल की खेल कूद प्रतियोगिता आयोजित

प्रयागराज। शनिवार को स्प्रिंग डेल स्कूल में बच्चों की खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता चिल्ड्रेंस डे के उपलक्ष में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में ढाई वर्ष से साढ़े पांच वर्ष के बक्सों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पीटी डिस्प्ले के साथ बच्चों की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगा रंग नृत्य किया और विभिन्न आयु वर्ग की प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमे विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। अंत में स्कूल की प्रधानाचार्य रश्मि शरन ने छात्रों और अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए बच्चों को एक अच्छा नागरिक कैसे बनाया जाय और बड़े हो कर बच्चे कैसे एक दुसरे की मदद कर सकें इस बात को समझाया।

सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल में बाल दिवस व बाल मेले का आयोजन

मुबारकपुर, आजमगढ़। प0 जवाहरलाल नेहरू की जयन्ती को बाल दिवस एवं बाल मेला के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय की प्रार्थना सभा में विद्यालय के प्रबन्धक डा0 आजाद अहमद खान द्वारा स्वतन्त्र भारत के प्रथम प्रधान मंत्री प0 जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण करके हुआ। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य नियाजुद्दीन एवं सभी शिक्षकगण तथा सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। संस्था के प्रबन्धक महोदय तथा प्रधानाचार्य द्वारा जनपदवासियों को प0 जवाहरलाल नेहरू के जयन्ती की शुभकामनाएं दी एवं अपने विचार प्रकट किये। विद्यालय प्रांगण में आयोजित बाल मेले में छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रदेशों के प्रसिद्ध व्यंजनों का स्टाल लगाया गया जिसमें इडली, डोसा, चाऊमीन, बर्गर, पापकार्न, मोमोस, वडा पाव, पास्ता, पापड़ी चाट, काफी इत्यादि पकवानों के स्टाल लगाये गये थे और शेष छात्र-छात्राओं में इस मेले का काफी उत्साह दिखा।

जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही क्षम्य नहीं: डीएम

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल एवं पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना की अध्यक्षता में आज तहसील मेहनगर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जन समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तायुक्त निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि इसमे किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नही होगी, जन समस्याओं का गुणवत्तायुक्त एवं समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर कुल 71 मामले आये, जिसमे से 06 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष 65 मामलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत करने के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। प्राप्त मामलों में राजस्व विभाग के 48, पुलिस के 11, विकास के 09, नगर पंचायत के 01 एवं आपूर्ति के 02 मामले शामिल हैं।

जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन-जिन विभागों से संबंधित आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, उसे जल्द से जल्द शत प्रतिशत गुणवत्तायुक्त निस्तारित करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि समस्याओं का निस्तारण प्रारम्भिक स्तर पर ही कर दिया जाए तो जनता को मुख्यालय तक नही जाना पड़ेगा। इसलिए अधिकारीगण प्राथमिकता के आधार पर प्रारम्भिक स्तर पर ही जन समस्याओं का वास्तविक निस्तारण कर दें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना, सीएमओ डॉ अशोक कुमार, डीएफओ जीडी मिश्र, उप जिलाधिकारी मेहनगर प्रशांत कुमार सहित, नायब तहसीलदार एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अखाड़ों को भूमि आवंटन के बाद शुरू होगा अन्य संस्थाओं को भूमि आवंटन

- मेला प्राधिकरण ने दिया आश्वासन, अखाड़ों को पिछले कुंभ से कम नहीं होगा भूमि आवंटन
- अखाड़ों के प्रतिनिधियों से अलग-अलग वार्ता कर पूरी की जा रही भूमि आवंटन की प्रक्रिया

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। सनातन परंपरा के सबसे बड़े समागम महाकुंभ 2025 का आयोजन प्रयागराज में होने जा रहा है। सीएम योगी की दिव्य भव्य महाकुंभ की परिकल्पना ने महाकुंभ नगरी के रूप में आकार लेना प्रारंभ कर दिया है। इस दिशा में सबसे पहला कार्य सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक साधु-संन्यासियों के आखाड़ों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और सभी अखाड़ों के प्रतिनिधि पूज्य संतो से मिल कर परंपरा के अनुसार भूमि आवंटन का कार्य कर रहा है। प्राधिकरण की ओर से आश्वासन दिया गया है कि किसी भी सूरत में अखाड़ों को पिछले कुंभ से कम भूमि आवंटित नहीं की जाएगी। वहीं अखाड़ों को भूमि आवंटन पूरा होने के बाद अन्य संस्थानों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी। महाकुंभ 2025 के दिव्य भव्य आयोजन को लेकर प्रयागराज मेला प्राधिकरण पूरे जोर शोर से तैयारियों में जुटा है। प्रयागराज शहर के सौंदर्यीकरण व सुदृढ़ीकरण के साथ महाकुंभ नगरी ने भी आकार लेना शुरू कर दिया है। संगम नोज, गंगा घाटों के साथ, पाटून पुलों, चेकर्ड प्लेट रोड़ों का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। इस दिशा में महाकुंभ की पहचान साधु-संत, अखाड़ों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। अपर मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि सीएम योगी के निर्देशों के मुताबिक किसी भी अखाड़े को पिछले कुंभ की तुलना में कम भूमि नहीं मिलेगी। भूमि आवंटन का कार्य सभी आखाड़ों की सहमति से 18 व 19 नवंबर को पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण के अधिकारी, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद तथा अन्य सभी अखाड़ों के प्रतिनिधियों से अलग-अलग वार्ता कर उनकी सहमति से भूमि आवंटन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे रहे हैं। अपर मेला अधिकारी ने भूमि आवंटन के बारे में बताते हुए कहा कि परंपरा अनुसार अखाड़ों को भूमि आवंटन के बाद ही अन्य संस्थाओं को भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी। चारों पीठों के शंकराचार्यो व दण्डी स्वामियों को भी परंपरा अनुसार उनके शिविर लगाने की भूमि आवंटित की जाएगी। साथ ही मेला प्राधिकरण अखाड़ों के शिविर के लिए भूमि, पानी और बिजली कनेक्शन के साथ शौचालय-नाली व साफ-सफाई की सुविधाएं उपलब्ध करवाता है।

बाल दिवस पर भव्य फन फेयर का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में बाल दिवस के उपलक्ष्य में एक शानदार फन फेयर का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री चिराग जैन, आईपीएस, एसपी ग्रामीण क्षेत्र, आजमगढ़ ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि द्वारा माँ सरस्वती और पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ, जिसके बाद बच्चों और अभिभावकों के लिए फन फेयर का आगाज हुआ। मुख्य अतिथि ने स्कूल में लगे विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया, जो शिक्षकों और छात्रों के सामूहिक प्रयासों का उत्कृष्ट प्रदर्शन था। उन्होंने हर स्टॉल पर समय बिताया, शिक्षकों की मेहनत और रचनात्मकता की सराहना की, और बच्चों के साथ विभिन्न खेलों का भी आनंद लिया। उन्होंने हिटिंग द शॉट्स और रिंग थ्रो जैसे खेलों में भाग लिया और हॉरर हाउस का दौरा भी किया, जहाँ की अद्भुत व्यवस्था ने सभी को रोमांचित कर दिया। विशेष रूप से हेरिटेज कॉर्नर ने उन्हें बेहद प्रभावित किया, जहाँ पारंपरिक संस्कृति और धरोहर का विशेष प्रदर्शनी के रूप में प्रदर्शन किया गया था। उन्होंने वेदांत इंटरनेशनल स्कूल की सराहना करते हुए कहा कि, यह विद्यालय अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी ऊँचाइयों को छूना बखूबी जानता है। फन फेयर का मुख्य आकर्षण सुपर कूपन रिवार्ड्स था, जहाँ अभिभावकों ने 1st, 2nd और 3rd पुरस्कारों के लिए लकी ड्रॉ में भाग लिया। इन पुरस्कारों की घोषणा ने उपस्थित सभी लोगों में उत्साह भर दिया, एलिजाबा बानो कक्षा 4 अभिभावकों को प्रथम स्थान माज़ शेख कक्षा 2 , श्रेयांश गोंड कक्षा 3 ने पुरस्कार प्राप्त करते समय अपनी खुशी और उत्साह साझा किया। इसके अलावा, सबसे अच्छे तीन स्टालों सुप्रिया राय, सुबिया सईद, कुमकुम दुबे को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति और सजावट के लिए प्रमाणपत्र और अहमद एजाज, इंद्रजीत साहनी, आरती सिंह तथा अनिल शुक्ला टोपी भेंट की गई, जबकि सबसे बेहतरीन स्टॉल जोकि कक्षा 10 के विद्यार्थियों तथा अनिल शुक्ला को एक विशेष उपहार दीवार घड़ी से सम्मानित किया गया।

ज्ञान प्रतियोगिता में होनहार किए गए पुरस्कृत

प्रयागराज। ग्लोबल लर्निंग और स्किल इंस्टीट्यूट पटेल नगर में ज्ञान प्रायोजकता आयोजित किया गया। जिसमें होनहार बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिंह के द्वारा तीनों स्तर के प्रथम स्थान प्राप्त छात्र क्रमशः हितेश यादव को कंप्यूटर, रिशु यादव को साइकिल तथा नितेश कुमार को भी साइकिल प्रदान कर प्रतियोगिता में सम्मानित किया गया। ग्लोबल लर्निंग के संस्थापक अनुराग सिंह द्वारा द्वितीय स्थान प्राप्त छात्र क्रमशः नितिन कुमार, इकरा अली तथा दीपिका पाल को स्मार्टफोन देकर पुरस्कृत किया गया। संस्थान के संचालक रोहित सिंह एवं अन्य शिक्षक सर्वेश और सोनू तथा ज्ञानेंद्र के द्वारा बच्चों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। सांत्वना पुरस्कार में बच्चों को स्मार्ट वॉच, बैग, डॉक्यूमेंट फाइल, मेडल दिया गया।

मण्डलायुक्त ने किया पुनरीक्षण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। मण्डलायुक्त मनीष चौहान ने अर्हता 01 जनवरी 2025 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के चल रहे पुनरीक्षण कार्यों का शनिवार को कतिपय बूथों पर स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने समस्त बीएलओ एवं सुपरवाइजर्स को निर्देश दिया कि संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार कराते हुए निर्वाचक नामावलियों को नाम जोड़ने हेतु अर्ह अभ्यर्थियों से फार्म 6 प्राप्त कर अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें। इसी प्रकार निर्वाचक नामावली से नाम हटाने एवं संशोधन हेतु भी क्रमशः फार्म 7 एवं 8 पर आवेदन प्राप्त करें। मण्डलायुक्त श्री चौहान ने अपने स्थलीय निरीक्षण के क्रम में विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 347-आजमगढ़ के अन्तर्गत शिक्ष क्षेत्र रानी की सराय स्थित राहुल सांकृत्यायन इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल, सेठवल, बूथ नम्बर 270 व 271 एवं इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल, सेमरहा के बूथ नम्बर 277 व 278 तथा नगरीय क्षेत्र के डीएवी कालेज के बूथों को देखा। निरीक्षण में बूथों पर उपस्थित सम्बन्धित बीएलओ द्वारा अवगत कराया गया कि बूथ नंम्बर 270 पर फार्म-6 के 7 आवेदन, फार्म-7 के 4 आवेदन, बूथ नम्बर 271 पर फार्म-6 के 18, फार्म-7 के 2 एवं फार्म-8 के 1 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार बूथ नंम्बर 277 पर फार्म-6 से सम्बन्धित 21 आवेदन, फार्म-7 एवं बूथ नंम्बर 278 पर फार्म-6 के 9, फार्म-7 के 4 आवेदन प्राप्त हैं, सभी को फीड करा दिया गया है। मण्डालयुक्त ने सभी बीएलओ को निर्देशित किया कि जो भी सर्वे किया जाय उसका अंकन अवश्य होना चाहिए। इसी क्रम में उन्होंने सुपरवाइजरों को सर्वे रिपोर्ट को नियमित रूप से चेक करने की हिदायत दी। मण्डालयुक्त मनीष चौहान ने निरीक्षण के क्रम में इन दोनों स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति, उनकी पढ़ाई, मिड डे मील एवं अध्यापकों की तैनाती आदि का भी अवलोकन किया गया।

प्रधानमंत्री ने स्मारक डाक टिकट किया जारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली में हिंदुस्तान टाइम्स के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा,100 वर्ष की यात्रा पूरी करना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मैं उन सभी को बधाई देता हूं जो इस उद्यम का हिस्सा रहे हैं, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन अडिग रहे। एचटी मीडिया लिमिटेड की अध्यक्ष एवं हिंदुस्तान टाइम्स की संपादकीय निदेशक शोभना भरतिया ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए तथा स्मारक डाक टिकट जारी करने के लिए संदर्भ प्रस्तुत करते हुए कहा मैं प्रधानमंत्री को इस स्मारक डाक टिकट को जारी करने के लिए तहे दिल से धन्यवाद देता हूँ। यह हमारी लंबी यात्रा में एक मील का पत्थर है, और हम जानते हैं कि हमारा मिशन अभी खत्म नहीं हुआ है।

हिंदुस्तान टाइम्स की शुरुआत 15 सितंबर 1924 को महात्मा गांधी ने की थी। यह दैनिक अखबार स्वतंत्रता संग्राम की आवाज़ के रूप में काम करता था। शुरुआत में अकालियों और बाद में लाला लाजपत राय और मदन मोहन मालवीय द्वारा जमा किए गए पैसे से इसे चलाया गया, लेकिन जल्द ही गांधी के अनुरोध पर जीडी बिरला ने इसका कार्यभार संभाल लिया था।

अपने शुरुआती वर्षों में, यह स्वतंत्रता संग्राम और गणतंत्र के जन्म का इतिहास लिखने वाला अखबार था, जिसने उन विचारों और बहसों के उद्गम स्थल के रूप में कार्य किया, जिसने एक युवा राष्ट्र को आकार दिया। वर्षों से, इसके पन्ने सुभाष चंद्र बोस, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, मार्टिन लूथर किंग, एमएस स्वामीनाथन और सत्यजीत रे जैसे दिग्गजों के शब्दों से जगमगाते रहे। 1936 में, इसने एक हिंदी दैनिक, हिंदुस्तान शुरू किया।

एक सदी से भी ज्यादा समय से, हिंदुस्तान टाइम्स भारत के इतिहास में मील के पत्थर साबित हुए हैं, क्योंकि देश ने कोलोनियल रूल को निकाल फेंका, बहुत सी मुश्किलों के बावजूद लोकतंत्र की स्थापना की, लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला और वर्ल्ड स्टेज पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। यह एक अखबार से ग्लोबल मीडिया समूह में बदल गया, जिसने देश भर में नए एडिशन लॉन्च किए, डिजिटल ओफ्फरिंग की और मिंट के रूप में एक बिजनेस पब्लिकेशन शुरू किया। यह न्यूज़रूम को प्रोफेशनल बनाने, डेटा जर्नलिज्म शुरू करने की ग्लोबल रेस में सबसे आगे था और सभी माध्यमों में इसकी मज़बूत उपस्थिति है। लेकिन इस उल्लेखनीय दौर में, हिंदुस्तान टाइम्स अपने मिशन के प्रति सच्चा रहा - इस रिमार्केबल कंट्री की प्रोग्रेस को फियरलेस एक्युरेट और थॉटफुल रखा है। यह भरोसे और सच्चाई के लिए खड़ा रहा। और यह भारत की पहली आवाज़ और आखिरी शब्द बना हुआ है।

प्रधानमंत्री ने डाक टिकट जारी करने से पहले HT@100 प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें न्यूज़रूम और भारत की यात्रा के पहलुओं को दर्शाया गया। प्रदर्शनी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, मैंने एक शानदार प्रदर्शनी देखी। यह सिर्फ़ एक प्रदर्शनी नहीं थी। यह एक अनुभव था। ऐसा लगा जैसे अखबार का 100 साल का इतिहास मेरी आँखों के सामने जीवंत हो उठा। मैंने स्वतंत्रता दिवस और भारत के गणतंत्र बनने के दिन छपे संस्करणों को देखा। मैंने हिंदुस्तान टाइम्स के लिए लिखने वाले दिग्गजों को देखा, जैसे मार्टिन लूथर किंग जूनियर, बाबू सुभाष चंद्र बोस, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी और एमएस स्वामीनाथन। इन महानुभावों के शब्दों ने आपके अखबार को रोशन किया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने CII कृषि भारत 2024 में लॉन्च किया सोनालीका टाइगर DI 65 CRDS 4WD ट्रैक्ट्रर

लखनऊ। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स अपने अनुकूलित हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों के साथ किसानों का दिल जीत रहा है और राज्य में चल रही CII कृषि भारत 2024 प्रदर्शनी में कंपनी को हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी उपस्थिति मिली जहाँ उन्होंने सोनालीका टाइगर DI 65 CRDS 4WD ट्रैक्टर लॉन्च किया। नए लॉन्च के साथ, सोनालीका ने अपनी प्रभावशाली हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर रेंज में से काफी ट्रैक्टर भी पेश किए हैं - सोनालीका टाइगर DI 75 CRDS 4WD, सोनालीका सिकंदर सिकंदर DI 60 DLX टॉर्क प्लस, सोनालीका DI730 III, सोनालीका टाइगर DI 745 (16+4 ट्रांसमिशन के साथ)), सोनालीका सिकंदर DI 42 DLX पावर प्लस, सोनालीका चीता एमएम 18, सोनालीका टाइगर DI 55 III शामिल हैं7 इसमें प्रत्येक ट्रैक्टर अत्याधुनिक फीचर से लैस है और लगभग सभी कृषि इम्प्लीमेंट और एप्लीकेशन में उच्च स्तरीय प्रदर्शन की गारंटी देता है। सोनालीका की यूपी और उत्तराखंड में 19त्न बाज़ार हिस्सेदारी है और यह प्रमुख ट्रैक्टर ब्रांडों में से एक है।

विशेष अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए, विवेक गोयल, प्रेजिडेंट एंड चीफ - सेल्स एंड मार्केटिंग, सोनालीका ट्रैक्टर्स, ने कहा, सोनालीका हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर उत्तर प्रदेश में किसानों की सफलता का प्रतीक हैं और हम लगातार कृषि तकनीकी इनोवेशन लाते हैं जो सुलभ हैं। CII कृषि भारत 2024 प्रदर्शनी में हमारे स्टॉल पर हम यूपी के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के आभारी हैं जिनकी गरिमामयी उपस्थिति में हमनें राज्य के कृषक समुदाय हेतु सोनालीका टाइगर DI 65 CRDS 4WD ट्रैक्टर लॉन्च किया। यह एक उन्नत हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर है जो डिजाइनड इन यूरोप है और यूपी में किसानों के शानदार प्रदर्शन हेतु अधिकतम ताकत, टॉर्क और लिफ्ट क्षमता के साथ अनुकूलित है। अपने नवीनतम हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों के साथ, हम खेती की हर जरूरत को पूरा करना जारी रखेंगे और राज्य के किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाएंगे।

कीर्तिमान

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में प्रमुख ट्रैक्टर ट्रैक्टर ब्रांड में से हैं, जो एक विविध कृषि, मिट्टी और फसल के साथ एक बड़ा बाज़ार है।

पुष्पेंद्र सिंह, डिविजनल बिज़नेस हेड और सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, सोनालीका ट्रैक्टर्स, ने कहा, हम गर्व से 19% बाज़ार हिस्सेदारी रखते हुए उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में प्रमुख ट्रैक्टर ट्रैक्टर ब्रांड में से हैं, जो एक विविध कृषि, मिट्टी और फसल के साथ एक बड़ा बाज़ार है। हम लगातार बाज़ार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी हासिल कर रहे हैं, जो हमारे हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर रेंज में किसानों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है और CII कृषि भारत 2024 प्रदर्शनी में, हमने अपनी हैवी ड्यूटी रेंज से सबसे ताकतवर एवं ईंधन कुशल ट्रैक्टरों को पेश किया है। यूपी हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और हम हर किसान को कृषि मशीनीकरण के महत्व के बारे में बताएंगे और साथ ही खेती में एक लाभदायक भविष्य की ओर बढ़ने के लिए उनके साथ साझेदारी करेंगे।

सोनालीका टाइगर DI 65 CRDS 4WD एक हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टर है जो डिजाइनड इन यूरोप है और भारतीय मिट्टी में ताकतवर प्रदर्शन देने के लिए अनुकूलित किया गया है। यह प्रसिद्ध सोनालीका ताकत और यूरोपीय डिजाइन को एक साथ जोड़ती है और उन्नत तकनीक से सुसज्जित है - सबसे बड़ा 4 सिलेंडर 4,712 सीसी इंजन जो 278 एनएम का टॉर्क, ख़ास मल्टी-स्पीड 12F + 12R ट्रांसमिशन और 2,200 चत्न लिफ्ट क्षमता के साथ उन्नत 5% हाइड्रोलिक्स द्वारा हैवी ड्यूटी प्रदर्शन देता है। CRDS इंजन तकनीक के साथ टाइगर DI 65 CRDS 4WD तीन ट्रैक्टरों की ताकत एक ही ट्रैक्टर में प्रदान करता है और ईंधन खपत को अनुकूलित करने के लिए 3 मोड - पावर मोड, नार्मल मोड और इको मोड से लैस है। छ्रत्नष्ठस् इंजन तकनीक सोनालीका टाइगर DI 65 CRDS 4WD ट्रैक्टर को ट्रेम स्टेज IV एमिशन मानदंडों के अनुसार योग्य बनाते हुए पर्यावरण के अनुकूल और ईंधन कुशल बने रहने में सक्षम बनाती है।

कृषि भारत प्रदर्शनी का आयोजन भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा अपने CII एग्रोटेक इंडिया कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 15 से 18 नवंबर 2024 तक वृंदावन मैदान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में किया गया है। यह किसानों और कृषि सम्बंधित कंपनियों को एक साथ आने और आगे बढ़ने का एक अवसर है।

डाबर ओडोमोस ने 'मेकिंग इंडिया डेंगू फ्री' अभियान शुरू किया

लखनऊ। शहर को मच्छर जनित बीमारियों से अधिक प्रभावी ढंग से लड़ने में मदद करने के अपने मिशन पर आगे बढ़ते हुए, डाबर के भारत के सबसे पसंदीदा व्यक्तिगत अनुप्रयोग मच्छर भगाने वाले ब्रांड ओडोमोस ने आज अपनी मेगा पहल मेकिंगइंडियाडेंगूफ्री की शुरुआत की घोषणा की। इस पहल के तहत, ओडोमोस सीधे लोगों तक पहुंचेगा और उन्हें डेंगू और मलेरिया के हानिकारक प्रभावों और खुद को बचाने के तरीके के बारे में शिक्षित करेगा, इसके अलावा उन्हें मुफ्त ओडोमोस मच्छर भगाने वाली क्रीम भी प्रदान करेगा। डाबर ने लखनऊ शहर में अभियान शुरू किया, जहां 300 से अधिक बच्चों के साथ बाल निकुंज इंग्लिश स्कूल, पल्टन छावनी शाखा, सेक्टर-ए, सीतापुर रोड योजना में एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डाबर इंडिया के दिनेश कुमार, श्री पंकज तिवारी, अध्यक्ष, जन विकास महासभा, उत्तर प्रदेश, श्री एच.एन. जायसवाल, प्रबन्ध निदेशक बाल निकुंज, श्रीमती रश्मि शुक्ला प्रधानाचार्या सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे। इस अभियान के तहत, डाबर ओडोमोस सार्वजनिक क्षेत्रों जैसे बस टर्मिनल, रेलवे स्टेशनों पर डेंगू से प्रभावी बचाव के बारे में जागरूकता सत्र भी आयोजित करेगा। डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हेड- होम केयर, श्री वैभव राठी ने कहा एक ब्रांड के रूप में, ओडोमोस लोगों को डेंगू और अन्य मच्छर जनित बीमारियों से सुरक्षित रहने में मदद करने की दिशा में काम कर रहा है। इसे आगे बढ़ाते हुए, हमने डेंगू की रोकथाम पर सार्वजनिक जागरूकता बनाने में मदद करने के लिए यह सामाजिक पहल की है क्योंकि हाल के महीनों में डेंगू के मामलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। समय की मांग है कि निवारक उपायों के बारे में जागरूकता फैलाई जाए और एक अनुशासित समुदाय को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि लोग डेंगू से खुद को सुरक्षित रख सकें। इस अभियान के तहत, हम डेंगू और मलेरिया के बारे में जागरूकता फैलाएंगे और बताएंगे कि कोई इससे खुद को कैसे बचा सकता है। डाबर इंडिया लिमिटेड, डीजीएम मार्केटिंग-होम केयर, श्री संतोष जायसवाल ने कहाः ÷डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से बचने के लिए रोकथाम महत्वपूर्ण है, निवारक उपायों के बारे में जागरूकता फैलाना ताकि लोग वेक्टर जनित बीमारियों से खुद को सुरक्षित रख सकें, सबसे सुरक्षित शर्त है। भारत को डेंगू मुक्त अभियान बनाना उसी दिशा में एक पहल है। डेंगू फैलाने वाले मच्छर मुख्य रूप से दिन के समय काटते हैं। खुद को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाते समय, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम अपने बच्चों की भी सुरक्षा करें, न केवल जब वे खुले में खेल रहे हों, बल्कि अपने कमरे के बंद दायरे में भी। ओडोमॉस सबसे पसंदीदा व्यक्तिगत अनुप्रयोग उत्पाद है जो उपयोगकर्ताओं को ऐसे जानलेवा रोगों को फैलाने वाले मच्छरों से पूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। चाहे दिन हो या रात, कोई बाहर हो या घर के अंदर, मच्छरों के काटने से 137 वर्षों से गुणवत्ता और अनुभव की विरासत पर आधारित, डाबर आज भारत का सबसे भरोसेमंद नाम और दुनिया की सबसे बड़ी आयुर्वेदिक और प्राकृतिक स्वास्थ्य सेवा कंपनी है।

जागरूकता

डेंगू और मलेरिया से प्रभावी रोकथाम के बारे में जागरूकता सत्र आयोजित किया

हद से बाहर निकली महंगाई

नई दिल्ली। खाद्य वस्तुओं की महंगाई थमने का नाम नहीं ले रही है। इसका असर कुल खुदरा महंगाई दर पर भी दिख रहा है। आलू-प्याज के साथ अन्य सब्जियों की कीमत बढ़ने से अक्टूबर की खुदरा महंगाई दर 6.21 फीसदी पर पहुंच गई जो 14 महीने का उच्चतम स्तर है। महंगाई के आंकड़े ने आरबीआई की चिंता भी बढ़ा दी है और ब्याज दर के मोर्चे पर भी अनिश्चितता बढ़ गई है। खुदरा महंगाई के अक्टूबर के आंकड़ों ने आरबीआई के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ा दी हैं। सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति 4 फीसदी पर रखने की जिम्मेदारी दी है। इसमें दो फीसदी का घट-बढ़ हो सकता है। इसका मतलब कि अगर महंगाई 2 से 6 फीसदी के भीतर रहती है, तो आरबीआई के लिए ज्यादा परेशानी नहीं रहती।

लेकिन, अक्टूबर में महंगाई 6.21 फीसदी तक पहुंच गई। यह पिछले 14 महीनों का उच्चतम स्तर है। इसका अनुमान एक्सपर्ट को भी नहीं था। उनका मानना था कि अक्टूबर में महंगाई जाहिर तौर पर बढ़ेगी, लेकिन यह 6 फीसदी की सीमा के भीतर रहेगी। अब आरबीआई के लिए परेशानी बढ़ गई है कि वह दिसंबर में होने वाली मीटिंग में नीतिगत ब्याज दरों पर कटौती के बारे में क्या फैसला ले।

अमेरिका और यूरोप समेत दुनियाभर की तमाम विकसित अर्थव्यवस्थाएं लगातार ब्याज दरों में कटौती कर रही हैं। अमेरिका दो बार ब्याज दरों में कमी कर चुका है। वहीं, यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने तीन बार और बैंक ऑफ इंग्लैंड ने दो बार दरें घटाई हैं। स्विट्जरलैंड, स्वीडन, कनाडा जैसी कई अर्थव्यवस्थाओं ने भी ढील दी है। चीन भी लंबे समय से किसी भी रूप में ब्याज दरों में राहत दे रहा है।

ऐसे में आरबीआई से भी उम्मीद थी कि वह दिसंबर में होने वाली स्रूक्क मीटिंग में ब्याज दरों में कटौती करेगा। इसके लिए जरूरी थी कि अक्टूबर में महंगाई काबू में रहे।

आयुष उपाध्यायः बाल कलाकार से लेकर बॉलीवुड तक का सफर

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे कई अभिनेता हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अलग पहचान बनाई है, और उनमें से एक नाम है आयुष उपाध्याय। आयुष ने महज 9 साल की उम्र में बाल कलाकार के रूप में फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और अब वह एक अभिनेता, निर्देशक के रूप में खुद को स्थापित कर चुके हैं।

आयुष उपाध्याय ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के तौर पर की थी। बचपन में उन्होंने कई फिल्मों और टीवी शोज में छोटे-मोटे रोल निभाए, लेकिन 15 साल की उम्र में आयुष ने फिल्म बालम जी झूठ ना बोली में सेकंड लीड अभिनेता के रूप में अपने अभिनय की छाप छोड़ी। यह फिल्म उनके अभिनय करियर की अहम कड़ी साबित हुई।

आयुष का बॉलीवुड डेब्यू फिल्म सीक्रेट पॉकेटमार से हुआ, जो 21 साल की उम्र में रिलीज हुई। फिल्म का ट्रेलर पहले ही यूट्यूब पर लॉन्च हो चुका है और दर्शकों द्वारा इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस फिल्म से आयुष को एक नए फिल्मी करियर की शुरुआत मिली और उनके अभिनय की काफी सराहना हुई।

आयुष के करियर का अगला बड़ा कदम है फिल्म इश्क थोड़ा थोड़ा, जो 2025 में रिलीज होने की संभावना है। यह फिल्म आयुष के लिए एक

रोमांटिक ड्रामा के रूप में पेश आएगी और इसके लिए उनके फैंस के बीच काफी उम्मीदें हैं।

इसके अलावा, आयुष ने 2021 से 2024 के बीच दो यूट्यूब शॉर्ट फिल्म्स लाली की काली रात और आवर्स रिमाइंडर का निर्देशन किया। इन शॉर्ट फिल्म्स में उनके निर्देशन की कला और समझ को सराहा गया और यह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काफी पॉपुलर हुईं।

2024 में, आयुष ने अपने पिता के साथ मिलकर एक डॉक्युमेंट्री फिल्म एक युद्ध नशे के विरुद्ध का सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया। इसके अलावा, उन्होंने भोजपुरी संगीत इंडस्ट्री में भी अपना योगदान दिया है, जहाँ उन्होंने पांच भोजपुरी गानों का निर्देशन किया है।

आयुष की व्यक्तिगत जिंदगी भी काफी दिलचस्प रही है। 2022 में उन्होंने शादी की और अब उनके घर में एक नन्हा सदस्य है, उनका बेटा आयांश, जो इस समय 9 महीने का है। आयुष अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल जिंदगी को समान रूप से संतुलित कर रहे हैं।

आयुष ने उत्तर प्रदेश महोत्सव में कई बार पुरस्कार प्राप्त किए हैं और उन्होंने कई स्टेज ड्रामाओं में भी अपनी प्रतिभा दिखाई है।

आयुष उपाध्याय ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। आने वाले समय में इश्क थोड़ा थोड़ा जैसी फिल्मों के साथ वह और भी बड़ी सफलता हासिल करेंगे।

भव्यतम 9 दिवसीय भैरव अष्टमी महोत्सव आयोजन÷ आध्यात्मिक एकता और समृद्धि का अनूठा पर्व

मध्य प्रदेश के नीमच में 9 दिवसीय भैरव अष्टमी महोत्सव का भव्यतम आयोजन किया गया। अखिल भारतीय बटुक भैरव भक्त मंडल एवं पार्श्व पद्मावती शक्ति पीठ धाम, तमिलनाडु के पीठाधीश्वर, डॉ. वसंत विजय जी महाराज के सानिध्य में 23 नवंबर तक चलने वाला यह आयोजन भारत की आध्यात्मिक धरोहर, एकता और समृद्धि का भव्य उत्सव है।

इस महोत्सव में देश पर महामारी के संकट, आतंकवाद की चुनौतियों से मुक्ति व आर्थिक वृद्धि की कामना हेतु भैरव देव को 2024 प्रकार की मिठाइयां अर्पण की जा रही है। 8 कुंडीय महायज्ञ में 46 विद्वान पंडितों द्वारा भैरव देव की आराधना करते हैं, जिसमें एक कुंड में 11 पंडित और 7 कुंडों में 5-5 पंडित 9 दिन तक निरंतर यज्ञ करते हैं।

इस महाअनुष्ठान का एक प्रमुख आकर्षण 84,000 वर्ग फीट में विशाल रंगोली का निर्माण, जिसमें भारत की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक गुरुओं और राष्ट्र नायकों के चित्र उकेरे जा रहे हैं।

इस कार्यक्रम में परम पूज्य डॉ वसंत विजय जी महाराज के मुखरबिंद से कथा, साधना, महायज्ञ एवं महोत्सव के दौरान सभी भक्तों के लिए निःशुल्क भोजन और सेवाएँ उपलब्ध कराई गई, जो इस उत्सव की निःस्वार्थ सेवा की भावना को दर्शाता है। ÷राष्ट्र संत डॉ. वसंत विजय जी महाराज ने इन अनुष्ठानों के महत्व को बताते हुए कहा, भैरव अष्टमी पर आयोजित कष्ट हरण महायज्ञ एवं कथा साधना का विशेष महत्त्व है। इसका उद्देश्य देश को संभावित आर्थिक संकट और महामारी के प्रभाव से बचाना है। यह यज्ञ न केवल देश की समृद्धि और शांति के लिए किया जाता है, बल्कि भक्तों के लिए भक्ति और आस्था के प्रकाश को भी प्रसारित करता है।

भैरव देव को 2024 प्रकार की मिठाइयों का अर्पण और 84000 वर्ग की विशाल रंगोली का यह विश्व रिकॉर्ड देश विदेश की 50 विविध संस्थाओं में दर्ज किया जाएगा ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष समारोह की शुरुआत की

डिब्रूगढ़। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के जमुई जिले से धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय पोर्ट, शिपिंग और वाटरवे मंत्री सर्बानंद सोनोवाल चबुआ में दिनजॉय टी एस्टेट के खेल मैदान से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने भारत के आदिवासी लोगों के कल्याण के लिए 6,640 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण भी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष समारोह की शुरुआत की और आज बिहार के जमुई में लगभग 6,640 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन नागरिकों के लिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज के जनजातीय गौरव दिवस से पहले

जमुई में पिछले तीन दिनों से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। पिछले वर्ष जनजातीय गौरव दिवस पर धरती आभा बिरसा मुंडा के जन्म गांव उलिहातु में प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस वर्ष वे उस स्थान पर हैं, जहां शहीद तिलका मांझी की वीरता देखी गई थी। उन्होंने कहा कि यह अवसर और भी विशेष है, क्योंकि देश भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष मना रहा है।

उन्होंने कहा कि यह समारोह आगामी वर्ष भी जारी रहेगा। डिब्रूगढ़ में इस विशेष अवसर पर चबुआ के दिनजॉय टी एस्टेट खेल के मैदान में भगवान बिरसा मुंडा और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अन्य उल्लेखनीय आदिवासी नेताओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कई आदिवासी लाभार्थियों को औपचारिक रूप से भूमि पट्टा और आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा कार्ड वितरित किए। समारोह में विभिन्न जातीय आदिवासी समुदायों की ओर से जीवंत भागीदारी देखी गई, जिन्होंने अपनी समृद्ध कला और सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात विश्वविद्यालय में 'भारतकूल'महोत्सव का उद्घाटन किया

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में गुजरात विश्वविद्यालय में आयोजित भाव, राग और ताल के संगम जैसे 'भारतकूल' महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश और राज्य की कला और संस्कृति को उजागर करने वाले ऐसे आयोजन देश के युवाओं को गुलामी की मानसिकता से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी ने विकसित भारत का जो आह्वान किया है, उसे साकार करने के लिए 'अमृतकाल' को सचमुच 'कर्तव्यकाल' के रूप में साकार करने हेतु सबको मिलकर संकल्पबद्ध होने का मुख्यमंत्री ने आह्वान किया।

गुजरात मीडिया क्लब द्वारा आयोजित 'भारतकूल' कार्यक्रम के उद्घाटन पर सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 'भाव' के बारे में बात करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में 'भाव' का विशेष महत्व है। 'भाव' से व्यक्ति और व्यक्तित्व दोनों बदल जाते हैं। यहां तो भाव-ताल-राग का त्रिवेणी संगम होगा, उन्होंने ऐसा जोड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी ने 'अमृतकाल' को सचमुच 'कर्तव्यकाल' कहा है। ऐसे में यदि हम वर्तमान समय को कर्तव्यकाल के रूप में स्वीकार करेंगे, तभी 'विकसित भारत' की कल्पना साकार होगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने संस्कृति के बारे में बात करते हुए कहा कि हमें अपनी संस्कृति और इतिहास को सदा जीवित रखना चाहिए। इस प्रकार के कार्यक्रम युवा पीढ़ी को हमारी संस्कृति, कला और इतिहास से जोड़ेंगे, ऐसा मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि युवा पीढ़ी को हमारी सनातन सभ्यता के मूल्यों का परिचय होना भी अत्यंत आवश्यक है। जैसे घने वृक्ष के लिए गहरी और मजबूत जड़ें होना आवश्यक है, वैसे ही संस्कृति, संस्कार और विरासत के संरक्षण को मजबूत बनाने के लिए युवा शक्ति का संलग्न होना भी आवश्यक है, इसकी विस्तृत भूमिका मुख्यमंत्री ने प्रस्तुत की।

'अमृतकाल'

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी ने 'अमृतकाल' को सचमुच 'कर्तव्यकाल' कहा है।

मुख्यमंत्री ने प्रेस मीडिया की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि मीडिया का 'भाव' समाज के लिए अच्छा करना होता है, इसलिए माध्यमों की सही आलोचना को व्यापक लोकहित में ध्यान में रखते हुए हमें कार्य करना चाहिए। क्योंकि सरकार और माध्यमों दोनों का उद्देश्य आखिरकार लोककल्याण ही है।

मुख्यमंत्री ने सभी से मिलकर हमारी संस्कृति और विरासत को जीवित रखते हुए प्रधानमंत्री श्री के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए संकल्पबद्ध होने का आह्वान किया।

इस अवसर पर गृह, युवा सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों के मंत्री हर्ष सांघवी ने 'भारतकूल' कार्यक्रम के माध्यम से आज की युवा पीढ़ी को भारत, भारतीय संस्कृति और भारतीय विचारों के बारे में गहरी समझ प्रदान करने वाले आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, कला और संगीत को उजागर करने के लिए राज्य सरकार तत्पर है, और भारतकूल के माध्यम से चार दिनों तक धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्र निर्माण से संबंधित विभिन्न विषयों पर कार्यक्रमों का अधिक से अधिक युवाओं को लाभ लेने का आह्वान किया।

सांघवी ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी गुजरात की संस्कृति के साथ-साथ भारत के विभिन्न राज्यों को जोड़ कर उन राज्यों की धरोहर और संस्कृति के बारे में लोगों को जानकारी दे सके, ऐसे कार्यक्रम निरंतर होते रहें, ताकि एक भारत श्रेष्ठ भारत का निर्माण हो सके, ऐसी भावना उन्होंने व्यक्त की। इस अवसर पर गुजरात मीडिया क्लब के अध्यक्ष श्री निर्णय कपूर ने संस्थान के कार्यों और 'भारतकूल' कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी और इस आयोजन को भारतीय संस्कृति को उजागर करने वाला माध्यम बताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री और गृह राज्य मंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित शिवकथा और फोटो जर्नलिस्ट्स द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

यह उल्लेखनीय है कि भारतकूल महोत्सव कुल चार दिनों तक चलेगा, जिसमें भाव, राग और ताल के कार्यक्रम जैसे धार्मिक कार्यक्रम, शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रम, पत्रकारिता संस्कृति, फिल्मों की संस्कृति, रंगमंच संस्कृति, चित्र प्रदर्शनी, शिल्प प्रदर्शनी, रंगयात्रा, फोटोग्राफी एग्जिबिशन, गुजराती भाषा का रंगारो, भारतीय विज्ञान संस्कृति के कार्यक्रम, स्वास्थ्य, व्यापार वाणिज्य के कार्यक्रम, खेल विचार, पर्यटन तथा राष्ट्रीय निर्माण संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

इस कार्यक्रम में अहमदाबाद की मेयर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, विधायक श्री जीतुभाई पटेल, अहमदाबाद स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन श्री देवांग दानी, गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री भाग्येश झा, गुजरात मीडिया क्लब के वाइस प्रेसिडेंट श्री दीक्षित सोनी, जनरल सेक्रेटरी श्री संजय पांडे, भारतकूल के संस्थापक श्री मल्हार दवे, गुजरात विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर श्रीमती नीरजा गुप्ता, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कर्मी तथा साहित्य प्रेमी और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अवधनामा

शिकायतों का ससमय गुणवत्तापूर्ण करें निस्तारण

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। जनपद की चारों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी निशा अनंत की अध्यक्षता में तहसील मुसाफिरखाना में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये शिकायतों को गम्भीरता से लेकर उनका गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। आज तहसील मुसाफिरखाना में कुल 29 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 01 शिकायत का मौके पर निस्तारण कराया गया।तहसील तिलोई में 14 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 03 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया तहसील अमेठी में 17 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 02 शिकायतों का निस्तारण कराया गया तथा तहसील गौरीगंज में 12 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

कप्तानगंज तहसील में डीएम और एसपी ने समाधान दिवस में सुनी फरियाद

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा की उपस्थिति में शनिवार को तहसील कप्तानगंज के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्वप्रथम संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर सभागार में आए हुए जनता/ फरियादियों की समस्याओं व शिकायतों को बारी -बारी से गम्भीरता के साथ सुनने के उपरान्त विभागीय अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही उनका निस्तारण किया गया तथा अवशेष प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियों को त्वरित, समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए सुपुर्द कर दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि समाधान दिवस पर आए हुए शिकायतों को सदैव प्राथमिकता पर रखते हुए हर पीड़ित को न्याय का निष्पक्ष निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिन शिकायतों का निस्तारण आज नहीं हो सका है उनका समय के अंतर्गत शासन की मंशानुसार निर्धारित अवधि के भीतर सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ गुणवत्ता पूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण शत प्रतिशत निस्तारण हो जाना चाहिए। इसी क्रम अधिवक्ताओं द्वारा जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र भी दिया गया। जिलाधिकारी ने नामांतरण बही आर 6 की जांच की तथा अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को जनपद में उर्वरक खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने पुलिस विभाग से जुडे मामलों की सुनवाई की तथा समय मामलों का निस्तारण का निर्देश दिया। समाधान दिवस में कुल 38 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से राजस्व विभाग के 24 में से 05 को तत्काल निस्तारित किया गया, पुलिस विभाग से संबंधित 04, विकास विभाग से संबंधित 02, स्वास्थ्य विभाग से संबंधित 01 तथा अन्य विभाग के 07 मामले आए। इस प्रकार कुल 38 में से 05 प्रार्थना पत्र का निस्तारण तत्काल एवं अवशेष 33 प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभाग को समयांतर्गत निस्तारण के निर्देश के साथ सौंपा गया।

जन जागरूकता करने वाली महिलाएं सम्मानित

अमेठी अवधनामा संवाददाता। मिशन शक्ति अभियान के पंचम चरण के तहत नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलंबन हेतु महिलाओं एवं बालिकाओं में सशक्तिकरण हेतु विभिन्न कल्याणकारी व हेल्पलाइन नम्बरों 1090-वीमेन पॉवर लाइन 181-महिला हेल्प लाइन 108-एम्बुलेंस सेवा 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 112-पुलिस आपातकालीन सेवा 1098-चाइल्ड लाइन 102-स्वास्थ्य सेवा आदि के विषय में अपने माध्यम से महिलाओं बालिकाओं व छात्राओं को जागरूक कर सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं को शनिवार को तहसील मुसाफिरखाना में जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया व उनके सराहनीय कार्य की प्रशंसा की गयी। सम्मानित होने वाली महिलाओं में कंचन श्रीवास्तव प्रधानाध्यापिका जूनियर हाई स्कूल दादरा ऐश्वर्या उपाध्याय प्रधानाध्यापिका कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय मुसाफिरखाना ज्योति पांडे रंजनी त्रिपाठी समाजसेविका कमरौली तुहिना श्रीवास्तव प्रधानाचार्या जयपुरिया स्कूल कमरौली शिल्पी श्रीवास्तव उर्फ प्रेरणा श्रीवास्तव समाज सेविका जगदीशपुर कुसुम चौरसिया प्रधानाचार्या जीजीआईसी जगदीशपुर के नाम शामिल है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता संसार के लिए मिसाल

भेंटुआ (अमेठी) अवधनामा संवाददाता। क्षेत्र के कड़ेरगांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा का शनिवार को समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन भी श्रीमद् भागवत का रसपान पाने के लिए भक्तों का सैलाब कथा स्थल पर उमड़ पड़ा। तीर्थो के राजा प्रयागराज धाम से पधारे कथावाचक पूज्य मुकेश आनन्द जी महाराज जी ने श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम

दिवस कई कथाओं का भक्तों को श्रवण कराया जिसमें प्रभु कृष्ण के 16 हजार विवाह के प्रसंग के साथ सुदामा प्रसंग और परीक्षित मोक्ष की कथायें सुनाई। इन कथाओं को सुनकर सभी भक्त भाव विभोर हो गए। व्यास जी ने भक्तों को भागवत को अपने जीवन में उतारने की बात कही जिससे सभी लोग धर्म की ओर अग्रसर हो। कथा के अंतिम दिन सुदामा चरित्र के माध्यम से भक्तों के सामने दोस्ती की मिसाल पेश की और समाज में समानता का संदेश दिया। साथ ही भक्तो को बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीव का उद्धार हो जाता है तो वहीं इसे कराने वाले भी पुण्य के भागी होते है। कथा के समापन पर मुख्य यजमान प्रेमा देवी अशोक राकेश एवं राजेश मिश्रा ने व्यास पीठ की आरती उतारी। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

कुशीनगर मेडिकल कॉलेज में अगर लग जाएगी आग तो कैसे बचेंगे नौनिहाल

जिला अस्पताल में भी फायर सेफ्टी के नहीं हैं मुकम्मल इंतजाम

शकील अहमद

कुशीनगर (अवधनामा ब्यूरो)। झांसी मेडिकल कॉलेज में शॉर्ट सर्किट से लगी आग के बाद मासूमों की मौत ने सरकारी अस्पतालों में फायर सेफ्टी के इंतजाम को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। कुशीनगर मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में फायर सेफ्टी के क्या इंतजाम हैं इसकी रियल्टी जांच हुई तो सारी कमियां खुलकर सामने आ गई।

कुशीनगर मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में फायर सेफ्टी इंतजाम ना के बराबर हैं। जिला अस्पताल में स्थित हृद्धष्ट वार्ड में 25 बच्चों के इलाज का इंतजाम है लेकिन इस वक्त वार्ड में लगभग 45 नवजात बच्चे भर्ती हैं। इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की फायर सेफ्टी के लिए सिर्फ दो फायर सेफ्टी सिलेंडर रखा गया है।इतने बड़े वार्ड और नवजात बच्चों के लिए सिर्फ दो फायर सेफ्टी सिलेंडर का होना बहुत बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है कि अगर कोई घटना हुई तो सिर्फ दो सिलेंडर से कैसे आग बुझाई जा सकती है। इस संबंध में कुशीनगर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ ए के शाही का कहना है कि अस्पताल में फायर सेफ्टी का काम चल रहा है जो जल्द ही पूरा हो जाएगा।

25 बच्चों के जगह 45 नवजात बच्चे है भर्ती, मात्र दो सिलेंडर का इंतजाम

बच्चों के वार्ड में सिर्फ दो फायर सेफ्टी सिलेंडर के सवाल पर उन्होंने कहा कि आज ही 10 सिलेंडर मंगाया गया है जो बच्चों के वार्ड में लगाया जाएगा।

दबंगों ने युवक की जमकर पिटाई की

ऊंचाहार। खेत में बोई सब्जी की फसल में पानी जाने का विरोध करने पर दबंगों ने युवक की जमकर पिटाई कर दी, घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। छिपिया गाँव निवासी नीरज का कहना है कि पड़ोस के गांव नदौरा माफी में उसका खेत हैं, जहां उसने सब्जी बो रखी है। शनिवार की सुबह वो खेत गया हुआ था, पड़ोस के लोग खेत की सिंचाई कर रहे थे, जिसमें पानी बहकर उसके खेत में जा रहा था, जिससे उसकी सब्जी की फसल खराब हो रही थी। जब उसने पानी रोकने को कहा तो आरोप है कि गाँव के ही अनुज यादव, विजय यादव व भैयन सिंह ने लाठी डंडे से उसकी जमकर पिटाई कर दी। जिससे वो घायल हो गया, परिजनों की मदद से उसे इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। कोतवाल सजंय कुमार का कहना है कि तहरीर के आधार पर मारपीट का केस दर्ज कर आवश्यक कार्यवाई की जा रही है।

सुकरौली में कोहरे का कहर आपस में टकरायी आठ गाड़ियां

कई चालक व उप चालक हुए घायल, एक लैन घंटों रहा जाम

हाटा, कुशीनगर अवधनामा संवाददाता। राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को सुकरौली के पास कोहरे का कहर देखा गया। घने कोहरे के बीच हाईवे पर आपस में एक-एक करके आठ गाड़ियां टकरा गए। इस हादसे से कई चलाक व उपचालक घायल हो गए पुलिस की मदद से चालकों को बाहर निकाला गया तथा इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। शनिवार को हाटा कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत सुकरौली में घने कोहरे के बीच एक लैन पर एक-एक करके आठ गाड़ियां आपस में टकराते रहे। दो ट्रैकों के बीच एक बाइक सवार भी फंसकर बुरी तरह घायल हो गया। वाहनों की टक्कर में एक लम्बी दूरी का प्राइवेट बस भी शामिल है। बताया जा रहा था कि दो सौ मीटर की दूरी में करीब आठ वाहन टकराते रहे। इस हादसे में कई चालक व उप चालक केबिन में फंसकर घायल हो गए। ये सब हादसा देख कस्बे के लोग इकठ्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दिए। मौके से पहुंचे पुलिस ने केबिन में फंसे चालक व उप चालकों को लोगों की मदद से बाहर निकला और अस्पताल भर्ती कराया। इस दौरान वाहनों की लंबी कतार लग गई और लैन घंटों तक जाम रहा।

कार को बचाने के चक्कर में दो ट्रक आपस में भिड़े

फाजिलनगर, कुशीनगर अवधनामा संवाददाता। पटहेरवा थाना क्षेत्र के फोरलेन स्थित यादव टोली गांव के सामने शनिवार की सुबह घने कोहरे में एक कार को बचाने में दो ट्रक टकरा गए। उक्त घटना में एक ट्रक का पिछला पहिया टूट कर कुछ दूरी पर जाकर गिरा। घटना के बाद सड़क का लेन दो घंटों तक जाम रहा। मौके पर पहुंची तो पुलिस ने किसी तरह आवागमन चालू हो सका। पटहेरवा थाना क्षेत्र के फोरलेन (यादव टोला) पटहेरवा के सामने शनिवार की सुबह घने कोहरे में जा रहे दो ट्रक एक कार के बचाने में आपस मे टकरा गए। घटना में एक ट्रक का पिछला पहिया गाड़ी से अलग हो कर कुछ दूर चला गया और ट्रक बीच सड़क में ही अटक गया। जबकि दूसरे ट्रक का स्टेयरिंग लॉक हो गया। घटना के बाद सड़क का लेन दो घंटों तक जाम रहा। इस दौरान फोरलेन पर महुअवा से लेकर पटहेरिया चौराहे पर लंबी गाड़ियों का जाम लग गया। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने किसी तरह से आवागमन बहाल कराया। एस ओ पटहेरवा दीपक कुमार सिंह ने बताया कि गाड़ियों को किनारे करा कर आवागमन बहाल करा दिया गया है।

श्रद्धालुओं ने भारी संख्या में लगाई आस्था की डुबकी

ऊंचाहार अवधनामा संवाददाता। कार्तिक पूर्णिमा मेले के तीसरे दिन भी क्षेत्र के गोकना गोला, बादशाहपुर आदि गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया, इससे पूर्व मां गंगा गोकर्ण जन कल्याण सेवा समिति द्वारा आयोजित देव दीपावली और कार्तिकी पूर्णिमा की संध्या पर संस्था के संरक्षक सदस्य पूर्व प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शुक्ला मुख्य यजमान के सहयोग से भव्य गंगा महाआरती एवं दीपदान कर लोक कल्याण की कामना की गई आरती पूजन पंडित रमेश द्विवेदी जीतेंद्र द्विवेदी द्वारा कराया गया,अंत में समिति के सचिव पंडित जितेंद्र द्विवेदी ने सभी को मां गंगा को स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर शशि प्रकाश शुक्ला मुन्ना शुक्ला ,मंटू शुक्ला, रामचंद्र मिश्रा मनमाना ,,अर्पित कुमार आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे। मेले में स्नान करने आये लाखों श्रद्धालुओं आयोजित मेले का जमकर लुत्फउठाया। झूला, जलेबी चाट, की दुकानों पर भारी भीड़ देखने मिली वहीं दूसरी ओर मेले में आई महिलाओं ने घरेलू सामान की खरीदारी की। वहीं मेले में कोतवाली कैंप कर जनता से शांति बनाए रखने की अपील करती रही ।एसडीम सिद्धार्थ चौधरी ने बताया कि मेले में शौचालय बिजली स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद है। वहीं दूसरी ओर मेले में कोई अव्यवस्था न हो इसको लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। कोतवाल संजय कुमार व अपराध निरीक्षक सियाराम राजपूत पुलिस बल के साथ मेले में भ्रमण करते नजर आए।

सिंचाई विभाग के जिम्मेदारों ने 1 करोड़ का कार्य बिना टेंडर निकाले करा डाला

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। सिंचाई विभाग रायबरेली के जिम्मेदारों ने लापरवाही और गैर जिम्मेदारी की पराकाष्ठा को पार कर दिया है। साथ में प्रदेश के ईमानदार मुख्यमंत्री के छवि को भी धूमिल कर रहे हैं। दअरसल एनटीपीसी तक डलमऊ पंप नहर के जरिए पानी पहुंचाया जाता है इसमें अनुरक्षण कार्य कराया गया है लेकिन इसका टेंडर नहीं निकल गया। मनमानी और गैर जिम्मेदार तरीके से किए गए इस कार्य के बाद अब सिंचाई विभाग एनटीपीसी से भुगतान भी कर लेना चाहता है और उसकी पूरी तैयारी में है।

दअरसल एनटीपीसी ऊंचाहार हर साल पंप कैनाल के अनुरक्षण के लिए करोड़ो रुपए का बजट सिंचाई विभाग को देता है जिसके जरिए सफाई व मरम्मत सर्विस रोड की मरम्मत समेत अन्य कार्य कराए जाते हैं। इसी वर्ष के सितंबर और अक्टूबर में एक करोड़ का काम कराया गया और वह भी सिर्फ खानापूर्ति की गई। ऊबड़ - खाबड़ पटरिया से निकलना मुश्किल है। डलमऊ में निकाली गई सिल्ट नहर पर डंप कर दी गई है जबकि इस सिल्ट को दूर में एकत्रित करना था। अब सिल्ट फिर से नहर में गिर रही है। सूत्र बताते हैं चहेते ठेकेदारों से काम करने के बाद उन्हें भुगतान करने की तैयारी भी चल रही है।

अनुरक्षण कार्य में मनमानी के साथ धन के बंदरबांट की आशंका है

गैर जिम्मेदारी का हाल यह है कि संजय श्रीवास्तव अधीक्षण अभियंता सिंचाई विभाग को यह तक नहीं मालूम की एक करोड़ के इस कार्य के लिए टेंडर निकाला गया है या नहीं? गैर जिम्मेदारी और मनमानी का यह रवैया इस विभाग में पहले से भी चल रहा है और अब तो खुलकर सामने भी आने लगा है। जनपद में सिंचाई विभाग के द्वारा कराए जा रहे सभी कार्यों की जांच बेहद जरूरी हो गई है क्योंकि जिस तरह से अधिकारी और कर्मचारी लापरवाही की पराकाष्ठा पार कर रहे हैं इससे सरकार की भी किरकिरी होना तय है।

औघड़ आश्रम का वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ

रायबरेली अवधनामा संवाददाता। श्री सर्वेश्वरी समूह औघड़ भगवान राम कुष्ठ सेवा आश्रम शाखा मुंशीगंज का वार्षिकोत्सव आज आश्रम परिसर में पूरी आस्था एवं विश्वास के साथ मनाया गया। 14 नवम्बर को प्रातः 9:00 बजे से ''सर्वेश्वरी त्वम् पाहिमाम् शरणागतम्'' का अखण्ड कीर्तन पाठ के साथ प्रारम्भ हुआ जो कि अनवरत 24 घण्टे उपरान्त समाप्त हुआ। कार्यक्रम में आज प्रातः श्रद्धालुओं द्वारा सफाई व श्रमदान किया गया, तदुपरान्त अघोरेश्वर वचनामृत का पाठ आश्रम के छोटे साधु एवं सफलयोनि का पाठ आश्रम के व्यवस्थापक बृजेश सिंह द्वारा किया गया। पूर्वान्ह 11:30 बजे से समूह के केन्द्रीय मंत्री डा0 एस.पी. सिंह की अध्यक्षता एवं संत बाबा मगहिया राम की गरिमामयी उपस्थिति में एक पारिवारिक गोष्ठी सम्पन्न हुई। गोष्ठी का संचालन विजय कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया, गोष्ठी का प्रारम्भ चन्द्रकान्त द्विवेदी द्वारा मंगलाचरण वाचन से हुआ। गोष्ठी को शिवलखन सिंह, हर्षेन्द्र सिंह 'छोटे राजा', रवीन्द्र सिंह, थौरी शाखा में मंत्री माताफेर मौर्य, हण्डौर प्रतापगढ़ शाखा के अनिल कुमार, प्रयागराज शाखा के मन्त्री अरूण कुमार ने अपने विचार रखे तथापि डा0 एस.पी. सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन एवं शाखा के उपाध्यक्ष राघवेन्द्र मिश्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। औघड़ सन्त बाबा मगहिया राम द्वारा स्वात्माराम-आत्माराम के संकीर्तन के साथ गोष्ठी का समापन हुआ। उल्लेखनीय है कि कार्तिक पूर्णिमा की सायं पूरे आश्रम परिसर को दीपों से सजाया जाता है, जिसे देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में शहरवासी एवं राहगीर उपस्थित रहते हैं।

हाइवे पार कर रहे अधेड़ को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। फाजिलनगर कस्बे के निकलने वाली ओवरब्रिज के पश्चिमी तरफ से एनएच पार कर रहे एक चालीस वर्षीय व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया जिससे वह गम्भीर रुप से घायल हो गया। घटने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी पहुंचाया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पटहेरवा थाना क्षेत्र के पटहेरिया निवासी विनोद पाण्डेय पुत्र रामबृक्ष पाण्डेय तथा एक दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार के छोटे भाई उम्र 40 वर्ष शुक्रवार को शाम किसी कार्य से फाजिलनगर गए थे। काफी देर होने के चलते सवारी के तलाश में कस्बे से निकलने वाली ओवरब्रिज के पश्चिमी छोर से लेने क्रास कर दूसरे लेन में जा रहे थे कि किसी वाहन ने ठोकर मार दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ देर बाद किसी ने घटने की जानकारी पुलिस को दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस उसे सीएचसी पहुंचाई जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के पॉकेट में पड़ा आईडी से उसका पहचान कर उसके परिवार के लोगों को सूचना दिया। अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया था। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष पटहेरवा दीपक कुमार सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा तैयार के पीएम के लिए भेज दिया गया है। अगल बगल लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच किया गया जिसमें ठोकर मारने वाले गाड़ी का पता चल गया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर अन्य विधिक कार्रवाई किया जायेगा।

मृतक विनोद पांडेय का फाइल फोटो

सड़क हादसे में मुंशी की मौत तमकुहीराज तहसील में थे कार्यरत

अवधनामा संवाददाता

तमकुहीराज कुशीनगर। तमकुहीराज तहसील गेट के आगे तेज रफ्तार अनियंत्रित बोलेरो ने एक व्यक्ति को रौंदते हुए पलट गया। जिससे घायल की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। दूधनाथ यादव निबंधक कार्यालय जा रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार बोलेरो ने उन्हें रौंदते हुए पलट गया।

दुर्घटना होते ही तहसील के अधिवक्ता, मुंशी, फरियादी, निबंधन कार्यालय के कर्मचारी मौके पर पहुंच बोलेरो के चपेट में आए मुंशी दूधनाथ यादव को बाहर निकाला। और पुलिस के सहयोग से अस्पताल भेजवाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं तहसील परिसर के बगल में तमकुहीराज थाना भी स्थित है, इस लिए 05 मिनट के अंदर ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और बोलेरो को कब्जे में लेकर थाने लाई। मृतक दूधनाथ यादव उम्र 55 वर्ष पुत्र महाजन यादव निवासी पिपरा बघेल थाना तमकुहीराज, जनपद कुशीनगर के निवासी है, बीते 25 वर्ष से तमकुहीराज तहसील में मुंशी का काम करते आ रहे है। घटना की जानकारी होने पर तत्काल परिजन व ग्रामीण सीएचसी तमकुहीराज पहुंच गए। इस घटना में परिवार के एक मात्र कमाऊ व्यक्ति के मौत होने पर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो रहा था। तमकुहीराज तहसील बार संघ ने भी इस घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए शोक सभा आयोजन कर शोक संवेदना व्यक्त किया है। पुलिस ने मृतक दूधनाथ यादव के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

मोहल्ले-मोहल्ले खुले प्राइवेट अस्पताल सुरक्षा भगवान भरोसे

रायबरेली अवधनामा संवाददाता। झांसी में हुए विभत्स हादसे ने फायर सेफ्टी समेत सुरक्षा इंतजाम की पोल खोल कर रख दी है। ऐसे में अगर बात रायबरेली जनपद की की जाए तो छोटे-छोटे मोहल्ले में प्राइवेट नर्सिंग होम का संचालन हो रहा है। हद तो यह हो गई है कि कुछ हॉस्पिटल बेसमेंट का भी उपयोग कर रहे हैं सूत्र बताते हैं कि जिले में प्राइवेट अस्पताल खुलेआम सुरक्षा की अनदेखी कर रहे है और जिम्मेदार विभाग खुलेआम शिथिलता बरत रहा है और खुला खेल फर्रुखाबादी भी होता है। अस्पतालों में आग से बचाव की तैयारियों की पोल खुल गई। जिले के ज्यादातर अस्पतालों में आग बुझाने के उपकरण निष्प्रयोज्य हो चुके हैं। जिले के सरकारी हो या निजी अस्पताल सभी में आग से बचाव की व्यवस्था भगवान भरोसे ही है। सरकारी अस्पतालों में अग्निशमन यंत्र जरूर मिलेंगे लेकिन वह सिर्फ खाली खोखा ही साबित होंगे। स्वास्थ्य महकमे की मिलीभगत से बिना मानक पूरा किए अस्पतालों को पंजीयन हो जाता है। इससे मरीजों की सुरक्षा का कहीं पता नहीं रहता। जिले के निजी अस्पतालों का हाल यह है वे मरीजों से पैसे जमकर ऐंठते हैं, लेकिन उन्हें व्यवस्था नहीं दे पाते। इसकी शिकायत करने पर स्वास्थ्य विभाग भी उन पर शिकंजा नहीं कस पाता। खास बात कि यदि निजी अस्पताल के लिए जो शख्स मानक पूरा करने में मेहनत करेगा। उसकी कमियां निकालकर विभागीय कर्मचारी पंजीयन नहीं होने देते। जबकि उनकी सेवा करने के बाद सारे मानक और कागजी कार्रवाई पूरी हो जाती है विभाग के अधिकारी लिपिकों के इशारे पर अस्पताल संचालन की अनुमति दे देते हैं। ऐसे में इन अस्पताल संचालकों से मरीजों के सुविधा की उम्मीद करना बेमानी है। किसी भी घटना के होने के बाद जिला प्रशासन समेत विभाग सक्रिय होते हैं और धीरे-धीरे फिर से शिथिलता बरती जाती है। यदि समय-समय पर अग्निशमन व्यवस्था को परखा जाए तो ऐसे भयावह हादसों को टाला जा सकता है।

विधायक अदिति का जन्मदिन हर्षोउल्लास से मनाया गया

रायबरेली। सदर विधानसभा क्षेत्र जनपद रायबरेली की जन लोकप्रिय विधायक अदिति सिंह के जन्मदिन 15 नवम्बर के अवसर पर उनके कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने अपने प्रिय विधायक का जन्मदिन हर्षोउल्लास से मनाया। नगर क्षेत्र के श्री राम अखिलेश्वरी मन्दिर, धुन्नी सिंह नगर, वृद्धजन आश्रम आई0टी0आई, तकिया चौराहा अमावां, राही एवं अन्य स्थानों पर कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों द्वारा केक काटकर एक- दूसरे को केक खिलाकर खुशियां मनाई। वृद्धजन आश्रम आई0टी0आई परिसर में वृद्धजनों को फल, मिठाई एवं भोजन कराया गया और लोक प्रिय विधायक अदिति सिंह के दीघायु की कामना की गयी। सदर विधायक पी0आर0ओ0 अरूण विश्वकर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री राम अखिलेश्वरी मन्दिर, धुन्नी सिंह नगर में सदर विधायक प्रतिनिधि कमल श्रीवास्तव, प्रमुख व्यवसायी उमेश सिकरिया, विरिष्ठ सहयोगी कल्लू खां, अश्विनी शर्मा, रामेन्द्र श्रीवास्तव, तनय श्रीवास्तव, डॉ विजय श्रीवास्तव सहित युवा कार्यकर्ता मोहित श्रीवास्तव, अमन सिंह, चन्दन सोनकर, योगेन्द्र सोनकर, सोनू सिंह आदि सैकड़ों की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ता ने अपनी लोकप्रिय विधायक अदिति सिंह का जन्मदिन हर्षोउल्लास से मनाया।

डीएम ने किया मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण फायर सेफ्टी नॉर्म्स के सख्त अनुपालन के निर्देश

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। आज अपराह्न जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण कर फायर सेफ्टी मानकों का गहन परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी सर्वप्रथम मेडिकल कॉलेज के एमसीएच विंग पहुंचीं, जहां उन्होंने एसएनसीयू वार्ड का निरीक्षण करते हुए इमरजेंसी फायर एग्जिट का स्पष्ट और सुरक्षित मार्ग बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आकस्मिक परिस्थितियों में इमरजेंसी एग्जिट लोगों की जान बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिलाधिकारी ने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेज में लगे सभी फायर एक्सटिंगशर की एक्सपायरी डेट की नियमित जांच हो। उन्होंने कर्मचारियों को आग जैसी आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए समुचित प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया। इस दौरान चीफ फायर सेफ्टी ऑफिसर अरुण कुमार ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि मेडिकल कॉलेज का फायर ऑडिट इस वर्ष जनवरी और जून में संपन्न हुआ है। उन्होंने बताया कि फायर ऑडिट के दौरान जो भी कमियां पाई गई थीं, उन्हें मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने समय रहते ठीक कर लिया है। जिलाधिकारी ने जिले के सभी सीएचसी, पीएचसी और मेडिकल कॉलेजों में फायर सेफ्टी मानकों के अनुपालन की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में फायर सेफ्टी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

निरीक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार बरनवाल, सीएमओ डॉ. राजेश झा, सीएमएस डॉ. एच.के. मिश्रा, डॉ. आर.के. श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने बनाए उपकरणों के मॉडल

सैनिक किड्स पब्लिक स्कूल में हुआ प्रदर्शनी का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। जनपद में आज सैनिक किड्स पब्लिक स्कूल अकबरपुरा बहराइच में एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन महिला थाना इंचार्ज मंजू यादव के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर डीजीसी राजस्व अजय शर्मा अतुल गौड़ पंडित शिव वंश शास्त्री आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों के प्रयास की सराहना करते हुए बच्चों को हार्दिक बधाइयां दी एवं निरंतर आगे बढ़ाने की सलाह दी बच्चों के द्वारा कुछ प्रस्तुत मॉडल जिसमें एनिमल एंड देयर होम, ह्यूमन रेस्पिरेटरी सिस्टम, सोलर सिस्टम वर्किंग मॉडल, फोटोसिंथेसिस मॉडल, लेयर ऑफ़ एटमॉस्फेयर मॉडल, वोल्कानो मॉडल, सोर्सेज ऑफ़ वाटर मॉडल, चंद्रयान-3, सोलर एक्लिप्स वर्किंग मॉडल,हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट वर्किंग मॉडल ड्रिप इरिगेशन वर्किंग मॉडल, वाटर लेवल इंडिकेटर वर्किंग मॉडल, वॉटर प्यूरीफायर प्लांट वर्किंग मॉडल, कैटल वार्निंग अलार्म सिस्टम वर्किंग मॉडल ,वेस्टवाटर ट्रीटमेंट प्लांट वर्किंग मॉडल न्यूटन फर्स्ट सेकंड एंड थर्ड लॉ वर्किंग मॉडल कुछ प्रमुख प्रोजेक्ट रहे जिनको लोगों ने खूब सराहा।इस कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधक विजय गौड़ प्रियंका शर्मा विद्यालय प्रधानाचार्य प्रशासन असमी अतीक एजुकेशन प्रिंसिपल रीना कश्यप विद्यालय कोऑर्डिनेटर रितु गौड़ कार्यालय इंचार्ज अंशु गौड़ तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक /शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

रात के अंधेरे में हो रही डीएपी की कालाबाजारी

शिकोहाबाद। किसानों को वर्तमान समय में डीएपी खाद की मांग अधिक है। किसान डीएपी के लिए अल सुबह से सहकारी समितियों पर पहुंच जाते हैं। लेकिन समितियों पर तैनात कर्मचारी और सचिव किसानों को खाद ना होने की कह कर लौटा देते हैं। लेकिन यही कर्मचारी और सचिव मिली भगत करके रात के अंधेरे में डीएपी को अपने चहेते किसानों अथवा दुकानदारों को बेंचते हैं।

रात के समय एक सहकारी समिति से डीएपी खाद की आपूर्ति का वीडिओ सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। जिसके बाद से किसानों में आक्रोश बढ़ गया है। सचिव और कर्मचारी मिली भगत से डीएपी खाद को ऊंचे दामों पर बेंच रहे हैं। जहां समितियों पर सुबह से ही लाइन लगी दिखाई देती है। इस दौरान कुछ किसानों को खाद बांटने के बाद समाप्त होने की बात कह कर किसानों को लौटा दिया जाता है। लेकिन रात के समय यह कर्मचारी अपने चहेते किसानों अथवा दुकानदारों को ऊंचे दाम पर डीएपी खाद बेंचते हैं। जिसका किसी किसान ने वीडिओ बना कर सोशल मीडिया पर डाल दिया।

डीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में माह नवम्बर के तृतीय शनिवार को तहसील महसी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने पुलिस अधीक्षक बृन्दा शुक्ला, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी महसी अखिलेश कुमार सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी महसी रवि खोखर व अन्य अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए गए।

डीएम ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवसों में एक ही प्रकरण के सम्बन्ध में बार-बार प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों के निस्तारण के लिए जिला स्तरीय अधिकारी मौके पर जाकर समस्या का समाधान कराएं। डीएम द्वारा सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि जनसमस्याओं का निस्तारण समयबद्धता और गुणवत्ता के साथ करें। निस्तारण में अनावश्यक हीला-हवाली को अत्यन्त गम्भीरता के साथ लिया जाएगा।ग्राम मुंसियारी, पचदेवरी, तेजवापुर, कपूरपुर, मकरंदपुर, औराही इत्यादि ग्रामों से प्राप्त होने भमि से सम्बन्धित शिकातयों की सुनवाई के दौरान निर्देश दिया कि बैनामें के सापेक्ष ही भूमि का अमलदरामद कराया जाय नये शासनादेशों के अनुसार तहसीलदार स्तर से त्रुटि को दुरूस्त कराया जाय।

वृद्धावस्था पेंशन में केवाईसी से सम्बन्धित प्रकरणों की सुनवाई के दौरान डीएम मोनिका रानी ने प्रभारी समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिया कि ईकेवाईसी के प्रकरणों को तत्काल निस्तारित करना सुनिश्चित करें। ईकेवाईसी हेतु लाभार्थी को अनावश्यक दौड़ाया न जाय तथा ईकेवाईसी की कार्यवाही पूर्ण करने बाद सम्बन्धित लाभार्थी को इसकी सूचना उसके व्हाट्सअप पर दे दी जाय। डीएम ने राजस्व, पुलिस एवं ग्राम्य विकास विभाग को निर्देश दिया कि अभियान संचालित कर चकमार्गो को अतिक्रमण से मुक्त कराते हुए दोबारा अतिक्रमण होने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाय। डीएम ने तहसील प्रशासन को निर्देश दिया कि शीत ऋतु से पूर्व ही कंबल वितरण हेतु निर्धन एवं असहायत पात्र व्यक्तियों की सूची तैयार कर ली जाय। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, जिला विकास अधिकारी राज कुमार, ए.आर. को-आपरेटिव संजीव कुमार तिवारी, जिला कृषि अधिकारी डॉ. सूबेदार यादव, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मंतरी भारद्वाज, प्रभारी समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पाण्डेय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी बी.पी. सत्यार्थी, जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी, जिला गन्ना अधिकारी आनन्द शुक्ल सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ, बीईओ, सीडीपीओ व थानाध्यक्षगण मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि तहसील सदर बहराइच में प्राप्त 14 प्रार्थना-पत्रों के सापेक्ष 02, नानपारा में प्राप्त 58 के सापेक्ष 07, मिहींपुरवा (मोतीपुर) में प्राप्त 15 के सापेक्ष 02, पयागपुर में प्राप्त 69 के सापेक्ष 06, कैसरगंज में प्राप्त 92 के सापेक्ष 12 व महसी में प्राप्त 58 प्रार्थना-पत्रों के सापेक्ष 07 का मौके पर निस्तारण किया गया।

‘मतगणना का कार्य बेहद संवेदनशील’

अवधनामा संवाददाता

गणना कार्मिक पारदर्शी ढंग से सम्पन्न करायें गणना प्रक्रिया : जिला निर्वाचन अधिकारी

मैनपुरी। जिला निर्वाचन अधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने मतगणना कार्मिकों के प्रशिक्षण के दौरान कहा कि विधान सभा उप निर्वाचन का अंतिम चरण लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मतगणना का कार्य बेहद संवेदनशील है, गणना कार्य में लगे सभी अधिकारी, कर्मचारी पूरी तन्मयता के साथ सजग रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर मतगणना को निष्पक्षता, कुशलता के साथ संपन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें, मतगणना का कार्य एरर फ्री, निष्पक्ष रूप से संपादित करना है, सभी गणना कर्मी प्रशिक्षण के दौरान अपने कार्यों, दायित्वों की जानकारी भली-भांति कर लें, गणना कर्मी कर्तव्य निष्ठा, परस्पर विश्वास, पारदर्शिता एवं सौहार्द, सुचिता, निष्पक्षता, इच्छाशक्ति एवं समर्पण, अनुभव का समावेश कर गणना प्रक्रिया को सम्पन्न करायें, कोई भी कर्मी गणना कार्य को बोझ न समझें बल्कि प्रसन्नचित्त रहकर सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करें। श्री सिंह ने प्रशिक्षण में उपस्थित गणना कार्मिकों से कहा कि कंन्ट्रोल यूनिट के टेबल पर पहुंचने पर ग्रीन पेपर सील, एड्रेस टैग को खोलने, 17-सी से मिलान कराने की प्रक्रिया की गहनता से जानकारी करें, अपने टेबल पर मौजूद अभिकर्ता को गणना प्रक्रिया की जानकारी दें, एजेंट का संतुष्ट होना बेहद जरूरी है, इसलिए डिस्प्ले पैनल पर दिखने वाले मतों की संख्या को सही ढंग से बोला जाये, जो संख्या बोली जाये वही लिखी जाये, बोलने-लिखने में गलती से भी गलती न हो, सुनिश्चित किया जाये, प्रत्येक चक्र की गणना के उपरांत गणना सीट पर गणना सुपरवाइजर, उपस्थित गणना अभिकर्ताओं के हस्ताक्षर अवश्य करायें जायें। उन्होने कहा कि मतपत्र लेखा 17-ग भाग-1 के अनुसार ही प्रारूप-17-ग भाग-2 के कॉलम में स्पष्ट शब्दों में भरा जाये। उन्होने कहा कि आप सबने पूर्व में भी कई निर्वाचनों में मतगणना संबंधी कार्यों का सकुशल निर्वाहन किया है, आप सब पूरी तन्मयता के साथ निष्पक्ष रहते हुए गणना का कार्य संपन्न करायें, अभिकर्ताओं का विश्वास आपके ऊपर बना रहे, गणना के दौरान ऐसा कोई कृत्य न किया जाए, जिससे आपकी सत्य-निष्ठा, निष्पक्षता पर किसी को संदेह हो। मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु ने प्रशिक्षण में उपस्थित गणना कार्मिकों से कहा कि मतगणना का कार्य बेहद संवेदनशील है इसलिए सभी गणना कार्मिक अपने-अपने दायित्वों, कार्यों की भली-भांति जानकारी कर लें, सभी गणना कर्मी मतगणना तिथि 23 नवम्बर को प्रातः 06 बजे तक अनिवार्य रूप से मतगणना स्थल कृषि उत्पादन मंडी समिति पर उपस्थित होकर कार्मिक अनुभाग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के उपरांत अपना आवंटित टेबल की जानकारी प्राप्त करने के उपरांत आवटिंत टेबल पर पहुंचना सुनिश्चित करें, गणना कार्य प्रांरभ होने पर प्रारूप के अनुसार प्रत्येक कॉलम को सुस्पष्ट भाषा में निर्धारित स्थान पर लिखें। उन्होने कहा कि प्रत्येक टेबल पर 01 गणना पर्यवेक्षक जो राजपत्रित अधिकारी अथवा समकक्ष होगा।

संस्कार भारती के संयोजन में हुआ दीपदान का आयोजन

सुलतानपुर। संस्कार भारती के संयोजन में दीप दान आयोजित किया गया। दीपोत्सव के मुख्य अतिथि डॉ जयंत खोत अध्यक्ष संगीत नाटक एकेडमी उत्तर प्रदेश रहे।विशिष्ट अतिथि डॉ अरुण कुमार सिंह प्रख्यात सर्जन रहे।उक्त मौके पर डॉ सलिल श्रीवास्तव प्राचार्य मेडिकल कॉलेज, विशिष्ट उपस्थित पूज्य श्री बृजभूषण बापू श्री धाम वृंदावन, सीताराम वर्मा विधायक लंभुआ,सोनम किन्नर पूर्व राज्यमंत्री, कार्यक्रम संयोजक प्रवीण अग्रवाल अध्यक्ष नगर पालिका शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंद्रभूषण द्विवेदी ने तथा संचालन चिंतामणि शर्मा ने किया। सहयोगी मदन सिंह अध्यक्ष गोमती मित्र मंडल, वनवासी कल्याण आश्रम के बच्चे और बच्चियां,संस्था के सदस्य रामचरित्र पांडे, रघुवंश मणि, प्रवीण अंजनेय,वीरेन्द्र भार्गव, नेहा तिवारी, गोपाल सोनी, दीपक दूबे, चंदन, सच्चिदानंद सिंह, बसंत पांडे, रामप्रकाश शर्मा, संतकुमार सोनकर , देवेंद्र उपाध्याय ,सुनील चौधरी, सिंगार अनमोल चौधरी, सुरेंद्र, विकास शर्मा, विनोद मिश्र आदि लोग शामिल रहे।

पांच दिवसीय समेकित शिक्षा प्रशिक्षण संपन्न

अवधनामा संवाददाता

दिव्याग सेवा ईश्वरीय कार्य उनके जीवन में खुशहाली लाना प्राथमिकता : सुधीर कुमार सिंह

सुलतानपुर। समग्र शिक्षा के अंतर्गत समेकित शिक्षा प्रशिक्षण पांच दिवसीय नोडल टीचर प्रशिक्षण खण्ड शिक्षा अधिकारी सुधीर कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में ब्लॉक संसाधन केंद्र कुड़वार पर पर संपन्न हुआ।खंड शिक्षा अधिकारी ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण का प्रारंभ किया। विकास खण्ड में प्रथम चरण में विकास खण्ड के 51 विद्यालय के प्रधानाध्यापको को प्रशिक्षक सरजू प्रसाद पाठक व सूर्य प्रकाश तिवारी, अशोक मौर्य द्वारा विभिन्न प्रकार के दिव्यांग बच्चो की पहचान, शारीरिक बाधाओं की स्क्रीनिंग, श्रवण दिव्यांगता के लक्षण हियरिंग स्क्रीनिंग, दृष्टि दिव्यांगता के प्रकार कारण, एवं विजन स्क्रीनिंग बौद्धिक, आटिस्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता के बारे में शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। जिससे दिव्यांग बच्चों के विषय में जानकारी प्राप्त करके उन्हें सामान्य बच्चों के समान अधिगम स्तर पर लाया जाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी कुड़वार सुधीर कुमार सिंह, ने कहा कि दिव्यांगजन दिव्य शक्ति संपन्न होते हैं, दिव्याग सेवा ईश्वरीय कार्य होता है,उनके जीवन में खुशहाली लाना हम सभी की प्राथमिकता है। विशेष शिक्षकों द्वारा सभी प्रकार की बाधाओं से संबंधित सभी जानकारी विस्तृत रूप से दी गई है।सभी लोग विद्यालय में सत प्रतिशत इसका पालन करें। इस मौके पर प्रशिक्षु शिक्षक अनिल कुमार पांडे ,जय श्री ,मीनू सिंह, सुधा मिश्रा, श्रीमती चंद्रकला देवी ,रमाकांत मिश्रा ,चंद्रभान पांडे ,धनंजय कुमार ,शिवेंद्र पांडे सहित सभी 51 शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किए।

सुदिती ग्लोबल अकादमी ने उत्तीर्ण विधार्थियों को शैक्षिक भ्रमण के लिए भेजा

टूंडला। सुदिती ग्लोबल अकादमी में सत्र 2023-24 में उत्तम अंकों से उत्तीर्ण विधार्थियों को सम्मानित करते हुए कानपुर शैक्षिक भ्रमण के लिए भेजा गया। बस को रवाना किया। इस दौरान संचालक किताब सिंह ने कहा की पढ़ाई के साथ-साथ इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण से बच्चों को पर्यावरण एवं वन्धुजीवों के बारे में विभिन्न प्रकार की जानकारी मिलेगी जो भविष्य में उनके काम आएगी। प्रधानाचार्य कमल कौशिक ने कहा कि कानपुर जियोलॉजिकल पार्क का भ्रमण निश्चित रूप से सभी विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं यादगार रहेगा। इस शैक्षिक भ्रमण में नेहा, कनिष्का कुमारी, दिव्यांजलि कनिष्का सारथी, दीपिका, अनुराग, कुलदीप यादव, हरिओम, वंशिका, देव पचौरी, साक्षी, प्राची वर्मा, दीपक, आयुषी, शालिनी, राधिका यादव (सभी टॉपर्स) आदि विद्यार्थियों को जाने का अवसर प्राप्त हुआ।

जिला अस्पताल का नाम बदलकर मेडिकल कॉलेज रखा, सुविधाएं खस्ताहाल

सुल्तानपुर। जनपद सुल्तानपुर के जिला अस्पताल का नाम स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज हो गया है ।लेकिन यहां की स्थिति खस्ताहाल है।अस्पताल परिसर की सड़क जर्जर है। मरीजों के वार्ड में अधिकतर उपकरण खराब हैं। प्राइवेट वार्ड में एग्जास्ट पंखा नहीं लगा है। जिससे ताजी हवा का आवागमन बन्द है। मरीजों को परेशान होना पड़ रहा। छत पर लगे अधिकांस पंखे खराब है,रेगुलेटर कागज़ पर दुरुस्त हैं अधिकांश वायरिंग खराब है।वार्ड बॉय ग़ायब रहते हैं,मरीजों के तीमारदार शव ढो रहे हैं।

सुल्तानपुर राजकीय मेडिकल कालेज की सबसे रोचक बात तो यह है कि यहाँ वार्ड बॉय गायब रहते हैं । परेशान तीमारदार को मरीजों को स्ट्रेचर से वार्ड में लेकर जाना पड़ रहा है ।मेडिकल कालेज में इसी तरीके से कई स्टेचर पर मरीज ढोते हुए नजर आए ।।स्टाफ गायब था। यहां तक की मधुमेह से पीड़ित एक मरीज की मौत होने पर लंबे समय तक उसकी डेड बॉडी परिसर द्वितीय तल पर स्थित स्थित प्राइवेट वार्ड में बेड पर पड़ी रही।

एफडीए, फिरोजाबाद द्वारा ऑर्चिड ग्रीन में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

मिलावट की जॉच हेतु महिलाओं/गृहणियों को दिया गया प्रशिक्षण

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। निकट राजा का ताल, फिरोजाबाद स्थित ऑर्चिड ग्रीन सोसायटी में सीनियर सिटीजन क्लब में ऑर्चिड ग्रीन के ब्रांड अम्बेसडर एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, फिरोजाबाद के संयुक्त तत्वाधान में एक फूड क्वालिटी कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों के खान पान को बहतर करने एवं मिलावट रहित भोजन के तौर तरीकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एफएस.एस.ए.आई द्वारा प्रदत्त फूड सेफ्टी वैन के माध्यम से खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता की त्वरित जॉच भी करायी गयी। इस आयोजन को सम्बोधित करते हुए सहायक आयुक्त खाद्य चन्दन पाण्डेय ने उपस्थित लोगों से किचिन को आधुनिक एवं गुणवत्ता परक बनाने के लिये खाद्य विभाग के प्रयासों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि घरेलू जॉच के उपाय एवं सुपर फूड का इस्तेमाल करके सुपर किचिन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के प्रभारी डा0 अनिल यादव, खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने हल्दी, दूध, दाल एवं मिठाइयों के मिलावट की घरेलू जॉच विधि का प्रशिक्षण दिया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार कुँवर ने डार्ट बुक के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि मिलावट की असली युद्ध की जिम्मेदारी महिलाओं के कन्धों पर है। इस कार्यक्रम के सहयोजक प्रदीप मित्तल ने सम्पूर्ण कार्यक्रम को बहुत प्रभावी बताया। ब्रान्ड अम्बेसडर शिखा गर्ग एवं श्रीमती सौम्या चौहान ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों में प्रयोगशाला विशेषज्ञ दिलीप कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र कुमार एवं इशिता अग्रवाल और नीता मित्तल, रितुजा मित्तल, मेघा जैन, संगीता अग्रवाल, वर्तिका मित्तल, अक्षत गर्ग ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 से अधिक गृहणियों ने चलती फिरती प्रयोगशाला में अपने घेरलू खाद्य पदार्थो की जॉच करायी। अनुराग, कुलदीप यादव, हरिओम, वंशिका, देव पचौरी, साक्षी, प्राची वर्मा, दीपक, आयुषी, शालिनी, राधिका यादव (सभी टॉपर्स) आदि विद्यार्थियों को जाने का अवसर प्राप्त हुआ।

बार एसोसिएशन महसी के पदाधिकारियों ने डीएम से की भेंट

बहराइच। सम्पूर्ण समाधान दिवस के पश्चात तहसील बार एसोसिएशन महसी के अध्यक्ष एवं महामन्त्री के नेतृत्व में बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी मोनिका रानी से भेंट कर तहसील महसी के राजस्व ग्राम सिसई हैदर, गजपतिपुर, टेण्डवा बसन्तुपर, हेमरिया, भोगाजोत व तमाचपुर की भूमि के सम्बन्ध में परिसीमा निर्धारितकरते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग से सुदूर स्थित आराजी के विक्रय पत्रों का प्रतिबन्ध समाप्त कराये जाने, तहसील महसी में तहसीलदार की नियुक्ति, तहसील महसी के न्यायालयों द्वारा पारित आदेशों की अमल दरामद की व्यवस्था नियमित कराये जाने, राजस्व ग्रामों के जंक गाटों को अवमुक्त करने समयबद्ध व्यवस्था के साथ-साथ तहसील मुख्यालय के सामने वाहनों के गति अवरोधक हेतु स्पीड ब्रेकर (रम्बल स्ट्रिप्स) बनवाये जाने सम्बन्धित मांग पत्र प्रस्तुत किया। डीएम ने बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि उनकी जायज़ मागों का समाधान कराया जायेगा। तहसील मुख्यालय के सम्मुख स्पीड ब्रेकर (रम्बल स्ट्रीप) निर्माण की मांग के सम्बन्ध में डीएम ने अधि.अभि. लो.नि.वि. को निर्देश दिया कि तत्काल कार्य प्रारम्भ कर दिया।

मेडिकल कालेज के छात्रों ने की चित्रगुप्त धाम पर आरती

अवधनामा संवाददाता

सुलतानपुर। राजकीय मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर के प्रथम बैच के सभी छात्र- छात्राओं ने शहर के सीताकुण्ड स्थित चित्रगुप्त धाम पहुंच कर सामूहिक आरती कर प्रसाद ग्रहण किया।

देव दीपावली व कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मेडिकल कॉलेज सभी सौ छात्र प्राचार्य डॉ सलिल श्रीवास्तव व लेक्चरर डॉ पवन के नेतृत्व में सीताकुण्ड धाम भ्रमण पर आया था। छात्रों ने गोमती मित्र मंडल व सेवा भारती के संयोजन में आयोजित दीपदान महोत्सव में प्रतिभाग किया। आदि गंगा गोमती क़ी आरती क़ीव प्रसाद ग्रहण किया। वहाँ से छात्रों का दल त्रिमूर्ति मंदिर पहुंचा और बाबा खाटू श्याम दादी राणी सती और बाला जी महाराज के दर्शन किये। अंत में धाम पहुंचकर सभी छात्रों ने वैश्विक न्यायाधीश भगवान चित्रगुप्त महाराज क़ी सामूहिक आरती क़ी और प्रसाद ग्रहण किया. मंदिर परिसर में चित्रगुप्त धाम समिति के जीतेन्द्र श्रीवास्तव शशि सिन्हा, ओम प्रकाश श्रीवास्तव राजबीर श्रीवास्तव जतिन सिन्हा बीजेपी प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी आदि ने स्वागत किया। कहा कि विद्यालय में चिकित्सीय विषयों के साथ नैतिक व अध्यात्म और धार्मिक शिक्षा से छात्रों का चौमुखी विकास होगा. इसके लिए चिकित्सा विद्यालय प्रशासन क़ी पहल सराहनीय है।

मैथिल समाज का धरना प्रदर्शन 19 को

शिकोहाबाद। फिरोजाबाद के मोहल्ला ओझा नगर में रानू शर्मा उर्फ सत्येंद्र की हत्या के बाद पुलिस द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं किये जाने से मैथिल समज में आक्रोश व्याप्त है। आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर समाज के लोग 19 नवंबर को धरना प्रदर्शन करेंगे। यह जानकारी मैथिली ब्राह्मण समाज जन जागृति समिति के रामसेवक वैद्य ने दी है। उन्होंने कहा कि रानू के हत्यारोपितों पर कार्रवाई न करने के कारण मैथिली ब्राह्मण समाज जन जागृति समिति द्वारा रामसेवक बैद के नेतृत्व में 19 नवंबर को एक विशाल धरना प्रदर्शन जिला मुख्यालय दबरई फिरोजाबाद पर करेगा।

दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का पुरुस्कार वितरण समारोह के साथ समापन

अवधनामा संवाददाता

शिकोहाबाद। मेलावाला बाग स्थित ब्लूमिंग बड्स सीनियर सैकेंड्री स्कूल में आयोजित दो दिवसीय खेल महोत्सव का विजेता खिलाड़ियों को मैडल एवं प्रमाणपत्र देकर समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि ने कहा कि हम खेलते और व्यायाम करते हैं तो कम बीमार पड़ते हैं। बच्चों को पढ़ने के साथ खेलने में भी रुचि रखनी चाहिए। इससे स्वस्थ रहते हैं।

समापन समारोह एवं पुरुस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि नगर के वरिष्ठ चिकित्सक व समाज सेवी डा.संजीव माथुर रहे। विद्यालय प्रबंधक राज पचौरी व सुमन पचौरी ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह् देकार स्वागत किया। इसके बाद विजेताओं को मुख्य अतिथि के द्वारा मैडल व प्रमाण पत्र देकर पुरुस्कृत किया गया। प्रतियोगिताओं में वैडमिन्टन, कबड्डी रस्साकसी, गोलाफेंक व विभिन्न दौड़ प्रतियोगितायें सम्मिलित रहीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि अगर हम खेलते और व्यायाम करते हैं, तो कम बीमार पड़ते है। हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। बच्चों को बढ़चढ़ कर इस तरह की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना चाहिए। प्रबन्धक राज पचौरी ने विजेताओं को बधाई देते हुऐ कहा कि सभी बच्चों को खेल व व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को दो हाउस में विभाजित किया गया था। जिसमें सबसे अधिक खेल अंक प्राप्त करके तुलसी हाउस विजेता रहा। मुख्य अतिथि द्वारा तुलसी हाउस इन्चार्ज संगीता जादोंन व रवि शर्मा को विजेता ट्राफी प्रदान की गई। संचालन संजीव मिश्रा व अमनदीप मित्तल ने किया।

14 दिसम्बर को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। जनसामान्य को त्वरित, सस्ता, सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 14 दिसम्बर 2024 दिन शनिवार को प्रातः 10 बजे से जनपद न्यायालय परिसर सुलतानपुर व जनपद सुलतानपुर के सभी वाह्य न्यायालयों, तहसील मुख्यालयों, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण रण सुलतानपुर, कलेक्ट्रेट एवं अन्य सम्बन्धित विभागों तथा जनपद अमेठी के मुसाफिरखाना, गौरीगंज व अमेठी तहसील मुख्यालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुलतानपुर विजय कुमार गुप्ता, ने बताया है कि त्वरित, सस्ता, सुलभ न्याय प्रत्येक भारतीय नागरिक़ का नैतिक अधिकार है। राष्ट्रीय लोक अदालत में तहसील न्यायालय से लेकर भा0 सर्वोच्च न्यायालय के स्तर पर किसी भी न्यायालय अथवा विभागीय मामलों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित किए जाने हेतु आवेदन पत्र देकर अन्तिम आदेश व निर्णय प्राप्त कर सदैव के लिए लम्बित मामले से छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि लोक अदालत में पक्षों के मध्य आपसी सुलह-समझौते के आधार पर विवाद का निस्तारण पक्षकार व्यक्तिगत स्तर पर स्वयं पहल कर सकते हैं। लोक अदालत में वाद निस्तारण हेतु किसी भी प्रकार का शुल्क देय नहीं है। लम्बित मामले के लोक अदालत में निस्तारण पर न्यायालय शुल्क वापसी की व्यवस्था है। इसके निर्णय के विरूद्ध कोई अपील नहीं की जा सकती है। कानूनी जटिलताओं से परे लोक अदालत की प्रक्रिया सहज और आपसी समझौते पर आधारित है।

कार्यालय नगर पंचायत निघासन, जनपद लखीमपुर-खीरी

पत्रांक- 655/न0पं0नि0/नि0सू0/2024-25, दिनांक- 14.11.2024

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निकाय को स्वच्छ भारत मिशन एवं राज्य वित्त आयोग द्वारा प्राप्त धनराशि से प्रस्तावित निम्न निर्माण कार्य हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से दिनांक-18.11.2024 को समय अपरान्ह 3.00 बजे तक ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसके ऑनलाइन निविदा प्रपत्र https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं जो कि दिनांक- 18.11.2024 से दिनांक- 25.11.2024 को अपरान्ह 3.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते हैं। अधिक जानकरी के लिए कृपया वेब साइटपर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत- निघासन
जनपद- खीरी

डीएम की अध्यक्षता में समाधान दिवस संपन्न

सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सदर तहसील में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्राप्त शिकायतों के शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने जन समस्याओं को सुनने के पश्चात उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया तथा कहा कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में मौके पर जाकर संबंधित पक्षों से मिलकर उनकी बातों को अवश्य सुना जाए। संबंधित अधिकारियों द्वारा शिकायत के निस्तारण के दौरान/स्थलीय निरीक्षण के दौरान लोकेशन सहित फोटोग्राफ भी लिए जाएं। इस दौरान जिलाधिकारी ने जनपद की सभी नहरो को पूर्ण क्षमता के साथ चालू रखने के निर्देश दिए। कहा कि सभी नहरों की टेल तक पानी पहुंचाया जाए तथा सभी एसडीएम द्वारा इसका सत्यापन भी किया जाय। नलकूप विभाग, विद्युत विभाग, सिंचाई विभाग व लघु डाल द्वारा आपस में समन्वय स्थापित करके कार्य किया जाए ताकि किसानों को बुवाई आदि में किसी भी प्रकार की समस्या ना हो। जनपद के सभी नलकूपो को क्रियाशील रखा जाएं ,इसमें किसी तरह की लापरवाही ना बरती जाए। जनपद में खाद व बीज वितरण कार्य को सुचारू ढंग से संपादित किया जाए। विपणन विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार की फसलों के खरीद से संबंधित केंद्र को क्रियाशील रखा जाय तथा किसानों का पंजीयन बढ़ाया जाए। पशुपालन विभाग द्वारा सभी गौशालाओं का सत्यापन कर वहां की चारा पानी भूसा ,टीनशेड व ठंड से बचाव के प्रबंध रखे जाए। कहा कि विभिन्न विभागों को शासन स्तर से जो भी लक्ष्य दिए गए हैं उसके सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित की जाए। यदि किसी विभाग की शिथिल कार्यप्रणाली के चलते जनपद की रैंक प्रभावित होगी तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस, आईजीआरएस पोर्टल, मुख्यमंत्री संदर्भ /1076 के संदर्भ / शिकायतों का निष्पक्षता पूर्वक एवं समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। कहा कि शिकायतों का निस्तारण 07 दिनों में अनिवार्य रूप से कर दिया जाए। शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए ताकि शिकायतकर्ता को बार-बार परेशान ना होना पड़े। कहा कि शिकायतों का ग्राउंड लेवल पर निस्तारण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाय। उन्होंने कहा कि जिस स्तर की शिकायत है उसका उसी स्तर पर निस्तारण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। किसी भी दशा में वही शिकायत अगले समाधान दिवस में प्राप्त नहीं होनी चाहिए। इस दौरान प्रभागीय वनाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, पीडी साधना दीक्षित, एसडीएम व सीओ हमीरपुर तथा अन्य संबंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सुमेरपुर में वन विभाग की शह पर हो रहा है वृक्षो का अवैध कटान

सुमेरपुर (हमीरपुर) वन विभाग की मिली भगत से निजी स्वार्थ के चक्कर में सुमेरपुर क्षेत्र में वृक्षों का सफाया करने में जुटे हुये है। शासन व प्रशासन इन माफियाओं के आगे असहाय सा नजर आ रहा है। वह दिन दूर नहीं जब क्षेत्र में वृक्ष ढूंढे नहीं मिलेंगे क्यो की वृक्षो की अवैध कटान का सिल?सिला लगातार तेजी के साथ चल रहा है। रोजाना सैकड़ो ट्रली लकड़ी आरा मशीनों के साथ-साथ बाहर भेजी जा रही है। लकड़ी के अवैध कटान को रोक्ने के लिये भले ही कोर्ट द्वारा प्रतिबंध लगाया गया हो या सरकार द्वारा इसे रोके जाने के लिये सख्त निर्देश दिये गये हो सुमेरपुर क्षेत्र में लकड़ी माफियाओ द्वारा वन विभाग से सांठ गांठ कर वृक्षों की कटान आज भी जारी है अवैध कटान को रोकने के लिये सर्वाधिक जिम्मेदार वन विभाग है लेकिन भ्रष्टाचार के चलते वह भी आँखो में पट्टी बांधे हुये है और अवैध कटान कराने बालो को खुली छूट दे रखी है।

दिव्यांग बच्चों की खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारंभ

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। समेकित शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों की एक दिवसीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन बीआरसी भरथना पर किया गया। नींबू चम्मच दौड़ में कृष्णा व म्यूजिकल चेयर रेस में साबरीन ने बाजी मारी। प्रतियोगिता का शुभारंभ एसडीम सुशांत श्रीवास्तव , तहसीलदार राज कुमार सिंह व नायब तहसीलदार मनीष द्विवेदी ने मां सरस्वती की पूजा कर एवं नींबू चम्मच दौड़ को झंडी दिखाकर किया। उन्होंने सभी अभिभावकों एवं शिक्षकों से कहा कि दिव्यांग बच्चों के साथ समान बच्चों की तरह व्यवहार करना चाहिए इनमें भी कई तरह की प्रतिभाएं छुपी होती है आप सभी को मिलकर इनकी प्रतिभाओं को निखारना होगा। म्यूजिकल चेयर रेस में साबरीन ने पहला, विष्णु ने दूसरा, सागर ने तीसरा, मेढक दौड़ बालक वर्ग में अनिकेत ने पहला, आकेश ने दूसरा, ऋतिक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। चित्रकला में मानवी ने पहला, जीतू ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। म्यूजिकल चेयर रेस में साबरीन ने पहला, विष्णु ने दूसरा, सागर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। गुब्बारा फोड़ में साबिर ने पहला, निधा ने दूसरा, साहिलने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सुलेख प्रतियोगिता, अनाज छूकर पहचान, वाची सॉफ्ट बॉल थ्रो समेत कई प्रतियोगिताओं को कराया गया। बीईओ सर्वेश कुमार सिंह एवं जिला समन्वयक समेकित शिक्षा अर्चना सिन्हा ने सभी बच्चों को पुरस्कृत किया। जिला समन्वयक ने शासन से मिलने वाली सभी सुविधाओं को बताया। ए आर पी विष्णु कुमार , सलीम अशरफ एवम् सत्य नारायण प्रसाद, ओम प्रकाश, जितेन्द्र मौर्य, साधना मिश्रा, अम्बिका गौर, अशोक कुमार, जबर सिंह, अंशिका, अवधेश कुमार, ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस मौके पर समेकित शिक्षा के नोडल टीचर समेत कई शिक्षक एवं बीआरसी स्टाफ मौजूद रहा।

ज्ञानस्थली में बाल दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज के ही दिन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी का जन्म हुआ था। नेहरू जी को चाचा जी के उपनाम से भी पुकारा जाता है। चाचा जी को बच्चों से विशेष प्रेम था और उनके देहावसान के बाद उनके जन्म दिवस 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुरुवार को कर्वा खेड़ा स्थित ज्ञानस्थली आवासीय विद्यालय बाल दिवस को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रारंभ में विद्यालय की प्रधानाचार्या चंदा श्रीवास्तव व सभी शिक्षक गणों ने संयुक्त रूप से बालकों की जगह प्रभात सभा संपन्न की तथा प्रधानाचार्या जी ने छात्र-छात्राओं को सदैव ऊर्जावान रहने का सुविचार दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जयप्रकाश जी(जिला पंचायत सदस्य महेवा), हरि किशन दीक्षित(प्रधान सराय जलाल) ने रिबन काटकर किया। विद्यालय के प्रबंधक शिव प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप में पधारे मुख्य अतिथियों का स्वागत कर मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन किया तथा पंडित जी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में प्रबंधक शिव प्रसाद यादव ने इस विशेष दिन को लेकर बच्चों में उत्साह देखकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि आज विद्यालय प्रांगण के बगीचे में कई प्रकार के फूल खिलते और महकते दिखाई दे रहे हैं। श्री यादव ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन चरित्र के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालकर बच्चों को चाचा जी की जीवनी से परिचित कराया। तत्पश्चात मेले में बच्चों के द्वारा लगाई गई स्वयं संचालित खाद्य व मिष्टान्न की दुकानों का स्वाद चखा गया। कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा जीवन में कुछ नया करने की सीख प्राप्त की। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिव मंगल सिंह अंशुल तिवारी लकी मैडम आरती पटेल ममता यादव मीडिया प्रभारी वासिफ खान का योगदान रहा।

सेंटमेरी की टीम विजेता व सुदिती ग्लोबल एकेडमी की टीम उपविजेता बनी

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। सेंटमेरी इण्टर कालेज के विशाल खेल मैदान में दो दिवसीय इटावा सहोदय टूर्नामेंट 2024-25 के दूसरे दिन शनिवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में सुदिती ग्लोबल एकेडमी के 4 गोल के मुकाबले सेंट पीटर्स स्कूल ने 2 गोल किए, इस तरह सुदिती ग्लोबल ने मैच जीतकर फाइनल का स्थान पक्का किया। आज के दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान सेंटमेरी इंटर कालेज और संत विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल के बीच में हुए मैच में सेंटमेरी इंटर कालेज की टीम 7-4 से मैच जीतकर फाइनल में पहुंची। इटावा सहोदय फुटबाल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला सेंटमेरी इंटर कालेज और सुदिती ग्लोबल एकेडमी के बीच हुआ जिसमें सेंटमेरी इंटर कालेज की टीम ने सुदिती ग्लोबल एकेडमी इटावा की टीम को 3-1 से हराकर इटावा सहोदय फुटबाल टूर्नामेंट की ट्राफी पर कब्जा किया। इस प्रकार सेंटमेरी की टीम विजेता और सुदिती ग्लोबल एकेडमी इटावा की टीम उपविजेता बनी। तीसरे और चौथे स्थान के लिए सेंट पीटर्स स्कूल और सेंट विवेकानंद के बीच खेले गए मैच में सेंट पीटर्स 1-0 से जीत कर तीसरे स्थान पर रही। दो दिवसीय इटावा सहोदय फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन शुरू हुए मैच की शुरुआत पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल के प्रिंसिपल डॉ.कैलाश यादव, रॉयल ऑक्सफोर्ड स्कूल के प्रिंसिपल मनोज एम.एस., सेंटमेरी इंटर कालेज के प्रिंसिपल फादर डा.शिजू जॉर्ज, सेंट वीएन सी.सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल डॉ.आनन्द मुनि ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएं देकर की। टूर्नामेंट की विजेता टीम सेंटमेरी इंटर कालेज को विनर ट्रॉफी और सुदिती ग्लोबल एकेडमी इटावा की रनर टीम को ट्रॉफी अतिथियों ने प्रदान की। इटावा सहोदय फुटबाल टूर्नामेंट के अवसर पर डा. आनन्द मुनि प्रिंसिपल सेंट विवेकानंद सी. सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, डा.कमल कुमार प्रिंसिपल सुदिति ग्लोबल एकेडमी, डा.कैलाश यादव प्रिंसिपल पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल, सौरभ दुबे प्रिंसिपल सेवन हिल्स स्कूल, श्री भास्कर प्रिंसिपल रेडवुड स्कूल इटावा, मनोज एम एस प्रिंसिपल रॉयल ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल उपस्थित रहे। इटावा सहोदय से आए हुए सभी अतिथियों का सेंटमेरी के प्रिंसिपल फादर डॉ.शिजू जॉर्ज मेनेजर फादर विंसन, वाइस प्रिंसिपल फादर बीबिन ने बुके देकर स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेंटमेरी परिवार का सराहनीय योगदान रहा। सहोदय इटावा फुटबाल टूर्नामेंट के इंचार्ज सेंटमेरी के सीनियर टीचर विनीत लाल और सभी फिजिकल टीचर ने अपनी जिम्मेवारियों को बखूबी निभाया।

मण्डलायुक्त ने उपजिलाधिकारी कोर्ट का किया निरीक्षण

सोनभद्र। मण्डलायुक्त मण्डल मीरजापुर डॉ0 मुथुकुमार स्वामी बी आज ने तहसील राबर्ट्ससगंज के न्यायालय उप जिलाधिकारी कक्ष का निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यायालय कक्ष में मुकदमों से सम्बन्धित पत्रावलियों व रजिस्टर को देखा और उप जिलाधिकारी राबर्ट्सगंज को को निर्देशित करते हुए कहा कि 05 वर्ष से अधिक समय से लम्बित मुकदमों का प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करके निस्तारित किये जाये, इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों के सेवा पुस्तिका, चरित्र पंजिका आदि रिकार्ड को देखा, उन्होंने कृषक दुर्घटना बीमा योजना से सम्बन्धित पत्रावलियों का निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान उन्होंने सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि कृषक दुर्घटना बीमा योजना से सम्बन्धित पत्रावलियों का शीघ्र निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाये, यह शासन की महत्वपूर्ण एवं प्राथमिकता वाली योजना है, इसके माध्यम से कृषक परिवार को समय से मुआवजा प्राप्त होने पर उन्हें राहत मिलती है। तहसील के अभिलेखागार के पत्रावलियों के रख-रखाव की स्थिति का जायजा लिये, उन्होने कहा कि न्यायालय सम्बन्धी पुराने प्रकरणों का निस्तारण तत्परता के साथ किये जाये, जमीन से जुड़े मामले को स्थलीय जॉच करते हुए निष्पक्ष रूप से पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

संक्षिप्त समाचार

सेंटमेरी में दो दिवसीय इटावा सहोदय फुटबाल टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। सेंटमेरी इण्टर कालेज के विशाल खेल मैदान में दो दिवसीय इटावा सहोदय टूर्नामेंट 2024-25 के प्री क्वार्टर मैचों में किड्स वेली और पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल में किड्स वेली स्कूल विनर रहा, नारायन कालेज आफ साइंस एंड आर्ट्स और पुलिस माडर्न स्कूल में नारायन कालेज विनर रहा तथा सेंटमेरी इंटर कालेज और लार्ड मदर स्कूल के बीच खेले गए फुटबाल मैच में सेंटमेरी इंटर कालेज विनर रहा। शुक्रवार को दो दिवसीय इटावा सहोदय फुटबाल टूर्नामेंट की शुरुआत मुख्य अतिथि एस.एस.मेमोरियल स्कूल के प्रिंसिपल डा.एस.एन. यादव, सेंटमेरी इंटर कालेज के प्रिंसिपल फादर डा.शिजू जॉर्ज रॉयल ऑक्सफोर्ड स्कूल के प्रिंसिपल मनोज एम.एस.व नारायन कालेज के प्रिंसिपल डा.धर्मेन्द्र शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर कराई। टूर्नामेंट इंचार्ज विनीत लाल के निर्देशन में हुए पहले क्वार्टर फाइनल मैच में सुदिति ग्लोबल एकेडमी और किड्स वेली में सुदिति ग्लोबल एकेडमी विनर और सेंट पीटर्स स्कूल व नारायन कालेज आफ साइंस एंड आर्ट्स में सेंट पीटर्स स्कूल विनर रहा। इसी तरह सेंटमेरी इंटर कालेज व सेवन हिल्स स्कूल के बीच में हुए मैच में सेंटमेरी इंटर कालेज विनर रहा तथा सेंट वी.एन.स्कूल व माउंट लिट्रा जी स्कूल के बीच हुए मैच में सेंट वी.एन.स्कूल विनर रहा। शनिवार को प्रथम और द्वितीय सेमीफाइनल मैचों के विनर के बीच टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया।

स्टेयरिंग फेल होने से बस खाई में पलटी, एक दर्जन लोग हुए घायल

हमीरपुर। राठ क्षेत्र में शनिवार की सुबह एक प्राइवेट बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह बस मजदूरों को लेकर ईंट भट्टों में जा रही थी, तभी चिकासी के पास स्टेयरिंग फेल हो जाने के कारण बस अनियंत्रित हो गई और खाई में पलट गई। हादसे में बस में सवार करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। हादसे के तुरंत बाद मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस द्वारा सभी घायलों को राठ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घायल मजदूरों में निशा (28), विक्की (29), ज्ञानवती (60), नेहा (10), अनूप (16), मोहनी (7), स्नेहा (5) सहित अन्य शामिल हैं। बस चालक लालजीवन ने बताया कि स्टेयरिंग फेल होने के कारण बस पलटी, जिसमें कुल 35 मजदूर सवार थे। राठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है और उनकी स्थिति स्थिर है।

आदिवासी नायक धरती आबा विरसा मुण्डा जी की 150 वीं जयन्ती मनाई गई

सोनभद्र। शुक्रवार को देर रात अमर शहीद स्वतंन्त्रता सेनानी विरसा मुण्डा का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से सोनभद्र के मधुपूर क्षेत्र के ग्रामसभा-लोहरा के गुलरहवाँ गाँव में मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद छोटेलाल खरवार विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी जिला उपाध्यक्ष डॉ0 लोकपति सिंह पटेल , ब्लॉक प्रमुख कर्मा सीमा कोल एवं डॉ0 भागीरथी मौर्य , मनोज सिंह पटेल , मनोज कुशवाहा , बासदेव कोल , राजेश गोड , लालबहादुर पाल एवं कार्यक्रम का संचालन कार्यकम के आयोजक गुलाब देशमुख द्वारा किया गया।

लीकेज पाइप लाइन से लोग परेशान

सुमेरपुर हमीरपुर। मैथलीशरण गुप्त मार्ग में जय श्री ज्वैलर्ष प्रतिष्ठान के सामने पाइप लाइन लीकेज होने से आम रास्ते में पानी बहने की समाया से लोग जूझ रहे है। मालूम हो कि मैथलीशरण मार्ग बाजार क्षेत्र का सबसे व्यस्तम मार्ग है। इस मार्ग से हजारो लोगों का रोजाना आवागमन होता है। यहाँ के निवासी सीताराम गुप्ता सहित दर्जनो दुकानदारों ने बताया कि जय श्री ज्वैलर्स प्रतिष्ठान के सामने विगत दो माह से पाइप लाइन लीकेज है और पानी बह रहा है। कई बार जल संस्थान को समस्या से अवगत कराया गया लेकिन आज तक लीकेज को बंद करने के लिये संस्थान द्वारा कोई कार्यवाही नही की गयी जिससे दुकानदारो के साथ-साथ आम जनता भी उक्त समस्या से जूझ रही है। लोगो ने लीकेज ठीक कराये जाने की मांग की है।

सुमेरपुर में जाम के झाम से हर कोई परेशान

अवधनामा संवाददाता

सुमेरपुर। कस्बे के मध्य से गुजरे नेशनल हाईवे 34 एवं बांदा मार्ग अतिक्रमण का शिकार होने से पूरे दिन जाम के झाम के शिकार रहते है। हाईवे पेट्रोल पंप से लेकर नेहा चौराहा तक अतिक्रमण से घिरा है। इसी तरह बांदा मार्ग बस स्टैंड से लेकर रानी लक्ष्मीबाई तिराहा तक अतिक्रमण की चपेट में है। इस मार्ग में सर्वाधिक अतिक्रमण बिल्डिंग मैटेरियल सप्लायरों ने कर रखा है।

नेशनल हाईवे 34 कस्बे के मध्य से होकर गुजरा है। यह हाईवे पेट्रोल पंप से लेकर नेहा चौराहा तक अतिक्रमण का शिकार है। अतिक्रमण होने के कारण कस्बे के अंदर पूरे दिन जाम का झाम बना रहता है। हाईवे के जाम से कस्बे के मध्य से गुजर बांदा मार्ग, मैथिलीशरण गुप्त मार्ग, रामलीला मैदान मार्ग, दुग्ध डेरी मार्ग सहित बांकी मार्ग भी तुरंत प्रभावित होते हैं। विडंबना यह है कि कस्बे के किसी भी चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस नहीं है। सर्वाधिक झाम के लिए ई रिक्शा चालक नासूर हैं। उनके आड़ा तिरछा घुस जाने से यातायात प्रभावित होता है। कभी कभार यातायात प्रभारी इनके खिलाफ कुछ चालान कर देते हैं। इसके अलावा इन पर अंकुश लगाने वाला कोई नहीं है। यही कारण है कि अतिक्रमण के साथ-साथ ई रिक्शा कस्बा वासियों के साथ-साथ राहगीरों के लिए नासूर बने हैं। कस्बे के निवासी राघवेन्द्र मिश्रा , धर्मेन्द्र सिंह गौतम , विनोद सिंह , शिवा सोनकर , सुरेन्द्र सोनकर आदि लोगो ने बताया कि जाम के कारण कभी-कभी आवश्यक कार्यों में कस्बे के अंदर ही जाने से घण्टों समय लग जाता है। इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि कस्बे के यातायात में कितना ग्रहण लगा हुआ है

नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी दिनेश आर्य ने बताया कि जल्द ही हाईवे सहित बांदा मार्ग के अतिक्रमण को हटाने के लिए रणनीति बनाई जा रही है। इस बार अतिक्रमण सख्ती के साथ हटाया जाएगा और निगरानी रखी जाएगी कि लोग दोबारा अतिक्रमण न कर सके।

धान क्रय केन्द्र सा.सह.स. का किया औचक निरीक्षण

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल मीरजापुर डॉ. मुथुकुमार स्वामी बी ने आज निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम दौरान करमा में स्थापित पी.सी.एफ. क्रय एजेन्सी के धान क्रय केन्द्र सा.सह.स. का औचक निरीक्षण किये, मण्डलायुक्त के निरीक्षण के दौरान क्रय केन्द्र पर केन्द्र प्रभारी श्री प्रवीण तिवारी सचिव उपस्थित पाये गये।

निरीक्षण के समय क्रय केन्द्र कर्मा पर श्रीमती आभा सिंह निवासी-ग्रम करकोली कर्मा के धान की खरीद की जा रही थी क्रय केन्द्र पर 04 किसानों से 314.00 कु. की खरीद की जा चुकी है। क्रय केन्द्र पर खरीद चल से किसान से क्रय केन्द्र पर उपलब्ध किसानों के सुख सुविधा के बारे में पूछा गया तो किसानों द्वारा बताया गया कि क्रय केन्द्र पर धान क्रय एवं किसानो से सम्बन्धित सभी व्यवस्थाएँ पूर्ण है और किसानो से अपील की गयी कि क्रय केन्द्रो पर मानक के अनुरूप ही धान विक्रय हेतु लेकर आये। आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल मीरजापुर नेएजेन्सियो के जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी क्रय केन्द्रो पर धान के आवक से पूर्ण सभी व्यवस्थाएँ पूर्ण कर लिए जाय और क्रय केन्द्रो पर बिचैलियो की सक्रियता न हो इसके लिए कठोर कार्यवाही की जाय जिससे किसानो को धान विक्रय करने मे समस्या उत्पन्न न हो।

एनटीपीसी सिंगरौली ने कबाड़ से बनाई 25 फीट ऊँची तितली की भव्य मूति

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/शक्तिनगर। एनटीपीसी सिंगरौली ने अपने समर्पण और प्रतिबद्धता को फिर से सिद्ध करते हुए कला, शिल्प और स्थानीय कौशल के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। इस पहल के तहत, एनटीपीसी सिंगरौली परियोजना ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ कॉलेज के फाइन आर्ट्स के छात्रों के साथ मिलकर कबाड़ से एक अद्वितीय 25 फीट ऊँची तितली की मूर्ति का निर्माण किया। एनटीपीसी सिंगरौली के आवासीय परिसर में स्थित काशी विद्यापीठ के एमएफए के छात्र अभिषेक केशरी ने इस कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिन्होंने इससे पहले भी एनटीपीसी सिंगरौली के डी.के. सारस्वत (अपर महाप्रबंधक, एमजीआर) के नेतृत्व में कबाड़ से बनी कई मूर्तियों जैसे स्टीम इंजन और आइफल टावर का निर्माण किया था। इस बार, उन्होंने एक बड़ी चुनौती स्वीकार की और अपनी कड़ी मेहनत और रचनात्मकता से तितली की भव्य मूर्ति बनाई। यह मूर्ति अब सिंगरौली क्षेत्र में एक प्रमुख आकर्षण बन गई है, और लोग दूर-दूर से इसे देखने और सेल्फी लेने के लिए आ रहे हैं। एनटीपीसी सिंगरौली के परियोजना प्रमुख राजीव अकोटकर ने इस पहल की शुरुआत की और कबाड़ से एक विशाल तितली की मूर्ति बनाने का सुझाव दिया। इस कार्य में परियोजना के कई अन्य अधिकारियों का भी सहयोग रहा, जिनमें एस.के. वर्मा, विपिन गुप्ता, निलेश कुमार, प्रवीण, रजत गर्ग, डी.सी. गुप्ता, सौरभ, और कथूरिया शामिल थे। इस भव्य मूर्ति का उद्घाटन एनटीपीसी सिंगरौली के परियोजना प्रमुख राजीव अकोटकर और पीयूषा अकोटकर, अध्यक्षा, वनिता समाज, शक्तिनगर ने किया। उद्घाटन समारोह में सिद्धार्थ मंडल, अपर महाप्रबंधक, मानव संसाधन ने इस उत्कृष्ट रचना की सराहना की और उसमें समाहित रचनात्मकता और परिश्रम की प्रशंसा की।

रोल आब्जर्वर आयुक्त नें प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। रोल आब्जर्वर आयुक्त विन्ध्यालच मण्डल, मीरजापुर नें राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आज कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की, बैठक के दौरान रोल आब्जर्वर द्वारा राजनैतिक प्रतिनधियों के साथ सीधा संवाद कर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत की जा रही कार्यवाही के सम्बन्ध में जानकारी ली, इस दौरान रोल आब्जर्वर द्वारा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मतदाता सूची को पारदर्शी एवं सूचिता पूर्ण ढंग से तैयार किया जाना है, जिस किसी भी व्यक्ति का नाम अब तक मतदाता सूची में शामिल करने से वंचित रह गया हो, वह अपने निर्धारित बूथ पर 23 व 24 नवम्बर, 2024 को जाकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं, कोई भी मतदाता, मतदाता सूची में नाम दर्ज करने से वंचित न रहें, इसके लिए बी0एल0ओ0 डोर-टू-डोर जाकर मतदाता का नाम, सूची में दर्ज करने का कार्य करें, उन्होंने कहा कि सभी राजनैतिक दल बी0.एल0ए0 की सूची निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करा दें और बी0एल0ए0 के माध्यम से भी बी0एल0ओ0 को मतदाता सूची में नाम दर्ज न होने वाले मतदाता का फार्म उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि यदि किसी मतदाता का नाम बी0एल0ओ0 द्वारा गलत तरीके से काटने की शिकायत प्राप्त होती है, तो उसके विरूद्ध कार्यवाही भी सुनिश्चित की जायेगी, उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने में किसी प्रकार की कोई समस्या होने पर टोल फ्री नम्बर-1950 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और वाट्सअप ग्रूप पर भी उक्त के सम्बन्ध में जानकारी दे सकते हैं।

मंदिर में आयोजित देव दीपावली समारोह ने नगरवासियों को भक्ति और उल्लास मनाया

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/ओबरा। के सेक्टर-8 स्थित आरती चित्र मंदिर में आयोजित देव दीपावली समारोह ने नगरवासियों को भक्ति और उल्लास से भर दिया। युवा जागरण मंच देव दीपावली आयोजन समिति द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में 21,000 दीपों की रोशनी ने पूरे क्षेत्र को एक अद्वितीय दिव्यता से भर दिया। इस आयोजन ने नगरवासियों के दिलों में भक्ति का उत्साह और सांस्कृतिक आनंद का संचार किया, साथ ही एकता और भाईचारे का संदेश भी दिया।इस आयोजन में सबसे बड़ा आकर्षण भोजपुरी संगीत की महफिल रही, जिसमें भोजपुरी संगीत के सुपरस्टार समर सिंह ने अपने संस्कृत गीतों के माध्यम से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनके गीतों ने युवा वर्ग को पूरी तरह से झूमने के लिए प्रेरित किया। समर सिंह के साथ ही अन्य प्रसिद्ध भोजपुरी गायक जैसे पुनीत पागल, मनोज लाल यादव और प्रियंका पांडे ने भी अपनी गायकी से कार्यक्रम में चार चांद लगाए। इन गायकों की सुरमयी आवाजों व प्रयागराज की झांकी ने हर उम्र के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और कार्यक्रम को एक यादगार शाम बना दिया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के नि. काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनका स्वागत बहुत ही भव्य तरीके से किया गया, जहां उन्हें पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। जैसे ही मुख्य अतिथि मंच पर आए, उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में इस आयोजन की भव्यता की सराहना की और सामाजिक एकता और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का संदेश दिया। उनका यह संबोधन सभी के लिए प्रेरणादायक था और इस आयोजन की महत्ता को और बढ़ा दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा आयोजित रंगोली प्रतियोगिता ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों ने अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए रंग-बिरंगी और सुंदर रंगोली बनाई, जो हर किसी को बहुत भायी।

'बंटेंगे तो कटेंगे' नकारात्मक नारा, जनता नकार देगी: अखिलेश

- युवा उत्तर प्रदेश सरकार से नाराज
- प्रवेश परीक्षाएं ठीक से आयोजित करने में नाकाम रही सरकार : अखिलेश यादव

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को बंटेंगे तो कटेंगे नारे को अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो नीति के समान बताया और कहा कि इस तरह के नकारात्मक नारों को जनता नकार देगी। अखिलेश ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) डबल इंजन की बात करती थी, लेकिन अब उत्तर प्रदेश में उसके इंजन टकरा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तारीख 13 नवंबर से बदलकर 20 नवंबर इसलिए कर दी गई, क्योंकि भाजपा जानती थी कि उसे हार का सामना करना पड़ेगा। अखिलेश यादव ने मीडिया हाउस के कार्यक्रम में कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ-नीत सरकार ने राज्य में बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए बहुत कम काम किया है। उन्होंने दावा किया कि युवा उत्तर प्रदेश सरकार से नाराज हैं, क्योंकि उसने बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया और प्रवेश परीक्षाएं ठीक से आयोजित करने में नाकाम रही। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के स्टार प्रचारक योगी का दिया बंटेंगे तो कटेंगे नारा नकारात्मक है और लोग इसे नकार देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के सहयोगी दलों ने भी ऐसे नारे दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी चुनावी रैलियों में एक हैं तो सेफ हैं नारे का इस्तेमाल कर रहे हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि बंटेंगे तो कटेंगे नारा सांप्रदायिक रंग लिए हुए है। अखिलेश ने एक सवाल के जवाब में महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) की जीत का भरोसा जताया।

71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। 71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के तीसरे दिन आज उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम सहकारी संघ एवं आई.सी.सी. एम.आर.टी. के संयुक्त तत्वाधान में उद्यमिता, रोजगार एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने में सहकारिताओं की भूमिका, विषय पर गोष्ठी का आयोजन इंदिरानगर स्थित आई.सी.सी.एम. आर.टी. सेमिनार हॉल में हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ.प्र. राज्य निर्माण एवं श्रम सहकारी संघ के अध्यक्ष यशवीर सिंह कहा कि कौशल का अधिक से अधिक उपयोग ही सहकारिता है। कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार मिले तथा उनकी योग्यता का अधिकतम सदुपयोग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यवसाय में बढ़ोतरी के लिए हमारे उत्पादों में गुणवत्ता होनी चाहिए। अच्छे विचारों से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

अपने कार्यों को ईमानदारी व जिम्मेदारी से करना चाहिए। प्रबंध निदेशक यू.पी.सी. एल.डी.एफ. रामप्रकाश ने कहा कि सहकारी सप्ताह पूरे देश में मनाया जा रहा है। आज का युग तकनीक, इंटरनेट व ए.आई. (कृत्रिम बुद्धिमता) का है। इन उपलब्ध तकनीक का उपयोग करके निर्माण की गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि कार्यों में कुशलता व गुणवत्ता लाने हेतु विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदोन्नति की गयी।

निदेशक आई.सी.सी.एम.आर.टी. राजीव यादव ने कहा कि सहकारिता जन्म से प्रारंभ हो जाती है। लोगो के साथ मिलकर कार्य करना ही सहकारिता है। सहकारिता के बिना उद्यमिता, रोजगार और कौशल विकास संभव नही है।

पर्यटन मंत्री ने महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती पर प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ज्ञान ज्योति पर्व एवं स्मरणोत्सव, विराट आर्य महाकुम्भ÷ कार्यक्रम के अन्तर्गत युग प्रवर्तक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के द्विजन्म शता. के अवसर पर राज्य ललित कला अकादमी, उ.प्र., संस्कृति विभाग द्वारा चित्रकला प्रदर्शनी एवं रंगोली का बृहत् आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी का उद्घाटन जयवीर सिंह, मन्त्री पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया, निदेशक, डॉ. श्रद्धा शुक्ला, राज्य ललित कला अकादमी द्वारा माव मन्त्री को प्रदर्शनी का अवलोकन करवाया गया एवं चित्रों में व्याप्त प्रदेश की संस्कृति एवं विरासत से अवगत करवाया गया। इस अवसर पर रमेश रंजन (आई.ए.एस., डी.एम., फिरोजाबाद) तथा शत्रुध्न वैश्य (आई.ए.एस., सी.डी.ओ., फिरोजाबाद) सहित देश के जाने माने आचार्य एवं विद्वान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एन.ई. रेलवेः सफदर हुसैन के नेतृत्व में सभी विभागों में किया जनसंपर्क अभियान

लखनऊ। एन. ई. रेलवे मजदूर यूनियन लखनऊ मंडल के मंडल मंत्री आर एन गर्ग के आह्वान पर मुख्यालय शाखा बादशाहनगर के शाखा मंत्री सफदर हुसैन के नेतृत्व में लखनऊ मंडल के बादशाहनगर- जरवल रोड पर सभी विभागों में जनसंपर्क अभियान किया गया। तत्पश्चात बादशाह नगर से क्रमशः बुढ़वल,चौका घाट, घाघरा घाट, जरवरल रोड, करनैल गंज, मैजापुर स्टेशनों पर बृहद जनसंपर्क अभियान किया गया एवं आगामी 4- 5 एवं 6 दिसंबर 2024 को रेलवे यूनियन के प्रस्तावित चुनाव कार्यक्रम में एआईआरएफ/ एन. ई. रेलवे मजदूर यूनियन की उपलब्धियां को कर्मचारियों साथियों को बताया गया तथा रेलवे चुनाव में नरमू के पक्ष में मतदान की अपील की गई। इस अवसर पर मंडल के युवा कन्वेनर मोहम्मद नसीम, यूनियन के महत्वपूर्ण सदस्य सुभाष मीणा ,रंजन कुमार, राजन, अवधेश एवं अन्य बड़ी संख्या में ट्रैक कर्मचारी, पॉइंट्स मैन, स्टेशन मास्टर, उपस्थित थे।

कैंसरग्रस्त बच्चों को स्वेटर वितरित कर ठंड से राहत का अनूठा प्रयास

लखनऊ। ठंड के आगमन के साथ, HAH कैंसर उन्मूलन सोसाइटी और अम्बर फाउंडेशन ने मिलकर कैंसरग्रस्त बच्चों के लिए एक विशेष आयोजन किया, जिसमें बच्चों को स्वेटर वितरित किए गए। इस नेक पहल का उद्देश्य बच्चों को सर्दी के प्रकोप से बचाना और उनके जीवन में थोड़ा सा सुकून लाना है। इस अवसर पर वफ़ा अब्बास, अम्बर फाउंडेशन के संस्थापक, ने कहा, यह पहल इन बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का एक छोटा सा प्रयास है। हमारा मानना है कि छोटे-छोटे कदम भी बड़ी उम्मीद जगाने में मदद करते हैं। कार्यक्रम में अम्बर फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बच्चों के साथ बातचीत की और उनकी जरूरतों को समझने का प्रयास किया। यह आयोजन अम्बर फाउंडेशन और HAH कैंसर उन्मूलन सोसाइटी के बीच सामूहिक सहयोग का एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

मायावती आज पुणे में चुनावी जनसभा को करेंगी संबोधित

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व सांसद मायावती, महाराष्ट्र राज्य में हो रहे विधानसभा आमचुनाव हेतु 17 नवम्बर को पुणे में पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में चुनावी जनसभा को सम्बोधित करेंगी। मायावती की इस चुनावी जनसभा में पार्टी के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर आकाश आनन्द भी साथ में रहेंगे। यह जनसभा पुणे के येरवाडा कामन जोन क्षेत्र के सामने में स्थित क्षेत्रीय मेन्टल अस्पताल मैदान में दोपहर में आयोजित की गयी है।

वीरांगना फूलन देवी की छवि खराब करने का आरोप

लखनऊ। फिशरमैन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र निषाद ने भारतीय जनता पार्टी नेता और राज्यसभा सांसद बृजलाल पर वीरांगना फूलन देवी की छवि खराब करने का आरोप लगाते हुए बृजलाल से निषाद समाज से माफी मांगने की मांग की है। पूर्व डीजीपी रहे बृजलाल ने अपनी किताब में दावा किया है कि फूलन देवी के साथ बेहमई गांव में किसी ने बलात्कार नहीं किया था, बेहमई हत्याकाण्ड को उन्होंने अपने अपराधों को छिपाने के लिए किया था। देवेन्द्र निषाद ने एक बयान में कहा कि दलित जाति से आने वाले बृजलाल का इस्तेमाल कर क्षत्रिय जाति के मुख्यमंत्री फूलन देवी के बलात्कारियों को निर्दोष साबित करने के लिए झूठे दावे करा रहे हैं। फूलन देवी नारी शक्ति के प्रतीक के साथ ही निषाद समाज की भी प्रतीक हैं। उनका अपमान पूरे महिला और निषाद समाज का अपमान है। अगर भाजपा महिलाओं और निषादों का सम्मान करती है तो बृजलाल को पार्टी से निष्कासित कर चुकी होती, लेकिन ऐसा नहीं कर भाजपा ने साबित कर दिया है कि भाजपा बलात्कारियों की समर्थक पार्टी है।

अप्रतिम साझी विरासत इमारतों के संरक्षण को लेकर जयपुरिया स्कूल में व्याख्यान

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ की अप्रतिम साझी विरासत और इमारतों के संरक्षण के लिए एक दशक से अधिक से प्रयासरत हैदर दंपत्ति ने आज लखनऊ के प्रमुख शिक्षण संसथान - ए.आर. जयपुरिया स्कूल के छात्रों को अपनी विरासत के संरक्षण एवं रखरखाव के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से एक उत्कृष्ट व्याख्यान दिया। उक्त व्याख्यान 2 मुख्य भागों में विभाजित था जिसमें प्रथम भाग लखनऊ के इतिहास, नवाबी कला , नवाब दौर के स्मारक और लखनवी तहज़ीब और खान पान से सम्बंधित था जिसपर प्रोफ़ेसर डॉ सनोबर हैदर ने छात्रों को सम्बोधित किया और उनको उस समय के स्मारकों, जीवनशैली, खानपान इत्यादि के उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इन स्मारकों के स्थापत्य एवं महत्त्व से सम्बंधित व्यापक जानकारी दी, वहीं व्याख्यान के दूसरे भाग में सय्यद मोहम्मद हैदर रिज़वी , जो लखनऊ उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं एवं सांस्कृतिक विरासतों के रखरखाव, जीर्णोद्धार में अपने उल्लेखनीय सहयोग के लिए जाने जाते हैं, के द्वारा सांस्कृतिक इमारतों के संरक्षण में भारतीय संविधान एवं प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम 1958 के अंतर्गत बनाये गए नियमों एवं विधियों की जानकारी देते हुए छात्रों को उनके नैतिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए अपनी सांस्कृतिक विरासतों को अक्षुण्ण रखने और इन घरोहरों के रक्षा करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्रों से एक प्रश्नोत्तरी का सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें उक्त छात्रों से दिए गए व्याख्यान के सम्बन्ध में प्रश्न पूछ कर उनको पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती पूनम कोचिटी एवं उप प्राचार्य पंकज राठौर उपस्थित रहे जिन्होंने इस दूरगामी पहल की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे व्याख्यान करवा कर छात्रों को उनके कर्तव्यों के बारे में जागरूक किये जाने का संकल्प किया।

संस्कृति पर गर्व करना सिखाते है स्वामी महर्षि दयानंद सरस्वती के उपदेश

- बडी संख्या में स्कूली बच्चों ने लिया भाग, बहेगी ज्ञान की गंगा : जयवीर
- विराट आर्य महाकुंभ का तीन दिवसीय आयोजन हुआ शुरू, निकाली गई रथयात्रा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। स्वामी दयानंद सरस्वती की 200 वीं जयंती का 3 दिवसीय समारोह शनिवार से प्रारम्भ हो गया। पहले दिन धूमधाम से रथयात्रा निकाली गई। जिसमें बडी संख्या में स्कूली बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने बीच बीच में व्यायाम का प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लेकर बच्चों ने अंधविश्वास को दूर भगाने और धर्म को मानवता की सेवा का साधन बनाने के नारे लगाए। बच्चों का मार्ग में जगह-जगह स्वागत भी किया गया। शनिवार से फिरोजाबाद जिले में सिरसागंज में करहल रोड स्थित आर्य गुरूकुल महाविद्यालय में प्रारंभ हुए विराट आर्य महाकुंभ में सुबह योगाभ्यास एवं नाड़ी विज्ञान चर्चा का आयोजन किया गया। इसके बाद पर्यावरण एवं विश्व कल्याण अग्निहोत्र में सभी ने आकर आहुतियां प्रदान की। सुबह साढे नौ बजे गांधी मण्डी से दिव्य ज्ञान ज्योति रथ शोभायात्रा निकाली गई। जिसका कैबिनेट मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। शोभायात्रा में बच्चे अपने हांथों में अंधविश्वास को दूर भगायें, ज्ञान का दीप जलायें व ईश्वर के गुणों का अनुकरण करें जैसे नारे लिखे हुए थे। शोभायात्रा गांधी मण्डी से प्रारंभ होने के बाद मण्डी रोड, मो. गडरियान, मैन रोड, सब्जी मंडी गेट, थाना रोड, डाकखाना तिराहा, सुभाष पार्क, विजय नगर चौक, सोथरा चौराहा व करहल चौराहा होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। जहां कैबिनेट मंत्री ठा. जयवीर सिंह ने डीएम रमेश रंजन, सीडीओ शत्रुघ्न वैश्य, एडीएम विशु रजा व एडीएम न्यायिक संगीता सिंह की उपस्थिति में 25 फुट ऊंचे ओम ध्वज को फहराकर कार्यक्रम का शुभारम्भ कराया।

एलडीए में सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे आयोजित

- कुल 132 फाइलों का हुआ निस्तारण

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर शनिवार को प्राधिकरण में सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे आयोजित हुआ। सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे में विभिन्न प्रकरणों से संबंधित कुल 132 फाइलों का निस्तारण हुआ। इसके अलावा प्राधिकरण में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों का डाटा दर्ज किया गया। लविप्रा के अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्राधिकरण में लम्बित फाइलों के निस्तारण के लिए शनिवार को सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे आयोजित किया गया। सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे में सभी विशेष कार्याधिकारी, सहायक लेखाधिकारी, अनुभाग अधिकारी व लिपिक अपने अनुभागों की लम्बित फाइलों के साथ सुबह मीटिंग हॉल में उपस्थित हुए। इस दौरान उपाध्यक्ष ने खुद लम्बित होकर प्रकरणों की समीक्षा की और फाइलों पर तुरंत निर्णय लेते हुए कार्रवाई सम्पादित करायी। सभी प्रकरणों का हुआ निस्तारण सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे में सभी लम्बित फाइलों पर शत-प्रतिशत कार्रवाई करते हुए कुल 132 फाइलें निस्तारित हुईं। इसके तहत रिफण्ड के 21, रजिस्ट्री के 25, फ्री-होल्ड के 16 और नामांतरण की 70 पत्रावलियों का निस्तारण हुआ। पीआईएमएस में दर्ज किया गया डाटा प्राधिकरण में आईटी अनुभाग के विशेष कार्याधिकारी रोहित सिंह ने बताया कि उपाध्यक्ष ने प्राधिकरण में जल्द से जल्द ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के आदेश दिये हैं। सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे में मौजूद सभी कर्मचारियों का डाटा पीआईएमएस शीट में दर्ज किया गया। जल्द ही कुछ अन्य औपचारिकताएं पूरी होने के बाद सभी विभागीय काम ई-ऑफिस के तहत सम्पादित किया जाएगा।

एलडीए ने अवैध व्यवसायिक निर्माणों को किया सील

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर शनिवार को प्रवर्तन जोन-5 की टीम ने जानकीपुरम क्षेत्र में अभियान चला कर 3 अवैध व्यवसायिक निर्माणों को सील कराया। प्रवर्तन जोन-5 के जोनल अधिकारी रविनंदन सिंह ने बताया कि संदीप कुमार व अन्य की ओर से जानकीपुरम में मिर्जापुर पुलिया से आगे ब्रदर्स स्टेशनरी के बगल में लगभग 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर लोअर ग्राउण्ड व अपर ग्राउण्ड फ्लोर पर दुकानें व प्रथम तल पर हॉल का निर्माण कराया जा रहा था। इसी तरह नरेन्द्र कुमार पाठक व अन्य की ओर से जानकीपुरम के मड़ियांव गांव स्थित सीता विहार कॉलोनी में लगभग 500 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर दो मंजिला व्यवसायिक भवन का निर्माण कराया जा रहा था। इसके अलावा विजय कनौजिया व अन्य की ओर से जानकीपुरम विस्तार के सेक्टर-4 में भूखण्ड संख्या 7/374 पर 2152 वर्गफिट क्षेत्रफल में बेसमेण्ट, भूतल, प्रथम व द्वितीय तल तक इमारत का निर्माण कराया जा रहा था।

खुनखुन जी महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

- डॉ. तक़ी आबिदी (कनाडा) की पुस्तक नन्दलाल नैरंग सरहदी का विमोचन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। खुनखुन जी महाविद्यालय में उर्दू विभाग की ओर से एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय था नन्दलाल नैरंग सरहदी शख्सियत और अदाबी खिदमात। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रवलन के द्वारा किया गया। तत्पश्चात सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और शॉल स्मृतिचिन्ह के द्वारा किया गया। उसके बाद डॉ. तक़ी आबिदी (कनाडा) की पुस्तक नन्दलाल नैरंग सरहदी का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्या प्रो. अंशू केडिया ज़ी ने अध्यक्ष के रूप में प्रो. कमर जहान (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय), मुख्य वक्ता डॉ. तक़ी आबिदी (कनाडा) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. अनवर पाशा (जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय) प्रो. मो. काज़िम (दिल्ली विश्वविद्यालय) डॉ. अतीक अहमद फारूकी (पूर्व प्राचार्य मुमताज़ पी. ज़ी. कॉलेज लखनऊ), एवं प्रो. नसीम अहमद खान (प्राचार्य मुमताज़ पी. ज़ी. कॉलेज, लखनऊ आदि उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता के रूप में कनाडा से आये हुए डॉ. तक़ी आबिदी ने नन्दलाल नैरंग सरहदी ज़ी के जीवन की कुछ यादगार घटनाओ को साझा किया। नंदलाल नैरंग सरहदी द्वारा लिखा गया साहित्य जो उर्दू अरबी और फ़ारसी के साथ साथ पश्तो की जुगलबंदी की बेहद खूबसूरत मिसाल है। पुस्तक- तामीरे बका जो 1100 पृष्ठों में प्रकाशित हुई है और तत्पश्चात यह मौजूदा समीक्षित पुस्तक जो कि नैरंग सरहदी के व्यक्तित्व और फ़न यानी कृतित्व पर है। कनाडा में रह रहे विद्वान डॉ सैयद तकी आबिदी ने अपनी कलम से नैरंग सरहदी व उनके रचना संसार और व्यक्तित्व को नए आयामों के साथ पेश किया है। कुल तीन सौ पृष्ठों में पाठकों के सामने इस बेमिसाल शायर को पुख्ता अंदाज़ में उकेरा गया है। इस बात का अंदाजा पाठक लगा सकता है की अजीम शायर ने 500 के करीब ग़ज़लें नज़्में, कतआत, मसनवियात और रूबाईयत से गुलिस्तान -ए-उर्दू को रंगीन कर दिया। नैरंग सरहदी की रचनाओं में अविभाजित भारत की यादें, बाद में दिल्ली और रेवाड़ी की बदलती हुई परिस्थितियों, लोगों के साथ साथ प्रशासन और मनोदशा के संजीदा और संवेदनाओं को झकझोरते प्रश्न उठाए गए हैं।

ग़ज़ल में ज़ात भी है और
कायनात भी है,।
हमारी बात भी है और तुम्हारी
बात भी है।।

सेमिनार के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता लुआक्टा अध्यक्ष मनोज पांडे तथा सह अध्यक्षता प्रो. दिलशाद अहमद अंसारी (अमरुद्दौल इस्लामिया डिग्री कॉलेज)द्वारा की गई। इस सत्र में लगभग 25 से अधिक शोध पत्र विश्वविद्यालय एवम विभिन्न महाविद्यालयोंसे आए हुए शिक्षको एवम शोधार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए।

इस संपूर्ण कार्यक्रम का संयोजन प्रो. रेशमा परवीन एवम सह संयोजन प्रो. चेतना सामंत द्वारा किया गया ,और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाओं एवम शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने सहयोग किया।यह संपूर्ण सेमिनार महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. अंशु केडिया के निर्देशन में संपन्न हुई।

झांसी मेडिकल कॉलेज हादसा सरकार की लपरवाही का नतीजा: अजय राय

- सभी पीड़ित परिवारों को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग
- मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य नरेन्द्र सिंह सेंगर के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने झांसी मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 बच्चों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। श्री राय ने आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही से इस तरह के दर्दनाक हादसे लगातार हो रहे हैं जो सरकार की अक्षमता की ओर इशारा करते हैं। यह हादसा अस्पतालों में सुरक्षा अपर्याप्त उपाय और वहां व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करता है। श्री राय ने सभी पीड़ित परिवारों को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य नरेन्द्र सिंह सेंगर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। श्री राय ने झांसी मेडिकल कॉलेज में हुई दर्दनाक घटना पर कहा कि झांसी मेडिकल कॉलेज में लगे अग्निशमन यंत्र एक्सपायर हो चुके और अपर्याप्त थे। यही नहीं फायर एलार्म भी काम नहीं कर रहा था और न ही कोई अस्पताल कर्मी इस तरह के हादसों से निपटने को प्रशिक्षित था। सरकार की संवेदनहीनता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिस जगह 10 बच्चों की दर्दनाक मौत हुई वहां 4 घण्टे बाद उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के स्वागत के लिए चूना छिड़कवाया जा रहा था। नवजात शिशुओं की दर्दनाक मौत पर अफसोस जताने के बजाए प्रशासन के लोग प्रत्यक्षदर्शियों को सच बोलने से रोकने को धमका रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पूरे देश में घूम-घूम कर बंटोगे तो कटोगे जैसे साम्प्रदायिक नारा देकर नफरत की आग भड़काने वाले योगी आदित्यनाथ अपने मुख्यमंत्री के दायित्वों से पूरी तरह विमुख हो चुके हैं।

मनाई गई ऊदा देवी पासी की जयंती

लखनऊ। वर्ष 1857 के विद्रोह की नायिका ऊदा देवी पासी की पुण्यतिथि शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह की मौजूदगी में मनायी गयी। दिनेश सिंह ने ऊदा देवी पासी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इसी तरह सिकंदरबाग चौराहा स्थित ऊदा देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर श्री सिंह ने कहा कि ऊदा देवी पासी एक भारतीय महिला स्वतंत्रता सेनानी थी, जिन्होंने 1957 के भारतीय विद्रोहे दौरान ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी के खिलाफ भारतीय सैनिकों की ओर से से युद्ध में भाग लिया था। ऊदा देवी बेगम हजरत महल की सेना का हिस्सा थीं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनाः एसओपी का करें पालन

- समारोह में क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित करना अनिवार्य
- अधिकारी वर-वधु के परिजनों से गरिमापूर्ण करें व्यवहार
- 100 से अधिक जोड़ों वाले विवाह समारोह में डीएम की उपस्थिति अनिवार्य : असीम

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता वाली मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को और अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने के लिए समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिख कर विभाग द्वारा बनायी गई एस0ओ0पी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर) का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि योजना का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों को सुगमता से मिल सके। समाज कल्याण मंत्री ने निर्देशों का पालन कराने की जिम्मेदारी सभी मंडलायुक्तों को सौंपी है। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने जिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि प्रदेश सरकार की अति महत्वपूर्ण मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की एसओपी विभाग द्वारा निर्गत की गयी है। इसका अनुपालन करते हुए विवाह समारोह आयोजित किया जाना है, ताकि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप सामूहिक विवाह समारोह को सुरूचिपूर्ण एवं गरिमामय तरीके से विभाग द्वारा जारी एसओपी का अनुपालन करते हुए आयोजित किया जा सके। निर्देशों में कहा गया है कि वर-वधु के परिजनों से गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाये, सभी अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें।

हज़रत फातिमा जहरा (स) की शहादत की याद में मजलिस-ओ-मातम का सिलसिला जारी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। पैगम्बर ए इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की बेटी हजरत फातिमा जहरा (स) की शहादत की याद में शनिवार को इमामबाड़ों, कर्बलाओ व मस्जिदों में मजलिस ओ मातम का आयोजन किया गया और उनके ताबूत की जियारत कराई गयी।

रौजाए जैनबया टिकैत राय तालाब में मजलिस को मौलाना रजा हुसैन ने खिताब किया। इससे पूर्व जफर फैजाबादी ने अपने कलाम पेश किये। इदारा मकसदे हुसैनी के द्वारा कश्मीर मोहल्ला में एमएच हॉल में चल रही मजलिसों का आज समापन हो गया। आज की मजलिस को मौलाना कल्बे जव्वाद ने खिताब किया। उन्होंने कहा कि जनाबे फातिमा जहरा (स) ऐसी महान महिला थीं, जिन्होंने अपने छोटे से जीवन में इस्लाम और इंसानियत के लिए महान कार्य अंजाम दिए। मजलिस का आगाज कारी तौहीद हुसैन ने कुरान की तिलावत के साथ किया। मजलिस के बाद कश्मीरी मुहल्ला स्थित एमएच हॉल से रुस्तम नगर स्थित दरगाह हजरत अब्बास तक कैंडल मार्च निकाला गया। अंजुमन गुंचाए मजलुमिया के वरिष्ठ सदस्य अफरोज आलम रिजवी मुन्ने की मजलिस का आयोजन अब्बासिया मस्जिद हसन पुरिया में किया गया। मजलिस को मौलाना फैज अब्बास मशहदी ने खिताब किया। उन्होंने नमाज की अहमियत को बयान करते हुए कहा कि अव्वले वक़्त नमाज की पाबंदी करो। मौलान ने जब जनाबे फातिमा पर पड़ी मुसीबतों को बयान किया।

अजादार रोने लगे मजलिस का आगाज कारी हबीब आलम रिजवी ने तिलावते कुराने पाक से किया। मजलिस के बाद अंजुमन लश्करे हुसैनी के नौहाख्वान आरिफ रजा और अंजुमन गुंचाए मजलुमिया के नौहाख्वान अजहर हुसैन ने नौहाख्वानी की। महिलाओं की मजलिस को जाकिरा शाजिया फातिमा ने खिताब किया। इमामबाड़ा उम्मुल बनीन मंसूर नगर में अंतिम मजलिस को मौलाना अफजाल हैदर रिजवी ने खिताब किया। मजलिसों का आयोजन अंजुमन उम्मुल बनीन ने किया है। मजलिस के आयोजक कुर्बान काजमी ने मजलिस में आये सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया। कर्बला दियानत उद दौला काजमैन रोड में मौलाना कम्बर अली रिजवी मजलिस को खिताब किया। मजलिस के बाद कर्बला परिसर में जुलूस की जियारत कराई गई। मजलिस का आगाज कारी मिर्जा मोहम्मद फुरकान तिलावते कुराने पाक से किया।